फिफ्टी शेड्स की 10 करोड़
से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं
फिफ्टी
शेड्स
फ्रीड
comicsmylife.blogspot.in
Fifty
Shades
Freed
ई. एल. जेम्स
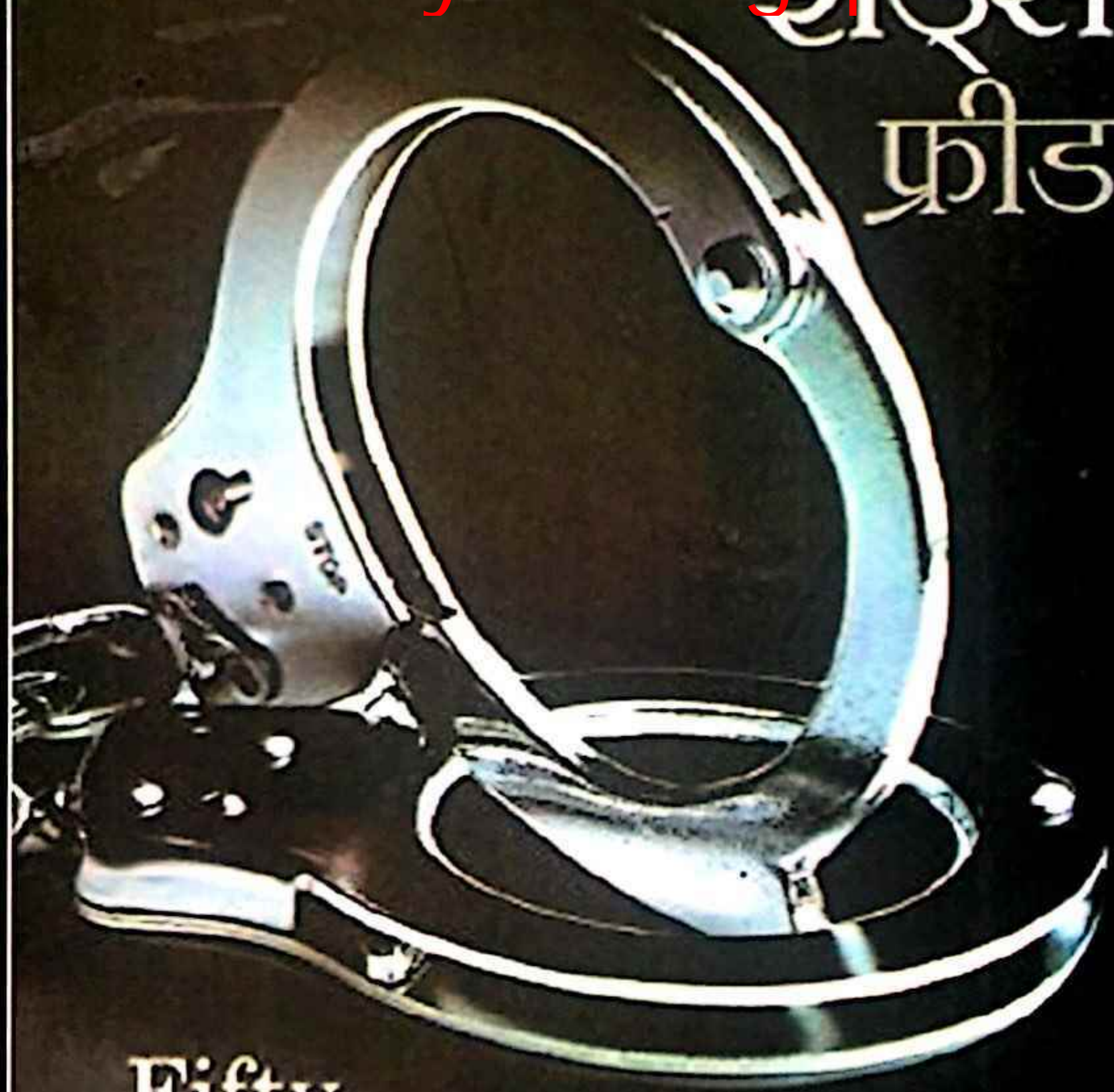
फिफ्टी शेड्स फ्रीड

ई एल जेम्स एक भूतपूर्व टी.वी एक्ज़ीक्यूटिव, पत्नी व दो बच्चों की मां हैं तथा पश्चिमी लंदन में रहती हैं। वे बचपन से ही ऐसी कहानियां लिखने के सपने देखा करती थीं जिन्हें पाठक चाव से पढ़ें किंतु परिवार व कैरियर के चलते उनके सपने साकार न हो सके। अंत में उन्होंने साहस कर कागज़-कलम उठाया और अपना पहला उपन्यास 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' लिखा। वह 'फिफ्टी शेड्स डार्कर' तथा 'फिफ्टी शेड्स फ्रीड' की भी लेखिका हैं।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

नई दिल्ली-मंगलवार, 25 जून 2013

50 शेड्स ऑफ ग्रे ने की
एक अरब की कमाई

लंदन। *ब्रिटेन में आर्थिक मंदी से लोगों के आय में गिरावट आ रही है वहीं, दूसरी ओर 50 शेड्स ऑफ ग्रे की लेखिका ई.एल. जेम्स अरबों में खेल रही हैं। रविवार को उनकी कंपनी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दो शृंखलाओं में प्रकाशित इस किताब ने पिछले छह महीने में 1.26 करोड़ पाउंड (करीब 1.1 अरब रुपये) की कमाई की है। दुनिया भर में इस किताब की सात करोड़ प्रतियां बिकी हैं। करों का भुगतान करने बाद जेम्स को 80 लाख पाउंड का शुद्ध लाभ हुआ है। इनमें से दस लाख पाउंड उन्होंने धर्मार्थ कार्यों के लिए दान दिया है। जेम्स पहले ही बता चुकी हैं कि उनकी यह किताब तीन भागों में प्रकाशित होगी।*

ई एल जेम्स द्वारा लिखित पुस्तकें

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे

फिफ्टी शेड्स डार्कर

फिफ्टी शेड्स फ्रीड

(तीसरा और अंतिम भाग)

अमेरिकी उद्यमी क्रिस्टियन ग्रे और साहित्य की छात्रा एनस्टेशिया स्टील के बीच अनोखे और सम्मोहक प्रसंग का ताना–बाना बुनने वाली इस पुस्तक को हिन्दी के पाठकों का भरपूर स्नेह मिला। इससे उत्साहित होकर हम फिफ्टी शेड्स का तीसरा भाग आपके हाथों में सौंप रहे हैं। विश्वास है कि इसे भी आपका पूरा समर्थन मिलेगा।

फिफ्टी शेड्स
फ्रीड

(जिसकी 10 करोड़ से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं)

ई. एल. जेम्स

आभार

मेरे लिए किसी चट्टान जैसा काम करने वाले निआल, बहुत-बहुत धन्यवाद। कैथलीन के नाम, जो मेरे लिए एक मजबूत सहारा, दोस्त, विश्वासपात्र व तकनीकी मददगार रही है।

अंतहीन नैतिक समर्थन के लिए बी को धन्यवाद!

टेलर(एक और तकनीकी कारीगर), सूसी, पैम व नोरा के नाम। तुम लोगों के साथ अच्छा वक्त बीता।

मैं इनके परामर्शों व हुनर के लिए धन्यवाद देना चाहती हू:

डॉक्टर रैना स्लडर ने मेडिकल से जुड़ी सारी जानकारी दी; एनी फोरलाइस ने वित्तीय परामर्श दिया। एलिजाबेथ डिवोस ने अमरीकी दत्तक तंत्र के बारे में सलाह दी।

मैडी ब्लैंडीनो को उसकी अनूठी व प्रेरक कला के लिए धन्यवाद!

शनिवार सुबह की कॉफी तथा मुझे हकीकत की दुनिया में वापिस लाने के लिए पैम व गिलियन को धन्यवाद!

मैं अपने संपादन टीम की एंड्रिया, शे व हमेशा प्यार दिखाने वाली और कभी-कभी गुस्से में आने वाली जैनी को धन्यवाद देना चाहूंगी जिसने मेरे रोष को भी धैर्य, लगन और हास्यबोध के साथ सहन किया।

अमांदा और राइटर्स कॉफी शॉप पब्लिशिंग हाउस को धन्यवाद और अंत में विंटेज में सभी के प्रति आभार प्रकट करना कैसे भूल सकती हू।

प्रस्तावना

मॉमी! मॉमी! मॉमी फर्श पर लेटी हैं। वह काफी लंबे समय से सोई पड़ी हैं। मैंने उनके बालों में ब्रश किया क्योंकि उन्हें ऐसा करना अच्छा लगता है। वह नहीं उठतीं। मैंने उन्हें हिलाया। मॉमी! मेरा पेट दुख रहा है। मुझे भूख लगी है। वह यहां नहीं है। मैं प्यासा हूं। मैं किचन में एक कुर्सी सिंक तक खींच कर ले गया और वहां से पानी पिया। पानी मेरे नीले स्वेटर पर छलक जाता है। मॉमी अब भी सो रही हैं। मॉमी उठो। वे अब भी लेटी हैं। उनका शरीर ठंडा पड़ गया है। मैं अपने कंबल से मॉम को ढक देता हूं और उनके पास बिछे हरे पायदान पर लेट जाता हूं। वे अब भी सो रही हैं। मुझे लगता है कि वे बीमार हैं। मैं खाने के लिए कुछ खोजता हूं। मुझे फ्रीज़र में कुछ मटर पड़े मिलते हैं। वे ठंडे हैं। मैं उन्हें धीरे-धीरे खाता हूं। इसका स्वाद बड़ा गंदा है। इससे मेरा पेट दर्द होने लगता है। मैं मम्मी के पास सो गया। मटर हजम हो गए। फ्रीजर में कुछ रखा है। उसमें से अजीब-सी गंध आ रही है। मैंने उसे चाटा तो मेरी जीभ उस पर चिपक गई। मैं धीरे-धीरे खा रहा हूं। उसका स्वाद बड़ा गंदा है। मैंने थोड़ा पानी पीया। अपनी कार से खेला और मॉमी के साथ सो गया। मॉमी बहुत ठंडी हो गई है। वह उठती ही नहीं। तभी दरवाजा खुलता है। मैं मम्मी को अपने कंबल से ढकता हूं। ओह! वह आ गया। यहां हुआ क्या है? ओह ये कमीनी औरत। शिट। *नन्हे कमीने! मेरे रास्ते से हट जा।* उसने मुझे ठोकर मारी और मेरा सिर दीवार से जा टकराया। मेरा सिर दुख रहा है। वह किसी को बुलाते हुए बाहर चला गया है। वह दरवाजा बंद कर देता है। मैं मम्मी के पास लेटा हूं। लेडी पुलिसमैन आ गई। नहीं! नहीं! नहीं। मुझे हाथ मत लगाओ। हाथ मत लगाओ। हाथ मत लगाओ। मुझसे दूर रहो। मैं मम्मी के पास रहूंगा। वह मुझे मेरे कंबल सहित लपक लेती है। मैं चिल्लाता हूं। *मम्मी! मम्मी! मुझे मेरी मम्मी चाहिए।* वे शब्द कहां गए। मैं उन शब्दों को कह नहीं सकता। मम्मी मुझे सुन नहीं सकती। मेरे पास कोई शब्द नहीं है।

"क्रिस्टियन! क्रिस्टियन!" उसका स्वर उसे बुरे सपने से खींचकर बाहर ले आता है। मैं यहां हूं। मैं यहां हूं।

वह जाग जाता है। वह उसके कंधों पर झुककर, उसके कंधों को हिलाते हुए जगा रही है। उसके चेहरे पर दुख के भाव हैं और नीली आंखों में आंसू उमड़ रहे हैं।

"एना! " इस एक शब्द के साथ ही क्रिस्टियन का सारा भय भी सामने आ जाता है। तुम यहां हो

"हां, मैं तुम्हारे पास हूं।"

"मैं सपना देख रहा था"

"हां! हां। मैं यहीं हूं।"

"एना! " उसने ऐसे कहा मानो उसके पूरे शरीर में फैल रहे भय को दूर भगाने के लिए यह कोई मंत्र हो।

"शी......मैं यही हूं।" उसने उसे अपने शरीर के साथ लपेट लिया। उसके शरीर की गरमाहट भय को दूर करने में मदद कर रही है। *वह सूरज की रोशनी है...एक उजली रोशनी है। वह उसकी है।*

"प्लीज! हम लड़ाई नहीं करेंगे।" उसने उसके आसपास बाजुओं का घेरा डालते हुए खुरदुरे सुर में कहा।

"अच्छा।"

"वे कसमें। बात न माना। मैं वह सब कर सकता हूं।" हम कोई रास्ता निकाल लेंगे। भावों, उलझन तथा उद्वेग के बीच उसके मुंह से ये शब्द निकलते जा रहे हैं।

"हां। हम ऐसा ही करेंगे। हम कोई उपाय खोज लेंगे।" वह हौले से बोली। उसने अपने होंठ, उसके होंठों पर रख दिए और उसे वर्तमान में खींच लाई।

अध्याय-1

मैंने एक संतुष्टि भरे अहसास के साथ आकाश के चंदोवे में नीले रंग की अलग-अलग छटाओं को निहारा। क्रिस्टियन मेरे पास ही एक धूपकुर्सी पर पसरा है। मेरा पति- मेरा हॉट खूबसूरत पति, वह बिना शर्ट के, नए फैशन की जींस में लेटा एक किताब पढ़ रहा है, जो पश्चिमी बैंकिंग तंत्र के पतन की भविष्यवाणी कर रही है। बेशक किताब में जान होगी क्योंकि मैंने तो उसे आज तक इतना स्थिर नहीं देखा। वह यू.एस. की निजी स्वामित्व वाली टॉप कंपनियों में से एक का सीईओ लगने की बजाए, एक छात्र जैसा दिख रहा है।

हम अपने हनीमून के आखिरी चरण में, मोनाको के बीच प्लाज़ा मौंटी कार्लो सागर तट पर, धूप में लेटे सुस्ता रहे हैं, हालांकि हम यहां होटल में नहीं ठहरे। मैंने आंखें खोलीं और बंदरगाह पर खड़ी अपनी नाव फेयर लेडी को निहारा, जो कि एक लक्ज़री मोटर यॉट है। हम इसी आलीशान विलासिता से परिपूर्ण बोट पर रह रहे हैं। 1929 में बनी निर्मित बंदरगाह की रानी कही जा सकती है। इसकी शान ही निराली है। यह बच्चों के खिलौने जैसी दिखती है। क्रिस्टियन को बेहद पसंद आई। मुझे तो लगता है कि वह शायद इसे खरीदने की फ़िराक में है। ओह! ब्वॉयज़ और उनके ट्वॉयज़।

मैं बैठकर अपने आई पॉड पर क्रिस्टियन ग्रे मिक्स सुनने लगी। इस अलसाई दोपहरी में मुझे उसके प्रस्ताव की याद आ गई। ओह, उस बोटहाउस में उसका सपनों से भी हसीन प्रस्ताव......मैं अब भी उन फूलों की गंध को महसूस कर सकती हूं.......

"क्या हम कल शादी कर सकते हैं?" क्रिस्टियन मेरे कानों में हौले से फुसफुसाया। मैं जुनून से भरे उन पलों से तृप्त होने बाद बोटहाउस के फूलों से घिरे कुंज में, उसकी छाती पर पसरी हुई हूं।

"हुम्म।"

"क्या मैं इसे एक 'हा' मानूं?" मैंने उसकी उम्मीद से भरी-पूरी हैरानी को सुना। "हुम्म"

"एक 'न' मानूं?"

मैंने उसकी मुस्कान को महसूस किया। "मिस स्टील आप बोल नहीं पा रही हैं?" मैंने भी मुस्कान दी। "हुम्म!!!"

वह हंसा और मुझे कसकर गले से लगा लिया, मेरा माथा चूमकर बोला

"वेगास। कल। हो जाए फिर?"

मैंने अपनी उनींदी आंखें उठाईं, "मुझे नहीं लगता कि मेरे पेरेंट्स को ये बात ज़्यादा पसंद आएगी।"

उसकी अंगुलियों के पोर मेरी नंगी पीठ को हौले-हौले सहला रहे थे।

"एनस्टेसिया, तुम क्या चाहती हो? वेगास? सारे ताम-झाम के साथ एक आलीशान शादी? बोलो न?"

"नहीं, ज्यादा बड़ी नहीं............ बस दोस्त और परिवार।" मैं उसे निहारती रही। उसकी चमकती सलेटी आंखों से मानो बंध गई थी। वह चाहता क्या था?

" ओ के।" उसने हामी भरी। "कहां?"

मैंने कंधे झटके।

"क्या हम यहां कर सकते हैं?" उसने यूं ही पूछ लिया?

"तुम लोगों के यहां? उन्हें अजीब तो नहीं लगेगा?"

वह झट से बोला "मेरी मॉम तो सातवें आसमान पर होंगी।"

"ओ के। यहीं। मुझे पक्का यकीन है कि मेरे मॉम और डैड भी यही चाहेंगे।" उसने मेरे बाल थपथपाए। क्या मैं इससे ज़्यादा खुशी कहीं और पा सकती थी? "तो हमने तय कर लिया है। कहां, कब और कैसे?"

"वैसे तुम्हें अपनी मॉम से पूछ लेना चाहिए।"

"हुम्म!! क्रिस्टियन की मुस्कान मंद हो गई। वह पूरा महीना ले सकती हैं। बस यही काफी होगा। मैं तुम्हारे लिए अब इससे ज़्यादा इंतज़ार नहीं कर सकता।"

"क्रिस्टियन, मैं तुम्हारे पास ही तो हूं। एक महीना बड़ी बात नहीं होगी।" मैंने कहा और उसकी छाती पर एक मुलायम-सी नर्म किस के साथ मुस्कान दी।

"तुम जल जाओगी।" वह मेरे कान में फुसफुसाया और मुझे मेरी नीम बेहोशी से चौंका कर जगा दिया।

"बस तुम्हारे लिए।" और मैंने उसे अपनी सबसे भीनी मुस्कान दी। ढलती दोपहर का सूरज भी जा रहा था और मैं उसकी पूरी आभा से नहाई हुई थी। वह खीसें निपोरते हुए एक ही झटके में मेरे सन लाउंज को छतरी की छांव में खींच ले गया।

"मैडीटेरेनियन सन से परे। मिसेज ग्रे! "

"मि. ग्रे! इस भलाई का शुक्रिया। "

"मिसेज ग्रे! ये मेरी खुशकिस्मती है पर इसमें मेरी कोई भलमनसाहत नहीं है। अगर तुम जल गईं तो मैं तुम्हें छू नहीं पाऊंगा।" उसने अपनी एक भौं उठाई, उसकी आंखें खुशी से नाच रही थीं और मेरा सीना खुशी से फूल उठा। "पर मुझे लगता है कि तुम मेरा मज़ाक उड़ा रही हो।"

"क्या मैं ऐसा कर रही थी?" मैंने बड़ी ही मासूमियत दिखाई ।

"हां, तुम अक्सर ऐसा करती हो। मुझे तुम्हारी बहुत सी बातों में से इस बात पर भी बड़ा ही प्यार आता है ।" वह झुका और बड़े ही नटखट अंदाज़ में चूमते हुए मेरे निचले होंठ को काट लिया।

"मैं तो सोच रही थी कि शायद तुम मुझे कुछ और सनस्क्रीन लगा दोगे।" मैंने मुंह बनाया।

"मिसेज ग्रे! ये एक बेहूदा काम है... पर मैं इस पेशकश को ठुकरा भी नहीं सकता, बैठो।" उसने अपने भारी स्वर में आदेश दिया। मैंने वही किया जो मुझे करने को कहा गया था और वह मुझे अपनी मजबूत और लहरदार अंगुलियों से सनस्क्रीन लगाने लगा।

"तुम सचमुच बड़ी प्यारी हो। मैं किस्मत वाला हूं।" वह मेरे वक्षस्थल के आसपास लोशन लगाते हुए बुदबुदाया।

"हां, तुम किस्मत वाले हो मि. ग्रे।" मैंने अपनी पलकें झपकाते हुए अदा बिखेरी। "मिसेज ग्रे! पीछे की तरफ पलटो। मैं तुम्हारी पीठ पर लोशन लगाना चाहता हूं।" मैंने मुस्कुराते हुए करवट ली और उसने मेरी भयंकर रूप से महंगी बिकनी का पिछला स्ट्रैप खोल दिया।

"अगर मैं भी बीच पर दूसरी औरतों की तरह टॉपलैस होकर घूमती तो तुम्हें कैसा लगता?" मैंने पूछा।

"बुरा लगता।" वह बेहिचक बोला। "मुझे ये छोटे कपड़े बिल्कुल पसंद नहीं हैं। वह नीचे की तरफ झुका और मेरे कान में बोला। "तुम कोशिश भी मत करना मिसेज ग्रे! "

"क्या ये एक चैलेंज है? मि. ग्रे?"

"नहीं, ये तो हकीकत है। मिसेज ग्रे"

मैंने आह भरी और अपना सिर हिलाया। ओह क्रिस्टियन... मेरा पजेसिव, जलनखोर और बीबी को अंगूठे के नीचे दबाकर रखने वाला पति!

लोशन लगाने के बाद उसने मेरे कूल्हे पर हाथ दे मारा।

"हो गया छोकरी।"

तभी उसका हमेशा मौजूद और सक्रिय रहने वाला ब्लैकबैरी बोल उठा। मैंने त्यौरी चढ़ाई तो उसने खीसें निपोर दीं।

उसने शरारती अदा से एक भौं उठाई और मेरे पीछे एक और धौल जमाकर अपने लाउंज पर जा बैठा। वह अब कॉल ले रहा था।

मैं मन ही मन योजना बनाने लगी कि शायद आज रात मैं उसकी आंखों के लिए कुछ अलग तरह का इंतज़ाम कर सकूं। मैं मन ही मन इस सोच पर खुश हुई और फिर से अलसाई नींद में खो गई ।

"हुम्म..." क्रिस्टियन के धाराप्रवाह फ्रेंच उच्चारण को सुन कर मेरी नींद टूटी। मेरी पलकें धूप में फड़फड़ा रही थीं और मैंने अपने पति को मुझे ही घूरते पाया। पास से एक युवती हाथ में ट्रे लिए अपनी सुनहरी भूरी पोनीटेल हिलाती वहां से निकल गई।

"प्यास लगी है?" उसने पूछा

"हां।" मैंने अपनी तंद्रा में ही जवाब दिया।

"मैं तुम्हें इसी तरह बिना थके सारा दिन देख सकता था।"

मैं शरमा गई। "कल रात पूरी नींद नहीं मिल सकी। "

"मुझे भी नहीं।" वह अपना फोन नीचे रखकर मुस्कुराया और खड़ा हुआ। उसके शॉर्टस थोड़े नीचे खिसक गए और स्विम ट्रंक दिखाई देने लगे। उसने अपने शार्ट्स उतार दिए और फिलिप-फलॉप भी वहीं छोड़ दिए। मैं अपने ख़्यालों की दुनिया से बाहर आई।

"मेरे साथ तैरने चलो।" उसने मेरा हाथ थामकर कहा और मैं बोली, "तैरने?" उसने फिर से अपना सिर एक और झुकाते हुए प्यार से मनुहार की, उसके चेहरे का भाव देखने लायक था। जब मैंने जवाब नहीं दिया तो उसने अपना सिर धीरे से हिलाया।

"मुझे लगता है कि तुम्हें एक वेक-अप कॉल देनी होगी" अचानक उसने एक ही झटके में मुझे अपनी बांहों में उठा लिया। मैं तो हैरानी से हक्की-बक्की रह गई।

"क्रिस्टियन मुझे नीचे उतारो।" मैंने किलकारी भरी।

उसने चुटकी ली। "अब तो सवारी समुद्र में ही उतरेगी।"

समुद्र के किनारे धूप सेंकने वालों ने बड़े ही उदासीन भाव से इस दृश्य को देखा और मैं वहां के लोगों की सोच पर हैरान हो गई।

मैंने अपनी बांहें उसकी गर्दन के आसपास जकड़ दीं। "तुम ऐसा नहीं करोगे।" मैंने उखड़ी सांसों पर काबू कर हंसी रोकते हुए कहा।

"ओह एना बेबी! हम दोनों जब से मिले हैं, तुमने तो कुछ नहीं सीखा।" उसने मुझे चूमा और मैंने भी मौका पाते ही, अपनी अंगुलियां उसके बालों में फिराईं और दोनों हाथों से उसके बाल मुट्ठियों में भरते हुए झट से मुंह चूम लिया। उसने गहरी सांस ली और पीछे की तरफ झुका।

"मैं तुम्हारी हर अदा जानता हूं।" वह हौले से बोला और मुझे चूमते हुए गहरे, ठंडे और साफ पानी के बीच ले गया। अपने पति की बांहों के घेरे में जैसे पानी की ठंडक भी कहीं खो गई थी।

"मैंने सोचा कि तुम तैरना चाहते थे।" मैं उसके कानों के पास जाकर बोली। "तुम मेरा ध्यान बंटा रही हो।" क्रिस्टियन ने मेरे निचले होंठ से खेलते हुए कहा। "पर मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि मौंटी कार्लो के लोग मेरी बीवी को जुनून के बीच झूमता देखें।" मैंने उसके जबड़े के आसपास अपने दांत चलाए, मुझे उस समय मौंटी कार्लो के लोगों की कोई परवाह नहीं थी।

"एना।" उसने मेरी पोनीटेल अपनी कलाई पर लपेटी और मेरा सिर पीछे की तरफ धकेल दिया। वह मेरे कान से गर्दन तक चुंबनों की बौछार करता चला गया।

"क्या मैं तुम्हें अपने साथ समुद्र में ले चलूं।" वह बोला

"हां।" मैंने हौले से कहा।

क्रिस्टियन ने मुझे सिर से पांव तक निहारा। "मिसेज ग्रे! तुम कितनी ढीठ और बेहया हो गई हो। मुझे तो यकीन नहीं आता कि मैंने कैसी राक्षसनी तैयार कर दी है।"

"हां! एक ऐसी चुड़ैल, जो तुम्हारे लिए पूरी तरह से फिट है। क्या तुम मुझे किसी दूसरे तरीके से भी ले सकते हो?"

"मैं तुम्हें किसी भी रूप में ले लूंगा और तुम ये जानती हो। लेकिन अभी नहीं। इतने दर्शकों के बीच तो किसी हाल में नहीं!" उसने अपने सिर को किनारे की ओर झटका दिया।

"*क्या?*"

बेशक समुद्रस्नान के लिए आए बहुत से लोग अब हमारे लिए काफी दिलचस्पी दिखा रहे थे। अचानक उसने मुझे बांहों में भरकर उछाला और पानी में गिरने दिया। मैं पानी में गोता खाकर नीचे की रेत तक जा पहुंची। जब मैं हांफती, खांसती बाहर आई तो उसे घूरते हुए फटकारा "मैंने तो यही समझा था कि हम यहां कुछ प्यार भरे पल बिताने आए हैं ताकि हमारी लिस्ट में एक और 'फर्स्ट' जुड़ जाए।" उसने अपना निचला होंठ दांतों में दबा कर विस्मय जाहिर किया। मैंने उस पर पानी उलीचा तो वह भी पीछे न रहा।

"हमारे पास पूरी रात पड़ी है।" उसने एक बेवकूफ की तरह खीसें निपोरीं। "बाद में बेबी!!" उसने सागर में गोता मारा और मुझसे तीन फीट की दूरी पर बाहर निकला और फिर बड़ी ही तरलता और मर्यादित गति से तैरता हुआ किनारे से और मुझसे दूर निकल गया।

ओफ्फ... खिलंदड़ा और ललचा देने वाला फिफ्टी! मैंने उसे जाते देखा और सूरज की धूप से बचाव के लिए आंखों पर हाथ रख लिया। ये तो बहुत सताता है... मैं उसे वापिस लाने के लिए क्या कर सकती हूं? मैंने किनारे की ओर जाते समय अपने विकल्पों पर गौर किया। लाउंज में हमारे ड्रिंक्स आ गए थे। मैंने अपने डाइट कोक का एक सिप लिया।

क्रिस्टियन दूर से एक छोटे धब्बे जितना दिख रहा था।

हुम्म... मैं सीधा लेट गई, अपनी बिकनी टॉप के फीतों से उलझते हुए उन्हें खोला और क्रिस्टियन की सन लाउंज पर डाल दिया। "देखो तो...... मैं कितनी बेहयाई दिखा सकती हूं, मि. ग्रे। इसे अपनी पाइप में डाल कर पी लो।" मैंने आंखें मूंद लीं और सूरज की धूप को इजाज़त दी कि वह मेरे पोर-पोर को अपनी गरमाहट से भर दे। धूप की गुनगुनाहट के बीच ही मेरी सोच शादी वाले दिन पर जा अटकी।

"अब आप अपनी दुल्हन को चूम सकते हैं।" रेवरेंड वाल्श ने ऐलान किया। मैं अपने पति की ओर देख मुस्कुराई

"आखिकर तुम मेरी हो ही गई।" वह फुसफुसाया और अपनी बाहों में लेते हुए होठों पर बड़े ही दुलार से चुंबन दिया।

"मेरी शादी हो गई। मैं मिसेज क्रिस्टियन ग्रे हूं।" मैं खुशी से झूम उठी।

"एना! तुम बहुत खूबसूरत दिख रही हो।" वह धीरे से बोलकर मुस्कुराया। उसकी आंखों में मेरे लिए प्यार का सागर हिलोरें ले रहा था और कुछ गहरा......और हॉट भी था।

"मेरे सिवा किसी को भी ये ड्रेस उतारने मत देना, समझीं।" जैसे ही उसने मुस्कुराते हुए मेरे गाल पर अपनी अंगुली फेरी तो मेरे खून में तेज़ लहर दौड़ गई

"होली क्रेप!... उसने ऐसे किया कैसे? वह भी यहां इतने लोगों की घूरती आंखों के बीच?"

मैंने बिना कुछ कहे गर्दन हिला दी। ओह गॉड! काश किसी ने ये सुना न हो। किस्मत अच्छी थी कि उस समय रेवरेंड भी किसी काम से थोड़ा पीछे हट गए थे। मैंने शादी में शामिल होने आए लोगों पर एक नज़र मारी.........मेरी मॉम, रे, बॉब और सारा ग्रे परिवार तालियां बजा रहे थे- यहां तक कि मेरी मेड ऑफ ऑनर केट भी हल्के गुलाबी रंग में खूब फब रही है, वह क्रिस्टियन के भाई इलियट के साथ खड़ी है, जो बेस्ट मैन बना है। कौन जानता था कि इलियट भी इतना सुंदर दिख सकता है। सबके चेहरों पर बड़ी-सी मुस्कान है- बस ग्रेस एक कोने में सफेद रुमाल हाथ में थामे रो रही है।

"पार्टी के लिए तैयार, मिसेज ग्रे?" क्रिस्टियन हौले से बुदबुदाया और अपनी लजीली सी मुस्कान दी। मैं वहीं पिघल गई। वह सिल्वर वेस्टकोट, टाई और सादे काले टक्स में कितना दैवीय दिख रहा है। वह बड़ा ही...डैशिंग है।

"मैं तो हमेशा से ही तैयार हूं।" मैंने अपने चेहरे पर एक प्यारी-सी मुस्कान सजा दी। बाद में शादी की दावत रंग में आ गई..................कैरिक और ग्रेस शहर गए थे। वहां उन्होंने खाड़ी के सामने ही टैंट सैटअप करवाया, जो साइडों से खुला था और हल्के गुलाबी, सिल्वर और सफेद रंगों में फब रहा था। उस दिन का मौसम भी बड़ा

हसीन था और दोपहर के बाद पानी पर सूरज की झिलमिलाती रोशनी पड़ रही थी। टैंट के एक कोने में नाचने के लिए फ्लोर बनाया गया था और दूसरी ओर बुफे का इंतजाम था।

रे और मेरी मां एक साथ नाचते हुए हंस रहे हैं। उन्हें देखते हुए मेरे मन में खट्टी मीठी यादें जाग रही हैं। मैंने उम्मीद की कि मैं और क्रिस्टियन हमेशा साथ रह सकेंगे। मैं नहीं जानती कि अगर उसने मुझे छोड़ दिया तो मेरा क्या होगा। मुझे बार-बार यही शब्द याद आते रहते हैं- मैरी इन हेस्ट, रिपेंट एट लैयर यानी जल्दबाजी में शादी की तो आराम से पछताना होगा।

केट मेरे पीछे है, वह अपने सिल्क के लंबे गाउन में बहुत प्यारी लग रही है। उसने मुझे देख कर आंख दिखाई। हे! "ये तो तेरी ज़िंदगी का सबसे खुशनुमा दिन है।" उसने फटकार दी–

"हां, है तो।" मैं बोली

"ओह एना! क्या हुआ? क्या तू रे और मॉम को देखकर दुखी है?"

मैंने उदासी के साथ गर्दन हिलाई।

"वे तो बहुत खुश हैं।"

"अलग हो कर!"

"तुझे अपने लिए कोई शक है?"

"नहीं, बिल्कुल नहीं। बस बात इतनी है कि मैं उसे ...बहुत प्यार करती हूं।" मैं इस तरह जड़ हो गई कि आगे की बात कह ही नहीं सकी।

"एना! मैं मानती हूं कि तुम दोनों के रिश्ते की शुरूआत बहुत ही गैरपारंपरिक तरीके से हुई। पर मैं ये भी देख सकती हूं कि पिछले कुछ महीनों में तुम दोनों एक दूसरे के साथ कितने खुश रहे हो। उसने मेरे हाथ अपने हाथों में थाम कर दबा दिए। वैसे भी अब तो बहुत देर हो चुकी है।" साथ ही वह मखौल करने से भी बाज़ नहीं आई।

मैं भी हंस दी। उसने मुझे कैथरीन कावाना स्पेशल हग देते हुए कहा "अगर उसने तेरे दिल को इतनी सी भी ठेस पहुंचाई तो उसे मुझे जवाब देना होगा।" फिर वह मुझे अलग करते हुए पीछे की तरफ से दिख रहे इंसान को देखकर मुस्कुराई।

"हाय बेबी!" क्रिस्टियन ने मेरी कमर में अपनी बांह का घेरा डालकर हैरान कर दिया और माथे पर चूमा। "केट?" उसने पूछा। वह छः सप्ताह बाद भी उससे खुल नहीं पाया।

"क्रिस्टियन, हैलो! मैं तुम्हारे बेस्ट मैन को खोज कर लाती हूं। वह मेरा भी बेस्ट मैन है।" वह हम दोनों को देख कर मुस्कुराई और इलियट की ओर चल दी, जो अपने भाई ईथन और हमारे दोस्त जोस के साथ ड्रिंक ले रहा है ।

"जाने का समय हो गया।" क्रिस्टियन हौले से बोला

"अभी से? ये पहली पार्टी है, जहां मुझे आकर्षण का केंद्र बनने में कोई परेशानी नहीं हो रही।" मैं उसकी बांहों में मुड़ी ताकि उसकी तरफ मुंह कर सकूं।

"हां, क्यों नहीं! तुम बहुत प्यारी दिख रही हो। एनस्टेसिया

"तुम भी तो..."

"वह मुस्कुराया और बोला। "सच ये ड्रेस तो गज़ब ढा रही है।"

"ओह ये?" मैं शरमा गई और अपनी पोशाक के लेस के एक धागे को पकड़कर खींचा, इसे केट की मां ने बड़े प्यार से मेरे लिए डिजाईन किया था। ये जो कंधों से नीचे लेस जा रही है। ये मुझे बड़ी पसंद आई। सौम्य और फिर भी थोड़ा सा ललचा देने वाली!! मैंने उम्मीद की।

वह झुका और मुझे चूमा, "चलो चलें । अब मैं तुम्हें इन लोगों के साथ और नहीं बांट सकता।"

"क्या हम अपनी ही शादी की पार्टी छोड़ कर जा सकते हैं?"

"बेबी! ये हमारी पार्टी है। हमारे जो जी में आए, हम कर सकते हैं। हमने केक भी काट दिया है। और अब मैं तुम्हें इन सब लोगों के बीच से तिड़ी कर ले जाना चाहता हूं।"

मैं हौले से हंस दी। " मि. ग्रे! अब तो मैं सारी ज़िंदगी आपके साथ ही रहने वाली हूं।" "मिसेज ग्रे! सुन कर खुशी हुई।"

"ओह! तुम दोनों यहां हो। लवबर्ड्स!"

मैंने मन ही मन आह भरी......"ग्रेस की मां ने हमें खोज लिया।"

"क्रिस्टियन डार्लिंग! अपनी ग्रेंडमा के साथ एक और डांस हो जाए।"

क्रिस्टियन के होंठ हिले। "क्यों नहीं ग्रेंडमा..."

"और तुम खूबसूरत एनस्टेसिया! जा कर किसी बूढ़े का दिल बहलाओ। तुम थिओ के साथ नाचो।"

"थिओ, मिसेज ट्रैवलियन?"

"ग्रेंडपा ट्रैवलियन और मेरे हिसाब से तुम मुझे ग्रेंडमा कह सकती हो। अब तुम दोनों को पूरी गंभीरता के साथ मेरे पोते-पोतियों के बारे में सोचना होगा। मैं ज़्यादा दिन तक नहीं जीने वाली।" उन्होंने हम दोनों को एक मीठी-सी मुस्कान दी।

क्रिस्टियन ने उन्हें डरी हुई निगाहों से देखा। वह उन्हें झट से हाथ पकड़ कर डांस फ्लोर पर ले गया। फिर उसने मुझे मुड़ कर देखा और होंठ सिकोड़ कर आंखें नचाईं। "बाद में बेबी!!"

मैं ग्रेंडपा की तरफ जाने लगी तो जोस साथ चल दिया

"मैं तुम्हें एक और डांस के लिए नहीं कहूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि आज डांस फ्लोर पर तुम्हारे साथ सारा वक्त मैं ही बिता दूं...वैसे मैं तुम्हें खुश देखकर बहुत खुश हूं, पर एना मैं सीरियसली कह रहा हूं, कभी भी मेरी जरूरत हो, तो मैं हाजिर हूं।"

"जोस! थैंक्स, तुम एक अच्छे दोस्त हो। "

मैं सच कह रहा हूं। जोस की आंखें उसकी कही बात की सच्चाई से दमक रही थीं। "मुझे पता है, थैंक्स जोस! प्लीज़ एक्सक्यूज़ मी! मेरी एक बूढ़े सज्जन के साथ डेट

है।"

उसने उलझन के साथ एक भौं नचाई

"क्रिस्टियन के नाना जी।" मैंने सफाई दी।

वह मुस्कुराया। ओह! "ऑल द बेस्ट । पूरे जीवन के लिए मेरी ओर से ढेरों शुभकामनाएं।"

"थैंक्स जोस!"

क्रिस्टियन के सुदर्शन नानाजी के साथ डांस के बाद मैं फ्रेंच दरवाजों के पास खड़े हो कर सिएटल में डूबते सूरज को देखने लगी, जिसने खाड़ी के उस पार हल्के संतरी और नीले रंग की परछाई डाल दी थी।

"चलें!" क्रिस्टियन भी वहीं आ गया।

"मुझे कपड़े बदलने हैं।" मैंने उसका हाथ थामा ताकि उसे अपने साथ ऊपर ले जा सकूं। उसने कुछ समझ न आने पर त्योरी चढ़ाई और मुझे रोकने के लिए हाथ को हल्का सा खींचा।

"मुझे तो लगा कि तुम शायद ये ड्रेस सबसे पहले उतारना चाहते थे।" मैंने अपनी सफाई दी। उसकी आंखें दमक उठीं।

"बिल्कुल ठीक!... पर मैं यहां तुम्हारे ये कपड़े नहीं उतारने वाला। जब तक हम यहां से चले नहीं जाते...या अभी से क्या कहूं......।" उसने लंबी अंगुलियों वाला हाथ हिलाया और वाक्य बीच में ही छोड़ दिया हालांकि वह अपनी बात का मतलब समझा चुका था।

मैं लजा गई और उसका हाथ छोड़ दिया।

"और अपने बाल भी यहां मत खोलना।" वह बुदबुदाया।

"पर."

"एना! कोई पर या वर नहीं। तुम बहुत सुंदर लग रही हो और मैं चाहता हूं कि मैं ही तुम्हारे ये कपड़े शरीर से अलग करूं। "

"ओह!" मैंने तेवर दिखाए।

"अपने साथ ले जाने वाले कपड़े ले लो।" उसने हुक्म दिया। "तुम्हें उनकी जरूरत होगी। तुम्हारा बड़ा सूटकेस टेलर के पास है। "

"ओ के। उसने क्या प्लान कर रखा था?" उसने मुझे बताया तक नहीं था कि हम कहां जाने वाले थे। शायद मेरे हिसाब से तो कोई भी नहीं जानता था कि हम कहां जाने वाले थे। ईया या केट से भी इस बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका था। मैं उस तरफ मुड़ी, जहां मेरी मां और केट मंडरा रहे थे।

"मैं कपड़े नहीं बदल रही।"

"क्या?" मेरी मां ने कहा

"क्रिस्टियन नहीं चाहता कि मैं ऐसा करूं।" मैंने कंधे झटके मानो इतना कहने से ही वे सब जान जाएंगी। अचानक उनकी त्योरी चढ़ गई

"तुमने हुक्म मानने का तो कोई वादा नहीं किया।" उन्होंने बड़ी ही चतुराई से मुझे याद दिलाया। केट ने भी खांसी के बीच स्वर को दबाना चाहा। मैंने उसे देखकर आंखें सिकोड़ीं। उसे और मेरी मां, दोनों को ही इस बारे में अंदाज़ा नहीं था कि मैं और क्रिस्टियन पहले से इस मुद्दे पर उलझ चुके थे। मैं उस बहस को दोबारा नहीं उठाना चाहती थी। *हे भगवान! क्या मेरा फिफ्टी शेड्स नाराज़ हो सकता है......या उसे रात को डरावने सपने आते हैं।*

"मुझे पता है मॉम! पर उसे ये कपड़े पसंद हैं और मैं उसे खुश करना चाहती हूं।" उनका चेहरा कुछ नर्म पड़ा। केट ने आंखें घुमाईं और बड़ी अदा से हमसे थोड़ा परे चली गई।

"डार्लिंग! तुम बड़ी प्यारी दिख रही हो"। कारला ने मेरे चेहरे पर आई लट संवारी और चिबुक थपथपाई। "हनी! मुझे तुम पर गर्व है। तुम क्रिस्टियन को बहुत खुश रखोगी।" उन्होंने मुझे अपनी बांहों में भर लिया।

"ओह मॉम!"

"मुझे तो यकीन नहीं आता कि तुम इतनी बड़ी हो गई...और आज अपनी नई ज़िंदगी की शुरुआत करने जा रही हो...बस ये याद रखना कि ये मर्द दूसरे ग्रह के वासी होते हैं और तुम मज़े में रहोगी।"

मैं हौले से हंस दी। काश उन्हें पता होता कि क्रिस्टियन तो दूसरे ब्रह्माण्ड का वासी है "थैंक्स मॉम!"

रे ने मुझे और मॉम को मीठी सी मुस्कान दी और वहीं आ गए।

"कारला! तुमने एक सुंदर बिटिया को जन्म दिया था।" उन्होंने कहा और आंखों में गर्व के भाव आ गए। वे हल्के गुलाबी वेस्टकोट और काले टक्स में बहुत अच्छे दिख रहे थे। मेरी आंखों में आंसू छलक उठे। ओह नो......अभी तक तो मैंने किसी तरह अपने आंसू रोक रखे थे।

"और रे! तुमने तो इसे बड़ा होने में मदद की है।" कारला की आवाज़ में उदासी घुली थी।

"और मुझे उन सभी लम्हों से बेहद लगाव रहा है। एनी! तुम बहुत प्यारी दुल्हन बनी हो ।" रे ने मेरे हवा में लहराते कुछ बालों की लटें कानों के पीछे कर दीं।

"ओह डैड......!" मैंने सुबकी भरी और उन्होंने मुझे अपनी बांहों में भर लिया। "तुम बहुत ही अच्छी बीवी भी बनोगी।" वे अपनी खुरदुरी आवाज़ में फुसफुसाए। जब उन्होंने मुझे छोड़ा तो मैंने क्रिस्टियन को अपने पीछे खड़ा पाया।

रे ने बड़ी ही गर्मजोशी से उससे हाथ मिलाया और बोले "क्रिस्टियन! मेरी बेटी का ख़्याल रखना।"

"रे-कारला! मैं वादा करता हूं।" उसने मेरे सौतेले पिता को अपनी हामी दी और मॉम को चूम लिया।

"तैयार?" क्रिस्टियन ने पूछा

"जी"

वह मेरा हाथ थाम कर उन मेहमानों के पास ले गया, जो बांहें फैलाए शुभकामनाएं दे रहे थे और हम पर चावलों की वर्षा के रूप में अपना आशीर्वाद बरसा रहे थे। अपनी मुस्कानों और गलबांहियों के साथ कैरिक और ग्रेस आर्क

के कोने में खड़े थे। जैसे ही हमने हड़बड़ाहट में सबको अलविदा कहा तो वे फिर से भावुक हो गए।

टेलर हमें वहां से ऑडी एसयूवी में ले जाने के लिए तैयार खड़ा है। क्रिस्टियन ने जैसे ही मेरे लिए कार का दरवाजा खोला, मैं मुड़ी और अपने हाथ में थामा हुआ सफेद और गुलाबी गुलाबों का बुके युवतियों की ओर उछाला दिया। ईया ने झट से उसे उछलकर कैच किया और दांत निकाल दिए।

मैं ईया की कैच पर हंसते हुए, गाड़ी में बैठने के लिए झुकी तो क्रिस्टियन ने झुक कर मेरी पोशाक की हैम थाम ली। एक बार जब मैं अंदर बैठ गई तो उसने वहां खड़े सभी लोगों को हाथ हिलाकर विदाई दी।

टेलर ने उसके लिए दरवाजा खोल कर रखा। "बधाई हो सर"

"थैंक यू टेलर" क्रिस्टियन ने मेरे साथ वाली सीट पर बैठते हुए उससे कहा

टेलर ने गाड़ी आगे बढ़ाई तो शादी में आए मेहमान हमारे वाहन पर चावल बरसाने लगे। क्रिस्टियन ने मेरा हाथ थामा और अंगुलियां चूम लीं।

"तो अच्छा लगा मिसेज ग्रे?"

"बहुत ही बेहतरीन लगा, मि. ग्रे। हम कहां जा रहे हैं?"

"सी-टैक।" उसने सादगी से कहा और स्फिंक्स जैसी मुस्कान पेश की।

"हम्म्म.........।" उसने क्या योजना बना रखी थी?

जैसा कि मुझे उम्मीद थी टेलर ने गाड़ी को डिपार्चर टर्मिनल की तरफ नहीं मोड़ा, वह एक सिक्योरिटी गेट से सीधे पक्की सड़क पर निकल आया। क्या? और तब मैंने उसे देखा- क्रिस्टियन का जैट......ग्रे इंटरप्राइजिज़ होल्डिंग इंक, उस पर बड़े नीले लहराते शब्दों में लिखा था।

"ये मत कहना कि तुम फिर से कंपनी की जायदाद का नाजायज़ इस्तेमाल कर रहे हो।" "एनस्टेसिया! उम्मीद तो यही है।" क्रिस्टियन ने दांत निकाले

टेलर ने प्लेन की ओर जाने वाली सीढ़ियो के पास ऑडी रोकी और क्रिस्टियन की तरफ से दरवाजा खोलने के लिए बाहर लपका। उनके बीच थोड़ी सी बातचीत हुई और फिर क्रिस्टियन ने मेरे लिए दरवाजा खोला- वह पीछे हट कर मुझे बाहर निकलने का रास्ता देने की बजाए आगे आया और अपनी बांहों में उठा लिया।

"वाऊ...... तुम कर क्या रहे हो?" मैं किकियाई

"तुम्हें दहलीज के पार ले जा रहा हूं।" वह बोला

"ओह! ये सब तो घर में नहीं होना चाहिए था,

वह मुझे बड़ी आसानी से सीढ़ियों तक ले गया और टेलर मेरे पीछे एक छोटे से सूटकेस के साथ आया। उसने ऑडी में लौटने से पहले सूटकेस को वहीं छोड़ दिया। केबिन के अंदर मैंने क्रिस्टियन के पॉयलट स्टीफन को यूनीफार्म में देखा।

"सर व मिसेज ग्रे ! उड़ान में आपका स्वागत है।" उसने खीसें निपोरीं

क्रिस्टियन ने मुझे नीचे उतारा और उससे हाथ मिलाया। वहीं पास में ही गहरे काले बालों वाली एक लड़की खड़ी थी- क्या? तीस से भी कम की रही होगी। वह भी यूनीफार्म में थी।

"आप दोनों को बहुत-बहुत बधाई!" स्टीफन कहता रहा।

"थैंक यू स्टीफन। एना! तुम स्टीफन को जानती हो वे आज हमारे कैप्टन हैं। और ये फर्स्ट ऑफिसर बेघले हैं।"

क्रिस्टियन ने उसका परिचय दिया तो वह लजाई और पलकें झपकाने लगी। मैं भी अपनी आंखें गोल करना चाहती थी। एक और औरत अपने पति की बजाए मेरे पति के आकर्षण के जाल में फंसी दिख रही थी।

"आपसे मिल कर अच्छा लगा।" बेघले बोली। मैंने दया के साथ एक मुस्कान उछाल दी। जो भी हो, क्रिस्टियन तो मेरा ही है।

"सारी तैयारियां हो गईं?" क्रिस्टियन ने उन दोनों से पूछा और मैं इस दौरान केबिन का जायजा लेती रही। सारा इंटीरियर हल्के मेपल और क्रीम लेदर में बना था। ये बहुत ही प्यारा था। केबिन के दूसरे छोर पर एक दूसरी सुंदर युवती वर्दी में खड़ी थी - एक सुंदर काले बालों वाली गोरी

"सब कुछ क्लियर है। यहां से बोस्टन तक मौसम भी साफ है। "

"बोस्टन?"

मौसम में कोई खराबी?"

"बोस्टन से पहले नहीं! शेनॉन में कुछ गड़बड़ दिख रही है। वहां खराब मौसम का सामना करना पड़ सकता है। "

"शेनॉन? आयरलैंड?"

"अच्छा! उम्मीद करें कि सारी रात चैन से सो सकते हैं।" क्रिस्टियन ने कहा "नींद?"

"सर! हम सब संभाल लेंगे। हम आपको नटालिया की देखरेख में छोड़ते हैं, वह आपकी फ्लाईट अटेंडेंट है।" क्रिस्टियन ने उस दिशा में देखकर त्योरी चढ़ाई और फिर स्टीफन को देखकर मुस्कुराया।

"एक्सीलेंट!" वह मेरा हाथ थामकर एक आलीशान लैदर सीट की ओर ले गया। वहां कुल बारह सीटें रही होंगीं।

"बैठो!" उसने अपनी जैकेट उतार दी और सिल्वर ब्रोकेड वेस्ट भी निकाल दी। हम दोनों दो सिंगल सीटों में आमने-सामने बैठ गए, हमारे बीच बढ़िया पॉलिश वाला छोटा-सा मेज था।

"सर- मैम! उड़ान में स्वागत है और आप दोनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं! " नटालिया ने कहा और हमें एक-एक गिलास गुलाबी शैंपेन पेश की

"थैंक्स!" क्रिस्टियन ने कहा और वह एक मुस्कान के साथ अपनी गैलरी में लौट गई ।

"एनस्टेसिया हमारी खुशहाल शादीशुदा ज़िंदगी के नाम!" क्रिस्टियन ने अपना गिलास मेरे गिलास से टकराया। शैंपेन बहुत टेस्टी थी।

"बोलिजर?" मैंने पूछा

"वही"

"जब मैंने इसे पहली बार पिया था तो ये चाय के प्यालों से छलक आई थी।" मैंने खीसें निपोरीं

"मुझे वह दिन आज भी याद है। तुम्हारी ग्रेजुएशन।"

"हम कहा जा रहे हैं? मैं अपना कौतूहल छिपा नहीं पा रही थी

"शेनॉन!" क्रिस्टियन ने कहा, उसकी आंखें उत्सुकता से दमक उठीं। वह एक छोटे से बच्चे की तरह दिख रहा था।

"आयरलैंड में? हम आयरलैंड जा रहे हैं?"

"ईंधन भरवाने के लिए।" उसने मुझे चिढ़ाया।

"फिर?" मैंने झट से पूछा

उसकी मुस्कान और भी चौड़ी हो गई और उसने अपना सिर हिलाया।

"क्रिस्टियन"

"लंदन!" उसने मुझे घूरते हुए कहा और मेरी प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की। मेरी तो सांस ही थम गई। होली काउ! मैंने सोचा था कि हो सकता है कि हम न्यूयार्क,

एस्पेन या कैरीबियन तक चले जाएंगे। मैं तो इस पर यकीन तक नहीं कर सकती। मैं हमेशा से ही इंग्लैण्ड जाना चाहती थी। मैं अंदर ही अंदर खुशी से झूम उठी।

"फिर पेरिस"

"क्या?"

"फिर साउथ ऑफ फ्रांस"

"वाऊ......"

"मुझे पता है कि तुम हमेशा ही यूरोप घूमना चाहती थीं।" उसने बड़े ही प्यार से कहा। "एना! मैं तुम्हारे हर सपने को सच कर देना चाहता हूं।"

"क्रिस्टियन! तुम्हें पा कर ही मेरा हर सपना पूरा हो गया।"

"बैक एट यू! मिसेज ग्रे।" वह हौले से बोला

"ओह माई......"

"सीट का बक्कल लगा लो।"

मैंने मुस्कुराते हुए वही किया जो मुझसे कहा गया था।

प्लेन रनवे पर टैक्सी करने लगा और हम अपनी शैंपेन पीते रहे। एक-दूसरे को देखते हुए मुस्कानें भी लगातार बिखेरते रहे। मैं तो यकीन नहीं कर सकती। मैं बाईस साल की उम्र में, यू एस छोड़ कर यूरोप और लंदन जैसी जगहों पर घूमने जा रही हूं।

जब हम आकाश में पहुच गए तो नटालिया ने हमें और शैंपेन परोसी और फिर लाजवाब स्वादिष्ट दावत की बारी आई, जिसे नटालिया ने खुद अपने हाथों से हमारे लिए तैयार किया था। स्मोक्ड सॉलमन, हरे बींस के सलाद के साथ भुना हुआ तीतर और डॉफिनॉअस आलू!!!

"डेजर्ट मि. ग्रे?" उसने पूछा

उसने अपना सिर हिलाया और मेरी तरफ सवालिया निगाहों से घूरते हुए निचले होंठ पर अंगुली फेरी, उसके भाव पढ़ना आसान नहीं था।

"नहीं, थैंक्स!" मैं बुदबुदाई और इस दौरान उसकी आंखों से अपनी नज़रें नहीं हटा पाई । उसके होठों पर छोटी सी रहस्यमयी मुस्कान खेल गई और नटालिया वहा से वापिस चली गई ।

"बढ़िया! वह बुदबुदाया। मै तो सोच रहा हू कि आज मीठे की जगह तुम्हें ही ले लू।" "ओह......यहां?"

" आओ!" उसने मेज से उठते हुए अपना हाथ आगे बढ़ाया। वह मुझे केबिन के पिछली ओर ले गया।

"वहा एक बाथरुम है।" उसने एक छोटे से दरवाजे की तरफ संकेत किया और फिर एक छोटे-से गलियारे से होते हुए कोने पर बने दरवाजे की ओर ले गया।

"ओह गॉश.........बेडरुम।" क्रीम और मेपल रंगों से सजे कमरे में सुनहरे व सलेटी भूरे कुशनों वाला डबल बेड पड़ा था। ये तो देखने में ही काफी आरामदायक लगा।

क्रिस्टियन मुड़ा और मुझे अपनी बांहों में ले लिया, उसकी नज़रें मुझे ही देख रही थीं। "मैंने सोचा कि हम अपनी सुहागरात पैंतीस हजार फुट की ऊंचाई पर मनाएंगे। मैंने

आज से पहले ऐसा कोई रोमांच कभी नहीं किया।"

मेरी ज़िंदगी की एक और पहली घटना!

मैंने उसे निहारा और दिल तेजी से धड़कने लगा...द माइल हाई क्लब। मैंने इस बारे में सुना है।

"पर पहले मुझे तुम्हें इस लाजवाब पोशाक से बाहर निकालना होगा।" उसकी आंखें प्यार से दमक उठीं और शायद कुछ और भी था। कुछ ऐसा जो मुझे अच्छा लगा और मन ही मन मेरे भीतर एक प्यास...। उसने तो मेरे होशहवास ही गुल कर दिए थे।

"घूम जाओ"। उसने बड़े ही अधिकार से धीमे और सेक्सी सुर में कहा। वह इन दो सादे शब्दों को भी इतना सेक्सी बना कर कैसे पेश कर सका? मैंने उसकी बात सुनी और उसके हाथ मेरे बालों तक जा पहुंचे। उसने धीरे से एक-एक कर बालों से हेयरपिन निकालने शुरू किए, उसकी सधी अंगुलियां तेजी से काम कर रही थीं। मेरे बाल मेरे कंधों और गर्दन पर खुलकर गिरने लगे। एक-एक लट खुलती जा रही थी और मेरे कंधों, गर्दन और छातियों पर लोट रही थी। मैंने बिना हिले खड़े रहने की कोशिश की पर मैं उसकी छुअन के लिए तड़प रही थी। हमारे लंबे, थकान और उत्तेजना से भरे दिन के बाद मैं केवल उसे ही चाह रही थी, बस उसे ही...

"एना! तुम्हारे बाल बहुत प्यारे हैं।" उसका मुंह मेरे कान के पास था और मैंने उसकी सांसों को महसूस किया हालांकि उसके होंठ मुझसे दूर थे। जब मेरे बालों से पिनें निकल गईं तो वह उनमें अंगुलियां फिराते हुए, हल्के हाथों से मेरी खोपड़ी में मालिश करने लगा। ओह माई... मैंने आंखें बंद कीं और उस एहसास को महसूस करने लगी। उसकी अंगुलियां थोड़ा नीचे सरकीं और उसने धीरे से मेरा सिर पीछे करते हुए गर्दन को अपने पास खींच लिया।

"तुम मेरी हो!" उसने आह भरी और उसके दांत मेरे कान को कुतरने लगे। मैंने आह भरी।

"हिलो मत!" उसने कहा। उसने मेरे कंधों से बाल हटाए और मेरी पीठ पर एक कंधे से दूसरे कंधे तक जाते हुए अंगुली फेरने लगा, इसके बाद मेरी ड्रेस के लेस वाले हिस्से तक आ पहुंचा। मैं आने वाले पलों की कल्पना से ही सिहर गई। उसने मेरी पोशाक के पहले बटन वाले हिस्से के ऊपर, पीठ पर कोमल-सा चुंबन दिया।

"कितनी सुंदर।" उसने कहा और बहुत ही लगाव से पहला बटन खोला। "तुमने आज मुझे दुनिया का सबसे खुशहाल इंसान बना दिया है।" उसने बहुत ही धीरे-धीरे एक-एक कर, पीछे से सारे बटन खोल दिए। "मुझे तुमसे बेहद प्यार है।" वह मेरी गर्दन के पिछले हिस्से से कंधों तक चूमता चला गया और हर चुंबन के साथ वह हौले-हौले बुदबुदाता रहा- मैं.तुम्हें. चाहता . हूं। मैं . तुम्हारे .अंदर. रहना . चाहता . हूं। तुम. मेरी . हो।

हर शब्द में जैसे नशा घुला था। मैंने अपनी आंखें बंद कीं और गर्दन को थोड़ा मोड़ लिया ताकि वह आसानी से मेरी गर्दन को चूम सके। मैं अपने पति ग्रे क्रिस्टियन के जादू में बंधती चली गई।

"मेरी हो!" वह एक बार फिर से बोला। उसने मेरी ड्रेस को बाजुओं से ऐसे नीचे उतारा कि वह पैरों पर आइवरी सिल्क और लेस का ढेर बनकर जा गिरी।

"पीछे मुड़ो।" वह फुसफसाया। उसकी आवाज़ में अचानक ही खुरदुरापन सा आ गया था। मैंने वही किया, जो मुझे कहा गया था।

मैंने एक टाइट, गुलाबी साटिन का कार्सेट पहना हुआ था, जिसमें बहुत सारे स्ट्रैप थे, इसके साथ ही मैचिंग लेसयुक्त ब्रीफ और सफेद सिल्क के स्टॉकिंग्स थे। क्रिस्टियन की लालच से भरी नज़रें मेरे शरीर पर मंडराने लगीं पर उसने कुछ नहीं कहा। वह बस अपनी आंखों में प्यास लिए मुझे निहारता रहा।

"पसंद आया?" मैं फुसफुसाई और साथ ही मेरे गालों पर गुलाल फैल गया। "बहुत ज़्यादा पसंद आया। बेबी! तुम तो सेन्सेशनल दिख रही हो।" उसने अपना हाथ

आगे किया और मैं उसे थामकर पोशाक से बाहर निकल आई।

"यहीं खड़ी रहना।" वह बुदबुदाया। उसने मेरे चेहरे से अपनी गहरी आंखें हटाए बिना ही अपनी बीच वाली अंगुली को मेरे शरीर पर सहजता से घूमने दिया । उसकी अंगुली की छुअन से मेरे पूरे शरीर में सिहरन हो रही थी। मेरी सांसें उथली हो रही थीं। वह रुका और अपनी तर्जनी को हवा में घुमाते हुए मुझे मुड़ने का संकेत दिया।

इस समय तो मैं उसके लिए कुछ भी कर सकती थी।

"रुको!" उसने कहा। मैं उससे परे, पलंग की ओर मुंह किए खड़ी थी। उसकी बाजू ने मेरी कमर को घेरा हुआ था। मुझे अपनी ओर खींच कर वह मेरी गर्दन से अपना नाक घिसने लगा। उसके हाथ मेरे शरीर से अठखेलियां कर रहे थे। मेरे कार्सेट के भीतर सोया शरीर उसके स्पर्श से जाग उठा।

"तुम मेरी हो।" वह हौले से बोला।

"तुम्हारी ही हूं।" मैंने भी कहा

अब धीरे-धीरे उसके हाथों की सरगोशियां बढ़ती चली गई और वे मेरी जांघों तक जा पहुंचे......। मैंने एक आह भरी। उसने बड़े ही सधे तरीके से एक-एक कर मेरी स्टॉकिंग्स के भी हुक खोल दिए। अब उसके हाथ मेरी पीठ पर घूम रहे थे।

"मेरी हो!!" उसका एक हाथ मेरे शरीर के निचले हिस्से से खेल रहा था और दूसरा पीठ पर अपनी छुअन का जादू जगा रहा था।

"आह"

उसने पलंग का कवर हटा कर मुझे बैठने को कहा।

"बैठ जाओ।"

मैंने वही किया जो उसने कहा था, फिर उसने झुक कर मेरे सफेद ब्राइडल जिमी कू एक-एक कर उतार दिए। मेरी बाईं स्टॉकिंग्स को हाथ से उतारते हुए अंगूठे को पूरी टांग से खेलने दिया। फिर दूसरी स्टॉकिंग्स के साथ भी ऐसा ही किया।

"ऐसा लग रहा है मानो मैं अपने क्रिसमस के तोहफे को खोल रहा हूं।" वह अपनी घनी पलकों के साथ मुस्कुराया।

"एक ऐसा तोहफा तो तुम पहले ही ले चुके हो......"

उसने त्योरी चढ़ाई- "अरे नहीं बेबी! इस बार ये सचमुच मेरा है।"

"क्रिस्टियन मैं तो तभी से तुम्हारी हूं, जब से मैंने 'हां' कहा है।" मैंने आगे बढ़कर उसका प्यारा चेहरा अपने हाथों में थाम लिया। "मैं तुम्हारी हूं और हमेशा तुम्हारी रहूंगी। पतिदेव! अब मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि आपने भी काफी सारे कपड़े पहन रखे हैं और मुझे इन्हें उतारना चाहिए।" मैं उसे चूमने के लिए झुकी और अचानक उसने झुककर मेरे होंठ चूम लिए, उसने अपने हाथों से मेरा सिर थाम लिया और उसकी अंगुलियां मेरे बालों से खेलने लगीं।

"एना!" उसने आह भरी। जब मैंने उसके कपड़े उतारने की कोशिश की तो हम दोनों की सांसें एक साथ टकराई और एक हो गई। वह अपनी आंखों में चाह लिए मुझे ही निहारता रहा।

"मुझे इन्हें उतारने दो, प्लीज़!" मैंने बड़े ही मनुहार से कहा। मैं अपने पति, अपने फिफ्टी के कपड़े उतारना चाहती थी।

वह अपनी एड़ियों के बल बैठ गया और मैंने आगे बढ़ कर उसकी टाई थाम ली- उसकी सिल्वर ग्रे टाई। मेरी पसंदीदा, मैंने उसे धीरे से खोला और गले से निकाल दिया। उसने अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई ताकि मैं उसकी सफेद कमीज़ का पहला बटन खोल सकूं उसे खोलने के बाद मैंने कफ खोले। उसने प्लेटीनम के कफ लिंक्स पहन रखे थे- जिन पर 'ए' और 'सी' खुदा था। मैंने उन्हें शादी के तोहफ के तौर पर दिया था। जब मैंने उन्हें उतार दिया तो उसने उन्हें अपनी मुट्ठी में ले लिया, उन्हें चूमा और अपनी पैंट की जेब में डाल लिया।

"मि. ग्रे, सो रोमांटिक।"

"आपके लिए मिसेज ग्रे- हमेशा ही रोमांटिक, हमेशा।"

मैंने उसका हाथ अपने हाथों में लिया और उसकी शादी की प्लेटीनम अंगूठी को चूम लिया। वह कराहा और आंखें मूंद लीं।

"एना!" उसने मेरा नाम ऐसे पुकारा, जैसे कोई प्रार्थना कर रहा हो।

मैं उसकी कमीज़ के बटन खोलती गई और हर बटन के साथ उसकी छाती पर मीठे चुंबन बरसाती रही। हर किस के बाद मैं हौले से बुदबुदाती- यू मेक मी सो हैप्पी। आई लव यू।

वह कराहा और और अचानक मुझे कमर से जकड़कर बिस्तर तक ले गया। उसने मुझे बिस्तर पर डाल दिया। उसने एक हाथ मेरे सिर के नीचे रखा और हमारे होंठ आपस में मिले। क्रिस्टियन की इस चाह ने मुझे बेदम कर दिया।

"तुम बहुत सुंदर हो......बीबी!!! उसने मेरी टांगों पर हाथ फिराते हुए बांया पांव पकड़ लिया तुम्हारी टांगें कितनी सुदंर हैं।" मैं इनके एक-एक इंच को चूमना चाहता हूं। उसने मेरे पैर की अंगुलियों को चूमा और दांत से दबाने लगा। उसके गीले होंठ मेरे पांवों से पिंडलियों तक गीले मीठे चुंबनों की बरसात करते चले गए।

"मिसेज ग्रे! स्टिल...।" उसने चेतावनी दी। अचानक उसके चुंबनों की बरसात मेरी टांगों, जांघों और शरीर के ऊपरी हिस्सों तक जा पहुंची और फिर वह अचानक थम गया। मैंने सिसकारी भरी।

"प्लीज़!"

"मैं चाहता हूं कि तुम सारे कपड़े उतार दो।" उसने हौले से कहा और धीरे-धीरे एक-एक कर मेरे कार्सेट के हुक खोलने लगा। जब वह यह कर चुका तो उसकी जीभ मेरी रीढ़ की हड्डी पर सरसराती चली गई।

"क्रिस्टियन प्लीज़!"

"मिसेज ग्रे! क्या चाहती हैं?" उसने धीरे से मेरे कान में ये शब्द कहे। उसके शरीर का तकरीबन सारा भार मेरे पर था।

"तुम्हें..."

"और मैं तुम्हें... मेरा प्यार, मेरी ज़िंदगी..." वह बुदबुदाया और कुछ ही पल में वह भी निर्वस्त्र था। वह छोटा-सा केबिन उसके नग्न सौंदर्य और मेरी चाह की गरमाहट से भर गया। उसने मेरे सारे कपड़े उतारे और बोला- "तुम मेरी हो।"

मेरे शरीर पर अपने चुंबनों की बौछार करते-करते वह नाभि तक आ पहुंचा "मिसेज ग्रे! हमारा ये खुशनुमा सफर धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा।"

ओह माई! मैं तो सारा *यूरोप* भूल चुकी थी और उस समय केवल उसकी ही चाह बाकी रह गई थी।

कुछ ही पलों में हम उस दुनिया में पहुंच गए थे, जहां हम दोनों के सिवा किसी दूसरे का कोई अस्तित्व ही नहीं रहा था।

"मिसेज ग्रे! आई लव यू"

"आई लव यू! मि. ग्रे।"

हमारे शरीर की सरसराहटों के बीच वे स्वर भी कहीं खोते चले गए.................! मेरी अगुलियों ने उसकी मजबूत पीठ को जकड़ा और वह मुझमें समाते हुए बोला

"आंखें खोलो! मैं तुम्हें देखना चाहता हूं, एना......"...

"तुम्हारा दिमाग तो खराब नहीं हो गया? ये कर क्या रही हो?" क्रिस्टियन ने चिल्लाते हुए मुझे मेरे खुशनुमा ख़्वाब से जगा दिया। वह मेरे सन लाउंज के पास खड़ा बहुत ही सुंदर लग रहा था और उसके शरीर से पानी की बूंदें टपक रही थीं।

मैंने क्या किया? ओह नो...... मैं तो अपनी पीठ के बल लेटी हूं......ये क्या हो गया...हो गया कबाड़ा! सत्यानाश! वह तो मुझसे नाराज़ हो गया है। सच्ची वह तो काफी गुस्से में है।

अध्याय-2

मैं अचानक ही झटके से उठ बैठी। मुझे अपना कामोत्तेजक सपना भूल गया था। मैं अपनी पीठ के बल लेटी थी। "शायद नींद में ही मैंने करवट ले ली होगी।" मैं अपने

बचाव में हौले से बोली

उसकी आंखें गुस्से से दहक रही थीं। वह आगे बढ़ा, अपनी कुर्सी से मेरी बिकनी उठाई और मेरी ओर उछाल दी।

"इसे पहनो।" वह दांत पीसकर बोला

"क्रिस्टियन! कोई नहीं देख रहा!"

"मेरा भरोसा करो। वे लोग देख रहे हैं। मुझे पक्का यकीन है कि टेलर और बाकी सिक्योरिटी वाले भी इस नज़ारे का मज़ा ले रहे हैं।" वह झपटा।

हाय ये क्या हो गया! मैं उन लोगों के बारे में भूल कैसे जाती हूं? मैंने दोनों हाथों से अपनी नंगी छातियों को ढकने का प्रयत्न किया। जब से चार्ली टैंगो वाली घटना हुई है, तब से ये सिक्योरिटी साए की तरह हमारे साथ लगी रहती है।

"हां, कोई सिरफिरा दीवाना चोरी से तस्वीर खींच सकता था। क्या तुम स्टार पत्रिका का कवर पेज बनना चाहती हो। वह भी बिना कपड़ों के?"

*शिट! चोरी से फोटो...*मैं झट से टॉप पहनने लगी और चेहरा पीला पड़ गया। मैंने कंधे झटके। मुझे याद आ गया कि पहले भी हम इसका शिकार हो चुके हैं। ये सब क्रिस्टियन ग्रे की ज़िंदगी का ही हिस्सा है।

उसने पास से निकलती बैरा युवती को फ्रेंच में पुकारा और मुझसे बोला, "हम यहां से चल रहे हैं।"

"अभी?"

"हां, अभी।"

"ओह! इससे बहस करना ही बेकार है।"

उसने झट से गीले कपड़ों पर ही पजामा पहना और टी-शर्ट डाल ली। तभी वह युवती कार्ड और बिल ले आई। मैंने भी बेमन से अपनी फिरोज़ी पोशाक पहनी और सैंडिल डाल लिए। जैसे ही वह वहां से गई। क्रिस्टियन ने अपना फोन और किताब उठाए और धूप का चश्मा पहन लिया। वह गुस्से और तनाव में दिख रहा है। मेरा दिल डूब गया। यहां तो हर औरत टॉप के बिना है। उल्टा, मैं टॉप पहन के अजीब दिख रही हूं। मैंने मन ही मन आह भरी। मुझे लगा कि काश क्रिस्टियन इस बात को हंसी मज़ाक में ले लेता पर अब तो ऐसे भी कोई आसार नहीं दिख रहे ।

"प्लीज़! मुझसे नाराज़ मत हो।" मैंने हौले से कहा और उसके हाथ का सामान अपने बैग में रख लिया।

उसने हौले से कहा, "इस बात के लिए बहुत देर हो गई। आओ।" उसने मेरा हाथ थामा और अचानक ही टेलर के साथ बाकी सिक्योरिटी वाले आ धमके। वे वहीं बरामदे में हमारा इंतज़ार कर रहे थे। मैं उनके बारे में भूल क्यों जाती हूं? टेलर अपने चश्मे में है और उसके चेहरे के भाव नहीं पढ़े जा सकते। लगता है कि वह भी मुझसे नाराज़

है। मैं अभी तक उसे शॉर्ट और काली पोलो शर्ट में देखने की आदी नहीं हुई। हमेशा सूट में ही देखा है।

क्रिस्टियन मुझे होटल में ले गया। वह इस दौरान एक शब्द भी नहीं बोला। बेशक गलती तो मेरी ही है। टेलर और उसकी टीम का साया हमारे साथ है।

"हम कहां जा रहे हैं?" मैंने पूछा

"नाव पर वापिस जाना है।" उसने कहा

मुझे समय का कोई अंदाजा नहीं है। शायद पांच या छह बजे होंगे। जब हम मरीना पर पहुंचे तो वह मुझे डॉक पर ले गया। जब वह जैट स्की को खोलने लगा तो मैंने अपना बैग टेलर को थमा दिया। मैं यही सोच कर खिसिया गई कि आज टेलर ने समुद्र तट पर क्या देखा होगा।

"मिसेज ग्रे! ये लीजिए।" उसने मुझे लाइफ जैकेट दी और मैंने झट-से पहन ली। मेरे लिए ही इसे पहनना क्यों जरूरी है। क्रिस्टियन ने टेलर को घूरा। क्या वह उससे भी नाराज़ है? क्रिस्टियन ने जैकेट की बीच वाली तनी कसी और मुझे देखे बिना कहा, "अब ठीक है।"

वह जैट स्की पर चढ़ा और मेरी ओर हाथ बढ़ाया। मैं उसके पीछे जा बैठी। बाकी लोग मोटर बोट में बैठे । क्रिस्टियन ने उसे किक मारी और जैट स्की पानी में उतर गई।

"पकड़ कर रखो।" उसने कहा तो मैंने उसकी कमर के आसपास अपने हाथों का घेरा और भी कस दिया। सफर के दौरान मुझे ऐसा करना बहुत अच्छा लगता है। मैंने उसे कस कर थामा और अपने मुंह को उसकी पीठ से सटा दिया। मैं सोचने लगी कि एक वक्त ऐसा भी था, जब वह मेरी छुअन तक नहीं सह सकता था। उसके शरीर से क्रिस्टियन और सागर की गंध आ रही है। *ओह क्रिस्टियन! मुझे माफ कर दो न।*

उसने पानी में स्की की गति बढ़ा दी और मैं उसके इस रोमांच पर मुग्ध हो उठी। मैं उससे इतना सट गई कि उसकी पीठ की हर मांसपेशी को महसूस कर सकती थी।

टेलर अपनी मोटरबोट पास ले आया। क्रिस्टियन ने उसे देखा और स्की को अपनी बोट से भी आगे ले गया। वह अब खुले पानी में आ गया था।

हमारे चारों ओर समुद्र की फेनिल झाग है और मेरी पोनीटेल दीवानों की तरह झूल रही है। कितना मज़ा आ रहा है। काश इस सवारी से उसका मूड कुछ संभल जाए। मैं उसका चेहरा नहीं देख सकती पर अंदाजा लगा सकती हूं कि वह भी इसका पूरा आनंद ले रहा है। उसने एक आधा-सा गोल चक्कर काटा तो मुझे किनारे पर जमा भीड़ दिखाई दी। वहां की नावें, लोगों की भीड़, पृष्ठभूमि में दिख रहे ऑफिस और घर और उनके पीछे खड़े पर्वत। सब कुछ व्यवस्थित रूप में देखने की अभ्यस्त मेरी आंखों को ये प्राकृतिक नज़ारा बहुत ही प्यारा लगा। उसने मुझे मुड़कर देखा तो उसके चेहरे पर हल्की-सी मुस्कान दिखी।

"फिर चलें ।" वह इंजन के शोर के बीच चिल्लाया।

मैंने हामी दी और हम फिर से खुले समुद्र में चक्कर लगाने चल दिए। मुझे लगा कि शायद मुझे माफी मिल गई थी।

"तुम्हें सूरज की धूप ने सांवला कर दिया।" उसने मेरी जैकेट उतारते हुए कहा। मैंने बड़ी बेचैनी से उसका मूड भांपने की कोशिश की। हम अपनी नाव पर हैं और एक नौकर मेरी लाइफ जैकेट लेने के लिए खड़ा है।

"कुछ और लेंगे, सर?"

क्रिस्टियन ने अपना चश्मा टी-शर्ट में लटकाया और मुझसे पूछा

"एक ड्रिंक लेना चाहोगी?"

"क्या मुझे एक लेना चाहिए?"

"ऐसे क्यों बोल रही हो?"

"तुम जानते हो कि क्यों?"

उसने कुछ सोच कर भवें सिकोड़ीं

ओह, वह क्या सोच रहा है?

"दो जिन और टॉनिक प्लीज़। साथ ही थोड़े नट्स और ऑलिव भी लाओ ।" उसने हुक्म दिया।

"तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हें सज़ा देने जा रहा हूं?"

"क्या तुम ऐसा करना चाहते हो?"

"हां!"

"कैसे?"

"पहले तुम कुछ पी लो। फिर मैं इस बारे में सोचूंगा।"

मैं इस सनसनीखेज़ धमकी से डर गई। भीतर बैठी लड़की सागर तट वाली घटना के बाद से सहमी हुई थी। उसे भी सुन कर जोश आ गया।

क्रिस्टियन ने एक बार फिर से भवें सिकोड़ीं।

"तुम भी करना चाहती हो?"

इसे कैसे पता चलता है। "हां, निर्भर करता है।" मैंने खिसियाकर कहा

"किस बात पर?" उसने अपनी मुस्कान छिपाई।

"इस बात पर कि तुम मुझे चोट पहुंचाना चाहते हो या नहीं?"

उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं आ गईं। वह आगे झुका और मेरा माथा चूम लिया। "एनेस्टेसिया! तुम मेरी सेक्स बांदी नहीं बल्कि पत्नी हो। मैं तुम्हें कभी चोट पहुंचाने

के बारे में सोच भी नहीं सकता। तुम्हें अब तक पता चल जाना चाहिए था। बस लोगों के सामने.........अपने कपड़े मत उतारना प्लीज़! मैं नहीं चाहता कि लोग तुम्हें इस तरह रिकॉर्ड करके देखें। बेशक तुम्हारी मॉम और रे को भी यह पसंद नहीं आएगा।"

ओह! रे, मॉम को तो शायद दिल का दौरा ही पड़ जाएगा। मैं क्या सोच रही थी। मैंने खुद को कोसा।

तभी हमारे लिए खाने-पीने का सामान आ गया।

"बैठो।" उसने कहा। मैंने उसके कहे अनुसार ही किया। उसने मुझे जिन और टॉनिक पकड़ा दिया।

"चीयर्स मिसेज ग्रे!"

"चीयर्स मि. ग्रे!" ओह! एक घूंट भरते ही स्वाद आ गया। प्यास भी बुझने लगी। वह मुझे एकटक निहार रहा था। एक तो इसके मूड का कुछ पता नहीं चलता। कब क्या करेगा, कब क्या कहेगा, कौन जाने? मैंने *ध्यान भटकाओ* वाली तकनीक अपनाई।

"इस बोट का मालिक कौन है?"

"एक ब्रिटिश नाईट है। कोई सर, फलाना-फलाना है। उसके परदादा ने एक राशन के स्टोर से काम शुरू किया था। उसकी बेटी यूरोप के एक शाही राजकुमार से ब्याही गई।"

"ओह। सुपर रिच?"

"हां।"

"तुम्हारी तरह।"

"नहीं, हमारी तरह।"

मैं सुन कर दंग रह गई। उसने गलत तो नहीं कहा था।

मेरा जो कुछ भी है, सब तुम्हारा ही तो है। उसके कहे शब्द मेरे कानों में गूंज उठे। सब कुछ मेरा है? मैं 'कुछ नहीं' से 'सब कुछ' की श्रेणी में आ गई हूं।

"तुम इसकी आदी हो जाओगी।"

"मुझे नहीं लगता कि मैं कभी इसकी आदत डाल सकूंगी।"

टेलर डैक पर आ कर बोला, "सर आपका फोन है।"

"ग्रे!" क्रिस्टियन ने फोन ले कर कहा और एक ओर चला गया।

वह रॉस से बात कर रहा था । मैंने हाल ही में कितने अमीर आदमी से शादी की है। अचानक ही मेरे दिमाग में कुछ दिन पहले की बात कौंध गई। उसके जन्मदिन के बाद वाला रविवार था और हम सब नाश्ते की मेज पर थे। इलियट, केट, ग्रेस, सभी तो वहीं थे। मैं बेकन बनाम सॉसेज की चर्चा में मग्न थी। क्रिस्टियन व कैरिक का पूरा ध्यान संडे पेपर में था।

"ये देखो।" ईया ने किचन टेबल पर अपनी नोटबुक रखी व चहकते हुए कहा "सिएटल की नूज़ वेबसाइट पर भाई की शादी के बारे में खबर छपी है।"

"अच्छा।" ग्रेस ने हैरानी से कहा। फिर अचानक ही उनके माथे पर बल पड़ गए। क्रिस्टियन को भी सुनकर बहुत

अच्छा नहीं लगा।

ईया ने खबर पढ़ी, "हमें पता चला है कि सिएटल का सबसे मशहूर कुंआरा शादी करने जा रहा है पर क्रिस्टियन ग्रे की किस्मत वाली दुल्हनिया कौन है? नूज़ खोजबीन कर रही है। पर सुनने में आया है कि वह लड़की पहले से ही ग्रे के साथ रह रही है।"

ईया ने भाई को देखा तो उसकी हंसी थम गई। ग्रे की रसोई का माहौल भारी हो गया। *ओह नहीं! मेरे बारे में लोगों की ऐसी राय!* मेरे चेहरे का रंग उतर गया। हे धरती! मैं

तेरी गोद में समा जाना चाहती हूं।

ग्रे अपनी कुर्सी में पलटा और मेरी तरफ देखा।

कैरिक कुछ ही कहने ही लगे थे कि क्रिस्टियन बोला, "मैं इस बारे में कोई बहस नहीं चाहता।" वह शब्दों के तीखे बाण चलाने के बाद फिर से अखबार देखने लगा। बाकी लोग

बारी-बारी से हमें देख रहे थे।

मैंने हौले से कहा, "क्रिस्टियन! तुम और मि. ग्रे, मुझसे जिन भी कागजों पर साइन करवाना चाहें, मैं कर दूंगी।" ओह! मैं कौन सा कोई पहली बार उसके लिए साइन करने जा रही थी। उसने मुझे देखा और बोला-

"नहीं।"

"ये तुम्हारे बचाव के लिए है।"

"ग्रे और एना! तुम दोनों इस बारे में अकेले में बात करना।" ग्रेस ने फटकारा और फिर कैरिक व ईया को देखा। ओह! ऐसा लगा कि वे भी मुश्किल में पड़ने जा रहे थे।

"एना! ये सब तुम्हारी वजह से नहीं है। प्लीज़ तुम मुझे कैरिक ही कहो।"

क्रिस्टियन ने ठंडी निगाहों से अपने पिता को देखा और मैं जान गई कि वह बहुत गुस्से में था।

सारे बातचीत में मग्न हो गए। ईया व केट मेज समेटने लगीं।

"मैं सॉसेज ही पसंद करूंगा।" इलियट ने कहा

मैंने अपनी गुंथी अंगुलियों को देखा। कहीं मि. व मिसेज ग्रे, मेरे बारे में ऐसा तो नहीं सोचते कि मैं उनके बेटे के पैसे के पीछे आई हूं। क्रिस्टियन ने अपने एक हाथ में मेरे दोनों हाथ थाम लिए।

"बस करो।"

ओह! वह जानता है कि मैं क्या सोच रही थी।

"मेरे डैड की बात पर कान मत दो।" उसने धीरे से कहा। वे एलीना वाले मामले से खीझे हुए हैं। ये बातें मुझे सुनाने के लिए थीं। काश! मॉम ने अपना मुंह बंद रखा होता।"

मैं जानती हूं कि कल रात ही उन दोनों के बीच एलीना को लेकर बातचीत हुई थी। "वे ठीक कह रहे हैं।

क्रिस्टियन! तुम बहुत पैसे वाले हो और मैं अपने कर्जों के सिवा

शादी में कुछ नहीं ला रही"।

"एनेस्टेसिया! अगर तुमने मुझे छोड़ा तो मेरा सब कुछ तो वैसे ही खत्म हो जाएगा। तुम एक बार जा चुकी हो और मैं जानता हूं कि मैंने उस समय क्या महसूस किया था।"

"ओह! वह तो अलग बात थी। पर कहीं तुम मुझे छोड़ना चाहो तो?"

"क्रिस्टियन! तुम जानते हो कि मैं कभी भी, कोई भी बेवकूफी कर देती हूं..." "एना! अब इस बारे में और बात नहीं होगी। फिर वह मॉम की ओर घूमकर बोला,

क्या हम यहां शादी कर सकते हैं।"

और फिर उस बात का ज़िक्र नहीं हुआ। वह मुझे इस बात का यकीन दिलाने का कोई मौका नहीं छोड़ता था कि उसकी हर चीज़ पर मेरा भी उतना ही हक था। ओह मैंने उसकी दीवानगी को याद करके अपने कंधे झटके। वह चाहता था कि मैं अपने हनीमून के लिए नीमन मारकस से खरीदारी करूं। मेरी बिकनी ही पांच सौ पचास डॉलर थी। बेशक सुंदर थी पर एक तिकोने कपड़े के टुकड़े की इतनी कीमत?

"तुम इसकी आदी हो जाओगी।" क्रिस्टियन ने मेरी सोच में बाधा दी।

"आदी हो जाऊंगी?"

"पैसे की।" उसने आंखें नचाईं।

"ओह! हो सकता है कि आने वाले वक्त में ऐसा हो सके।" मैंने अपनी बात में हंसी का पुट लाने की कोशिश की।

"ज़रा जल्दी खत्म करो। हमें बिस्तर में जाना है।" उसने दुष्टता से एक आंख दबाई और अपने मुंह में बादाम डालते हुए कहा।

"क्या?"

"हां।" उसने कहा

ओह! लगता है कि इसकी ये नज़रें ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को बढ़ा रही हैं। हाय वो हॉट लुक्स! हम दोनों लगातार एक-दूसरे को देख रहे थे। अचानक वह बोला-

"आज मैं तुम्हारे लिए कुछ नया करना चाहता हूं। बस तुम अभी मूत्र विसर्जन के लिए मत जाना।"

अरे, ये बात तो कुछ समझ नहीं आई पर अगर वह कुछ कह रहा है तो बात का कोई न कोई मतलब तो होगा ही।

मैंने कहा, "अच्छा।" मैं पूरी ज़िंदगी उस पर इसी तरह भरोसा करती रहूंगी। वैसे वह करना क्या चाहता है। मेरा दिल यही सोच कर तेज़ी से धड़कने लगा।

वह मुझे बोट के आलीशान रास्तों से ले जाते हुए, मास्टर केबिन तक ले गया। केबिन की सफाई कर दी गई है। ये

एक सुंदर कमरा है। इसे बहुत ही खूबसूरती से गहरे

रंग के फर्नीचर से सजाया गया है और दीवारों पर हल्के क्रीम रंग की सफेदी है। उन पर लाल व सुनहरे रंग की सजावट की गई है।

क्रिस्टियन ने अपनी टी-शर्ट उतार कर कुर्सी पर डाल दी। उसने उसी फुर्ती से बाकी कपड़े भी शरीर से अलग कर दिए। ओह! क्या मैं कभी उसकी इस निर्वस्त्र सुंदरता को देख कर संतुष्ट हो पाऊंगी। इतना सुदर्शन पुरुष मेरा है। उसकी त्वचा चमक रही है। सूरज की धूप का असर उस पर भी हुआ है और उसके माथे पर खूबसूरत बालों का गुच्छा झूल रहा है। मैं कितनी किस्मतवाली हूं।

उसने मेरे होंठ को दांत की कैद से आज़ाद किया और बोला, "हां, अब ठीक है।" उसने दराज से धातु बनी हथकड़ियां और एक आंखों पर लगाया जाने वाला मास्क

निकाला

हथकड़ियां! हमने पहले तो कभी इनका इस्तेमाल नहीं किया। मैं थोड़ा घबराई और पलंग की तरफ देखा। वह इन्हें कहां बांधने जा रहा है।

वह मुड़ा और अपनी चमकती हुई आंखों से मुझे देखा।

"अगर तुम्हें इन पहनने के बाद हाथों को खींचोगी तो ये त्वचा को चुभ सकती हैं। पर मैं चाहता हूं कि तुम इन्हें मेरे लिए पहनो।"

हाय! मेरा मुंह सूख गया।

"क्या तुम इन्हें देखना चाहोगी?" उसने उन्हें मेरे हाथों में थमा दिया।

ठोस धातु की हथकड़ियां ठंडी थीं। मुझे सचमुच कभी इन्हें न पहनना पड़े।

वह मुझे गहराई से देख रहा था।

"इनकी चाबियां कहां हैं?" मेरा सुर कांप गया।

"उसने अपने हथेली में पड़ी धातु की चाबी दिखाई। ये दोनों के लिए काम आएगी।" उसने अपनी अंगुली को मेरे गालों पर फिराया और होठों तक लाते हुए चूम लिया, "क्या

तुम खेलना चाहोगी?"

"हां!" मैंने बेदम होते हुए कहा

"बढ़िया। तब तो हमें एक 'सेफवर्ड' रखना होगा।"

"क्या?"

"स्टॉप कहना ही काफी नहीं होगा क्योंकि हो सकता है कि वह शब्द तो यूं ही तुम्हारे मुंह से निकले। हमें कोई और शब्द खोजना होगा।"

हाय! इसके शब्दों का जादू...पता नहीं, ये कैसे ये सब कर लेता है।

"इससे कोई चोट नहीं आएगी। बस ये गहन होगा। बहुत ही गहन...क्योंकि मैं तुम्हें हिलने तक नहीं दूंगा। समझीं"

यह सुन कर ही मेरी सांसें थरथराने लगीं। ये सब कितना उत्तेजक लग रहा है। शुक्र है कि मैं इसकी ब्याहता हूं वरना ये सब सुन कर शर्मिंदगी हो सकती थी।

"अच्छा"

"एना! कोई शब्द चुनो।"

ओह

"एक सेफवर्ड"

"पॉप्सीकल।" मैंने हांफते हुए कहा

"हां"

"बहुत अच्छे। अपने बाजू ऊंचे करो।"

उसने पल भर में मेरी पोशाक उतार दी।

फिर उसने सारा सामान पलंग के पास रख कर, उसे हमारे खेल के लिए तैयार कर दिया।

उसने मेरे बाल खोले और मुझे अपनी ओर खींच लिया

"मिसेज ग्रे! आप अक्सर मेरा कहा नहीं मानतीं। आपका क्या किया जाए।"

उसके गुदगुदाते चुंबनों के बीच हमारी बातचीत जारी रही।

"आपको इसी बर्ताव की आदत डाल लेनी चाहिए।"

"ओह! मिसेज ग्रे! हमेशा की तरह..."

वह मुझे चूमते हुए मुस्कुराने लगा।

उसने मेरे खुले बालों की चोटी गूंथी और मुझे अपनी ओर खींचकर बोला

"आज मैं तुम्हें सबक सिखाने जा रहा हूं।"

वह पीछे खिसका और मुझे अपनी ओर खींचा।

फिर वह पलंग पर बैठकर मेरी जांघ पर अंगुली फिराने लगा। मेरे बदन का रोयां-रोयां कांप उठा।

"मिसेज ग्रे! क्या आप जानती हैं कि आप कितनी सुंदर हैं?"

उसने कोने में पड़ी हथकड़ियां उठाई, मेरी बाई टांग पकड़ी और एक हथकड़ी मेरे टखने में बांध दी।

ओह! फिर उसने मेरी दाई टांग उठाई और इसी प्रक्रिया को दोहराया। इस तरह मेरे दोनों टखनों में हथकड़ियां बंध गई। मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा था कि वह उन्हें कहां बांधने जा रहा है।

"उठो।" उसने कहा। मैंने झट से कहा माना।

"अब दोनों हाथों से घुटनों को लपेट लो।"

मैंने अपनी टांगें मोड़ी और दोनों हाथ घुटनों पर बांध लिए। उसने मेरी आंखों पर पट्टी बांधने से पहले, मुझे एक चुंबन दिया और इसके बाद मुझे कुछ भी दिखाई देना बंद हो गया। अब मैं उखड़ती सांसों के सिवा कुछ नहीं सुन पा रही थी। मुझे अब भी पता नहीं था कि वह हथकड़ियों को कहां बांधने वाला था।

"एना! सेफवर्ड क्या है?"

"पॉप्सीकल!"

"ठीक है!"

फिर उसने मेरी बाई कलाई को बाएं टखने की हथकड़ी से और दाई कलाई को दाएं टखने की हथकड़ी में जकड़ दिया।

अब मैं अपनी टांगें सीधी नहीं कर सकती।

"अब मैं तुम्हारे साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। उसने कहा है!!!!! मेरी तो जान ही निकल गई।

उसने मुझे बिस्तर पर गिरा दिया। मेरे पास मुड़ी टांगों के साथ लेटने के सिवा कोई उपाय नहीं बचा था। अगर टांगों को खींचती तो हथकड़ियां चमड़ी में चुभती थीं। उसने ठीक कहा था......मैंने ज़्यादा खींचतान की तो दर्द होगा। ये सब बड़ा ही अजीब लग रहा था। मैं एक नाव में पूरी तरह से असहाय पड़ी थी। उसने मेरे टखने अलग किए तो मैंने आह भरी।

उसने मेरी जांघों के अंदरूनी हिस्से को चूमा तो मेरा बाकी शरीर भी सिहर उठा पर मैं चाहकर भी अपनी प्रतिक्रिया नहीं दे सकी। मैं अपने नितंब तक नहीं हिला सकती। मेरे पांव लटक रहे हैं। मैं हिल भी नहीं सकती।

"एना! तुम्हें ये सारा आनंद लेना ही होगा। बस तुम हिल-डुल नहीं सकतीं।" वह हौले से बोला और मेरी बिकनी के निचले हिस्सों के पास से चूमता चला गया। उसने बिकनी की तनियां खोलीं और वह ढेर हो गई। फिर वह मेरी नाभि को अपने दांतों से काटने और चूसने लगा।

ओह! मैं कराही......ये सब बहुत मुश्किल होने वाला है। मैं इस समय निर्वस्त्र हूं और पूरी तरह से उसके रहमोकरम पर हूं। अब वह मेरे वक्षस्थल से भी वही खेल खेल रहा है।

आह......

"चुप्प.........एना! तुम कितनी सुंदर हो।"

मैंने कुंठित हो कर सिसकारी भरी। अगर मैं सामान्य मुद्रा में होती तो बेशक अपने नितंबों को हिला कर पूरी प्रतिक्रिया देती पर अब तो मैं हिल तक नहीं सकती मैंने खीझते हुए अपने बंधनों पर जोर मारा। धातु मेरी त्वचा को

काटने लगा।

आह! मैं चिल्लाई। पर मुझे आज इस बात की परवाह नहीं है।

"तुम मुझे दीवाना कर देती हो। आज मैं भी वही करने जा रहा हूं।" अब उसके शरीर का भार मुझ पर है, उसने फिर से अपना पूरा ध्यान मेरे वक्षस्थल पर लगा दिया है। वह मेरे स्तनों को अपने हाथों के स्पर्श से दीवाना बना रहा है। मैं भी दीवानीगी में झूम रही हूं। ओह प्लीज़! मत करो। रुक जाओ।

क्रिस्टियन! मैं उसके आगे गिड़गिड़ाई। उसने अपने उभार को मेरे बदन से सटाते हुए विजयी मुस्कान दी।

"क्या मैं तुम्हें इस तरह चरम सुख की सीमा तक ले जाऊं?" उसने हौले से कहा। "तुम जानती हो कि मैं ऐसा कर सकता हूं।" उसने मेरे स्तनों को जोर से काटा और

मैं आनंदातिरेक में चिल्ला उठी। मैंने इसी सनसनाहट के बीच अपनी हथकड़ियां भी झटक दीं।

"हां।" मैंने थरथराते हुए कहा

"ओह बेबी! ऐसे तो सब बहुत आसान हो जाएगा।"

ओह......प्लीज!!!

उसने मुझे चूमा और हमारे होंठ एक गहरी प्यास के साथ एक-दूसरे के होठों से जा मिले उसके मुंह से ठंडी जिन, ग्रे और समुद्री हवा की महक आ रही है। फिर उसने मेरे सिर को सही जगह पर टिकाने के लिए चिबुक थाम ली।

"बेबी! हिलो मत। मैं चाहता हूं कि तुम स्थिर रहो।" वह मुंह के पास आ कर बुदबुदाया। "मैं तुम्हें देखना चाहती हूं।"

"अरे नहीं एना! इस तरह तुम ज़्यादा गहराई तक एहसास ले सकती हो।" उसने धीरे-धीरे अपने बदन को हिलाना शुरू किया। सामान्यतः तो मैं भी ऐसी ही प्रतिक्रिया देती पर अभी तो शरीर का एक भी अंग हिलाना मुश्किल है।

"ओह क्रिस्टियन प्लीज!"

"फिर से कहो।"

"क्रिस्टियन!!!"

उसने थोड़ा और जोर दिखाया।

"क्या तुम मुझे चाहती हो?"

"हां।" मैं गिड़गिड़ाई।

"जल्दी बोलो!!!!!! "

"मैं तुम्हें चाहती हूं।" मैंने थरथराते हुए कहा

"और मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा एना!"

जैसे ही वह मेरे भीतर समाया। मैं सिर पीछे कर चिल्ला उठी। मेरा पूरा शरीर एक मीठे और अनजाने से दर्द से घिरा है। ये एक अलग-सा एहसास है, जिसे बयां नहीं कर सकती।

"एना, तुम मुझे नीचा क्यों दिखाती हो?"

"क्रिस्टियन, बस करो!"

उसने मेरी बात को अनसुना किया और अपना काम जारी रखा।

"बताओ, ऐसा क्यों करती हो?" मैंने अंदाजा लगाया कि उसने ये बात भिंचे दांतों के साथ कही होगी।

मेरे मुंह से एक अजीब-सा सुर निकला। ये तो हद हो गई।

"बताओ।"

"क्या क्रिस्टियन?"

बोलो, मैं जानना चाहता हूं। उसने एक बार फिर से ज़ोर दिखाया और मैं जाने कहां पहुंचने लगी...... ये एहसास कितना गहरा है... इसने मेरे शरीर के हर अंग और रोम-रोम को जागृत कर दिया है। अब मुझे अपने अंगों को काट रही हथकड़ी की भी सुध नहीं है।

"मैं नहीं जानती"। मैं चिल्लाई "......क्योंकि मैं ऐसा कर सकती हूं। क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूं क्रिस्टियन!"

उसने जोर से एक आह भरी और अपने काम में तेज़ी ले आया। मैं इस आनंद को महसूस करते हुए, कहीं खोती जा रही हूं। मेरा मन मेरे बस में नहीं रहा......मेरा शरीर मेरे बस में नहीं रहा। मैं इस सुख को पाने के लिए अपनी टांगें फैलाना चाहती हूं, पर ऐसा नहीं कर सकती...मैं बिल्कुल असहाय हुई पड़ी हूं । मैं अभी उसकी मर्जी पर हूं......उसकी दया पर हूं......मेरी आंखों से आंसू छलक उठे। यह सब बहुत गहन है। मैं उसे रोक नहीं सकती, मैं उसे रोकना नहीं चाहती......मैं चाहती हूं.........मैं चाहती हूं.........अरे नहीं। ये तो हद......... हो गई।

"इस एहसास को...... महसूस करो बेबी!" क्रिस्टियन बोला।

मैं अपने चरम सुख के बीच झूल रही हूं और उसे महसूस करते हुए ज़ोरों से चिल्लाती हूं। वह एक आग की तरह मेरे पूरे जिस्म में फैल गया है। मैं बुरी तरह से पस्त हूं, आंखों से आंसू बह रहे हैं- मेरा पूरा बदन कांप रहा है, थरथरा रहा है।

और मैं जानती हूं कि वह अब भी मेरे भीतर ही है। उसने एक झटके से मुझे अपनी गोद में खींच लिया। उसने एक हाथ से मेरे सिर को जकड़ा और दूसरे हाथ से उसे सहारा दिया। इसके बाद वह बड़े ही उग्र रूप से अपना काम करने लगा। मेरा शरीर अब भी अपने सुख के बीच झूम रहा है, कांप रहा है। ये पूरी तरह से पस्त होता जा रहा है। ओह......यही तो जन्नत है......यही तो जहन्नुम है। ये कैसी दीवानगी है......।

उसने आंखों का मास्क उतारा और मुझे चूमने लगा। उसने मेरी आंखें, नाक और गाल चूमे। उसने दोनों हाथों से मेरा चेहरा थामकर आंसू पोंछ दिए।

"मिसेज ग्रे! मैं तुमसे प्यार करता हूं।" उसने उखड़ी सांसों के बीच कहा

"बेशक! तुम मुझे दीवाना बना देती हो। मैं तुम्हारे साथ से बहुत जीवंत महसूस करता हूं। मेरे अंदर इतनी जान भी नहीं रही कि आंखें खोल दूं या उसे कुछ कहूं। उसने धीरे से मुझे बिस्तर पर लिटाया और बाहर आ गया।

मैंने कुछ कहना चाहा पर कह न सकी। उसने वे हथकड़ियां खोल दीं और धीरे-धीरे मेरी कलाईयों व टखनों को मलने लगा। फिर बिस्तर पर साथ लेट कर मुझे बांहों के घेरे में ले लिया। मैंने टांगें फैला दीं। ओह!!! कितना सुकून मिला। बेशक, मैंने आज से पहले इतना सुख कभी नहीं पाया था, ये तो जैसे हद ही हो गई थी।...हम्म... *क्रिस्टियन ग्रे का सज़ा देने का अनूठा तरीका*

मुझे तो निश्चित रूप से इस तरह का दुर्व्यवहार करते रहना चाहिए।

अचानक ही बाथरूम जाने की तीव्र इच्छा के साथ आंख खुली। जब मैंने आंखें खोलीं तो अचकचा गई। बाहर अंधेरा हो गया था। मैं कहां हूं? लंदन? पेरिस? ओह- नाव पर? मैंने नाव चलने की आवाज़ सुनी और हिचकोलों से अपने अनुमान को पक्का किया। क्रिस्टियन मेरे पास बैठा लैपटॉप पर काम कर रहा है। उसने सफेद लिनन की कमीज़ के साथ ट्राउज़र पहन रखी है। उसके पांव नंगे हैं। बदन से बॉडी वाश की महक आ रही है और बाल गीले हैं। हम्म...

"हाय।" उसने अपनी प्यार भरी नज़रों से देख कर कहा

"हाय।" मैं अचानक ही लजा गई।

"मैं कब से सो रही हूं।"

"एक घंटे से ज़्यादा हो गया।"

मैंने पिछली रात की सारी घटनाओं को मन ही मन दोहराया।

मैंने उससे पूछा

"हम कहां जा रहे हैं?"

"केन्स"

"अच्छा।" मैंने अंगड़ाई लेते हुए बदन को फैलाया। क्लाड का कोई भी प्रशिक्षण मेरे बदन को आज की इस दोपहर के लिए तैयार नहीं कर सकता था।

मैं हौले से उठकर आगे बढ़ी। मैंने झट से रेशमी चोगा पहन लिया। मैं अब भी क्रिस्टियन की नज़रों की ताब नहीं ला पाती और शरमा जाती हूं।

जब मैं अपने हाथ धो रही थी तो अचानक ही चोगा आगे से खुल गया। हैं!!! ये क्या। मैं खुद को शीशे में देखकर सिहर उठी।

ये इसने मेरे साथ क्या किया???

अध्याय-3

मैंने डरते हुए अपनी छाती पर उभर आए उन लाल निशानों को देखा। ये क्या! उसने जानबूझ कर चुंबन लेते हुए, मेरी त्वचा पर ये निशान बना दिए थे। मैं यू.ए. के एक जाने-माने व्यवसायी से ब्याही हूं और उसने मेरे शरीर पर ये निशान दिए हैं? मुझे पता क्यों नहीं चला कि वह मेरे साथ क्या कर रहा था? मैं खिसिया गई। दरअसल मैं जानती थी कि वे मि. सेक्स विशेषज्ञ मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे थे।

मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की ने अपने गोल चश्मे से मेरी ओर झांका और भीतर बैठी लड़की आरामकुर्सी पर पसरी दिखाई दी। मैंने अपने-आप को देखा। कलाईयां हथकड़ियों के कारण सूज गई हैं। बेशक इन पर खरोंचे आई हैं। पैरों के टखनों पर लाल निशान साफ देखे जा सकते हैं। ये सब क्या है! ऐसा लगता है कि मेरे साथ कोई दुर्घटना हो कर हटी है। बेशक मेरा शरीर इन दिनों बहुत अलग दिखने लगा है। मैं इसे जिस रूप में जानती थी......अब ये वैसा नहीं रहा। मैं पहले से पतली और फिट हो गई हूं। बाल पहले से कहीं खूबसूत, हाथ व पैर मैनीक्योर, भवें तराशी हुई और खूबसूरत आकार में दिख रही हैं। जिंदगी में पहली बार, मैं बहुत सुंदर रूप में सामने हूं। बस ये बेहूदे प्रेम चिन्हों का क्या करूं। कौन जाने ये प्रेम चुंबनों से बने निशान थे या...?

मैं इस वक्त इनके अलावा कुछ और सोचने के मूड में नहीं हूं। बहुत गुस्सा आया हुआ है। उसकी हिम्मत कैसे हुई। मेरे साथ ये क्यों किया? क्या वह कोई किशोर है? आज से पहले तो उसने कभी ऐसा नहीं किया। मैं कितनी गंदी दिख रही हूं। मैं जानती हूं कि उसने ये सब क्यों किया? मुझे अपने काबू में रखना चाहता है। इस बार तो इसने हद ही कर दी। मैं दनदनाते हुए बाथरूम से निकली और उसे देखे बिना ही अपनी पैंट और पूरी बाजू का टॉप पहनकर बाहर निकल आई। इस समय मुझे कुछ वक्त अकेले बिताना है ताकि अपने गुस्से को काबू में कर सकूं।

"एनेस्टेसिया! उसने पुकारा, क्या तुम ठीक हो?"

मैंने अनसुना कर दिया। "क्या मैं ठीक हूं? जी नहीं, मैं ठीक नहीं हूं।"

उसने मेरे साथ जो भी किया है। उसके बाद तो सवाल ही नहीं पैदा होता कि मैं बाकी बचे हनीमून में वे महंगी बिकनियां पहन सकूंगी। यह सोच कर तो पूरे बदन में आग लग गई। इसकी हिम्मत कैसे हुई? आया बड़ा......मैं भी इसे किसी टीनएजर की तरह पेश आ कर दिखा सकती हूं। मैंने उसके चेहरे पर आए भावों को अनदेखा किया और सीधा एक ब्रश उसकी सीध में दे मारा। उसने बाजू से अपना बचाव किया और मैं केबिन से बाहर निकल गई।

मुझे ठंडी हवा में थोड़ी राहत मिली। हमारी बोट बड़े ही प्यार से आगे बढ़ती जा रही है। एक गहरी सांस लेने के बाद मन शांत होने लगा। मुझे पता है कि वह पीछे आ गया है।

"तुम मुझसे नाराज हो?"

"जी नहीं! "

"कितनी नाराज हो।"

"अगर एक से दस का पैमाना हो तो मैं पचास तक नाराज हूं।"

"इतना गुस्सा?"

"जी हां। तुम्हारी हरकत ही ऐसी है। तुमने अपनी बात सागर तट पर कह दी थी और मुझे समझ भी आ गया था..."

"हां, तुम आज के बाद अपना टॉप सबके सामने नहीं उतारोगी।"

"मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया कि तुमने मेरे बदन पर ये निशान छोड़े हैं। ये एक हार्ड लिमिट है।"

"मैं भी पसंद नहीं करता कि तुम लोगों के बीच कपड़े उतारो। मेरे लिए यह एक कठोर सीमा है।" वह गरजा

"मुझे तो लगा था कि हमने इस बारे में पहले बात कर ली थी।"

"ये देखो।" मैंने उसके आगे अपना टॉप उघाड़ दिया। वह मुझे हैरानी से देखने लगा। उसने आज तक मुझे इतने गुस्से में नहीं देखा। क्या उसे दिखता नहीं कि उसने क्या कर दिया है? क्या उसे दिखता नहीं कि मैं कितनी भद्दी दिख रही हूं। मैं उस पर चिल्लाना चाहती हूं पर कुछ नहीं कह सकी। उसने अचानक ही अपने हाथ बचाव की मुद्रा में खड़े कर दिए।

"अच्छा। मैं समझ गया।"

वाह! बन गई बात।

"बढ़िया! "

उसने अपने बालों में हाथ फिराया। *माफ कर दो। मुझसे गुस्सा मत होना।* पर अब मामला मेरे हाथ से बाहर है और वह भी इसे जानता है। वह आगे आया और मेरे कानों के पीछे बाल कर दिए।

"तुम कई बार कितनी किशोरों वाली हरकतें कर जाते हो।" मैंने उसे फटकारा। "मैं जानता हूं। मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है।"

मुझे डॉ. के शब्द याद आ गए। उन्होंने कहा था कि वह *अभी किशोर ही है। उसके जीवन में यह अवस्था आई ही नहीं है। वह उसे पार कर आया था। उसने अपनी सारी ऊर्जा काम में खपा दी थी और वह सारी अपेक्षाओं से परे है।*

मेरा दिल पिघल सा गया।

"हम दोनों ही तो अभी बच्चे हैं।" मैंने बात संभाली। मैंने अपना हाथ उसकी छाती पर रख दिया। वह पीछे तो नहीं हटा पर हल्का सा चिहुंक गया।

वह हल्का सा शरमा कर बोला, "मैंने अभी-अभी देखा कि तुम्हें बहुत गुस्सा आता है और तुम्हारा निशाना भी जबदरस्त है। तुम तो हमेशा मुझे हैरानी में डाल देती हो।"

मैंने अपनी भौं उठाई, "मैंने रे के साथ निशानेबाजी का अभ्यास किया है। मैं बढ़िया निशानेबाज हूं। मि. ग्रे आपको यह बात याद रखनी चाहिए।"

"मिसेज ग्रे! मैं यह याद रखूंगा और कोशिश करूंगा कि आपके सामने कहीं से भी गन न आ जाए वरना..."

मैंने भी मजा लिया, "मेरे पास साधनों की कमी नहीं है।"

उसने मुझे बांहों में भर लिया और गर्दन पर नाक फिराई। ज्यों ही उसने मुझे छुआ तो उसके शरीर का तनाव घुलता दिखाई दिया।

"क्या माफी मिल गई?"

"क्या मुझे मिली?"

"जी हां"

"तुम्हें भी मिल गई।"

हम एक-दूसरे का हाथ थामे खड़े हो गए। मुझे अपना गुस्सा भूल गया था। उसमें से कितनी प्यारी गंध आती है। इससे दूर रहना कितना मुश्किल है।

"भूख लगी है?"

"हां, जान निकल रही है। पर मुझे तुम्हारे साथ खाने के लिए चलने से पहले कपड़े बदलने होंगे।"

"नहीं एना! यह हमारी बोट है। तुम जैसे जी चाहे कपड़े पहन सकती हो। हम डैक पर खाना खाएंगे।"

"हां, मुझे अच्छा लगेगा।"

उसने मुझे चूमा और हमारे बीच का लगाव पूरे जोर-शोर के साथ लौट आया। बैरे ने हमें क्रीम ब्रूली परोसा और जाने कहां ओझल हो गया। हम आपस में सट कर

बैठे हैं और टांगें आपस में खिलवाड़ कर रही हैं।

"तुम हमेशा मेरी चोटी क्यों गूंथ देते हो?"

उसका हाथ चम्मच उठाते हुए थम-सा गया

"मुझे पसंद नहीं कि तुम्हारे बाल किसी चीज में आएं। या यह शायद मेरी आदत हो।" ओह! उसे क्या याद आ गया। कई बार वह अपने बचपन की दुखदायी यादों में खो जाता

है। मैं उसे यह सब याद नहीं दिलाना चाहती। मैंने आगे बढ़ कर उसके होठों पर अपनी अंगुली रख दी।

"नहीं, इससे कोई अंतर नहीं पड़ता। मैं जानना भी नहीं चाहती। बस यूं ही पूछ रही थी।" मैंने उसे राहत और लगाव से भरी गहरी मुस्कान दी। वह पहले तो कुछ चिंतित दिखा पर कुछ ही देर में सहज हो गया। मैं आगे को झुकी और उसके मुंह का कोना चूम लिया।

"मैं तुमसे बेहद प्यार करती हूं।" मैंने हौले से कहा और उसने ऐसी दिलफेंक मुस्कान दी कि मैं वहीं पिघल गई। "मैं तुम्हें हमेशा इसी तरह प्यार करती रहूंगी, क्रिस्टियन"

"मैं भी एना......."

"मेरी बेअदबी के बावजूद?" मैंने ढिठाई दिखाई

"हां एनेस्टेसिया, तुम्हारी बेअदबी के बावजूद"

मैंने अपने मीठे व्यंजन में चम्मच मारा। क्या मैं इस इंसान को कभी जान सकूंगी। *हम्म! ये क्रीम ब्रूली तो जबरदस्त बनी है।*

जब हमारी मेज समेट दी गई तो मेरे पति ने हमारे जाम फिर से भर दिए। मैंने देखा कि हम अकेले थे। मैंने पूछा, "तुमने मुझे बाथरूम जाने से मना क्यों किया था?"

"क्या तुम सचमुच जानना चाहती हो?" उसके चेहरे पर कौतुक था।

"हां, जानना चाहती हूं।" मैंने अपनी वाइन का एक घूंट भरा।

"तुम्हारा ब्लैडर जितना भरा होगा। चरम सुख भी उतना ही ज्यादा हो जाएगा।" ओह! इसने तो कुछ ज्यादा ही विस्तार से बता दिया।

वह हमेशा मुझे अपनी जानकारी से चारों खाने चित्त कर देता है। क्या मैं कभी सेक्स विशेषज्ञ की बराबरी कर सकूंगी। मैं लजा गई और बात बदलने का बहाना तलाशने लगी।

उसे ही मुझ पर दया आ गई

"तुम आज शाम क्या करना चाहोगी?"

"क्रिस्टियन! तुम जो भी कहो।"

शायद आज वह कोई और थ्योरी आजमाना चाहेगा।

"मैं जानता हूं कि हमें शाम को क्या करना है। तुम मेरे साथ आओ।" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया।

वह मुझे मेन सैलून में ले गया। उसका आईपॉड स्पीकर के साथ लगा था। उसने एक धुन लगाई और मेरी ओर हाथ बढ़ा दिया। "मेरे साथ डांस करोगी।"

"अगर तुम चाहो।"

"मिसेज ग्रे! मैं चाहता हूं।"

अजीब सी धुन थी। कुछ जानी-पहचानी लगी पर मैं पहचान नहीं पाई कोई लैटिन धुन लग रही थी। हम एक साथ नाचने लगे और वह मुझे आगे खींच ले गया।

उसने मुझे अचानक नीचे झुकाया और मेरे मुंह से चीख निकलते ही वापिस खींच लिया। उसकी आंखें मस्ती से नाच रही हैं। फिर उसने मुझे बांहों में उठा कर चक्कर कटवा दिया।

"तुम कितना अच्छा नाचते हो। कभी-कभी तो लगने लगता है कि मुझे भी नाचना आ गया।" मैंने कहा

उसने मुझे दबे होठों की एक मुस्कान दी पर मुंह से कुछ नहीं कहा। मैं सोचने लगी कि कहीं वह मिसेज रॉबिन्सन के बारे में तो नहीं सोच रहा। जिसने उसे नाचना सिखाया था।...और शारीरिक संबंध बनाना भी...! उसने अपने जन्मदिन के बाद से उसके बारे में बात नहीं की है। और जहां तक मुझे पता है। उनका वह नाता टूट गया है पर यह तो मानना ही होगा कि वह बहुत अच्छा सिखाती थी।

उसने मुझे फिर से एक गोता दिलाया और होंठों पर मीठा सा चुंबन जड़ दिया। "मैं तुम्हें दिलोजान से चाहती हूं।" मैंने हौले से कहा

"मैं भी तुम पर फिदा हूं।" उसके शब्दों की चाशनी कानों में रस घोलती चली गई। गाना खत्म हुआ और मैं नाचते नाचते बेदम हो गई।

"मेरे साथ बिस्तर पर चलो।" उसने हौले से कहा

मैं जानती हूं कि हमारे बीच सब कुछ सहज है या नहीं। शायद वह इसी पैमाने से इसे मापना जानता है और मुझे इसी बात को मानकर चलना होगा।

जब मैं जगी तो सूरज की किरणें केबिन के भीतर झांक रही थीं। वह कहीं नहीं दिखा। मैंने अंगड़ाई ली और मुस्कुराई। गुस्से से भरा क्रिस्टियन और अपनी फैंटैसी के नशे में खोया क्रिस्टियन, मुझे इन दोनों रूपों के साथ ही जीना होगा।

मैं उठ कर बाथरूम की ओर चली। वहां देखा तो वह कमर में तौलिया बांधे शेव कर रहा था। इतना तो मैं जान ही गई हूं कि उसे अपना बाथरूम अंदर से बंद करने की आदत नहीं है। होती भी कैसे, अकेले ही रहता आया है।

"मिसेज ग्रे! गुडमार्निंग...."

"गुडमार्निंग जान! " मैं उसके पास जा पहुंची वह शेव करने लगा और मैं जाने-अनजाने उसकी मुद्राएं ही दोहराने लगी। उसके आधे चेहरे पर अब भी झाग लगी है।

"मजा आ रहा है?" उसने पूछा

"*ओह क्रिस्टियन! मैं तो तुम्हें इस तरह घंटों देख सकती हूं यह तो मेरा मनपसंद शगल है।*" मैंने हौले से कहा और उसने झाग लगे चेहरे से ही मुझे चूम लिया।

"क्या मैं तुम्हारे साथ फिर से वैसा कर सकता हूं।"

"नहीं, नहीं मैं वैक्स कर लूंगी।" मुझे याद है कि जब हम लंदन में थे तो मैंने एक दिन अपनी जांघों के अंदरूनी हिस्से के बाल शेव कर लिए थे। बेशक यह मैंने उसके स्तर पर आने के लिए तो नहीं किया था...

"ये तुमने किया क्या है?" वह हैरानी से बोला। उसके चेहरे पर हैरानी और कौतुक के मिले-जुले भाव थे। वह ब्राउन होटल के पलंग पर उठ बैठा और साथ वाला लैंप जला दिया। फिर वह खुले मुंह से मुझे देखता ही रह गया। आधी रात का समय था और मुझे अपने चेहरे की लाली छिपाने के लिए चादर से मुंह ढांपना पड़ा। मैंने अपनी पोशाक हाथ में थामकर कहा, "मैंने शेव किया था।"

"वह तो मैं भी देख सकता हूं, पर क्यों।" उसने हैरानी से पूछा

मुझे इतनी शर्म क्यों आ रही है?

"हे।" उसने मेरी आंखों से हाथ हटा दिए। फिर अपने होंठों को दांतों से काटने लगा कि उसे हंसी न आए और बोला, "अब बताओ कि ऐसा क्यों किया?" उसे यह बात इतनी मजाकिया क्यों लग रही थी?

"मुझ पर हंसना बंद करो।"

"मैं हंस नहीं रहा। सॉरी! मैं तो बहुत खुश हूं।"

"ओह।"

"ये तो बताओ कि क्यों खुश हो?"

"पहले तुम बताओ कि ये क्यों किया?"

मैंने एक गहरी सांस ली। "इस सुबह जब तुम मीटिंग के लिए गए तो नहाते समय मुझे तुम्हारे सारे नियम याद आ गए। जिनमें से यह भी एक था।"

उसने हैरानी से पलकें झपकाईं।

"और मैं मन ही मन उन पर निशान लगा कर देख रही थी कि मैं कितने नियमों पर खरी उतरी। फिर मुझे ब्यूटी सैलून याद आया और मैंने सोचा कि क्यों न मैं ये काम कर दूं। हालांकि इतनी हिम्मत नहीं हुई कि मैं वैक्स करवा लेती इसलिए मैंने शेव ही कर लिया।"

इस बार उसकी आंखों से हंसी की बजाए स्नेह झर रहा था।

"ओह एना।" उसने आगे झुक कर मुझे चूम लिया।

"मुझे लगता है कि मिसेज ग्रे! हमें आपके काम का निरीक्षण करना चाहिए।" "क्या, नहीं?" मैंने खुद को ढका

"अरे नहीं। एना।" उसने मेरे दोनों हाथ कस कर जकड़ लिए ताकि मैं उनका इस्तेमाल न कर सकूं। फिर उसके होंठ बदन के अलग-अलग हिस्सों को छूते हुए सीधे वहीं जा पहुंचे और मैंने खुद को उसके सहारे छोड़ दिया।

"अरे ये क्या?" उसे किसी जगह कुछ बाल दिखे और उसके दिमाग को नई बात सूझ गई। मैं अभी आया। वह बिस्तर से लपका।

ओह! वह करना क्या चाहता है?

जब वह लौटा तो उसके पास पानी का गिलास, मग, मेरा रेजर, उसका शेविंग ब्रश, साबुन और एक तौलिया था। उसने सारा सामान कोने में रखा और हाथों में तौलिया थामे मुझे ताकने लगा।

"अरे नहीं। मैं झट से आगे बढ़ी और उसे रोकना चाहा।

"नहीं, नहीं, नहीं। मैं चिहुंकी"

"मिसेज ग्रे। मेरी बात मानो"

"क्रिस्टियन! तुम इस हिस्से को शेव नहीं करने जा रहे।"

"मैं ऐसा ही करने जा रहा हूं।"

"तुम नहीं कर सकते।"

"क्यों नहीं कर सकता?"

"ये सब बड़ा अजीब लगता है।"

"इसमें अजीब क्या है?"

"एना! तुम्हारे बदन के इस हिस्से को मैं तुमसे कहीं बेहतर जानता हूं।"

मैं उसे हैरानी से देखती रही। उसने झूठ तो नहीं कहा था।

"ये गलत नहीं है। ये हॉट है और मुझे पता है कि ये तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा।" *हॉट? सचमुच??* मैं अपनी हैरानी को दबा नहीं सकी।

"मैं तुम्हारी शेव करना चाहता हूं। तुम अब कुछ नहीं कहोगी।" उसने हौले से कहा "ओह! ये क्या है।" मैं पीठ के बल लेट गई और चेहरे को हाथों से ढांप लिया ताकि

मुझे कुछ दिखाई न दे।

"अगर तुम्हें इससे खुशी मिलती है तो... क्रिस्टियन तुम भी अजीब रसिक हो।" मैंने हौले से कहा और ऊपर को तरफ उठी। उसने मेरे नीचे तौलिया लगा दिया और

जांघों के अंदरूनी हिस्से पर एक चुंबन दिया।

"ओह बेबी! तुम कितनी प्यारी हो।"

मैंने शेविंग के ब्रश के पानी में डूबने का स्वर सुना और फिर उसने मेरी टांगों को परे कर दिया। वह बीच में बैठ गया। "तुम्हें इस समय बांधना ही ठीक रहता।"

"नहीं, मैं वादा करती हूं कि बिल्कुल नहीं हिलूंगी।"

"बढ़िया"

उसने चमड़ी पर क्रीम से भरा ब्रश लगाया तो पूरे शरीर में सिरहन सी दौड़ गई। ये तो गर्म है। वह गर्म पानी लाया होगा। मैं हल्का सा चिहुंकी तो वह बोला

"लगता है कि बांधना ही होगा"

"नहीं, नहीं! अब ऐसा नहीं होगा"

"क्या तुमने पहले कभी ऐसा किया है।"

"नहीं, पहली बार कर रहा हूं।"

"ओह! तो यह भी एक फर्स्ट रहा।"

"हां, मेरे लिए भी पहली बार है।" उसने बड़ी ही कोमलता से मेरी त्वचा पर रेजर चला दिया और इसके बाद बड़े ही ध्यान से अपने काम में जुट गया। बीच में एक बार आवाज सुनाई दी। "हिलो मत।" मैं समझ गई कि कितनी एकाग्रता से काम कर रहा था और काम के बीच में बाधा उसे पसंद नहीं थी।

"ये लो हो भी गया।"

ये क्या! इतनी जल्दी?

वह आराम से बैठ कर अपने काम को देखने लगा।

"खुश हो?" मैंने हौले से पूछा

"हां?" उसने कहा और....

"पर उस दिन मजा बड़ा आया था।" उसकी आंखों में शरारत नाच रही थी *तुम्हें ही आया होगा।* मैंने मुंह फुलाया। पर वह सही कह रहा था। वह सब बहुत

कामोत्तेजक था। मैं तो सोच भी नहीं सकती थी कि केवल उस जगह के बाल हटा देने से ही इतना अंतर आ सकता है।

"हे! जो पति अपनी पत्नियों से प्यार करते हैं। वे अक्सर ऐसा करते हैं।" क्रिस्टियन ने मेरी चिबुक थाम कर कहा और मेरे चेहरे के भाव पढ़ने लगा।

"हम्म...बदला चुकाने का वक्त हो गया"

"बैठो! " मैंने धीरे से कहा

वह कुछ समझे बिना, ताकने लगा। मैंने उसे वहां रखे स्टूल पर बिठा दिया। वह हैरानी से देखता रहा और मैंने रेजर उसके हाथ से ले लिया।

"एना! उसने मेरी मंशा भांप कर मुझे चेतावनी देनी चाही। मैंने आगे झुककर उसे चूम लिया।

"सिर पीछे ।" मैंने धीरे से कहा

वह हिचका

"मि. ग्रे! अदले का बदला! "

वह मुझे बड़ी ही हैरानी और अविश्वास से देखता रहा।

"तुम जानती हो कि तुम क्या कर रही हो।" उसने धीरे से कहा और मैंने अपनी गर्दन हिला दी। मैं गंभीर दिखने की कोशिश कर रही थी। उसने आंखें बंद कर गर्दन हिलाई और फिर मेरे आगे हथियार डाल दिए।

हाय! वह मुझे अपनी शेव करने दे रहा है। मुझसे कोई कट लग गया तो? मैंने उसके माथे पर आए बाल थाम लिए ताकि उसे स्थिर रख सकूं। उसने कस कर आंखें बंद कीं और होंठ खोल कर सांस लेने लगा। मैंने हौले से रेजर को उसकी गर्दन से चिबुक तक ले जाते हुए रास्ता सा बना दिया। क्रिस्टियन ने सांस छोड़ी।

"क्या तुम्हें लगा कि मैं तुम्हें चोट पहुंचाने जा रही थी।"

"एना! मैं कभी नहीं जानता कि तुम क्या करने जा रही हो पर ये तो तय है कि तुम कभी जान कर मुझे चोट नहीं पहुंचाओगी।"

मैंने उसकी गर्दन पर एक बार फिर से रेजर चलाया और उसने आंखें खोल कर मेरी कमर के आसपास बांहों का घेरा डाल दिया।।

उसने गर्दन घुमा दी ताकि मैं गाल का बाकी हिस्सा भी शेव कर सकूं।

"देखा! सारा काम हो गया और कोई कट भी नहीं आया।" उसने मेरी नाइट ड्रेस को इतना ऊंचा किया कि मैं उसकी गोद में आ गई। मैंने अपने हाथ उसके बाजुओं के ऊपरी हिस्से पर टिका दिए। उसका बदन वाकई गठीला है।

"क्या मैं आज तुम्हें कहीं ले जा सकता हूं?"

"सनबाथ के लिए नहीं?" मैंने भौं नचाई।

"नहीं, कहीं और जाना है।"

"ये थोड़ी दूर है पर जाने वाली जगह है। यह पहाड़ी पर बसा छोटा सा गांव है। संट पॉल डि वेंस! वहां कुछ गैलरियां हैं। मैंने सोचा कि हम अपने नए घर के लिए कुछ चित्र और मूर्तियां ले सकते हैं।" "हैं! पर मैं तो कला के बारे में कुछ नहीं जानती। मैं आर्ट कैसे खरीद सकती हूं?"

"क्या ?" उसने कहा

"क्रिस्टियन! मैं तो कला के बारे कुछ नहीं जानती।"

"मैं भी कौन सा निवेश करने जा रहा हूं। बस जो अच्छा लगेगा। खरीद लेंगे।" मैंने अपनी गर्दन हिलाई। *कला निवेश के लिए भी खरीदी जाती है। मेरे लिए ये सब*

कितना नया है।

"देखो! इसके अलावा ये एक पुराना मध्ययुगीन शहर है इसलिए भी तुम्हें पसंद आएगा।" अच्छा। वहां की वास्तुकला...तभी मुझे एस्पेन में उसकी दोस्त जिआ की याद आ गई।

हमारी हर मुलाकात में वह क्रिस्टियन को किस तरह घेरे हुए थी।

"क्या हुआ?" क्रिस्टियन ने पूछा

मैं उसे कैसे बताती कि मैं क्या सोच रही थी। मैं नहीं चाहती कि मैं उसके सामने किसी ईर्ष्यालु बीबी की तरह पेश आऊं।

"तुम अब कल वाली बात से नाराज तो नहीं हो न?" उसने मेरी छातियों के बीच अंगुली फिराई।

"नहीं, मुझे भूख लगी है।" मैंने जानबूझ कर ऐसा कहा क्योंकि मैं जानती थी कि इस तरह आराम से उसका ध्यान बंटाया जा सकता है।

"पहले क्यों नहीं कहा?" उसने मुझे गोद से उतारा और खड़ा हो गया।

संट पॉल डि वेंस एक छोटा सा पहाड़ी गांव है। मैंने आज तक ऐसी प्राकृतिक सुंदरता नहीं देखी। मैं अपने पति की बांहों में बांहें डाले भीड़ के बीच डोल रही हूं और मेरे लिए ये दुनिया की सबसे सुरक्षित और आरामदेह जगह है।

टेलर और उसका साथी हमारे पीछे हैं। यहां देखने के लिए कितना कुछ है। छोटे गलियारे और गलियां। पत्थरों की नक्काशी से सजे फव्वारे, प्राचीन व आधुनिक मूर्तियां, नन्ही दुकानें व शोरूम।

पहली गैलरी में क्रिस्टियन हमारे आगे सजी कामोत्तेज तस्वीरों के सामने खड़ा हो गया। किसी नग्न युवती के चित्र लिए गए थे। फ्लोरेंस डेल ने उन्हें बहुत खूबसूरती से पेश किया था।

"नहीं मैं ऐसा कुछ नहीं चाहती।" उन्हें देखते ही मुझे उसकी अलमारी में रखे वे चित्र याद आ गए। पता नहीं उसने हटाए या नहीं।

"मैं भी नहीं लेना चाहता।" मैं सोचने लगी कि क्या वह मेरी भी वैसी तस्वीरें लेना चाहेगा।

इसके बाद एक और पेंटर के चित्र आए जिसमें बहुत ही सुंदर रूप से फल और सब्जियां चित्रित थे। मैंने तीन मिर्च वाली पेंटिंग की ओर संकेत किया। "इसे देख कर मुझे वह दिन याद आ रहा है। जब तुमने मेरे अपार्टमेंट में शिमला मिर्च काटी थी।"

"हां, काम आसान नहीं था। वैसे भी तुम मेरा ध्यान बंटा रही थीं।" उसने कौतुक से कहा। "वैसे तुम इन्हें कहां लगाना चाहोगी?"

"किचन"

"हम्म बढ़िया। मिसेज ग्रे"

मैंने दाम पढ़े। पांच हजार यूरो। जीसस!

"ये तो बहुत महंगे हैं। मैंने कहा

"तो। एना तुम्हें इसका आदी होना होगा।" वह मुझे डेस्क पर ले गया। जहां बैठी महिला क्रिस्टियन को आंखों ही आंखों में पीने लगी। मैं आंखें नचाना चाहती थी पर फिर से चित्र देखने लगी। *पांच हजार यूरो! हद हो गई!!!!*

हमने कॉफी ली और ली सेंट पॉल के आरामदायक वातावरण में सुस्ताने लगे। आसपास का माहौल बड़ा प्यारा है। होटल के अंदर से ही बाहर लगी अंगूर की बेलें और सूरजमुखी के फूल देखे जा सकते हैं। ये फ्रेंच फार्महाउस वाकई बहुत प्यारे हैं। मैं तो जैसे इस सुंदरता में खो ही गई थी। अचानक क्रिस्टियन की बात से मेरी तंद्रा भंग हुई।

"तुमने पूछा था कि मैं बार-बार तुम्हारी चोटी क्यों गूंथ देता हूं।"

उसके सुर में अपराधबोध की गंध थी। मैं एकदम चौकन्नी हो गई।

"हां। ओह शिट! "

"वह कमीनी औरत मुझे अपने बालों के साथ खेलने देती थी। शायद यह कोई सपना है या मेरी याद, मैं नहीं जानता।"

"ओह! उसे जन्म देने वाली मां"

उसने मुझे ऐसी नजरों से देखा, जिनसे कोई भी अनुमान लगा पाना कठिन था। मेरा कलेजा उछल कर मुंह को आ गया। जब वह ऐसी बातें कहे तो मैं क्या कह सकती हूं।

"जब तुम मेरे बालों से खेलते हो तो मुझे अच्छा लगता है।" मैंने हिचकते हुए कहा उसने मुझे हैरानी से देखा। "क्या सचमुच?"

"हां। ये सच है। क्रिस्टियन! मुझे तो लगता है कि तुम अपनी मां को चाहते हो।" उसकी आंखें विस्फारित हुई और वह चुपचाप मुझे ताकता रहा।

हाय! कहीं मैं ज्यादा तो नहीं बोल गई। *फिफ्टी! ऐसे चुप मत रहो। कुछ तो बोलो।* वह कहीं खोया था। मैंने अपना हाथ उसके हाथ पर रखा तो वह उसे भी घूरकर देखने लगा। "कुछ तो बोलो।" मैंने हौले से कहा क्योंकि मैं जानती थी कि ऐसी चुप्पी को झेल पाना

मेरे बस के बाहर था।

उसने गहरी सांस भरते हुए, अपना सिर हिलाया।

"चलो, चलते हैं।" उसने मेरा हाथ थामा और खड़ा हो गया। क्या मैं अपनी हद लांघ गई हूं। मुझे अंदाजा नहीं हो पा रहा। मेरा दिल डूब गया। समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं। मैंने तय किया कि इन हालात में चुप रहना ही ठीक होगा।

उसने एक संकरी-सी गली में मेरा हाथ थाम कर कहा

"कहां जाना चाहोगी?"

वह बोला। इसका मतलब है कि मुझसे नाराज नहीं है। *शुक्र है! मेरी तो जान में जान आ गई।*

"तुम जानती हो कि मैं इन बातों को दोहराना नहीं चाहता। वह सब अब खत्म हो गया।" *नहीं क्रिस्टियन, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। यह सोच मुझे उदास कर गई। पहली*

बार मुझे लगा कि वह सब कभी खत्म होगा भी या सारी जिंदगी साए की तरह हमसे चिपका रहेगा? वह तो हमेशा फिफ्टी शेड्स रहेगा। मेरा फिफ्टी शेड्स! क्या मैं उसे बदलना चाहती हूं? नहीं, बस मैं इतना चाहती हूं कि वह मेरे प्यार को महसूस करे। मैंने ज़रा-सा झांक कर उसकी खूबसूरती का एक घूंट भरा...वह मेरा है। ऐसा नहीं कि मैं उसके चेहरे या बदन की सुंदरता की दीवानी हूं। इस संपूर्णता के पीछे...उसकी बिखरी व नाजुक सी आत्मा मुझे पुकारती है।

उसने मुझे अपनी वही मदहोश कर देने वाली मीठी और सेक्सी सी मुस्कान के साथ अपनी बांह के घेरे में लिया और वहां चल दिया, जहां हमारी बड़ी-सी मर्सिडीज खड़ी थी। मैंने अपना हाथ उसके शॉर्टस की पिछली जेब में डाल दिया। चलो जान बची, ये नाराज तो नहीं है। पर सच्ची, ऐसा कौन-सा चार साल का बच्चा होगा जो अपनी मां को नहीं चाहता, भले ही वह कितनी भी बुरी क्यों न हो। मैंने आह भरी और उसे कसकर अपने से सटा लिया। मैं जानती हूं कि हमारा सुरक्षा दल पीछे ही है और अचानक ही मन में आया कि उन लोगों ने कुछ खाया या नहीं?

क्रिस्टियन एक छोटी सी दुकान के आगे ठिठक गया। जहां बहुत ही आलीशान आभूषण बिक रहे थे। उसने मेरा हाथ थाम कर कलाई पर बने निशान पर अपना अंगूठा फिराया।

"ये सूजा नहीं है।" मैंने उसे तसल्ली दी। वह मुड़ा जिससे मेरा हाथ उसकी जेब से बाहर आ गया। उसने दूसरी कलाई को भी देखा। उसने मुझ लंदन में सुबह नाश्ते के दौरान जो प्लेटीनम ओमेगा भेंट में दी थी। वह उस हाथ पर बंधी है। उस पर अंकित शब्द पढ़ कर मैं तो दीवानी हो जाती हूं।

एनेस्टेसिया, तुम ही मेरे लिए सब कुछ हो

मेरा प्यार, मेरी जिंदगी हो

क्रिस्टियन

अपनी सारी फिफ्टीनेस के बावजूद, मेरा पति इतना रोमानी भी हो सकता है। मैंने अपनी कलाई पर धुंधले पड़ गए निशानों को देखा। उसने अपनी अंगुलियों से मेरी चिबुक उठा कर, आंखों में झांका।

"इनमें दर्द नहीं है।" मैंने अपनी बात दोहराई। उसने मेरी कलाई पर माफी मांगने की मुद्रा में चुंबन जड़ दिया।

"आओ।" वह मुझे दुकान में ले गया।

"ये लो।" उसने मेरे सामने प्लेटीनम का ब्रेसलेट रख दिया। जो उसने हाल में लिया था। बहुत ही सुंदर कारीगरी के साथ हीरों से बने फूल और दिल मन मोह रहे थे। उसने उसे झट से मेरी कलाई में पहना दिया। वह इतना चौड़ा था कि उससे सारे निशान छिप गए। *यह तीस हजार यूरो का है।* हालांकि उनकी आपसी बात समझ नहीं आ रही थी पर इतना तो तय था कि मैंने कभी इतना महंगा उपहार नहीं लिया था।

"वाह, बहुत खूब!

"मुझे इसकी जरूरत नहीं है।

"पर मुझे तो है।

"क्यों?" उसे यह सब करने की क्या जरूरत है? क्या उसे अपराधबोध हो रहा है? किसलिए? उन निशानों के लिए? उसकी मां के नाम पर? मुझ पर भरोसा न होने पर? ओह फिफ्टी!

"नहीं, क्रिस्टियन, तुम्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। तुम पहले ही मुझे बहुत कुछ दे चुके हो। एक जादुई हनीमून, लंदन, पेरिस, कोट डिएज्योर......और तुम। मैं कितनी किस्मतवाली हूं।" मैंने हौले से कहा और उसकी आंखें मुलायम हो उठीं।

"नहीं एनेस्टेसिया! मैं बहुत किस्मतवाला हूं।"

"थैंक्स! " मैं पंजों के बल उचकी और उसके गले में बांहें डाल चूम लिया......मुझे उपहार देने के लिए नहीं, मेरा बनने के लिए!

कार में बैठने के बाद वह पहले तो बाहर देखता रहा और फिर दुपहर की धूप का आनंद लेने लगा। कार में गेस्टन और टेलर भी हैं। मेरा पति जाने किस उधेड़बुन में था। मैंने उसका हाथ थामकर दबा दिया। उसने मेरा हाथ छोड़ने से पहले मुझे ताका और फिर घुटना दबा दिया। मैंने एक नीले रंग के टॉप के साथ सफेद स्कर्ट पहन रखी है। उसका हाथ पल भर के लिए थमा और पता नहीं क्यों, मुझे लगा कि वह अपना हाथ ऊपर की ओर लाएगा। मैं इस बारे में सोचकर ही परेशान हो गई क्योंकि हम कार में अकेले नहीं थे। उसने अचानक ही मेरा टखना पकड़ा और पैर को गोद में धर लिया।

"मुझे दूसरा पैर भी दो।" मैंने घबराहट से गेस्टन और टेलर को देखा। वे दोनों बिल्कुल आगे गर्दन तान कर बैठे थे। क्रिस्टियन ने हमारी सीट के आगे पतला सा पर्दा तान दिया। एक बटन दबाते ही हमें एकांत मिल गया और वाह! वहां तो काफी जगह थी। मैंने बड़े ही आराम से अपने दोनों पांव उसकी गोद में धर दिए। मैं तुम्हारे टखने

देखना चाहता हूं। वह उन निशानों को ले कर बहुत परेशान है। ओह! मुझे तो लगा था कि बात खत्म हो गई होगी। अब तो निशान नहीं रहे और अगर हैं भी तो वे सैंडिल में छिपे हुए हैं। उसने अचानक ही अंगूठे से गुदगदी की और मुझे हंसी आने लगी। फिर उसने सैंडिल उतारकर उन लाल निशानों पर अपना हाथ फिराया।

"दर्द नहीं होता।" मैंने हौले से कहा। उसने मुझे देखा और उसके चेहरे पर दर्द की हल्की रेखाएं दिखीं। वह फिर से बाहर देखने लगा।

"आखिर बात क्या है। तुम चाहते क्या हो?"

"मैं तुम्हारे पैरों पर ये निशान तो कभी नहीं देखना चाहता था।"

"तुम्हें इन्हें देखकर कैसा लग रहा है?"

"बहुत बेचैनी हो रही है।"

"ओह नहीं।" मैंने अपनी सीट बेल्ट खोली और उसके पास खिसक गई। अगर गाड़ी में गेस्टन और टेलर न होते तो बेशक मैं उसकी गोद में जा बैठती।

मैंने पास जाकर उसके दोनों हाथ थाम लिए।

"मुझे अपनी त्वचा पर वे निशान पसंद नहीं आए थे। इसके सिवा कुछ भी ऐसा नहीं......। मुझे हथकड़ी भी पसंद आई। ये सब जबदरस्त था। तुम कभी भी इसे दोहरा सकते हो।" मैंने हौले से कहा

"क्या तुम्हें सचमुच ये सब कमाल लगा?" भीतर बैठी लड़की दमक उठी।

"हां! " मैंने खीसें निपोरीं। फिर मैंने देखा कि उसके चेहरे व शरीर के हावभाव बदलने लगे। सांसें उथली होने लगीं।

"मिसेज ग्रे! तुम्हें अपनी सीट बेल्ट लगा लेनी चाहिए।" उसने मेरे टखनों पर एक बार फिर से हाथ फिराया। ओह! वह चाहता क्या है। मैं आगे बढ़ूं या पीछे हट जाऊं। एक तो इसे समझना भी कुछ ज्यादा ही मुश्किल है। अचानक ही उसने जेब से ब्लैकबैरी निकाला। साथ ही घड़ी पर नजर टिकी थी। माथे की रेखाएं गहरा गईं।

"बार्नी"

ओह! ये काम फिर आड़े आ गया। मैंने पांव हटाने चाहे तो उसने फिर से मेरे टखने जकड़ लिए।

"सर्वर रूम में?" उसने हैरानी से कहा। क्या इससे आग बुझाने का तंत्र चालू हुआ था? "आग! " मैंने झटके से पैर हटा लिए। इस बार तो उसने भी नहीं रोका। मैं पीछे खिसकी

और सीट बेल्ट लगाकर बैठ गई। फिर मैं बेचैनी से तीस हजार यूरो के ब्रेसलेट से खेलने लगी। क्रिस्टियन ने हमारी गोपनीयता के लिए लगा पर्दा भी हटा दिया।

"किसी को चोट तो नहीं आई? कोई नुकसान...? अच्छा......कब?" उसने फिर से घड़ी देखी और बालों में हाथ फिराया।

"नहीं, अग्नि विभाग या पुलिस भी नहीं? अभी तक नहीं?"

"आग? उसके ऑफिस में?" मैंने उसे देखा और दिमाग चलाने लगी। टेलर भी पीछे घूम गया ताकि आराम से बात सुन सके।

"अच्छा? बढ़िया, ठीक है। मुझे नुकसान की सारी रिपोर्ट विस्तार से चाहिए। साफ-सफाई कर्मचारियों सहित, पिछले पांच दिन में वहां कौन-कौन आया। यह ब्यौरा भी देना। एंड्रिया से कहो कि मुझे फोन करे... लगता है कि आरसन अब भी शांत नहीं हुआ । नुकसान की रिपोर्ट? कुछ समझ नहीं आ रहा।"

"मुझे दो घंटे में मेल करो। सारी जानकारी चाहिए। फोन करने के लिए थैंक्स! " फिर उसने झट से फोन में एक दूसरा नंबर मिलाया।

"वेल्क......अच्छा...कब? उसने फिर से घड़ी देखी। एक घंटा...ऑफिस डाटा स्टोर में टवेंटी फोर सैवन......अच्छा।" उसने फोन बंद कर दिया।

"फिलिप! मुझे एक घंटे में ऑनबोर्ड होना है।"

"जी, हुजूर"

"ओह! ये तो गेस्टन नहीं फिलिप निकला। कार आगे की ओर बढ़ी।

"किसी को चोट तो नहीं आई?"

"नहीं, कोई खास नुकसान नहीं।" उसने मेरा हाथ दबा कर तसल्ली दी। इस बारे में चिंता मत करो। "मेरी टीम सब संभाल लेगी।" और यहां ये सीईओ कितने आराम से है मानो कुछ हुआ ही न हो।

"आग कहां लगी?"

"सर्वर रूम में।"

"ग्रे हाउस?"

"हां"

उसके तीखे जवाब सुन कर लगा कि वह इस बारे में बात नहीं करना चाहता। "नुकसान ज्यादा क्यों नहीं हुआ?"

"आग बुझाने का यंत्र चालू हो गया था"

"बेशक"

"एना, प्लीज! चिंता मत करो।"

"मैं चिंता नहीं कर रही।" मैंने झूठ बोला

"हम कह नहीं सकते कि वह आरसन ही था।" मेरा कलेजा तेजी से धड़क रहा है। पहले *चार्ली टैंगो और फिर ये?*

इसके बाद क्या होने वाला है?

अध्याय-4

मैं बेचैन हूं। क्रिस्टियन पिछले एक घंटे से ऑनबोर्ड स्टडी में मग्न है। मैंने पढ़ने, टी वी देखने और पूरे कपड़ों में सनबाथ लेने की कोशिश की पर मैं रिलैक्स नहीं कर सकती। और मैं खुद को इस अजीब से एहसास से भी परे नहीं कर पा रही। मैंने शार्ट और टी-शर्ट पहनने के बाद हास्यास्पद रूप से महंगे कफ को उतार दिया और टेलर को खोजने चल दी।

"मिसेज ग्रे?" वह अपने एंथोनी बरगीज़ नॉवल से चौंका। वह क्रिस्टियन की स्टडी के बाहर छोटे से सैलून में बैठा था।

"मैं शॉपिंग के लिए जाना चाहूंगी।"

"जी मैम! " वह उठ खड़ा हुआ।

"मैं जैट स्की ले जाना चाहूंगी।"

उसका मुंह खुला का खुला रह गया। कोई शब्द नहीं सूझे तो उसने एक भौं नचाई। "मैं क्रिस्टियन को इस मामले में परेशान नहीं करना चाहती..".

उसने अपनी आह दबाई। "मिसेज ग्रे...उम्म.... मुझे नहीं लगता कि मि. ग्रे को ये बात इतनी अच्छी लगेगी और मैं चाहूंगा कि मेरी नौकरी भी बनी रहे।"

ओह! भगवान के लिए! मैं अपनी आंखें गोल घुमाना चाहती थी पर मैंने उन्हें सिकोड़ लिया और आह भरी। मुझे पता चल गया था कि अब मैं अपनी मर्जी की मालिक नहीं थी और वैसे भी मैं नहीं चाहती थी कि क्रिस्टियन का गुस्सा टेलर पर या मुझ पर उतरे। मैं उसके पास से निकली और जाकर स्टडी का दरवाजा खोल दिया।

भीतर क्रिस्टियन हाथ में अपना फोन लिए महोगनी डेस्क पर झुका था। उसने मुझे ताका- एंड्रिया होल्ड प्लीज़। उसने कहा और उसके चेहरे पर गंभीर से भाव थे। उसकी नज़र में हल्की-सी विनम्रता का पुट दिखा। शिट! मुझे ऐसा क्यों लग रहा था कि मैं किसी प्रिंसीपल के कमरे में आ गई हूं? कल इसी आदमी ने मुझे हथकड़ियां पहनाई थीं। मैंने तय किया कि उससे डरने की क्या बात है, वह तो मेरा पति है। मैंने कंधे झटके और उसे प्यारी-सी मुस्कान दी।

"मैं खरीददारी करने जा रही हूं। सिक्योरिटी साथ ले जाऊंगी।"

"जरूर। जोड़े में से एक और टेलर को भी साथ ले जाना।" उसने कहा और मैं जानती थी कि वहां कुछ गंभीर चर्चा चल रही थी क्योंकि उसने मुझसे कोई सवाल नहीं पूछा। मैं उसे वहां खड़ी घूर रही थी और सोच रही थी कि शायद मैं कोई मदद कर सकूं।

"कुछ और।" वह बोला। वह चाहता था कि मैं वहां से बाहर निकल जाऊं। "क्या मैं तुम्हें कुछ ला कर दे सकती हूं?" मैंने पूछा। उसने अपनी लजीली-सी मुस्कान दी।

"नहीं बेबी, मैं ठीक हूं।" वह बोला। क्रू मेरी देखरेख कर लेगा।

"ओ के! " मैं उसे किस करना चाहती थी। हद हो गई! मैं ऐसा कर सकती हूं । आखिरकर वह मेरा पति है। मैं यही सोचते हुए आगे आई और उसे चकित करते हुए उसके होठों पर एक चुंबन दे दिया।

"एंड्रिया! तुमसे बात में बाद करता हूं।" वह धीरे से बोला। उसने अपने पीछे पड़े डेस्क पर ब्लैकबैरी रख दिया और मुझे अपनी बांहों में ले कर दीवानों की तरह चूमने लगा। जब उसने मुझे छोड़ा तो मैं बेदम हो चली थी। उसकी गहरी आंखों की चमक कुछ चाह रही थी।

"तुम मेरा ध्यान बंटा रही हो। मुझे ये परेशानी सुलझानी है ताकि फिर से अपने हनीमून पर लौट सकूं।" उसने अपनी तर्जनी अंगुली मेरे चेहरे पर फिराई और चेहरे को नीचे करते हुए ठुड्डी को छुआ।

"ओ के! सॉरी।"

"प्लीज़! माफी मत मांगो मिसेज ग्रे। मुझे अच्छा लगता है, जब तुम इस तरह मेरा ध्यान बंटाती हो।"

"जाओ, कुछ नोट खर्च कर आओ।"

"ऐसा ही करूंगी।" मैंने स्टडी से जाते हुए कहा। मेरे अवचेतन ने सिर हिलाया और मैंने अपने होंठ दबा लिए। तुमने उसे बताया नहीं कि तुम उसके जैट स्की पर जा रही हो । उसने मुझे आगाह भी किया पर मैंने उसकी आवाज़ को अनसुना कर दिया। जा बड़ी आई....!

टेलर बड़े धीरज से इंतज़ार कर रहा है।

"हाई कमांड से इजाजत मिल गई है......क्या हम जा सकते हैं?" मैं मुस्कुराई और अपने व्यंग्य को छिपाने की पूरी कोशिश की। टेलर! अपनी प्रशंसात्मक मुस्कान को छिपा नहीं सका।

"मिसेज ग्रे! पहले आप चलें।"

उसने बड़े ही आराम से मुझे जैट स्की के सारे कंट्रोल समझाए। वह एक अच्छा अध्यापक था। उसने मुझे स्की पर सवारी करना सिखाया। हम मोटर लांच में थे, जो फेयर लेडी के पास बंदरगाह के पानी पर उछलती-कूदती जा रही थी। गेस्टन ने हमें देखा पर उसके चश्मे के नीचे चेहरे के भाव छिप गए। एक और फेयर लेडी का क्रू मोटर लांच का कंट्रोल संभाल रहा था। हे भगवान! वे तीन लोग सिर्फ इसलिए मेरे साथ थे क्योंकि मैं शॉपिंग के लिए जाना चाहती थी। कितनी मज़ाकिया बात है न!

मैंने अपनी लाइफ जैकेट पहनते हुए टेलर को दगदगाती हुई मुस्कान दी। जब मैं जैट स्की में सवार होने लगी तो उसने मुझे हाथ का सहारा दिया।

"मिसेज ग्रे! इग्निशन की के फीते को अपनी कमर से बांध लीजिए। यदि आप गिर गई तो इंजिन अपने-आप बंद हो जाएगा।" उसने समझाया।

"ओ के! "

"तैयार?"

मैंने उत्सुकता से हामी भरी।

"जब आप बोट से करीब चार फीट दूर हो जाएं तो इंजिन का बटन दबाएं। हम आपके पीछे होंगे।"

"ओ के! "

उसने जैट स्की को मोटर लांच से धकेला और वह प्रमुख बंदरगाह में तैरने लगी। जब उसने मुझे ओ के का साइन

दिया तो मैंने इंजिन का बटन दबाया और उसमें जान आ गई।

"ओ के! मिसेज ग्रे! आराम से चलाईएगा।" टेलर चिल्लाया। मैंने एसीलिरेटर को दबाया। जैट स्की आगे की तरफ उछली। हे भगवान! क्रिस्टियन इसे इतने आराम से कैसे चला रहा था? मैंने फिर से कोशिश की पर बेकार!

"मिसेज ग्रे! गैस लगातार दबाएं।" टेलर बोला

"हां, हां, हां।" इस बार मेरा इरादा मजबूत था। मैंने एक बार फिर से कोशिश की और लीवर को हल्के से दबाया, जिससे जैट स्की आगे जाने लगी। इस बार वह सही तरीके से चल रही थी। वाह! ये तो अब भी चलती जा रही थी। मैंने जोश और उमंग में आ कर चिल्लाना चाहा पर चाह कर भी ऐसा नहीं कर पाई। मैं बड़े आराम से, यॉट से दूर मेन बंदरगाह तक जा रही थी। मुझे अपने पीछे मोटर लांच की आवाज़ भी सुनाई दे रही थी। जैसे ही मैंने और गैस छोड़ी तो स्की हवा से बातें करने लगी। बालों और शरीर को समुद्र से आती गरम हवा के झोंके सहलाने लगे तो मुझे अच्छा लगा। ये आइडिया तो काम आ गया वरना क्रिस्टियन से पूछती तो कभी न चलाने देता।

मैंने किनारे पर जाने की बजाए थोड़ी और मस्ती करने की ठानी और फेयर लेडी का चक्कर लगाने लगी। इस बार तो मैंने टेलर और उसके दल को भी पछाड़ दिया। जैसे ही मैंने चक्कर पूरा किया, डैक पर क्रिस्टियन को खड़ा पाया। मुझे लगा कि वह मुझे ही देख रहा था हालांकि इस बारे में पक्के तौर पर कुछ कहना मुश्किल था मैंने पूरी बहादुरी के साथ हैंडलबार से एक हाथ हटाया और बड़े जोश से उसे देख कर हाथ हिलाने लगी। पहले तो ऐसा लगा कि वह पत्थर का बना था पर फिर उसने भी हाथ लहरा कर जवाब दे ही दिया। मैंने उसके भावों की परवाह नहीं की और भीतर से किसी ने कहा कि मुझे परवाह करनी भी नहीं चाहिए। इस तरह मैं ढलते दोपहर की धूप में जगमगाते सागर में घूप में
घूमने लगी।

डॉक पर पहुंची तो माहौल थोड़ा गंभीर दिखा। फिर समझ आया कि यह सब मेरी वजह से है। मैंने जैट स्की को कोने में खड़ा किया तो टेलर आ कर बोला, "मिसेज ग्रे! मि. ग्रे आपके इस काम से बहुत ज्यादा खुश नहीं हैं। बेहतर होगा कि हम वापिस चलें।"

मैंने बेलौस कहा, "हम लौट कर देखेंगे कि उन्हें क्या पसंद है या नहीं? अभी तो अपना काम करना चाहिए।"

टेलर बेचारा सकुचा गया। बेशक उसे मेरे खब्ती पति ने फोन पर फटकारा होगा। अब मैं इस बंदे का क्या करूं? इसे चौबीस घंटे मेरी सुरक्षा की इतनी चिंता क्यों रहती है? मैं कोई छोटी बच्ची तो नहीं।

फिर मैंने टेलर को देख कर एक मुस्कान दी। मुझे ये बंदा अच्छा लगता है पर मुझे ये पसंद नहीं कि वह मुझे डांटे। वह मेरा पापा या पति नहीं है।

मैंने आह भरी। क्रिस्टियन नाराज है और अपनी चिंता के बीच उसकी बेचैनी और भी बढ़ गई होगी। तभी मेरे फोन की घंटी बजी। 'यूअर लव इज किंग' की धुन तो मैंने अपने पति के लिए रखी हुई है।

हाय!

हाय!

"मैं बोट पर वापिस आ जाऊंगी। चिंता मत करो।"

"उम्म"

"सच बड़ा मजा आ रहा है।"

"मिसेज ग्रे! इस मौज-मस्ती के बीच थोड़ी सावधानी भी जरूरी है।"

ओह माई गॉड! मौज-मस्ती की इजाजत मिल गई।

"बस साबुत वापिस आना"

"पूरी कोशिश रहेगी।"

"रखता हूं। कोई फोन आ रहा है।"

"मिलते हैं क्रिस्टियन!"

उसने फोन रख दिया। कार इंतजार में है। टेलर ने मेरे लिए कार का दरवाजा खोला। मैंने उसे देख कर आंख दबाई और उसने मुझे कौतुक से देखा। कार में, मैंने मेल बॉक्स खोल दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जैक्ट: धन्यवाद
डेट: 17 अगस्त 2011 16: 55
टू: क्रिस्टियन ग्रे
चिड़चिड़ापन न दिखाने के लिए शुक्रिया
तुम्हारी प्रिय पत्नी
'''

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: शांत रहने की कोशिश
डेट: 17 अगस्त 2011 16:59
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
तुम्हारा स्वागत है।
साबुत वापिस आना
यह कोई आग्रह नहीं है।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ तथा आवश्यकता से अधिक बचाव करने वाला पति
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैं खरीददारी करने क्यों जाना चाहती थी? मुझे इससे नफरत थी पर मुझे अपने भीतर ही भीतर पता था कि मैं क्यों जाना चाहती थी। मैंने गुक्की और डाओर जैसे बड़े व नामी शोरूम पार किए और एक छोटी-सी दुकान में चली गई। जहां से मैं अपने हिसाब से कुछ ले सकती थी। मुझे वहां से छोटी-सी पायल मिल गई जिसमें चांदी के दिल और घंटियां लगी थीं। वे जरा सा हिलाते ही टुनटुनाती थीं। वह पांच यूरो की थी। मैंने उसे लेते ही पहन लिया। ये मेरी पसंद है। मैंने खुद को आरामदेह महसूस किया। जब से उससे मिली हूं। उस लड़की से दूर होती जा रही हूं जो ऐसी चीजें पसंद करती है। दरअसल मैं उसकी दौलत की आदी नहीं हो पा रही। यह भी जानती कि कभी हो भी पाऊंगी या नहीं? मैं उसके लिए भी कुछ लेना चाहती थी ताकि सिएटल में घट रही घटनाओं से उसका थोड़ा ध्यान बंट सके। पर ऐसे आदमी को क्या ले कर दे सकते हैं, जिसके पास पहले से ही सब कुछ हो। मैं एक छोटे से आधुनिक स्क्वेयर में जा कर कर रुकी, जहां चारों ओर स्टोर ही स्टोर थे। जब मेरी नजर एक इलैक्ट्रॉनिक स्टोर

पर गई तो मैं जान गई कि मुझे अपने पति के लिए क्या लेना था। मेरे कानों में उसके शब्द गूंज उठे हम सभी रूपों में नारी की देहाकृति की प्रशंसा कर सकते हैं। हम उसे देखना पसंद करते हैं। भले ही वह संगमरमर में हो या तैल चित्रों में, साटिन में हो या फिल्मों में!

यह याद करते ही मेरे दिमाग में एक तरकीब आ गई। माना वह दु:साहसी थी पर मैंने डरना कब सीखा है। बस मुझे उसे लेने के लिए थोड़ी मदद की जरूरत थी और इस काम के लिए एक जानकार से बात की जा सकती थी। मैंने झट से ब्लैकबैरी निकाला और जोस को फोन लगाया।

"कौन..." वह उनींदा होकर बड़बड़ाया।

"जोस! एना बोल रही हूं।"

"एना। हाय। कहां हो। ठीक तो हो?" वह थोड़े चौकन्ने सुर में बोला

"मैं साउथ ऑफ फ्रांस के केन्स में हूं और मजे में हूं।"

"वहां...किसी अच्छे होटल में होगी।"

"नहीं, हम एक बोट में ठहरे हैं।"

"बोट में"

"हां, हमने उसे कुछ समय के लिए किराए पर ले लिया है।"

"अच्छा"

हाय! मुझे उससे बात करनी ही नहीं चाहिए थी। वह कैसे सुर में बोल रहा है। "जोस! तुम्हारी सलाह चाहिए।"

"मेरी सलाह? वह हैरान रह गया। इस बार उसका सुर कुछ दोस्ताना लगा तो मैंने आगे बात की।

दो घंटे बाद, टेलर ने मुझे मोटर लांच से बाहर आने में मदद की। गेस्टन जैट स्की संभाल रहा है। क्रिस्टियन कहीं नहीं दिखा और मैं केबिन में लपकी ताकि उसका उपहार बांध सकूं। मुझे भी बच्चों जैसे उत्साह की छूत लग गई है।

"तुमने बड़ी देर लगा दी?" जैसे ही मैंने टेप का आखिरी टुकड़ा लगाया तो वह पीछे खड़ा दिखा। क्या अब भी जैट स्की के लिए नाराज है या आग वाली बात से परेशान है?

"ऑफिस में सब ठीक है न?" मैंने पूछा

"हां, काफी हद तक।" चेहरे पर अब भी खीझ के भाव हैं।

"मैंने कुछ लिया है।" मैंने हौले से कहा ताकि उसका मूड कुछ बदल जाए। मैं चाह रही थी कि वह अपनी खीझ मुझ पर न उतारे पर शुक्र है कि उसका मूड बदल गया। चेहरे पर प्यारी-सी मुस्कान देख कर मुझे तसल्ली हो गई।

मैंने अपना पांव पलंग पर रखा और उसे पायल दिखाई।

"बहुत अच्छी!" उसने कहा। वह प्यार से उन घंटियों को सहलाने लगा पर ज्यों ही निशानों पर नजर गई तो उसके

चेहरे के भाव बदल गए।

"और ये भी।" मैंने उसका ध्यान बंटाने के लिए झट से बॉक्स थमा दिया।

"मेरे लिए?" उसने हैरानी से कहा। मैंने लजा कर हामी दी। उसने बॉक्स को हौले से हिला कर देखा। फिर वह बच्चों की तरह मुस्कुराया और पलंग पर मेरे पास ही बैठ गया। वह नीचे झुका और मुझे चूम लिया।

"धन्यवाद!" उसने हल्की लजीली मुस्कान के साथ कहा

"अभी तक खोला भी नहीं?"

"इसमें जो भी होगा। मुझे पसंद आएगा। मुझे कोई बहुत ज्यादा उपहार नहीं मिलते।" "तुम्हारे लिए कुछ लेना आसान नहीं है। ऐसे आदमी के लिए क्या लिया जा सकता

है। जिसके पास पहले से ही सब कुछ हो।"

"मेरे पास तुम हो।"

"अच्छा जी!"

"उसने झट से बॉक्स खोला। निकॉन का कैमरा?

"मैं जानती हूं कि तुम्हारे पास पहले से ही एक कांपैक्ट डिजीटिल कैमरा है पर ये खास तौर पर पोट्रेट लेने के लिए है। इसमें दो लैंस होते हैं।"

उसने मुझे देख कर पलकें झपकाई पर बात नहीं समझा।

"आज गैलरी में तुम्हें फ्लोरेंस डेल के फोटो पसंद आ रहे थे। और मुझे याद है कि तुमने दूसरे फोटो देख कर भी क्या कहा था।" मैंने थूक निगला और दिमाग से उन तस्वीरों को निकालना चाहा जो मैंने उस दिन उसकी अल्मारी में देखी थीं।

उसकी सांसें थम सी गई और मुझे अपनी बात को तेजी से बढ़ाना पड़ा ताकि वह कहीं गलत ही न समझ ले।

"मैंने सोचा कि शायद तुम मेरी तस्वीरें लेना चाहो?"

"तुम्हारी तस्वीरें....क्यों?"

वह कैमरे पर हाथ फिराने लगा पर ये समझ नहीं आ रहा कि वह चाहता क्या है। वह क्या सोच रहा था? मैंने कम-से-कम ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद तो नहीं की थी।

उसने मुझे देखा तो आंखों में दर्द के साए लहराते दिखे।

"तुम्हें ऐसा क्यों लगा कि मैं तुम्हारी तस्वीरें लेना चाहूंगा?" उसने हैरानी से कहा "नहीं, नहीं, नहीं। तुमने कहा कि तुम्हें ऐसा करना पसंद है?"

"क्या तुम्हें पसंद नहीं है?"

मैंने अपने भीतर बैठी सयानी लड़की को झट से चुप कर दिया जो बार-बार एक ही सवाल कर रही थी कि भला तेरी जैसी लड़की की कामोत्तेजक तस्वीरें कोई क्यों लेना चाहेगा?

उसने बालों में हाथ फिराया और गहरी उलझन में दिखा।

"मेरे लिए वे तस्वीरें किसी बीमा पॉलिसी की तरह थीं, एना। मैं जानता हूं कि मैं आज तक औरतों का एक सामान या उपभोग की वस्तु के रूप में देखता आया हूं पर मेरा यकीन मानो। अब ऐसा बिल्कुल नहीं है।"

"और तुम्हें लगता है कि मेरी तस्वीरें ले कर तुम मुझे भी किसी सामान की श्रेणी में ले आओगे?" मेरे चेहरे का रंग ही उतर गया।

उसने पलकें झपकाई, वह बहुत ही गहरी उलझन में और परेशान दिखा। ये मैंने क्या कर दिया था।

पहले उसकी मां के बारे में बात हुई। फिर ऑफिस में आग और अब ये सब? "तुमने ऐसा क्यों कहा।" मुझे लगा कि हम खुश थे। मुझे लगा कि मैं उसे खुश

रख रही थी। मैं उसे परेशान नहीं करना चाहती। मेरा दिमाग तेजी से दौड़ने लगा। वह पिछले तीन सप्ताह से डॉक्टर से नहीं मिला है। क्या मुझे उसके डॉक्टर से बात करनी चाहिए? तभी मुझे सब समझ आने लगा- आग, चार्ली टैंगो, जैट स्की...वह डर गया है। वह मेरे लिए भयभीत है। और मेरी त्वचा पर ये निशान देख कर उसे सारी पिछली बातें याद आ रही हैं। वह सारा दिन इसी बात के साथ परेशान रहा है। वह उलझन में है क्योंकि उसने कभी दर्द को महसूस नहीं किया। यह सोच ही मुझे जड़ कर देने के लिए काफी थी। उसने कंधे झटके और एक बार फिर उसकी नजरें मेरी कलाई पर आ टिकीं, जहां उसने मुझे ब्रेसलेट पहनाया था।

"क्रिस्टियन! ये बात इतने मायने नहीं रखती। तुमने मुझे सेफवर्ल्ड दिया था और कल कितना मजा आया। मैंने उसका पूरा आनंद लिया। इस बारे में सोचना बंद करो। मुझे ऐसा सेक्स पसंद है और मैं तुम्हें ये बात पहले भी बता चुकी हूं।" मैं यह कहते-कहते ही लजा गई।

उसने मुझे गहराई से देखा। कह नहीं सकते कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। वह मेरे शब्दों को नापतौल रहा है।

"क्या तुम्हें आग के लिए चिंता है। क्या ये बात चार्ली टैंगो से संबंध रखती है? क्रिस्टियन! मुझसे बात करो, प्लीज! "

वह मुझे घूरता रहा और हमारे बीच खामोशी पसरी रही। दोपहर को भी तो यही हुआ था। ओह! शायद वह अब मुझसे बात नहीं करेगा।

"क्रिस्टियन! इस बारे में ज्यादा मत सोचो।" अचानक ही दिमाग में उसके अनुबंध की छवियां तैर गई। मैंने उसे अनदेखा किया और उसकी गोद से कैमरा ले कर खोल लिया। वह कुछ इस तरह देखता रहा मानो मैं किसी दूसरे ग्रह से आया हुआ कोई जीव हूं। मैं कैमरे को दुकान से ही चलाना सीख कर आई थी इसलिए लैंस हटाते ही कैमरा इस्तेमाल के लिए तैयार था। मैंने बटन दबाया और कुछ ही देर में क्रिस्टियन की दस तस्वीरें खिंच गई जो अलग-अलग भावों में थीं।

"अब मैं तुम्हें एक वस्तु मान कर तस्वीरें लेने जा रही हूं।" और फिर उसके चेहरे पर मुस्कान आ ही गई। एक छोटी सी मुस्कान, पर मेरे लिए तो वही किसी जन्नत से कम नहीं थी। मैंने एक और तस्वीर ली और इस बार मेरा आनंदी पति लौट आया था। ओह जीसस! उसे आज वापिस आया देखकर इतनी खुशी हुई कि बता नहीं सकती।

"मुझे लगा कि ये मेरा उपहार था।" उसने कहा पर मुझे ऐसा लगा कि यह मुझे चिढ़ाने का बहाना था।

"हां, वैसे औरतों को दबाने का अच्छा तरीका है।" मैंने भी चुटकी ली। उसके चेहरे के भावों को बदलते देर नहीं लगी।

"तुम चाहती हो कि तुम्हारे साथ अत्याचार किया जाए? "

"जी नहीं जनाब, बिल्कुल नहीं"

"मिसेज ग्रे! मैं यह काम बहुत अच्छी तरह से कर सकता हूं।"

"मुझे पता है मि. ग्रे! और आप करते भी हैं।"

उसका चेहरा उतर गया। ओह! मैंने अपना कैमरा नीचे रखा और उसे देखा। उसने कुछ नहीं कहा। ओह! हद हो गई। कैसा इंसान है? पल में तोला, पल में माशा "कुछ तो कहो।"

"कुछ नहीं! "

उसने झट से कैमरा ले कर नीचे रखा और और मुझे पलंग पर लिटा दिया। फिर साथ आ कर लेट गया।

"हे।" मैंने कैमरा उठा कर उसकी कुछ और तस्वीरें लीं पर अब बाजी उसके हाथ थी। "तो मिसेज ग्रे! आप चाहती थीं कि मैं आपकी तस्वीरें लूं।" मैं उसके चेहरे पर उड़ते

बालों और किशोरों जैसी मुस्कान को देख खिल उठी।

"अच्छा! शुरूआत के लिए बेहतर होगा कि तुम हंस कर दिखाओ।" वह मुझे गुदगुदाने लगा। ओह मां! मेरी तो हालत ही खराब हो गई। उसे रोकना भारी पड़ रहा था। वह फिर से तस्वीरें लेने लगा।

"नहीं! रूको।"

"क्या तुम मजाक कर रही हो।" उसने अपने दोनों हाथ खाली कर लिए ताकि मुझे फिर से गुदगुदा सके।

"क्रिस्टियन मत करो।" उसने आज से पहले तो ऐसा कभी नहीं किया था। मैं अपना सिर यहां-वहां पटक रही थी। अपने-आप को बचाने की नाकाम कोशिश कर रही थी पर वह बाज़ नहीं आ रहा था। उसे मेरी हंसी सुन कर मजा आ रहा था। फिर उसने मेरे दोनों हाथ अपने हाथों से दबा लिए और अजीब सी निगाहों से देखने लगा। उन नज़रों में क्या था मेरे लिए प्यार, मान-सम्मान, आश्चर्य! ओह जीसस!

एना. तुम .बहुत. सुंदर. हो.

मैं उसके खूबसूरत चेहरे को देखती रह गई। ऐसा लग रहा था मानो वह मुझे पहली बार देख रहा हो। उसने मेरी पलकें चूम लीं और मैं भी उसके साथ रौ में बह गई। मानो हम दोनों पहली बार मिल रहे हों। उसने मेरे हाथ छोड़े और मेरे बालों में अपने हाथ घुमाने लगा। मेरा पूरा शरीर उसके चुंबन की प्रतिक्रिया में तड़प रहा था। अंदर ही अंदर जैसे कोई आग सुलग उठी थी।

ओह फिफ्टी! तुमने मुझे ये क्या कर दिया है?

वह मेरे ऊपर आ गया और बांहों में भर लिया। वह मेरे एक-एक अंग को अपने हाथों से सहलाने लगा। बदन पर

उसके उभार को भी महसूस कर सकती थी। पता नहीं क्यों, दिमाग में एक ही बात बार-बार आ रही थी कहीं कुछ गलत हो रहा है। पर मैंने उस अंदेशे को दूर भटका दिया क्योंकि उस समय उसे मेरी और मुझे उसकी जरूरत थी। मैंने खुद को उसके जुनून के हवाले कर दिया। जब भी वह मुझसे अपने दिल की बात कहना चाहता है तो यह उसका सबसे प्यारा तरीका होता है। मैंने भी उसके बालों को कस कर थामा और एक जोरदार चुंबन से प्रत्युत्तर दिया। उसका स्वाद कितना अच्छा और मेरे क्रिस्टियन की गंध भी कितनी मीठी है।

अचानक ही उसने मुझे पलंग से उठा कर अपने सामने खड़ा कर दिया। मेरे शॉर्टस के बटन खोले और झट से उन्हें उतार दिया। इससे पहले कि मैं सांस ले पाती। मैं एक बार फिर उसके नीचे दबी, पलंग पर पड़ी थी। उसने अपनी पैंट की जिप खोली पर मेरी टी-शर्ट नहीं उतारी। इसके बाद उसने मेरे भीतर उतरने में एक पल की भी देरी नहीं की। मैं अब भी उसके भिंचे दांतों से आते सांसों के स्वर सुन सकती हूं।

"हां" वह मेरे कान के पास आ कर बोला। फिर उसने मेरे भीतर गहराई से जाना चाहा और मैं चिहुंक उठी।

"मुझे तुम्हारी जरूरत है।" मैं उसकी इस इच्छा, इस लालसा को समझ सकती थी। उसने मेरे होंठों व गालों को प्यार से काटा और बहुत ही गहराई से चूम लिया। मैंने अपनी टांगें उसके आसपास लपेट लीं। मैं उसके भीतर से चिंता के एक-एक कतरे को धो-पोंछ कर बहा देना चाहती हूं। वह इस तरह हिल रहा है मानो अपने-आप को मेरे भीतर बसा देना चाहता है। बार-बार एक आदिम भाव से बढ़ रही इस गति के बीच मानो मैं भी कहीं झूमने लगी हूं। पल भर के लिए फिर से चिंता हुई कि ऐसा क्या है जो उसे खाए जा रहा है पर मेरा शरीर मन पर हावी हो गया और मैं भी उसके साथ इस सुख की लालसा में बहती चली गई। उसके तीखी सांसें बार-बार मेरे कानों से टकरा रही हैं। मैं जानती हूं कि वह मेरे भीतर बहुत गहराई तक उतर गया है और इसके साथ ही मेरे मुंह से एक सिसकारी निकली। ये सब कितना कामोत्तेजक है। वह मुझे चाहता है। मैं पहुंच रही हूं....मैं भी पहुंच रही हूं...वह मुझे अपने साथ लिए जा रहा है..... वह मुझे अपने साथ कहीं दूर लिए जा रहा है.... मैं यह सब चाहती हूं....मुझे ये बहुत भाता है...क्योंकि यह उसके व मेरे आनंद के लिए है।

"मेरे साथ ही डूब कर उतरो।" उसने कहा और हम दोनों एक साथ उन अंधी गलियों से बाहर आए।

"आंखें खोलो। मैं तुम्हें देखना चाहता हूं।" मेरी पलकें झपकीं और फिर मैं उसे देखने लगी।

"ओह एना! हम दोनों एक साथ चरम सुख तक पहुंचे।" वह पलट गया और मैं उसके ऊपर आ गई। इसके बाद मैं अभी उपभोग और शोषण वाले मसले पर अपने विचार रखना चाहती थी पर कह नहीं सकते कि उसका मूड कैसा था। उसने अपनी बांहों में मुझे कस कर थाम लिया। मैंने पतली कमीज से झांकती छाती को चूम लिया।

"क्रिस्टियन! मुझे बताओ कि हुआ क्या है?"

मुझे लगा कि सेक्स के बाद शायद वह बताना चाहे पर उसने बांहें और कस लीं पर मुंह नहीं खोला।

"मैंने शादी के समय कसम खाई थी कि दुख और सुख में तुम्हार साथ दूंगी। हर अच्छे और बुरे वक्त में साथ रहूंगी।" मैंने धीरे से कहा

"मैंने वादा किया था कि मैं तुम्हें बिना किसी शर्त के प्यार दूंगी। तुम्हारे सपनों व लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करूंगी। तुम्हें मान-सम्मान दूंगी। जरूरत के समय दिलासा दूंगी।" मैंने उम्मीद की कि शायद अब वह बोलेगा पर उसने कुछ नहीं कहा

"ओह एना! " वह मेरे साथ लेट गया और हाथ से मेरा गाल सहलाने लगा। "मैंने कसम खाई थी कि मैं तुम्हारी रक्षा करूंगा। तुम्हें हमेशा अपने दिल में सहेज कर

रखूंगा। तुम्हें पूरे दिल से प्यार करूंगा। अच्छे-बुरे वक्त और हर सुख-दुख में साथ निभाऊंगा। तुम पर भरोसा करते हुए, पूरा मान-सम्मान दूंगा। जरूरत पड़ने पर तुम्हें दिलासा दूंगा। तुम्हारा सहारा बनूंगा। तुम्हारे सपनों व लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करते हुए, हमेशा तुम्हारी सलामती का ध्यान रखूंगा।"

मेरी आंखों से आंसू झरने लगे। वह मुझे ही ताक रहा था

"रोना बंद करो।" उसने मेरे आंसू पोंछ दिए।

"तुम मुझे कुछ बताते क्यों नहीं, क्रिस्टियन?"

उसने आंखें बंद की लीं मानो गहरी पीड़ा में हो।

"मैंने कसम खाई थी कि सुख-दुख में तुम्हारा साथ दूंगी। कम-से-कम मेरी कसम तो मत टूटने दो।" मैंने विनती की।

उसने आह भरी। आखें खोलीं और बोला। "वह आरसन है।"

"ओह! "

मेरी सबसे बड़ी चिंता ही सामने आ गई । दरअसल उसे मेरे लिए डर है। उसे डर है कि कहीं उसके कारण मुझे कुछ न हो जाए।

मैं उसके डर के पीछे छिपे कारण तक पहुंच गई थी। मैंने उसका चेहरा सहलाया। "धन्यवाद!" मैंने हौले से कहा

उसने भवें सिकोड़ीं। "किसलिए "

"मुझे बताने के लिए "

उसने गर्दन हिलाई और होंठों पर एक भूतिया मुस्कान खेल गई।

"मिसेज ग्रे! आपको बात निकलवाना आता है।"

"और तुम्हें भी अपनी चिंताओं के साथ अंदर ही अंदर गलना आता है। हो सकता है कि तुम चालीस से पहले ही हार्ट अटैक से चल बसो और मैं तुम्हें अधिक से अधिक समय तक अपने पास रखना चाहती हूं।"

"तुम ही मेरी मौत का कारण बनोगी। जब तुम्हें जैट स्की पर देखा था। बस मेरा हार्ट फेल होने ही वाला था।" मैंने उसे इस बात के साथ कांपते हुए देखा।

"क्रिस्टियन! ये एक जैट स्की है। बच्चे भी इसकी सवारी कर लेते हैं। क्या तुम कल्पना कर सकते हो कि जब मैं एस्पेन में पहली बार स्की करूंगी तो तुम्हें कैसा लगेगा?"

"क्या हमारे यहां?"

"हां, मैं अब छोटी नहीं हूं। जितनी कमजोर दिखती हूं। वैसी नहीं हूं। तुम ये बात कब सीखोगे?"

उसने कंधे झटके और चेहरा उतर गया। मैंने बात बदलने की सोची।

"तो आग। क्या पुलिस आरसन के बारे में जानती है?"

"हां, उसके भाव गंभीर हैं।"

"बढ़िया"

"सिक्योरिटी का घेरा और कसने जा रहा है।"

"मैं समझ सकती हूं।" वह अब भी अपने शॉर्ट और शर्ट में है और मैंने टी-शर्ट पहन रखी है। पता नहीं हम क्या-क्या बातें कर रहे हैं। मुझे अचानक ही हंसी आने लगी।

"क्या हुआ?"

"तुम?"

"मैं क्या?"

"तुम अब तक कपड़ों में हो।"

ओह। उसने खुद को देखा और उसके चेहरे पर भी मुस्कान खेल गई।

"मिसेज ग्रे! " जब तुम किसी स्कूली लड़की तरह खिलखिलाती हो तुमसे दूर रहना भारी हो जाता है।

ओह हां। गुदगुदी। मैं उसके पास पहुंची तो उसने मेरी मंशा भांप कर झट से मेरी कलाईयां थाम लीं।

"नहीं, " उसने कहा और उसकी इस बात का मतलब था।

मैंने उसे चिढ़ाया पर जान गई कि वह इसके लिए तैयार नहीं था।

"प्लीज मत करो। मैं इसे सह नहीं सकता। मुझे बचपन में कभी किसी ने गुदगुदी नहीं की।

मैं कैरिक को इलियट और ईया के साथ ऐसा करते देखता था। देख कर मजा आता था पर मैं...मैं।"

मैंने उसके होठों पर अंगुली रख दी। "चुप रहो। मैं सब जानती हूं।"

फिर मैं उसकी छाती पर सिमट आई और मन में वही दर्द से भरा गुबार पैदा हो आया। मै जानती थी कि मैं इस आदमी के लिए कुछ भी कर सकती थी क्योंकि मैं इससे बहुत प्यार करती थी।

उसने मेरे गले में बांहें डालीं और बालों में नाक फिराते हुए, पीठ पर हाथ फिराने लगा। मैंने अचानक ही हमारे बीच छाई चुप्पी को तोड़ दिया।

"तुम्हें डॉक्टर से मिले कितना अरसा हो गया?"

"करीब दो सप्ताह। क्या सचमुच मुझे गुदगुदी करना चाहती हो?"

"नहीं। मुझे लगा कि शायद वह मदद कर सके।"

"उसे करनी ही चाहिए। बहुत पैसे लेता है।"

"क्या तुम सचमुच मेरी चिंता करती हो?"

"मि. ग्रे! हर पत्नी अपने पति की भलाई के लिए ऐसा ही चाहती है।"

"क्या तुम बाहर खाने के लिए जाना चाहोगी?"

"जैसे तुम्हारा दिल चाहे।"

"बढ़िया! वहां मैं तुम्हें सुरक्षित रख सकता हूं। मेरे उपहार के लिए धन्यवाद।" उसने कैमरा हाथ में लिया और पलंग पर आरामदेह मुद्रा में पसरे पति-पत्नी की तस्वीर खींच ली।

हम वर्सेल्स के अठहारवीं सदी के भव्य महल में घूम रहे हैं। उन सम्राटों ने इस स्थान को बहुत ही आलीशान बना दिया था पर कुछ ही समय में सब समाप्त हो गया। मुझे तो हॉल ऑफ मिरर्स सबसे ज्यादा पसंद आया। दोपहर से पहले की धूप, पूरब की ओर लगे दर्पणों पर पड़ते हुए, अंदर की कारीगरी को सजा रही थी और बड़े-बड़े फानूस देख कर तो दंग रह जाना पड़ता है। देखकर दिल खुश हो गया।

"एक सीईओ को चीजों में भी रुचि हो सकती है। देख कर हैरानी हुई।" उसने अपनी गर्दन हिलाते हुए मुझे कौतुक से देखा

"आपने कुछ कहा"

"जी नहीं! बस जरा निरीक्षण कर रही थी।"

मेरे पति ने भी उसी बेकरारी से मुझे ताका जिस तरह मैं उन्हें देख रही थी। "मैं तुम्हारे लिए भी ऐसा ही महल बनवाऊंगा। मैं देखना चाहता हूं कि जब वहां से

छन कर आ रही रोशनी तुम्हारे बालों पर पड़ेगी तो कैसी लगेगी?"

"तुम किसी एंजिल की तरह लग रही हो।" उसने मुझे कान के पास चूम लिया और हाथों में हाथ ले कर कहा, "मर्द जिस औरत से प्यार करता है। उसके लिए तो कुछ भी कर सकता है।"

उसके शब्दों से मेरे चेहरे की लाली और भी गहरा गई।

"तुम क्या सोच रही हो। क्रिस्टियन ने लंच के बाद कॉफी के दौरान पूछा

"वर्सेल्स सचमुच अद्भुत था। एक हनीमूनर लड़की भला इससे अधिक और क्या चाह सकती है।"

"अच्छा जी।"

"बेशक! "

"हमारे पास केवल दो दिन बचे हैं। क्या तुम कुछ और देखना चाहोगी?"

"बस तुम्हारे साथ रहना चाहती हूं।" वह पास आया और माथा चूम लिया।

"क्या तुम मेरे बिना एक घंटा बिता सकती हो। मुझे कुछ मेल देखने हैं और घर का हाल लेना है।"

"बेशक। मैंने अपनी मायूसी छिपा कर कहा। क्या ये अजीब नहीं है कि मैं अपना हर पल उसके साथ बिताना चाहती हूं।

मैंने केबिन में आ कर अपना लैप खोल लिया। मॉम और केट के मेल हैं। घर की और यहां-वहां की ताजा खबरें लिखी हैं। वे हनीमून के बारे में जानना चाहती हैं। मैंने ज्यों ही मॉम का जवाब लिखा तभी केट का मेल आ गया।

फ्रॉम: कैथेरीन एल कैवेना
सब्जैक्ट: ओ एम जी!!!
डेट: 17 अगस्त 2011 11:45
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
एना हाल ही में क्रिस्टियन के ऑफिस में लगी आग के बारे में सुना।
क्या ये आरसन का काम लगता है?
केट

केट ऑनलाइन है। मैंने झट से स्काइप पर मैसेंज टाइप किया

एना: क्या तू वहां है?

केट: हां एना, तू कैसी है? हनीमून कैसा रहा? क्या मेरा मेल देखा? क्या उसे आग के बारे में पता है?

एना: मैं ठीक हूं। हनीमून बढ़िया रहा। हां, मैंने मेल देखा। हां, वह जानता है। केट: वही मैं सोच रही थी। ये खबर बड़ी है पर इलियट मुझे नहीं बताने वाला। एना: क्या तू कहानी बनाने के चक्कर में है?

केट: तू तो मुझे जानती है

एना: उसने मुझे भी ज्यादा नहीं बताया।

केट: इलियट ने ग्रेस से सुना

अरे नहीं। मुझे नहीं लगता कि क्रिस्टियन इस खबर को पूरे शहर में फैलाना चाहेगा। मैंने कैवेना को उसकी ही बातों जाल में उलझा कर ध्यान बंटाने की तकनीक चालू की

एना: इलियट और ईथन कैसे हैं?

केट: ईथन को सिएटल में मास्टर डिग्री के लिए साइको कोर्स में दाखिला मिल गया। इलियट बहुत प्यारा है।

एना: ईथन बहुत आगे तक जाएगा

केट: तेरा प्यारा एक्स-डोम कैसा है?

एना: केट!

केट: एना क्या?

एना: तू जानती है क्या?

केट: अच्छा सॉरी

एना: वह ठीक है। बहुत मजे में है।

केट: तू खुश तो मैं भी खुश

एना: मैं तो परमानंद में हूं।

केट: मुझे जाना होगा। फिर बात करेंगे। बाय

एना: देख लेना कि मैं ऑनलाइन हूं या नहीं। टाइम जोन का पंगा है।

केट: हां, लव यू एना

एना: लव यू टू। मिलते हैं।

केट: अच्छा

मैंने झट से चैट बंद कर दी। क्रिस्टियन को अपने बारे में लिखी हुई ऐसी बात कभी पसंद नहीं आएगी। अभी तो ये भी पता नहीं चला कि वह पूरी तरह से एक्स-डोम बना है या नहीं।

मैंने आह भरी। केट तो सब जानती है। किसी के साथ बात करके मन को कितना सुकून मिला था।

मैंने घड़ी देखी। डिनर किए घंटा हो गया था और मुझे मेरे पति की याद सताने लगी थी। मैंने जा कर देखने की सोची कि उसका काम खत्म हुआ या नहीं।

मैं हॉल ऑफ मिरर्स में हूं और वह मेरे साथ खड़ा है। वह किसी एंजिल की तरह दिख रहा है। उसकी नजरों में मेरे लिए प्यार ही प्यार है। उस कमरे में कोई नहीं है। तभी वह मेरे पास से दूर जाने लगता है। वह अकेला है उसकी अपनी परछाईं तक नहीं है। मैं चिल्लाती हूं और चिहुंक कर जग जाती हूं।

वह मुझे अपनी बांहों में लेता है। क्या हुआ! ये क्या मैं तो रो रही थी। वह मेरे पास है। वह ठीक है। मैं बुरा सपना देख रही थी।

उसने मेरा माथा चूमा और बोला, "मैं हूं न। मैं तुम्हारा ध्यान रखूंगा।"

मैंने उसकी गंध को अपनी सांसों में महसूस किया और सपने को भुलाने लगी। उससे दूर जाना या उसे खोने का भय ही मेरे लिए सबसे बड़ा भय था।

अध्याय-5

मैं ज़रा-सा हिली तो पाया कि वह मेरे पास नहीं था। क्रिस्टियन कहां गया? वह मुझे पलंग के पास पड़ी आरामकुर्सी पर बैठा देख रहा था। उसने झुक कर, कुछ नीचे रखा और फिर मेरे साथ पलंग पर आ गया। वह अपने कट ऑफ और ग्रे टी-शर्ट में है।

"डरो मत सब ठीक है।" उसने मुझ यूं पुचकारा मानो किसी जंगली जानवर को दुलार रहा हो। आजकल मुझे बड़े डरावने सपने आने लगे हैं। उसने मेरे बाल सहला कर तसल्ली दी पर मैं देख सकती थी कि वह अपनी चिंता और भय छिपाने की नाकाम कोशिश में था।

"क्रिस्टियन मैं ठीक हूं।" मैंने अपनी दिलकश मुस्कान के साथ कहा। मैं उसे बताना नहीं चाहती थी कि आरसन मामले ने मुझे कितना परेशान कर दिया था। जब वह चार्ली टैंगो के साथ खो गया था तो मेरी क्या हालत हो गई थी। जैसे पल भर में सारी दुनिया ही सूनी हो गई थी। मैं फिर से ऐसा कोई सदमा सह नहीं सकती।

"क्या तुम मुझे नींद में देख रहे थे?"

"हां! तुम बोल रही थीं।"

"मैं क्या कह रही थी।"

"तुम चिंता में थीं।" *ओह! क्या मैं इस आदमी से कुछ भी नहीं छिपा सकती।* वह आगे झुका और मेरी भवें चूम लीं।

"जब तुम चिंता करती हो तो माथे के बीच एक छोटा-सा बल आ जाता है। मुझे वहां चूमना अच्छा लगता है। तुम चिंता मत करो। तुम्हारे लिए मैं हूं न ।"

"इस बार मैं नहीं बल्कि तुम चिंता में हो।" मैं भुनभुनाई।

"तुम्हारी देख-रेख कौन कर रहा है?"

"मैं इतना बड़ा हूं कि अपने बारे में खुद सोच सकता हूं। अपना ख्याल रख सकता हूं। उठो। हमें घर जाने से पहले एक काम करना बाकी है।" ओह नहीं, अब मुझे घर जाना होगा। उसे उसकी कंपनी और परिवार के साथ बांटना होगा। इतने प्यारे हनीमून के बाद यह झटका काफी बड़ा था। पर मेरे पतिदेव के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। जब वह बिस्तर से उठा तो मुझे भी उठना ही पड़ा।

उसने मेरी कलाई से चाबी बांध दी।

"क्या तुम चाहते हो कि इसे मैं चलाऊं?"

"हां। ये पट्टा ज्यादा कसा तो नहीं है?"

"ये ठीक है। अच्छा तभी तुम लाइफ जैकेट पहन रहे हो।" मैंने भौं नचाई। "हां"

मेरा हंसी रोकना मुश्किल हो गया। "मेरी क्षमताओं में इतना भरोसा मि. ग्रे?" "जी हां।"

" खैर मुझे इस दौरान भाषण मत पिलाना"

"हम यही बातें करते रहेंगे या पानी में भी उतरेंगे?"

"हां, ये तो सही कहा।"

मैं और मेरा पति जैट स्की पर... याहू!!!

जब वह मेरे पास जैट स्की पर आ कर बैठा तो टेलर और बाकी लोग कौतुक से देखने लगे। क्रिस्टियन ने मुझे अपनी बांह से लपेटा और अपनी जांघें मेरे साथ सटा दीं। हां, मुझे इस सवारी में यही सबसे ज्यादा पसंद है। मैंने उसे चालू किया तो इंजन का स्वर गूंज उठा।

जैट स्की धीरे-धीरे पानी में उतरी तो उसकी गलबांही कसती चली गई। मैंने गैस खींची और हम आगे बढ़ गए।

"वाउ! " हम खुशी के मारे चिल्लाए। मैं खुले पानी में आ गई। रात को वहीं पास धरती पर किसी जहाज के उतरने की आवाज सुनाई दी थी। हमने तय किया कि उसी ओर जा कर देखेंगे।

हम उस ओर चल दिए। मुझे खुशी है कि मेरे पति ने मुझे स्की चलाने का मौका दिया। पिछले दो दिन की सारी चिंता गायब हो गई।

"अगली बार हम अलग-अलग चलाएंगे और फिर मुकाबला होगा। बड़ा मजा आएगा।" क्रिस्टियन ने कहा। तभी एक तेज आवाज से मेरा हाथ कांपा। मैं डर गई और एक साथ दो बटन दबा दिए। ब्रेक लगने की बजाए स्की उछली और हम खुद को संभाल नहीं सके।

मैं अचानक ही गहरे पानी में डूबी और बाहर आई तो मुंह में ठंडा पानी भरा था। लाइफ जैकेट के कारण बाहर आने में देर नहीं लगी। मैंने आंखें मलीं तो पाया कि वह भी पानी में गिरा था और तैरते हुए मेरी ओर आ रहा था। हमारी स्की कुछ दूरी पर थी और उसका इंजन बंद हो गया था।

"तुम ठीक हो।" उसकी आंखों में डर था।

हां, तुम ठीक हो। देखा, जैट स्की चलाते समय इससे ज्यादा बुरा कुछ नहीं हो सकता और हम दोनों बिल्कुल ठीक हैं।

"ये उतना भी बुरा नहीं रहा"

"हां बस मेरे कपड़े भीग गए हैं।"

"मैं भी भीग गई हूं।"

"मुझे तुम ऐसे अच्छी लगती हो।"

"क्रिस्टियन!!! " मैंने उसे फटकारते हुए इंजन चालू किया। उसने आगे बढ़ कर मुझे चूमा और बेदम कर दिया।

"अब मैं चलाता हूं। चलो, हमें जा कर नहाना होगा।"

हम हीथ्रो पर ब्रिटिश एयरवेज के पहले दर्जे के प्रतीक्षालय में ऊंघ रहे हैं। इसके बाद सिएटल की उड़ान भरनी है। वह फाइनेंशियल टाइम्स के साथ व्यस्त है। मैंने कैमरा निकाला ताकि अपने सेक्सी और दिलफेंक दिख रहे पति की कुछ तस्वीरें ले लूं। वह लाइट से चौंका और मुझे अपनी लजीली मुस्कान दी। पट्ठा अपनी लिनन की कमीज और जींस में कितना जबदस्त दिखता है। धूप के चश्मे से रही-सही कसर पूरी हो जाती है।

"मिसेज ग्रे! कैसी हैं?" उसने पूछा

"घर नहीं जाना। तुम्हारे साथ रहना है।"

उसने मेरा हाथ थाम कर चूमा और बोला, "मुझे भी! "

"पर।"

"पर जाना तो होगा। वैसे मैं चाहता हू कि हमारे घर में घुसपैठ करने और आग लगाने वाला पकड़ा जाए ताकि तुम सुरक्षित हो जाओ।

ओह

वह अब भी मेरे लिए चिंतित है।

अगर दोबारा ऐसा हुआ तो मैं वेल्क की जान निकाल दूंगा। उसकी सुर सुन कर मैं कांप उठी। मैंने हम दोनों के बीच छिटक आए तनाव को भगाने के लिए कैमरा उठा लिया और तस्वीरें लेने लगी।

"हे! नींद की शहजादी! उठो घर आ गया।"

हम्म मैं अब भी अपने सपनों से बाहर नहीं आना चाहती। मैं उसके साथ क्यू बगीचों में पिकनिक मना रही थी। मैं बहुत थक गई हू। पहले दर्जे के बावजूद थकान हो रही है। हम अठारह घंटों से सफर में हैं।

क्रिस्टियन ने मुझे बांहों में भर कर कहा, "मैं तुम्हें उठाकर घर में ले जाऊंगा" "क्या तीसवीं मंजिल तक?"

"वैसे आपको बता दू कि इन दिनों आपका वजन बढ़ गया है इसलिए हम लिफ्ट से चलेंगे।" उसने हंस कर कहा

टेलर ने एस्काला की लॉबी का दरवाजा खोलकर मुस्कान दी। "मि. व मिसेज ग्रे! घर में आपका स्वागत है।"

"थैंक्स टेलर।" क्रिस्टियन ने कहा

मैंने भी टेलर को छोटी सी मुस्कान दी और उसे ऑडी के पास जाते देखा जहां स्वेयर उसकी प्रतीक्षा में था।

"तुम कहना चाहते हो कि मैं मोटी हो गई हू?"

उसने मुझे अपने से और सटा लिया

"कुछ नहीं, जब तुम मुझे छोड़ कर गई थीं तो तुम्हारा वजन बहुत कम हो गया था।" उसके चेहरे का रंग स्याह हो गया था।

"हे! अगर मैं उस दिन न गई होती तो आज हम दोनों यहां इस अवस्था में न होते।" उसकी आंखें पिघल आई और उसने मुझे अपनी लजीली मुस्कान से चित्त कर दिया। "मिसेज ग्रे! यह तो आपने सही कहा पर मुझे आपको सुरक्षित रखना है। यह मेरे लिए

बहुत मायने रखता है।"

"वैसे मुझे तुम्हें चिढ़ाने में मजा आता है।"

"जी मैडम! मैं भी जानता हूं।" उसने भी दिल्लगी की।

"तुम खुश हो न?"

"बहुत खुश हूं।" उसने कहा और मुझे बरामदे में उतार दिया। मैं हाल ही में मिले चुंबन से बेदम थी। पतिदेव ने मुझे कमरे में उतार कर कहा। "मिसेज ग्रे! आपका स्वागत है।"

"मि. ग्रे! आपका भी स्वागत है।"

उसने मुझे फिर से उठाया और रसोई की शेल्फ पर बिठाकर, अंदर से ठंडी शैंपेन निकाल लाया। मेरी मनपसंद शैंपेन और दो गिलास हाजिर थे। हमने आपस में जाम टकराए। और उसने मुझे एक प्यारे से चुंबन के साथ एहसास दिलाया कि अब मैं उसकी पत्नी थी और उसके घर में, एक पत्नी के रूप में, मेरा पहला दिन था। सिएटल में अभी शाम है। मैं बहुत थकी हुई हूं पर उसके बावजूद मैं उसके लिए तरसी हुई हूं।

वह मेरी छाती पर हाथ रखे ऊंघ रहा है और मैं जाग चुकी हूं। बाहर से हल्की उजास आ रही है। शायद जैट लॉग का असर है। मुझे नींद नहीं आ रही।

सब कुछ कितनी जल्दी हो गया। मुझे तो यकीन ही नहीं होता। फिर मैंने अपने पति का चेहरा देखा। वह अक्सर मुझे नींद में देखता है पर मुझे ऐसा मौका कम ही मिल पाता है। वह नींद में कितना निश्चिंत और बेपरवाह दिखता है। चेहरे पर हल्की दाढ़ी उग आई है। मैं उसे चूमना चाहती हूं। उसके बालों में हाथ फिराना चाहती हूं पर मैंने किसी तरह अपने-आप को रोक लिया। उसकी नींद खराब नहीं करना चाहती। हम्म...वैसे अपने दांतों से उसकी कनपटी का स्वाद तो ले ही सकती हूं। मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की ने अपनी मोटी किताबों से मुंह हटा कर, अपने चश्मों के भीतर से आंखें तरेर कर कहा, *एना! बेचारे को चैन से सोने दो।*

मुझे सोमवार को काम पर जाना है। हमारे पास अपने रूटीन में आने के लिए केवल आज का दिन बाकी है। पिछले तीन सप्ताह एक साथ बिताने के बाद काम पर जाने में दिक्कत होगी पर आदत तो डालनी ही है। मैंने उसके साथ बिताए हर पल का आनंद लिया है फिर चाहे वह हमारे बीच की लड़ाई या बहस ही क्यों न रही हो।

फिर अचानक मेरा ध्यान दूसरी ओर चला गया। ऐसा कौन है जो उसे नुकसान पहुंचाना चाहता है। कोई ऑफिस में है या कोई बाहरी व्यक्ति है? और वह अपने बारे में सोचना छोड़ कर, मेरे बारे में सोचता रहता है। मेरे राजकुमार को मेरी ही चिंता लगी रहती है। अगर उसे कुछ हो गया तो... मैं कांप उठी।

अचानक देखा कि दो आंखें मुझे ही देख रही थीं। वह उठ गया था।

"क्या हुआ"

"कुछ नहीं, तुम सो जाओ।"

"नींद नहीं आ रही?"

"बेबी! मेरे पास तुम्हारे हर रोग का इलाज है।" उसने कहा और मैं सब भुला कर उससे लिपट गई।

हम ऑडी आर ८ में उसके माता-पिता के घर, दोपहर के खाने पर जा रहे हैं। यह हमारे स्वागत में रखा गया है। सारा परिवार वहीं होगा। कितने दिन से हम अकेले हैं इसलिए सबके साथ बैठने में संकोच-सा हो रहा है। वैसे भी वह सुबह से स्टडी में मग्न था इसलिए हमारे बीच बात भी नहीं हो सकी। उसने कहा कि मिसेज जोंस कर लेंगी पर मैं ऐसे कामों के लिए मदद लेने की आदी नहीं हूं।

"मैंने कार को देख कर कहा, क्या तुम मुझे इसे चलाने दोगे?"

"बेशक। जो मेरा है, वह तुम्हारा भी है। अगर तुमने इस पर डेंट डाला तो मैं तुम्हें अपने पीड़ादायी लाल कमरे में ले जाऊंगा......"

शिट! क्या ये कोई मजाक था?

"अच्छा!!!क्या तुम एक कार के लिए मुझे सजा दोगे? क्या मुझसे ज्यादा कार प्यारी है?" "हां, पर ये मुझे रात को गरमा नहीं सकती"

"उसका भी इंतजाम हो जाएगा। रात को इसमें ही सो जाना।" मैंने चुटकी ली। "अभी घर आए, एक दिन भी नहीं हुआ और मुझे अभी से घर से निकाला जा रहा है?"

आज वह बहुत अच्छे मूड में है और मुझे उसका ये रूप बहुत पसंद है। कौन जाने! मुझे आगे चल कर उसका और संवरा हुआ रूप देखने को मिले!

वैसे इतना तो मैं जान गई हूं कि उसे खिझाना आसान है क्योंकि उसे इसकी आदत नहीं है। मुझे यह भी हैरानी हुई कि अभी हम दोनों को एक-दूसरे के बारे में कितना कुछ जानना और सीखना बाकी है।

कैरिक आज बारबेक्यू पर हैं और अपने हैट और एप्रन के साथ बड़े मजाकिया दिख रहे हैं। उन्हें देखते ही मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। हम सब ग्रे परिवार के साथ मेज पर हैं। ग्रेस और ईया मेज पर सलाद लगा रही हैं। बाकी लोग हमारे नए घर की बातें कर रहे हैं। ईथन और केट हनीमून की बातें निकलवा रहे हैं। पतिदेव ने मेरा हाथ थाम रखा है और मेरी अंगुली में पड़ी अंगूठी से खेल रहे हैं।

"तो अगर जिआ के साथ योजना बन जाए तो हम जल्दी ही काम शुरू कर सकते हैं।" इलियट ने केट के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा

"शायद वह कल शाम आएगी। हम मिल कर सब तय कर लेंगे।" क्रिस्टियन ने कहा ओह...ये तो खबर है। वह कल आ रही है।

"हां, क्यों नहीं।" मैं भी मुस्कुराई। वह मुझे बिना बताए ऐसे फैसले क्यों लेता है? या मैं जिआ की भरी हुई छातियों, दामी कपड़ों व इत्र और उसके स्तर से घबरा कर ऐसी बातें कर रही हूं?

मैंने अपने पति को मीठी सी मुस्कान दी और खुद को समझाया कि जलन वाली कोई बात नहीं है। मुझे हुआ क्या है?

केट ने टोका, "एना! लगता है कि अभी हनीमून पर ही हो।"

"हां।" मैंने एक मुस्कान के साथ कहा

"तुम बहुत प्यारी दिख रही हो।"

"तुम दोनों बहुत प्यारे लग रहे हो।" ग्रेस ने कहा और इलियट ने हमारे गिलास भर दिए। " खुशहाल जोड़े के नाम! " कैरिक मुस्कुराए और सबके चेहरों पर उनके ही भाव उतर आए।

"ईथन को भी दाखिले के लिए बधाई हो।" ईया ने कहा

मैं सोचने लगी कि क्या उन दोनों के बीच कुछ चल रहा है।

मेरे पतिदेव पिछले तीन सप्ताह की यात्रा का विवरण देने में व्यस्त हैं। वह आज बहुत ही शांत और सहज लग रहा है मानो अपनी सारी चिंताएं भूल गया हो। वहीं दूसरी ओर मेरा मूड अजीब है। खाना खाने लगी तो याद आया कि उसने कहा था कि मैं पहले से मोटी हो गई हूं। वह तो मजाक कर रहा था। भीतर बैठी लड़की ने फटकारा। इलियट ने गलती से फर्श पर गिलास गिरा कर सबको चौंका दिया और वहां साफ-सफाई के लिए हल्ला मच गया।

"अगर तुमने अपना मूड ठीक नहीं किया तो बोटहाउस में ले जा कर ऐसा फटकारूंगा कि याद रखोगी।" क्रिस्टियन मेरे कान में बोला।

मैंने उसे हैरानी से देखा। हैं!!!! उसने क्या कहा?

तुम्हारी ऐसी मजाल!!!! मैंने भौं नचा कर देखा पर यह भी पाया कि केट हमें कुछ ज्यादा ही दिलचस्पी से देख रही थी।

"पहले तुम्हें मुझे पकड़ना होगा। आज तो मैंने हील भी नहीं पहनी।"

"मैं कोशिश तो करूंगा।" उसने दुष्टता से भरी मुस्कान से कहा और मुझे लगता है कि वह मजाक कर रहा है।

मैं लजा गई।

अभी हम कुछ मीठा ले रहे थे कि बारिश होने लगी। सभी सामान उठाकर भीतर को लपके।

"ओह! शुक्र है कि हमारा खाना निपट गया था।" ग्रेस ने कहा। क्रिस्टियन पियानो पर जा बैठा और एक धुन बजाने लगा जो मेरे लिए नई थी।

ग्रेस मुझसे सेंट डि पॉल के लिए पूछने लगीं। वे भी अपने हनीमून के समय वहां गई थीं। केट और इलियट अपने में मग्न हैं। कैरिक, ईया और ईथन साइकोलॉजी की चर्चा कर रहे हैं। तभी अचानक ही सभी थम गए। क्रिस्टियन पियानो पर धुन बजाते हुए कुछ गा भी रहा था। मैंने तो उसे पहले भी गाते सुना है। क्या इन लोगों ने नहीं सुना? उस चुप्पी से घबरा कर वह अचानक ही चुप हो गया। केट ने मुझे सवालिया निगाहों से देखा। क्रिस्टियन ने देखा कि सबका ध्यान उसकी ओर है तो वह अपने स्टूल से उठ गया।

"गाओ न! कितना अच्छा गा रहे थे। मैंने तुम्हें कभी गाते नहीं सुना।" वह फिर से गाने लगा। सभी फिर से बातें करने लगे और मैं अपने प्यारे पति को देखती रह गई।

ग्रेस ने नम आंखों से मेरा कंधा थामकर कहा, "प्यारी बिटिया! धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद। यह सुन कर तो ऐसा लगा कि मेरा गला भी रूंध गया हो।

"उम्म......! मैं भी उनके गले से लग गई। उन्होंने मेरे गाल चूमे और बोलीं "मैं चाय बना लाती हूं।"

मैंने ऐसा क्या किया था?

मैं क्रिस्टियन के पास चली गई जो अब खिड़की से बाहर ताक रहा था

"जनाब को कमरे को चुप कराना तो बहुत अच्छा आता है।" मैंने चुटकी ली "जी हां। मैं तो हमेशा से ऐसा ही

करता आया हूं।"

"हां, काम के दौरान। पर इस तरह नहीं।" मैंने कहा

"सच कहा, यहां नहीं।"

"किसी ने तुम्हें गाते नहीं सुना?"

"नहीं सुना होगा। चलो चलें।"

"अच्छा तुम तो मुझे फटकारने वाले थे।"

"मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचाना चाहता पर मुझे इस खेल में बहुत आनंद आता है।" "अच्छा जी, हम देखेंगे कि इस बारे में क्या कर सकते हैं।"

हम सबसे मिल कर अपनी कार के पास पहुंचे तो क्रिस्टियन ने मेरे हाथ में चाबियां थमा दीं। उसे याद था कि मैं उसकी कार चलाना चाहती थी।

"पक्का! "

"हां, इससे पहले कि मैं अपना मन बदलूं। तुम आगे आ जाओ।"

मैंने देर नहीं की।

"वाह मिसेज ग्रे! आपकी फुर्ती देख कर तो मजा आ गया।"

मैंने धीरे से कार को सड़क पर उतार दिया। भले ही थोड़ी घबराहट हुई पर मैं पहले भी तो कार चलाती थी।

अचानक ही मैंने गति बढ़ाई तो वह चिल्लाया। "एना! दोनों मारे जाएंगे। धीरे चलाओ।" मैंने झट से गति धीमी कर दी।

"क्या कार है। मक्खन की तरह सड़क पर फिसलती जाती है।"

वैसे हमारे पीछे हमारे अंगरक्षकों की कार नहीं आ रही थी। इसकी बजाए काले शीशों वाली गहरे रंग की कार दिखाई दी। मुझे लगा कि आज तो स्वेयर से रेस करनी चाहिए पर यह भी नहीं चाहती थी कि मेरे पतिदेव परेशान हो जाएं।

अचानक ही उसे फोन आया और वह परेशान हो गया। स्वेयर जानना चाहता था कि क्या कार मैं चला रही थी और उसके बाद उसने क्रिस्टियन को जो भी बताया। वह सारे माहौल को बदलने के लिए काफी था।

"हां...मैं देख रहा हूं। मैं समझ सकता हूं।"

ये हो क्या रहा है। मेरे शरीर में एड्रेनालिन का स्तर बढ़ने लगा।

"अच्छा...ठीक है।"

"एना! तुम देख कर बताओ कि हम किस ओर जा रहे हैं। मैं तुम्हें डराना नहीं चाहता पर चाहता हूं कि जैसे ही

हम 520 पर आएं। तुम कार की गति तेज कर देना। कोई हमारा पीछा कर रहा है।"

पीछा। हाय। मेरा कलेजा उछल कर मुंह को आ गया। गले में कांटे से चुभने लगे। हमारा पीछा कौन कर रहा है। वह गहरे रंग की कार अब भी हमारे पीछे थी। हैं! यह भी पता नहीं चल रहा कि उसे चला कौन रहा है?

"अपनी आंखें सड़क पर रखो।" वह अक्सर मुझसे बात करते समय इस सुर का प्रयोग नहीं करता। साफ दिख रहा है कि वह भी तनाव में है।

मैंने खुद को संभालने की कोशिश की।

"तुम्हें कैसे पता कि हमारा पीछा हो रहा है?" मेरा सुर कांप रहा था।

"हमारे पीछे वाले बंदे की लाईसेंस प्लेट झूठी है।"

इसे कैसे पता?

बारिश थम चुकी थी पर सड़कें अभी गीली थीं और इतनी कारें नहीं थीं।

मेरे दिमाग में रे की बात गूंज उठी। *किसी भी कठिन वक्त में डर ही तुम्हारा सबसे बड़ा दुश्मन होता है। तुम्हें उससे पार पाना चाहिए।*

मैंने अपने-आप को संभाल लिया। जो भी पीछे आ रहा है। *वह मेरे पति को नुकसान पहुंचाना चाहता है और मुझे अपने पति की सुरक्षा करनी है। मैं इस कार को चलाना चाहती थी और तेज चलाना चाहती थी। आज मुझे वह मौका भी मिल गया है।* मैंने हिम्मत कर, कार को अचानक तेज कर दिया और हम झटके से पिछली सीट से टकराए। क्रिस्टियन ने मुझे हैरानी से देखा। हम पचहत्तर की गति तक आ गए थे।

मैं बड़ी होशियारी से कारों के काफिले के बीच से अपनी कार को भगाती ले जा रही थी। हम झील के साथ वाले पुल पर इतने पास थे कि लगता था कि था मानो पानी पर चल रहे हों। मैंने गुस्से से भरे बैठे क्रिस्टियन को अनदेखा किया जो आसपास से जा रहे ड्राईवरों के तानों को अनुसना कर रहा था। शायद वह मेरा ध्यान नहीं बंटाना चाहता था।

"गुड गर्ल! अब मैं पीछा करने वाले को नहीं देख पा रहा।" उसने कहा

स्वेयर की आवाज गूंजी। "सर! हम अनसब के ठीक पीछे हैं। वह आपके साथ आना चाह रहा है। आप कोशिश करें कि हम आप दोनों की गाड़ियों के बीच आ जाएं।"

अनसब? ये क्या होता है?

"मिसेज ग्रे! अच्छा संभाल रही हैं। मुझे उम्मीद है कि हम कुछ ही पलों में पुल से उतरने वाले हैं।" क्रिस्टियन ने कहा

अचानक ही मुझे हमारी पहली प्लेरूम मुलाकात याद आ गई। ध्यान बंटने लगा तो मैंने सिर झटक दिया। वह तब भी इतने ही सब्र से पेश आया था।

"हम कहां जा रहे है।" मैंने उससे पूछा। मैं कार को बड़े ही सहज भाव से चला रही हूं। यह कार इतनी गति में भी आराम से चलती है और मैंने इस पर काबू पा लिया है।

"1-5 से होते हुए दक्षिण की ओर चलो। हम देखना चाहते हैं वह पीछा करने के लिए आएगा या नहीं?" जैसे ही हरी बत्ती दिखी, मैंने कार भगा दी।

ज्यों ही हम आगे आए तो बहुत सी कारें दिखीं। उसका चेहरा उतर गया

"शायद मैंने उसे पहचान लिया। वह करीब दस कार पीछे है।"

"हां। समझ नहीं आया कि ये आदमी है कौन?"

"मैंने भी देखना है कि कौन चला रहा है।"

"नहीं मिसेज ग्रे! ये एक आदमी या औरत, कोई भी हो सकता है। शीशे का रंग गहरा है।" स्वेयर ने कहा

"एक औरत?"

"तुम्हारी मिसेज रॉबिन्सन"

"वह मेरी मिसेज रॉबिन्सन नहीं है। मैंने अपने जन्मदिन के बाद से, उससे बात नहीं की है। ये काम एलीना भी नहीं कर सकती। यह उसका स्टाइल नहीं है।"

"लीला?"

"वह तो अपने माता पिता के साथ है।"

"पक्का?"

"नहीं, पर अगर वह भागेगी तो उसके घर वाले हमें जरूर बता देंगे। हम घर जाकर बात करेंगे तुम कार संभालो।"

"मैं तुम्हारे मामले में किसी तरह का खतरा मोल नहीं ले सकता।"

"वैसे अगर हमें पुलिस ने पकड़ लिया तो? मेरे पास तो लाईसेंस भी नहीं है।" "वह चिंता तुम मत करो उसे तो मैं संभाल लूंगा।" उसने थोड़े से मजाकिया सुर में कहा

मैंने इस बार फिर कार को दौड़ दिया। वाह! क्या शान है। मैं पचासी तक आ गई। आज तक कभी इतनी तेजी कार नहीं चलाई। बीटल तो पचास से परे नहीं जाती थी।

"वह कारों के काफिले से निकल कर आपकी ओर आ रहा है।" स्वेयर का स्वर आया। शिट! कार और भगानी होगी! " मैंने गैस दबाई और कार भगा दिया।

"एना! हिम्मत बनाए रखो।"

तभी पता चला कि वह आदमी सौ की रफ्तार से पीछे आ रहा था। मैं कार को सही भगा रह थी बस एकाध जगह किसी दूसरे ड्राईवर के साथ खींचतान होते-होते बची और हमने चलती कारों से ही अपशब्दों का आदान-प्रदान किया।

"सर! उसने एक सौ दस की गति कर दी है।" यह सुनकर तो मेरी जान ही निकल गई। आज क्या होने वाला है।

"फ्लैशलाइट जला दो"

"लोग मुझे पागल कहेंगे।"

"उन्हें कहने दो।"

"वे कहां हैं।"

"इंडीकेटर को अपनी ओर खींचो।" क्रिस्टियन बोला

मैंने ऐसा ही किया और साथ से जा रहे एक चालक की ओर से मिले गंदे इशारे को भी झेलना पड़ा।

"वह तो गधा है। हरामी......". क्रिस्टियन ने दांत भींचकर कहा

"हम स्टीवर्ट स्ट्रीट एग्जिट से निकल रहे हैं।" उसने स्वेयर से कहा

"सर, एस्काला की ओर?"

मैंने बड़ी आसानी से अपनी कार को उस रास्ते पर उतार दिया। वहां कोई नहीं दिख रहा। आज सड़क इतनी सुनसान क्यों है?

"माना गाड़ियां ज्यादा नहीं हैं पर यही बात हमारा पीछा करने वाले के लिए भी तो अच्छी है। उसे हम तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। एना! जल्दी से घर चलो।"

मैं डर गई थी। मैं घर का रास्ता याद नहीं कर सकती।

"अच्छा तुम चलती रहो। मैं रास्ता बताता रहूंगा।" मैंने गाड़ी तेज कर दी। सामने से कुछ पीली बत्तियां दिखीं तो वह चिल्लाया, "इन्हें जल्दी से पार कर लो।"

मैंने कार की गति और भी तेज कर दी।

"वह स्टीवर्ट की ओर आ रहा है।" स्वेयर ने कहा

"तुम ल्यूक के साथ रहो।"

"ल्यूक?"

"हां, उसका नाम है।"

मैंने अपने पति की ओर देखा तो वह चिल्लाया। "अपनी आंखें सड़क पर रखो।" "ल्यूक स्वेयर?"

"हां"

ओह। मुझे तो पता ही नहीं था। पिछले छह सप्ताह से वह बंदा हमारे लिए काम कर रहा है और मुझे उसका नाम तक पता नहीं था।

तभी कार में स्वयेर का स्वर गूंजा और उसने हमें बताया कि वह आदमी तेजी से हमारी ओर आ रहा था

"चलो एना। बात बाद में होती रहेगी।" क्रिस्टियन गुर्राया

फिर मैंने उसके कहने से कार को एक पार्किंग लॉट में मोड़ दिया।

"पर क्यों?"

"तुम्हें जो कहा जा रहा है। बस वही करो।" वह गरजा

फिर उसने अपने लोगों को भी बता दिया कि हम किस पार्किंग लॉट में छिपे थे।" "तुम ठीक हो।" उसने मुझसे पूछा

"हां, मैं ठीक हूं।" मेरी चिंता मत करो।

तभी कार में स्वर गूंजा, "सर! वह आप लोगों को पार करके आगे निकल गया है और हम उसकी खोज में आगे जा रहे हैं। आप सुरक्षित घर पहुंचें।"

"ठीक है।"

"मिसेज ग्रे! आपने बहुत अच्छी कार चलाई।" क्रिस्टियन ने जैसे ही मेरी पीठ थपथपाई तो मैंने खुल कर सांस ली। घबराहट के मारे हालत खराब थी।

"अच्छा जी तो मेरी ड्राईविंग के बारे में बताने के लिए ही कार रोकी गई है।" मैं खुल कर हंसी।

"हां जी"

"वैसे थैंक्स! तुमने मुझे ये कार चलाने का मौका दिया। ऐसे हालात में तो कार चलाने का मजा ही दुगना हो गया।"

"अच्छा! अब मुझे चलाना चाहिए।"

"सच कहूं तो अभी यहां से उतर नहीं सकती। मेरे पैर जाम हो गए हैं।" मैं अचानक ही अनहोनी की आंशका से कांप उठी।

"एना! तुमने तो अपनी बहादुरी से मुझे भी अचंभे में डाल दिया। तुम कभी भी किसी भी टेस्ट में फेल नहीं होतीं। ब्रेवो! " उसने मेरे गाल सहलाए और उसके चेहरे पर अचानक ही बहुत सारे भाव उमड़ आए। मैं रोने लगी।

"ओह बेबी! प्लीज रोना बंद करो।" वह आगे आया और मुझे अपनी गोद में ले लिया। उसने मेरे बाल सहेजते हुए गर्दन, मुंह, हाथ व कलाई पर चूमा। मैं उसके गले लगकर हौले-हौले सुबकती रही। हम बहुत देर तक यूं ही एक-दूसरे की बांहों में पड़े रहे।

अचानक ही स्वेयर की आवाज गूंजी। "अनसब एस्काला के बाहर कार धीमी कर रहा है। वह ज्वांयट का पीछा कर रहा है।"

"उसका पीछा करो।"

मैंने अपना नाक साफ किया और गला खंखारा।

"मेरी शर्ट का इस्तेमाल करो।" क्रिस्टियन ने अपना कफ आगे कर दिया।

"सॉरी"

"क्यों क्या हुआ? सॉरी क्यों कहा?"

मैंने अपना नाक साफ किया और उसने मेरे होठों पर छोटा सा चुंबन अंकित कर दिया। उसने आगे झुककर जेब से फोन निकाला और दूसरी सीट पर उछाल दिया। एक हाथ से मेरा सिर थामकर चूमने लगा। उसका दूसरा हाथ मेरा चेहरा सहला रहा था। मेरे बदन में एक वासना सुलग उठी। मैंने भी उसका चेहरा थाम लिया और चूमने लगी। मानो मैं उसे पी जाना चाहती थी। उसने मेरी इस प्रतिक्रिया पर गले से एक अजीब-सा गहरा सुर निकाला और मेरे पेट में खलबली-सी होने लगी। एक इच्छा जाग उठी थी। मैं दीवानों की तरह पलटी

आह! वह मुझसे अलग हुआ तो बेदम था।

"क्या?"

"एना! हम सिएटल के कार लॉट में हैं।"

"तो?"

"मैं अभी तुम्हारे साथ शारीरिक संबंध बनाना चाहता हूं और तुम बेचैनी से मेरी गोद में पहलू बदल रही हो।"

ये क्या! उसे मेरे मन की बात कैसे पता चल गई।

"ठीक है! मैं भी तैयार हूं।" मैंने उसके मुंह का कोना चूमते हुए कहा

कार की घटना ने मुझे बहुत उत्तेजित कर दिया था और शायद यही कारण था कि भीतर सोई वासना भी सुलग उठी थी। उसने झुक कर मुझे देखा तो उसकी आंखों में भी वही प्यास दिखाई दी।

"यहां?"

मेरा मुंह सूख गया। यह मुझे कैसे अपने कुछ शब्दों से दीवाना कर देता है।

"हां. मैं तुम्हें अभी और यहीं चाहता हूं।"

उसने अपना सिर एक ओर झुकाया और एक पल के लिए मुझे ताकता रहा। "मिसेज ग्रे! लगता है कि आप भी यह चाहती थीं।" उसके हाथ फिर से मेरे बालों पर

था और हमारे मुंह आपस में जुड़ चुके थे। उसका दूसरा हाथ मेरे बदन के निचले हिस्से पर आ गया था। मेरी अंगुलियां उसके लंबे बालों से खेल रही थीं।

"मुझे खुशी है कि तुम स्कर्ट में हो। काम आसान हो जाएगा।" उसने हौले से कहा और स्कर्ट के भीतर हाथ डाल कर मुझे सहलाने लगा।

झटका सा लगा।

उसने मुझे छूते ही जान लिया था कि मैं भी उसके लिए तरस रही थी। मेरे अंतर्वस्त्र से अपने हाथ निकालते हुए बोला, "क्या कार वाली घटना ने तुम्हें उत्तेजित कर दिया है?"

"मैं नहीं जानती। इस समय मैं कुछ नहीं जानती। केवल इतना जानती हूं कि मुझे तुम्हारी जरूरत है।" मैंने कहा।

उसने मुझे उठाकर घुमा दिया और इस तरह मेरा मुंह विंडशील्ड के सामने हो गया। उसके कहने से मैंने दोनों टांगें उसकी टांगों के आसपास फैला दीं।

"अपने दोनों हाथ मेरे घुटनों पर टिका कर आगे की ओर झुक जाओ। अपने सिर का ध्यान रखना।"

शिट! क्या हम सचमुच एक सार्वजनिक जगह पर ये करने जा रहे हैं। मैंने झट से यहां-वहां देखा और रोमांच की एक लहर दौड़ गई। ये सब कितना हॉट है। मैंने उसकी पैंट की जिप खुलने की आवाज सुनी। उसने एक हाथ से मेरी कमर जकड़ी और दूसरे हाथ से कपड़े खिसकाते हुए, बड़ी आसानी से मेरे भीतर चला गया।

ओह! मैंने हल्की सी आह भरी!!! उसने मुझे गर्दन के पास से पकड़ रखा है। उसने मुझे एक ओर झुकाया ताकि मेरी गर्दन चूम सके। उसके दूसरे हाथ ने मेरे नितंब को थामा और हम एक साथ झूमने लगे।

मैंने भी पैरों से जोर लगाया और वह मेरे भीतर......ओह......मेरे मुंह से सिसकारी निकल ही गई। मेरा दांया हाथ दरवाजे के पास है। उसके दांत मेरी कनपटी कुतर रहे हैं और वह बार-बार गहराई से भीतर आ-जा रहा है। हमारे बीच एक ताल-सी बन गई है। वह अपना हाथ आगे की ओर से मेरे अंतर्वस्त्रों पर फिराने लगा।

आह!

"एना! हमें यह सब जल्दी ही करना होगा।" उसने भिंचे दांतों के साथ कहा मुझे अपने भीतर से वही
जाना-पहचाना एहसास बाहर आता महसूस हुआ और मैंने

खुद को उसके हाल पर छोड़ दिया। कुछ पलों के बाद तंद्रा टूटी तो ऐसा लगा कि पोर-पोर हल्का हो गया था।

ओह एना!......

वह बार-बार पीछे से मेरे बदन के हिस्सों को चूमने लगा।

और हम कुछ क्षणों तक यूं ही बैठे रहे।

"मिसेज ग्रे! तनाव छूमंतर हुआ?"

मैं बुरी तरह से पस्त था और अचानक ही बाहर नजर गई। कहीं किसी ने देखा तो नहीं? "तुम्हें क्या लगा कि मैं किसी को अपनी पत्नी को इस रूप में देखने की इजाजत दूंगा।"

उसने प्यार से मेरी पीठ सहलाई।

"कार सेक्स! " मैंने उत्साहित सुर में कहा

उसने मेरे बालों की लट पीछे कर दी। "चलो घर चलें। कार मैं चलाता हूं।" उसने दरवाजा खोला तो मैं गोद से उतार कर पार्किंग लॉट में आ गई। वह उतरा और

झट से अपनी जिप बंद करते हुए, दूसरी ओर चल दिया। हम कार में बैठे तो उसने फोन निकाल कर एक फोन मिलाया।

"स्वेयर कहां है। वह आदमी कहां है? स्वेयर कहां गया"

वह रेयान की बात सुनता रहा।

"वह? उसके साथ रहो।" उसने फोन रख दिया।

"क्या वह कार कोई लड़की चला रही थी। वह कौन हो सकती है? एलीना या लीला?" "लड़की पीछा कर रही थी।"

"ऐसा लग रहा है।" उसने कहा

उसके चेहरे पर गुस्सा था। "चलो घर चलें"

"वैसे अनसब क्या होता है। बड़ा अजीब शब्द है।"

"इसका मतलब है अननोन सब्जैक्ट! रेयान पहले एफबीआई में था।"

"हैं!! "

"जी हां।" वह अपने में ही मग्न था।

ओह हम कुछ ही पलों में कहां से कहां पहुंच गए हैं। वह जुनून कहां गया। यह तो कोई दूसरा ही आदमी है। मैं चुपचाप बैठ कर उसका मूड संभलने का इंतजार करने लगी। फिर मैंने अपना हाथ उसकी जींस पर रखा ही था कि वह खीझा

"नहीं, कुछ मत करो। मैं नहीं चाहता कि घर से तीन ब्लॉक की दूरी पर हमारे साथ कुछ बुरा घट जाए। आराम से संभल कर बैठो।" *ओह मेरा फिफ्टी... मुझे ऐसा लग रहा था जैसे किसी बिगड़ी हुई जिद्दी बच्ची को फटकारा जा रहा हो।* मैंने अपना हाथ हटा लिया।

"कोई औरत थी?"

"हां, ऐसा लग रहा है।"

उसने कार गैराज में लगाई तो मैं बोली, *मुझे यह कार पसंद आई*

"मुझे भी पसंद आया कि तुमने कितनी खूबसूरती से, इसे चोट पहुंचाए बिना हम दोनों की जान बचा ली।"

"तो मेरे जन्मदिन पर एक ले कर दे सकते हो।"

उसका मुंह खुला का खुला रह गया

"सफेद रंग में ले देना।" मैंने आगे कहा

वह मुस्कुराया, "एना! तुम हमेशा अपने रवैए से मुझे हैरानी में डालती रहती हो।" मैं इतरा कर आगे चल दी। वह

पीछे से आ कर बोला, "तुम्हें कार पसंद आई। मुझे

कार पसंद आई। हमने कार में मजा लिया और शायद कभी इस कार पर भी हम...".मैंने उसे धकेला और आगे चल दी। इसके दिमाग का कुछ पता नहीं चलता। जाने कब क्या करने को राजी हो जाए।

तभी वह बोला, "शायद हमें कंपनी देने के लिए कोई है।"

मेरी नजर वहां खड़ी बीएमडब्ल्यू पर पड़ी। उसमें से एक नौजवान निकलकर हमारे साथ चल दिया। हमें अभिवादन करने के बाद उसने बताया कि वह अपार्टमेंट नंबर सोलह में आया था। दिखने में तो कोई मीडिया वाला लगता था।

उसने क्रिस्टियन को पहचान लिया। भला कौन नहीं जानता।

उसने अपना हाथ आगे किया। नोहा लोगान। क्रिस्टियन ने भी बेमन से हाथ मिला लिया। "कहां जाएंगे?"

"मुझे कोड डालना है।"

ओह

"पेंटहाउस"

"अच्छा। बेशक।"

उसने आठवीं मंजिल के लिए बटन दबाया और मेरी ओर हाथ करते हुए बोला। "शायद आप मिसेज ग्रे हैं।" मैंने हाथ मिलाया और मेरे आसपास मेरे पति की पकड़ और भी कस गई।

"आप कब आए "

"पिछले सप्ताह। जगह बहुत अच्छी है।"

हमारे बीच बड़ी देर खामोशी छाई रही।

जब उसके उतरने की बारी आई तो उसने दोनों से हाथ मिलाया। "आप लोगों से मिल कर अच्छा लगा।"

"हमें भी खुशी हुई।"

"मुझे आज तक किसी पड़ोसी से मिलने का मौका ही नहीं मिला"

"मुझे ऐसे ही पसंद है।"

"क्या तुम कोई राजा हो"

राजा?

"हां, वह हाथी दांत से बने महल में अकेला रहता था"

"मिसेज ग्रे! अब आप भी वहीं रहती हैं और शायद आपके प्रशंसकों की सूची में एक और नाम शामिल हो गया है।"

मैंने आंखें नचाई. "तुम्हें हमेशा ऐसा क्यों लगता है?"

"क्या तुम मुझे आंखें दिखा रही हो?"

मेरी धड़कन तेज हो गई और मैंने हामी दी।

उसने अपना सिर एक ओर किया और बोला, "हमें इस बारे में क्या करना होगा?" "कुछ रफ हो जाए? "

"क्या सचमुच?"

"जी हां।"

"तुम और चाहती हो?"

मैंने धीमे से हामी भर दी।

"घर भी आ गया था।"

"कितना रफ?" उसने अंदर जाते हुए पूछा

मैंने कोई जवाब नहीं दिया। जब हम अंदर गए तो स्वेयर दिखाई दिया।

"स्वेयर! मुझे एक घंटे में जवाब चाहिए।"

"जी सर"

हमारे पास एक घंटा है!

क्रिस्टियन ने मुझे देखा। "रफ?"

"मिसेज ग्रे! आज आपकी किस्मत अच्छी है। हम पूरे मूड में हैं।"

अध्याय-6

"क्या तुम्हारे दिमाग में कुछ चल रहा है?" क्रिस्टियन ने मुझे ताका। मैं समझ नहीं पा रही कि आज मुझे हुआ क्या है पर मैं उसके साथ वह सब करना चाहती हूं, जो उसे बहुत प्रिय है। उसने मुझे प्यार से सहलाया, "क्या तुम मेरे तरीके से सेक्स का आनंद लेना चाहोगी?"

मैंने हामी भरी और महसूस किया कि मेरा चेहर सुलग उठा था। मैं इस चीज से इतना लजा क्यों रही हूं? मैं इस इंसान के साथ यह सब पहले भी कर चुकी हूं। वह मेरा पति है। दअरसल मेरी लज्जा का कारण यह है कि इस बार वह नहीं बल्कि मैं ऐसा चाहती हूं। मुझे यह कबूल करने में शर्म आ रही है। भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं, ज्यादा सोचना बंद कर।

"क्या तुम घबरा रही हो?"

मैंने थूक निगला, "नहीं। आओ चलें।"

वह मुझे अपने प्लेरूम की ओर ले चला। सीढ़ियों के पास जा कर कमरे का ताला खोला। उसने उस की रिंग में चाभी लगा रखी है जो मैंने उसे शादी से पहले उपहार में दिया था।

"मिसेज ग्रे! पहले आप चलें।"

वहां से वही जानी-पहचानी चमड़े, लकड़ी और पॉलिश की गंध आ रही है। मैं लजा गई। बेशक इस कमरे को मिसेज जोंस साफ करती रही होंगीं। हम अंदर गए तो क्रिस्टियन ने लाइट जला दी। चारो ओर हल्की लाल रोशनी फैल गई। मैं उस रोशनी के बीच अपने खूबसूरत पति को देखती ही रह गई। उसने दरवाजा बंद किया और मुझे देखते हुए हौले से कहा-

"एनेस्टेसिया! तुम क्या चाहती हो?"

"तुम!" मेरा जवाब तैयार था।

उसने बात बनाई, "जिस दिन तुमने ऑफिस में पहला कदम रखा था। मैं तो उसी दिन से तुम्हारा हो गया था।"

"तो मि. ग्रे! मुझे अपना कमाल दिखाएं।"

उसके चेहरे पर हास्य उभर आया, "आप जैसा चाहें मैडम! "

"मेरे ख्याल से हमें आपको कपड़ों से जुदा करते हुए शुरूआत करनी चाहिए।" वह आगे आया और मेरी डेनिम जैकेट उतार दी। फिर उसने मेरे काले स्वेटर को हाथों में पकड़ा और बोला, "हाथ ऊपर करो।"

उसने मेरे सिर के ऊपर स्वेटर ले जाते हुए उसे उतार दिया। मेरी आंखों में प्यार और वासना के मिले-जुले भाव देखे जा सकते हैं।

मैंने कलाई से उतारकर छोटा सा बैंड उसके आगे कर दिया। उसने उसे ले लिया और बोला,

"घूम जाओ।"

मैं मुड़ी तो उसने झट से मेरे बालों की चोटी गूंथ कर उन्हें समेट दिया। उसने चोटी खींचते हुए मेरी गर्दन पीछे

की।

"मिसेज ग्रे! आपका ख्याल बुरा नहीं था। अब घूम कर अपनी स्कर्ट उतारो और इसे जमीन पर ढेर होने दो।" मैंने उसकी आंखों में लगातार देखते हुए अपनी स्कर्ट खोली और उसे जमीन पर गिरने दिया।

"अब स्कर्ट से बाहर आ जाओ।" उसने आदेश दिया। मैं आगे आई तो वह घुटनों के बल बैठा और एक-एक कर जूते भी उतार दिए। इस बीच मुझे सहारा लेने के लिए दीवार के पास होना पड़ा और मैं वहां पड़ी छड़ी, कोड़े व चाबुक वगैरह देख कर सोचने लगी। क्या वह उनका प्रयोग भी करेगा?

अब मैं उसके सामने केवल अंतर्वस्त्रों में खड़ी थी। "वाह! क्या नजारा है, मिसेज ग्रे! तुम्हारे भीतर से सेक्स और मेरी गंध आ रही है। ये बड़ी ही नशीली है।" मैं तो ये सुनते ही पिघल गई। ये कितना नटखट है। अपने शब्दों से ही मुझे दीवाना बनाने की कला खूब जानता है।

"जाओ, मेज के पास जा कर खड़ी हो जाओ।" फिर वह अपने संग्रहालय जैसे दराज की ओर बढ़ गया।

"तुम दीवार की ओर मुंह कर लो। इस तरह तुम जान नहीं पाओगी कि मैंने तुम्हारे लिए क्या योजना बनाई है। मिसेज ग्रे! मुझे आपको सरप्राइज देना है।"

मैंने भी वही किया, जो कहा गया था पर मेरे कान छोटी से छोटी आवाज को सुनने के लिए खुले थे और मैंने उसका पूरा फायदा उठाया। उसे मेरे भीतर लगी आग को भड़काना आता है। उसे पता है कि इस इंतजार से मेरी बेकरारी और भी बढ़ जाएगी। मैंने महसूस किया कि उसने मेरे जूते और कपड़े उतारने के बाद अपने जूते उतारे हैं। मुझे नंगे पांव चलता क्रिस्टियन बहुत भाता है। एक पल के बाद दराज खुलने की आवाज आई।

खिलौने! अरे हां, मुझे इसके सेक्स खिलौने पसंद हैं। दराज बंद हुआ और मेरी सांसें उथली हो गईं। आज तो एक दराज की आवाज भी मेरे भीतर ऐंठन पैदा कर रही है। मेरी दीवानगी की भी हद है! उसने पियानो पर एक धुन लगा दी। एक आदमी का स्वर कमरे में गूंज उठा।

वह आराम से मेरी ओर मुड़ा और कान के पास आ कर बोला, "मिसेज ग्रे! आज आप अपने लिए कुछ रफ चाहती हैं?"

"हम्म"

"अगर तुम्हें कुछ ज्यादा लगे तो उसी समय रोकने के लिए कहना होगा। अगर तुम ऐसा कहोगी तो मैं तभी बंद कर दूंगा। क्या तुम समझ गई?"

"हां"

"मुझे तुमसे वादा चाहिए "

मैंने गहरी सांस ली। *शिट! ये करने क्या जा रहा है?* मुझे उसके शब्द याद आ गए। "मुझे तुम्हें चोट पहुंचाना पसंद नहीं पर तुम्हारे साथ खेलने का मजा ही कुछ और होता

है।"

"गुड गर्ल! आगे झुको।" उसने मेरे कंधे को चूमा और ब्रा के तनी के नीचे अंगुली फिराता चला गया। ये अपने एक ही स्पर्श से मुझे इतना मदहोश कैसे कर देता है।

"इसे उतार दो।"

मैंने उसे उतारकर फेंक दिया।

कुछ ही देर में मैं उसके सामने निर्वस्त्र थी और अब तक नहीं जानती थी कि वह मेरे साथ क्या करने वाला था।

उसने मेरी आंखों पर एक पट्टी बांध दी और पेट के बल मेज पर लेटने को कहा। मैंने बिना किसी झिझक के वही किया, जो उसने कहा था। मेज ठंडा था और उसमें से अजीब सी गंध आ रही थी।

"अपनी बाहें फैला कर, मेज का कोना पकड़ लो।"

इस तरह मेरी बाहें पूरी तरह फैल गईं

"अगर तुमने उसे छोड़ा तो तुम्हें मार खानी होगी। समझी?"

"हां"

"एनेस्टेसिया! क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हें फटकारूं?"

मुझे अचानक ही एहसास हुआ कि मैं एक लंबे अरसे से ऐसा करना चाह रही थी। "हां।" मैंने गला साफ करते हुए कहा

"क्यों?"

"क्या कारण भी देना होगा?"

"बताओ"

"उम्म"

अचानक उसने मुझे जोर से लताड़ा।

"ओह!" मैं चिल्लाई।

"चुप करो।"

उसने धीरे से उस हिस्से को सहलाया। जहां मारा था। फिर मेरी पीठ पर लेट गया और कंधे चूमने लगा। उसने कमीज उतार दी थी इसलिए उसके छाती के बाल मेरी पीठ को चूम रहे थे। उसकी जींस के उभार को भी महसूस किया जा सकता था।

"अपनी टांगें खोलो।"

मैंने टांगें खोल दीं।

"और चौड़ी"

मैंने और चौड़ी टांगें खोल दीं

"गुड गर्ल"

उसने मेरे नितंबों पर गुदा मार्ग के पास अंगुली फिराई तो पूरा शरीर सिहर उठा। "हम आज यहां से कुछ मजा लेने वाले हैं।" उसने कहा।

हाय!!!

उसने अपनी अंगुली धीरे से भीतर सरका दी।

वह धीरे-धीरे अपना काम करता रहा।

"एना! पता नहीं क्यों मुझे लगता है कि तुम्हें भी यह बहुत पसंद आएगा।"

"हां-हां!"

तभी उसने अंगुली निकाली और मुझे जोर से लताड़ दिया।

"बोलो"

"हां-हां"

उसने एक बार और लताड़ा और दो अंगुलियां अंदर डाल कर, उसी समय बाहर निकाल लीं।

"तुम क्या करने जा रहे हो।" ओह जीसस!!!

"बेबी! ऐसा कुछ नहीं है। जो तुम सोच रही हो। मैंने कहा था न कि हम एक बार में एक ही कदम चलेंगे।" एक ट्यूब से कुछ निकलने का स्वर सुनाई दिया और उसने उसे वहां लगा दिया।

मेरा कलेजा मुंह को आ गया था। सांस तेजी से चल रही थी। ऐसा लग रहा था कि शरीर में सुलगी हुई वासना मुझे कहीं का नहीं छोड़ेगी।

"मेरे पास तुम्हारे लिए एक उपहार है।" अचानक ही मुझे एक चीज का आभास हुआ। *ओह! ये तो बट प्लग है।*

"मैं इसे तुम्हारे भीतर उतारने जा रहा हूं।"

मैं उत्तेजना से हांफने लगी।

"क्या इससे दर्द होगा?"

"नहीं बेबी! ये बहुत छोटा है। जब एक बार ये भीतर चला जाएगा तो हम शारीरिक संबंध बनाएंगे।"

मैं सिहर गई और उसने मेरे कंधों को फिर से चूम लिया।

"तैयार?"

तैयार? क्या मैं तैयार हूं?

"हां।" मैंने सूखे मुंह से कहा। उसने एक अंगुली नहीं-नहीं अपना अंगूठा मेरे भीतर सरका दिया। उसका एक हाथ

बदन के आगे वाले हिस्से को सहला रहा है। यह कितना अच्छा लग रहा है। फिर उसने वह ठंडा प्लग मेरे भीतर डाल दिया।

ओह! मेरे भीतर वही जानी-पहचानी ऐंठन होने लगी। ये एक अजब-सा एहसास है। बट प्लग अपने-आप में एक नया अनुभव था। मुझे अच्छा लगा।

मैंने किसी तरह खुद को संभाला और मुंह से निकला, "क्रिस्टियन! "

अब उसने अपने-आप को भी तैयार किया और मुझे आगाह किया मैं मेज न छोड़ू और अगर कुछ ज्यादा कठोर लगे तो उसे उसी समय बता दूं

"हां।" मैंने हौले से कहा और वह अपनी बाजी खेलने लगा।

उसकी सांसें उथली होने लगीं और मेरा तो कहना ही क्या था। जैसे किसी दूसरी दुनिया में जा चुकी थी। उसने प्लग निकाल दिया और पूछा

"दोबारा?"

"हां-हां"

उसने बहुत हौले से उसे अंदर डाला और निकाल लिया। वह बार-बार इसे दोहराने लगा और मैं इसके आनंद में मग्न हो गई।

"ओ एना!... "क्रिस्टियन दोनों भूमिकाएं अच्छे से निभा रहा था और मेरे लिए ये एक बिल्कुल नया अनुभव था। मैंने अपनी सारी लाज शर्म छोड़ कर उसका आनंद लिया और वह भी एक कराह के साथ चरम सुख तक जा पहुंचा।

वह औरत अब भी गा रही है। क्रिस्टियन यहां आकर हमेशा गाने दोहराव के साथ लगाता है। मैं उसकी गोद में लेटी हूं और हमारी टांगें आपस में गुथी हैं। मेरा सिर उसकी छाती पर टिका है। हम प्लेरूम के फर्श पर हैं।

"स्वागत है। उसने कहा और मेरी आंखों की पट्टी उतार दी।। मेरी चिबुक पीछे करते हुए, होंठों पर मीठा सा चुंबन अंकित कर दिया। उसकी आंखें बड़ी ही बेताबी से मेरी आंखों को ताक रही हैं। मैंने आगे जाकर उसका चेहरा सहला दिया। वह मुस्कुराने लगा।

"क्या मैं उम्मीद पर खरा रहा?"

"कैसी उम्मीद?"

"तुम इसे रफ चाहती थीं।"

मैं खिसिया गई और हंस कर कहा, "हां! तुम उम्मीद पर खरे उतरे।"

"सुन कर खुशी हुई। तुम्हारे चेहरे का रंग बता रहा है कि तुम कहां हो कर आई हो।" उसने अपनी लंबी अंगुलियों से मेरा गाल सहलाए।

"मैं इसे महसूस कर सकती हूं।" मैंने कहा

"कैसा लग रहा है?" उसके सुर में बड़ा प्यार झलक रहा था।

"जी हां, पूरी तरह से निचुड़ गई हूं"

"छिः मिसेज ग्रे! आप भी कैसी बातें करती हैं।" उसने मुझसे ठिठोली की।

"क्योंकि मैं एक गंदे से लड़के से ब्याही गई हूं। मि. ग्रे! "

उसके चेहरे पर मुस्कान खिली तो मैं भी चुप नहीं रह सकी। "मुझे खुशी है मिसेज ग्रे कि आप उससे ब्याही गई हैं।" उसने हौले से मेरी चोटी उठाई और प्यार से चूम ली।

ओह माई...क्या मैं इससे कभी अघा सकूंगी?

मैंने उसके हाथ में डाली हुई अंगूठी चूम ली। "तुम मेरे हो। हां, मैं तुम्हारा हूं।" "क्या मैं तुम्हें नहला दूं?"

"बेशक, पर तुम्हें भी साथ देना होगा।"

"अच्छा।" उसने मुझे एक ओर खड़ा कर दिया। वह अब भी जींस में है।

"क्या तुम यहां दूसरी जींस नहीं पहनते?"

"दूसरी जींस?"

"हां, जो यहां पहनते थे। उनमें तुम बहुत हॉट दिखते हो।"

"अच्छा जी"

"सचमुच बहुत हॉट! "

"मिसेज ग्रे! आपके लिए वह भी करूंगा।।" उसने एक छोटे से डोंगे में बट प्लग, लुब्रीकेंट की ट्यूब, पट्टी और मेरे अंतर्वस्त्र रख दिए।

"इन सेक्स खिलौनों को कौन धोता है?" मैं उससे पूछते हुए दराज तक गई। उसने भौं नचाई और हंस कर बोला, "मैं! मिसेज जोंस! "

"क्या?"

उसने थोड़ी हिचक व संकोच के साथ हामी भर दी।

"तुम्हारी सेक्स गुलाम ऐसा करती थीं?" उसने माफी मांगने के अंदाज में कंधे झटक दिए।

"ये लो।" उसने मुझे शर्ट दी और मैंने उसे पहन लिया। उसमें से अब भी उसकी गंध आ रही है। उसने बाकी सामान वहीं छोड़ा और मेरे साथ प्लेरूम से निकलकर नीचे की ओर चल दिया।

काम की उत्तेजना, खराब मूड, रोमांच, भय...सब हवा हो गए थे। मैंने अंगड़ाई लेते हुए जंभाई ली।

"ये क्या है?"

उसने पानी में थोड़ा सुगंधित तेल मिलाते हुए पूछा। चारों ओर मीठी गंध फैल गई। "कुछ नहीं, बस पहले से बेहतर महसूस कर रही हूं।"

"हां, आज तो तुम निराले ही मूड में दिखीं। मुझे पता है कि तुम हाल ही में घटी इन घटनाओं से परेशान हो। मैं भी समझ नहीं पा रहा कि ये ऑफिस के ही किसी आदमी का काम है या बाहर के किसी आदमी की साजिश है। मुझे यही डर है कि कहीं मेरी वजह से तुम्हें कुछ...." उसकी आवाज में छिपे भय के साए लहरा उठे और मैंने उसे बांहों में भर लिया।

"क्रिस्टियन! अगर तुम्हें कुछ हो गया तो मैं क्या करूंगी?" मेरा भय सामने आ गया। वह मुझे घूरने लगा। "हम इसका पता लगा लेंगे। चलो अब पहले नहा लेते हैं।" "तुम्हें स्वेयर से बात नहीं करनी चाहिए? "

"वह इंतजार कर सकता है।" मुझे अचानक ही स्वेयर पर तरस आने लगा। उसने ऐसा क्या किया कि क्रिस्टियन नाराज है।

उसने मेरी शर्ट उतारी तो अब भी छाती पर बने वे निशान हल्के-हल्के दिख रहे थे। पर मैंने तय कर लिया है कि अब उनके बारे में उसे और परेशान नहीं करूंगी।

"हो सकता है कि रेयान ने पीछा करने वाले को पकड़ लिया हो।"

"नहाने के बाद देखेंगे।" वह मुझे ले कर गुनगुने व सुगंधित पानी में बैठ गया। ओह! मेरे नितंबों को उस हल्के से गर्म पानी से भी जलन-सी हुई पर कुछ ही देर में

सामान्य लगने लगा।

क्रिस्टियन मेरे बालों से खेलता रहा और मैं अपने हाथों उसका बदन सहलाती रही। हम बहुत देर तक इसी तरह पानी में पड़े रहे।

"हमें अपने नए घर के लिए योजनाएं बनानी होंगी। आज शाम को ही मीटिंग है।" अच्छा! वह औरत वापिस आ गई। भीतर बैठी लड़की ने उसे याद करके आंखें तरेरीं।

मैंने आह भरी। बदकिस्मती यह भी है कि उसके बनाए डिजाइन बड़े जानदार होते हैं। "मैं काम पर जाने की तैयारी कर लूं।" मैंने कहा

"नहीं, तुम्हें काम पर जाने की जरूरत नहीं है।" उसने कहा

"अरे नहीं...वह सब मत दोहराओ। क्रिस्टियन! इस बहस को दोबारा चालू मत करो।" "अच्छा! मैं तो यूं ही कह रहा था।"

मैंने अपनी पैंट और स्वेटर पहनी और तय किया कि प्लेरूम से अपने कपड़े ले आऊं। जब उस ओर जाने लगी तो स्टडी से क्रिस्टियन का तेज स्वर सुनाई दिया।

"आखिर तुम कौन से भाड़ में थे?"

मैं चुपके से आगे बढ़ गई। मैं सुनना नहीं चाहती थी कि वह स्वेयर पर कैसे बरस रहा था। बेचारा स्वेयर! उसे सब सहना पड़ता है। कम से कम मैं उल्टा चिल्ला तो लेती हूं।

मैंने कमरे से अपने कपड़े और अपने पति के जूते लिए तो वहीं पड़ा बट प्लग और सामान दिखाई दिया। क्या मुझे इन्हें धो देना चाहिए? मैंने उन्हें उठाया और अपने कमरे में चल दी।

टेलर कल आ जाएगा। उसके आने के बाद क्रिस्टियन अपने-आप को बहुत सहज पाता है। टेलर दो दिन से अपनी बेटी के साथ था। काश! मैं भी उससे मिल पाती।

मिसेज जोंस अचानक एक कमरे से निकलीं और मुझे देख कर ठिठक गई। "सॉरी मिस ग्रे! मैंने आपको देखा नहीं।"

ओह! अब मैं मिसेज ग्रे हूं।

"हैलो मिसेज जोंस! "

"घर में आपका स्वागत और बधाई है।"

"आप मुझे एना कहें।"

"नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकती।"

"आप मेरे लिए मिसेज ग्रे ही हैं।"

एक अंगूठी ने मेरी जिंदगी कितनी बदल दी है।

"क्या आप एक सप्ताह के लिए मेन्यू पर नजर मारना चाहेंगी?"

"मेन्यू?"

वे मुस्कुराई। "पहले मैं हर संडे ऐसा मेन्यू बनाती थी और मि. ग्रे के किसी भी जरूरी सामान की लिस्ट बना लेती थी ताकि उनके लिए उसे मंगाया जा सके।"

अच्छा

"क्या मैं ये ले लूं।"

उन्होंने कपड़ों की ओर हाथ बढ़ाया।

"नहीं। दअरसल मैं अभी...." उसे क्या कहती कि उन कपड़ों के भीतर बट प्लग वाला डोंगा भी था। मेरा चेहरा लाल हो गया।

वैसे उन्हें सब पता है। कमरे की सफाई वहीं करती हैं। जीसस! यहां कोई गोपनीयता तो हो ही नहीं सकती।

"मिसेज ग्रे आप तैयार हो जाएं। मैं फिर आती हूं।"

तभी वहां से स्वेयर निकला। उसने हमें देखे बिना ही गर्दन हिलाई और टेलर के कमरे में चला गया। शुक्र है कि वह आ गया वरना अभी मिसेज जोंस से क्या-क्या बात करनी पड़ती। मैं उन्हें एक मुस्कान दे कर अपने कमरे में चली गई। क्या मैं अपने घरेलू स्टाफ की आदी हो सकूंगी? मैंने अपना सिर हिलाया......शायद एक दिन।

मैंने सामान को कमरे में फेंका और बट प्लग लेकर बाथरूम में चली गई। मैंने उन्हें देखा। साबुन व पानी से साफ कर दिया। क्या यही काफी होगा। मुझे सेक्स विशेषज्ञ से पूछना होगा कि उन्हें कीटाणुरहित रखने के लिए और क्या किया जाना चाहिए।

मुझे अच्छा लगा कि क्रिस्टियन ने लाइब्रेरी को मेरे लिए तैयार कर दिया था। अब उसमें सफेद मेज था। जहां मैं बैठ सकती थी। मैंने अपना लैपी लिया और हनीमून के दौरान पढ़ी गई पांचों पांडुलिपियों पर नोट्स लिखे।

हां, मेरे पास अब सब कुछ है। हालांकि काम पर जाने में थोड़ा डर भी लग रहा है पर मैंने ये बात अपने पति को नहीं बताई। वह मुझे काम छोड़ने पर मजबूर कर देगा। मुझे याद है कि वहां के लोगों ने बॉस से मेरी शादी की बात सुनकर कैसी प्रतिक्रिया दी थी अब मैं वहां की सहायक संपादिका नहीं बल्कि संपादिका, एनेस्टेसिया स्टील हूं।

अभी अपने पति को यह भी कहने का साहस नहीं संजो सकी थी कि मैं अपने काम के दौरान, अपना नाम नहीं बदलना चाहती थी। मेरे हिसाब से तो मेरे पास वाजिब कारण हैं। मैं उससे कुछ दूरी चाहती हूं पर ये भी पता है कि यह बात जानते ही वह लड़ाई जरूर करेगा। शायद आज रात हम इस बारे में बात करें।

मैं अपना काम करती रही। शाम के सात बज गए पर वह अभी स्टडी से नहीं निकला इसलिए मेरे पास अपना वक्त है। मैंने निकॉन के फोटो लैपी में डाले और सोचने लगी कि रेयान पोर्टलैंड से आ गया या अभी वहीं है। क्या उसने रहस्यमयी औरत को पकड़ लिया। क्या उसने मेरे पति को कुछ बताया? मैं कुछ जवाब चाहती हूं। मुझे इस बात से कोई अंतर नहीं पड़ता कि वह काम में व्यस्त है। मैं जानना चाहती हूं कि ये हो क्या रहा है? मुझे अचानक ही ताव आने लगा कि वह मुझे अंधेरे में क्यों रख रहा है। पर तभी स्क्रीन पर हमारे हनीमून के फोटो आ गए।

हो गया कबाड़ा!

ये क्या! मेरी इतनी तस्वीरें। मैं इनमें सो रही हूं। कहीं चेहरे पर बाल हैं तो कहीं तकिए पर बिखरे हैं। जीसस! मैंने मुंह में अंगूठा ले रखा है। ये तो मैं जाने कब से करना छोड़ चुकी थी। एक तस्वीर में मैं यॉट की रेलिंग पर झुकी, कहीं देख रही हूं। ये उसने कब ली? एक तस्वीर में हम केबिन के पलंग पर बांहों में बांहें डाले पड़े हैं। मैं अहमकों की तरह मुस्कुरा रही हूं पर जवान और बेपरवाह दिख रहे? क्रिस्टियन से तो नजरें नहीं हट रहीं। मेरा प्यारा पति। जो गुदगुदी नहीं सह सकता। जो किसी की छुअन नहीं सह सकता। हालांकि अब वह मेरा स्पर्श सहने लगा है। मुझे उससे पूछना होगा कि क्या उसे ऐसा करना पसंद है या वह केवल मेरे आनंद के लिए इसे सहन करता है।

अचानक ही उसके लिए मन भर आया। कोई उसे नुकसान पहुंचाना चाहता है। पहले चार्ली टैंगो, आग और फिर कार का पीछा!

अचानक ही मेरी सुबकी निकल गई। मैं वहां से निकली ताकि उसे देख सकूं। अब उससे लड़ने नहीं बल्कि यही देखने जा रही थी कि वह ठीक-ठाक है या नहीं?

मैं दनदनाते हुए स्टडी में चली गई। वह फोन पर बात कर रहा है। उसने मुझे हैरानी से देखा।

"तो क्या तुम इसे बढ़ा नहीं सकते। थोड़ा सा निखार दो।" उसने कान से फोन हटा कर मुझसे सवालिया निगाहों से पूछा पर मैं उसकी गोद में जा बैठी और उसके कान से चोगा लगा कर इशारा किया कि वह अपनी बात जारी रखे। उसने एक बांह से मुझे घेरा और फिर किसी से बात करने लगा। शायद फोन पर बार्नी था।

"हां बार्नी बोलो! "

उसने लैपी पर एक बटन दबाया और वहां एक व्यक्ति की आकृति उभरी। शायद बार्नी उसे उस कक्ष की तस्वीर भेज रहा था जहां आग लगी थी।

"अच्छा बार्नी! इसे और आगे लाओ।"

"क्या वहां से बार्नी तस्वीर को आगे-पीछे ले जा रहा है?"

"हां। बार्नी तस्वीर को थोड़ा उजला कर दो।"

मैंने भी तस्वीर को देखा। उसका चेहरा पहचाना-सा लगा। वह तस्वीर में कैमरे से मुंह छिपाता दिखा। ये क्या, उसके कान की बाली तो कहीं देखी है।

अरे!!! मैं जानती हूं कि ये कौन है।

मैंने हौले से कहा, "क्रिस्टियन! ये तो जैक हाइड है।"

अध्याय-7

"तुम्हें ऐसा लगता है।" क्रिस्टियन ने हैरानी से कहा

"मैं इसके जबड़े को देख कर कह सकती हूं। इसके कंधों के आकार और कान की बाली से भी अंदाजा लगाया जा सकता है। हो सकता है कि इसने विग लगाया हो या बाल रंगा कर कटाए हों।"

"बार्नी सुन रहे हो?" क्रिस्टियन ने फोन नीचे रख दिया

"वाह! मिसेज ग्रे! लगता है कि एक्स बॉस का गहराई से अध्ययन किया है।" मैंने उसे देख कर मुंह बनाया। वह गुस्से में दिखा पर बार्नी की वजह से बात संभल गई।

"जी सर! मैंने मिसेज ग्रे की बात सुनी। मैं उसके चेहरे की सारी सीसीटीवी फुटेज पर फेस रिकगनिशन सॉफ्टवेयर लगा रहा हूं। इसे कहां देखा है। सॉरी मैम पर ये हमारे यहां का ही बंदा है।"

मैंने क्रिस्टियन का चेहरा देखा जो सीसीटीवी को बड़े ही गौर से देख रहा था। "वह ऐसा क्यों करेगा?" मैंने पूछा

"शायद बदला लेने के लिए। तुम कई बार पता नहीं लगा सकते कि सामने वाला चाहता क्या है।" उसने मेरी कमर को अपनी बाजू से घेर लिया।

"हमारे पास इसकी हार्ड ड्राईव के कन्टेंट भी हैं। सर!" बार्नी ने कहा

"हां। मुझे याद है। क्या तुम्हारे पास मि. हाइड का पता है।"

"जी सर, है।"

"वेल्क को चौकस कर दो।"

"मैं सिटी सीसीटीवी को भी स्कैन करने जा रहा हूं। शायद इसकी गतिविधियों का पता लग सके।"

"ये देखो कि इसके पास कौन सी गाड़ी है?"

"सर! "

"बार्नी ये सब कर सकता है?"

क्रिस्टियन ने हामी भरते हुए मुस्कान दी

"उसकी हार्ड ड्राईव में क्या था?"

"क्या मेरे-तुम्हारे बारे में था?"

"नहीं, मेरे बारे में"

"क्या तुम्हारे बारे में? तुम्हारी जीवनशैली के बारे में?"

उसने मुंह बना कर मेरे मुंह पर अपनी अंगुली रख दी और चुप रहने को कहा। मैं जान गई कि मुझे चुप रहने को

कहा जा रहा था।

"यह 2006 कैमरो है। मैं वेल्क को लाइसेंस के बारे में बता दूंगा।" बार्नी ने कहा "अच्छा। ये भी देखो वह मेरी कंपनी में और कहां-कहां गया है। मैं इस कमीने के बारे

में एक-एक बात का पता लगाना चाहता हूं। ये आदमी है कौन?"

"हो गया सर! मिसेज ग्रे ने सही कहा था। ये जैक हाइड ही है।"

"देखा। मैंने कितनी मदद की।"

"बढ़िया मिसेज ग्रे!"

"बार्नी बहुत अच्छे।"

"मिसेज ग्रे! आप तो बहुत काम की चीज हैं। आप कोई सजावटी वस्तु नहीं हैं।" "सजावटी??"

"जी हां! बहुत सजावटी!! "

"मि. ग्रे! आप मुझसे कहीं ज्यादा सजावटी हैं।"

उसने मुझे प्यार से चूमा और बांहों में भर लिया।

"भूख लगी है?"

"नहीं"

"मुझे तो लगी है।"

"मैं कुछ बना दूं।" मैं खिलखिलाई।

"मुझे ये आवाज बहुत अच्छी लगती है।"

"सर! आप क्या खाना चाहेंगे?"

"कुछ हल्का?"

मैं रसोई में लपकी तो मिसेज जोंस को कुछ पकाते देखा।

"आप क्या कर रही हैं?"

"मैं बोलोगनीज सॉस पका रही हूं। क्या मैं कुछ पका दूं।"

"नहीं मैं खुद तैयार कर लूंगी।"

"ये सॉस कैसे खा सकते हैं"

"इसे फ्रिजर में रख देंगे। इसे कभी भी खाया जा सकता है।"

"मैं फ्रेंच ब्रेड में क्या रखकर सैंडविच तैयार करूं।"

"मिसेज ग्रे! आप फ्रेंच ब्रेड में जो भी डालेंगी, वे खा लेंगे क्योंकि उन्हें वह पसंद है।" "ओह थैंक्स"

वे वहां से गई तो मैं सोचने लगी कि मुझे भी अपने पति के लिए खाना बनाना चाहिए। वैसे मैं यह काम सप्ताह के अंत में कर सकती हूं। रोज आकर खाना बनाना तो मेरे बस में नहीं है। हां, सप्ताह के अंत में कर लूंगी। तभी ख्याल आया कि उसकी सब भी तो ऐसा ही करती थीं।

मैंने एक पकी नाशपाती ली और उसे मसल कर उसमें काली मिर्च व नींबू मिलाने लगी। क्रिस्टियन हाथ में नए घर के कागज ले कर आया और मेरी गर्दन चूम ली।

"ओह नंगे पांव और वह भी रसोई में...वाह"

"श्रीमान! आप याद रखें कि मैं अभी गर्भवती नहीं होना चाहती।" मैंने कहा। "हां-हां! मैं भी सहमत हूं।"

"मैं समझ सकती हूं कि तुम्हें बच्चे पसंद नहीं है।"

"वह बात नहीं है। दरअसल अभी मैं तुम्हें किसी के साथ बांटना नहीं चाहता।" "मैं सब बना रही हूं।"

"ओह वह तो मेरा फेवरिट है।"

मैंने उसे कोहनी दे मारी

"मिसेज ग्रे! आप मुझे घायल कर रही हैं।"

"दुष्ट कहीं का"

उसने मेरी पीठ पर हाथ दे मारा। "जल्दी से कुछ खिला। फिर तुझे दिखा दूंगा कि मैं कितना दुष्ट हो सकता हूं।"

उसने मस्ती में आकर एक बार और मारा और फ्रिज की ओर चल दिया।

"वाइन चलेगी।"

"ले लूंगी।"

उसने जिआ के प्लान वाले कागज वहीं फैला दिए हैं। कह सकते हैं कि उसके डिजाइनों में दम है।

"मुझे अच्छा लगा कि वह सीढ़ियों के पीछे वाली सारी दीवार कांच में बनाना चाहती है।" "पर?"

"मैं..."

"मैं क्या एना।"

"मैं नहीं चाहती कि वह उस घर की पूरी रूपरेखा बदल दे। वह घर अपने-आप में बहुत प्यारा है। वह जैसा है, मुझे पसंद है।"

मुझे लगा कि ये बात उसे नाराज कर सकती है।

"मैं चाहता हूं कि तुम इस घर को अपने हिसाब से तैयार करो। वह तुम्हारा घर है एनेस्टेसिया! "

"मैं चाहती हूं कि उसे तुम्हारे तरीके से सजाया जाए ताकि तुम उसमें खुश रह सको।" "एना! मैं तो तुम्हारे साथ हर जगह खुश हूं।"

ओह... वह मुझसे कितना प्यार करता है।

मैंने अपने भारी हो रहे सुर को संभाला, "वैसे मुझे भी कांच की दीवार वाला आइडिया पसंद आया और हम उसे कह सकते हैं कि वह उसे घर में कहीं और प्रयोग में ला सकती है"

"ठीक है। जैसा तुम कहो। ऊपर की सीढ़ियों व बेसमेंट का क्या करना है?" "वह तो ठीक है।"

"बढ़िया!"

मैंने उससे लाख टके का सवाल पूछ ही लिया, "क्या तुम वहां भी प्लेरूम चाहते हो?" चेहरे पर अजीब सी लाली छा गई।

"क्या तम चाहती हो?"

"अगर तुम चाहो तो.."

"हम इस विकल्प को खुला छोड़ देते हैं क्योंकि वह एक परिवार का घर होगा।" मुझे अपनी मायूसी से हैरानी हुई। हालांकि हम परिवार बनाने जा रहे हैं पर इसमें तो

सालों लगेंगे।

"वैसे भी हम बदलाव ला सकते हैं।"

"मुझे अच्छा लगेगा।"

"मैं कुछ और बातों पर चर्चा करना चाहता था।"

और हम बाथरूम, अलमारियों व मास्टर बेडरूम के बारे में बात करने लगे। जब बात खत्म हुई तो साढ़े नौ हो रहे थे।

"क्या काम पर जा रहे हो"

"नहीं जाता। बोलो क्या करें। किताब पढ़ने का मन नहीं है। कुछ पढ़ना नहीं चाहती और नींद भी नहीं आ रही।"

हम टी वी रूम की ओर चल दिए।

हम शायद वहां चार बार गए होंगे। वह किताब पढ़ता रहा। उसे टीवी में दिलचस्पी नहीं है। मैं उसके कंधे से सिर टिका कर काउच पर बैठ गई।

"क्या देखोगी?"

"जो तुम दिखाओ"

"चलो न कमरे में चलें"

"यहा क्यों नहीं? कभी टी वी के आगे किया है?"

मैंने उसे चिढ़ाया।

वह चुपचाप चैनल बदलने लगा।

"सच में कभी नहीं किया?"

"मिसेज रॉबिन्सन के साथ भी नहीं"

"उनके साथ तो मैं और भी बहुत कुछ करता था। बस यही नहीं करता था।" "क्या तुमने किया है?"

"हां"

"किसके साथ? कब?"

"नहीं, मैं ऐसी चर्चा तो नहीं चाहती थी।"

"बताओ न! "

"मैं जानना चाहता हूं ताकि मैं उसका कचूमर निकाल सकूं।"

मैं खिलखिलाने लगी, " खैर पहली बार..."

"क्या कई बार हुआ है।"

"मि. ग्रे! इतना गुस्सा?"

उसने बालों में हाथ फेरा। वैसे तुम्हारी अनुभवहीनता देखकर तो नहीं लगा था। "मि. ग्रे! अब तो मैं बहुत कुछ सीख गई हूं।"

"बताओ न?"

"तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें बता दूं।"

"मैं टैक्सास में मॉम और नंबर तीन पति के साथ थी और दसवी में थी। उसका नाम बार्डली था और वह मेरा लैब पार्टनर था।"

"तुम कितने साल की थीं"

"पंद्रह"

"अब वह क्या करता है?"

"पता नही"

"वह किस हद तक गया था?"

"क्रिस्टियन!" मैंने मुंह बनाया।

उसने मुझे अचानक ही घुटनों से पकड़ कर धकेला और मैं काउच पर गिर गई। फिर वह मेरे ऊपर लेट गया। यह सब इतना अचानक हुआ कि हैरानी से मेरी चीख निकल गई। उसने मेरे हाथ थामे और सिर के दोनों ओर टिका दिए।

"तो क्या वह पहले बेस तक आया था?" फिर उसने धीरे से मेरे मुंह के कोने को चूम लिया।

"क्या...इस तरह आया था?"

"नहीं, ऐसे नहीं आया था।" मैंने किसी तरह अपने सुर को साधा।

उसने मेरी चिबुक उठाई और मेरे वक्षस्थलों पर हाथ फिराने लगा।

"क्या उसने तुम्हें इस तरह छुआ था?" उसका हाथ मेरे बदन पर रेंगने लगा और मेरे भीतर जाने कितने सोते उमड़ पड़े। उसकी छुअन कितना कुछ जगा देती थी।

"क्या वह इस बेस तक उतरा था?"

उसने मेरे कान को अपने दांतों से हौले-हौले कुतरते हुए कहा।

उसका हाथ पीठ से रेंगते हुए नितंबों तक जा पहुंचा था।

"नहीं।" मैंने गहरी सांस भरी।

टी वी पर कोई बेतुका कार्यक्रम आ रहा था। उसने हाथ बढ़ाया और उसकी आवाज बंद कर दी।

"तो क्या वह इससे अगले बेस तक जाने की हिम्मत कर सका?"

ओह! क्या इसे गुस्सा आ गया? क्या ये मजा ले रहा है? या इसे मेरी बात ने उत्तेजित कर दिया है?

इस इंसान को समझना वाकई मुश्किल है।

"नहीं।" मैंने उसकी चाह से भरी निगाहों के बीच सिसकारी भरी।

अब उसके हाथ मेरे बदन के निचले हिस्से पर थे। बहुत अच्छे

"मिसेज ग्रे! जब आप मेरे पास आधे-अधूरे कपड़ों में आती हैं तो मुझे अच्छा लगता है।" उसकी अंगुलियां वहां अपनी जादू दिखाने लगीं और मैं तड़प उठी।

"हम तो टी वी देखने आए थे।"

"बस देख तो लिया।"

"नहीं, नहीं सेक्स नहीं करना चाहती।"

"तो कौन कर रहा है?"

"तो सेक्स, हुह!! "

उसने वह अंगुली पहले अपने मुंह में डाली और फिर मेरे मुंह में डाल दी। अपने ही बदन का स्वाद बड़ा ही अजीब लगा। ये भी कैसी दुनिया है। सच, उसकी दुनिया में सब कुछ कितना अलग है। कितना निराला है। मैं उसके शरीर के उभार को महसूस कर सकती थी।

उसके हाथ एक बार फिर वक्षों से खेलने लगे और उसने कान के पास सरगोशी की। "एना! क्या तुम जानती हो कि तुम कितनी हॉट हो।"

उसकी आवाज ऐसी लग रही थी मानो किसी गहरी जगह से निकलकर आ रही हो। उसने एक बार फिर मेरे मुंह को अपने कब्जे में किया और हम गहरे चुंबन में मग्न हो गए। उसकी जीभ मेरे मुंह में घूम रही थी और मेरा हाथ उसके कंधों से होते हुए बालों तक जा पहुंचा। जब मैंने उसके बाल खींचे तो हमारी आंखें आपस में आ मिलीं। उसकी आंखों में मेरे लिए प्यार ही प्यार दिख रहा था।

आह...

"जब मैं तुम्हें छूती हूं तो क्या तुम्हें अच्छा लगता है?" मैंने हौले से कहा।

पल भर को तो उसे बात समझ ही नहीं आई पर फिर वह बोला

"हां, क्यों नहीं। एना, जब तुम्हारे स्पर्श की बात आती है तो मैं ऐसा इंसान बन जाता हूं जिसकी भूख कभी नहीं मिटती। मैं तो तुम्हारे स्पर्श का दीवाना हूं।"

ओह जीसस!

उसने एक ही झटके में मेरा टॉप उतार दिया। मैं अब उसके नीचे निर्वस्त्र पड़ी हांफ रही हूं। फिर उसने अपने कपड़े भी उतार दिए और बोला-

"मुझे छुओ।"

मैंने हौले से अपनी अंगुलियां उसकी छाती पर फिराई और फिर उनसे उसके वे दाग सहलाने लगी। उसने गहरी सांस ली पर यह भय की उसांस नहीं थी। उसे मेरा स्पर्श मादक लग रहा था। मैंने हौले से उसके वक्ष को चूमा। मेरे हाथ उसके कंधों पर गए और मैं उसके गठीले बदन पर मुग्ध हो उठी। फिर मैंने अपने हाथ से उसके बाल पीछे खींचे ताकि उसके मुंह को अपने कब्जे में कर सकूं। इस बार मेरा चुंबन इतना आवेगयुक्त था कि वह बेदम हो गया। उसने झट से पैंट उतारी और मेरे भीतर उतरता चला गया।

आह... मैंने सिसकारी भरी और वह मेरा चेहरा अपने दोनों हाथों में थामे स्थिर रहा। "मिसेज ग्रे! मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं।" उसने हौले से कहा। और फिर हम दोनों

अपने-अपने कल्पनालोक में विचरते हुए, एक साथ झूमते रहे।

मैं उसकी छाती पर पसरी हूं और हम टी वी रूम के फर्श पर हैं।

"सुनो! हमने तीसरा बेस तो पूरा ही नहीं किया?" मेरी अंगुलियां उसकी मांसपेशियों से खेल रही हैं।

वह हस दिया. "अगली बार!" फिर उसने मेरा माथा चूम लिया।

इसके बाद हम दोनों टी वी में आ रहा एक शो देखते रहे। आपस में ऐसे बातें करते रहे मानो गहरे प्यार में डूबे कोई प्रेमी हों। मेरे पति का यह रूप वाकई अवश्विसनीय है। उसने बातों-बातों में मेरे काम पर न जाने की बात भी छेड़ी पर मैंने उसे साफ शब्दों में जता दिया।

उसने भी जता दिया कि सिक्योरिट टाइट होगी। मैंने उसके होठों पर अंगुली रख दी। मैं अभी भाषण सुनने के मूड में नहीं हूं।

"तुम स्वेयर पर क्यों चिल्ला रहे थे?"

"ओह शिट"

"क्योंकि कोई हमारा पीछा कर रहा था।"

"वह तो उसकी गलती नहीं थी।"

"उनके होते हुए ये सब कैसे हुआ?"

"पर"

"एनेस्टेसिया! इस बारे में कोई बहस नहीं होगी। उन्हें तुम्हारा ध्यान रखने को कहा गया है। वे तुम्हारी कार से पीछे कैसे रहे?"

"ओह! अब चुप रहना ही ठीक होगा। अच्छा रेयॉन ने उस औरत को पकड लिया?" "नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह कोई औरत थी।"

ओह...

"स्वेयर ने किसी को बंधे बालों के साथ देखा था और उसे लगा कि वह कोई औरत है। अब मुझे लगता है कि वह जैक हाइड हो सकता है। वह भी ऐसे ही बाल बांधता है।"

"अगर तुम्हें कुछ हो गया तो..." उसकी आंखों में डर के साए लहरा गए।

"मैं भी तुम्हारे लिए ऐसा ही महसूस करती हूं।"

"चलो। यहां तुम्हें ठंड लग रही होगी। हम अंदर चल कर तीसरा बेस भी पूरा कर सकते हैं।" वह मुस्कुराया। मेरा फिफ्टी शेड्स! हमेशा की तरह सेक्सी, उत्सुक और गुस्से और गहरी चाह से भरा!! मैंने उसका हाथ थामा और सोने के कमरे की ओर चल दी।

अगली सुबह क्रिस्टियन ने अपनी सीईओ पोशाक में आने के बाद मेरा हाथ थामा। सच वह अपने नीले रंग के सूट और मैच करती टाई में कितना कमाल दिखता है।

उसने कार में भी मुझे बातों में लगा कर मनाना चाहा कि मैं काम न करूं। मैं टेलर और रेयॉन के कारण जोर से बात नहीं कर सकी। कार से उतरते समय अपने हनीमून के लिए उसे धन्यवाद दिया तो वह आंखें नचा कर बोला

"मिसेज ग्रे! काम पर जाओ।"

"आप भी जाएं।"

मैंने एक बार फिर उसका हाथ थाम कर दबाया और अपनी इमारत में चली गई। क्लेयर ने आगे बढ़ कर स्वागत किया और मेरे हनीमून के बारे में पूछा।

"थैंक्स! यहां सब कैसा चल रहा है?"

"रॉक वैसा ही है पर सिक्योरिटी बढ़ गई है और हमारे सर्वर रूम को नए सिरे से संवारा गया है।" हैना सब बता देगी।

"हां।" मैंने उसे एक दोस्ताना मुस्कान दी और आगे चल दी।

हैना मेरी सहायिका है। वह लंबी और पतली छरहरी लड़की है। कई बार तो उससे डर-सा लगने लगता है। पर वह मुझसे दो साल बड़ी होने के बावजूद बड़े ही प्यार से पेश आती है।

वह मेरे लिए लाते लेकर प्रतीक्षा कर रही है। मैंने उसे यह कॉफी बनाने की इजाजत दे रखी है।

"हाय हैना!" मैंने प्यार से कहा।

"एना हनीमून कैसा रहा?"

"कमाल का था। ये लो।" मैंने उसके आगे परफ्यूम की छोटी सी शीशी रख दी और उसने उसे देख कर खुशी से ताली बजाई।

"ओह थैंक्स!" आपकी मेल मेज पर है और रॉक दस मिनट में मिलेंगे। अभी और कुछ नहीं कहना।

करीब दस मिनट बाद एलिजाबेथ आई और उसने मेरा स्वागत किया।

"इतना काम देख कर तो लग रहा है कि मैं साउथ ऑफ फ्रांस में ही अच्छी थी।" मैंने हंसकर कहा

पर एलिजाबेथ की हंसी में वो जान नहीं थी।

"शुक्र है कि तुम सुरक्षित हो। मैं रॉक के साथ मीटिंग में मिलती हूं।"

अच्छा! ये हो क्या रहा है। फोन पर क्रिस्टियन का मैसेज था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: गलतियां करने वाली पत्नियां
डेट: 22 अगस्त 2011 09: 56
टू: एनेस्टेसिया स्टील
बीबी
मैंने तुम्हें मेल किया और यह वापिस आ गया
क्योंकि तुमने अपना नाम नहीं बदला
तुम कुछ कहना चाहती थीं
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: बबल
डेट: 22 अगस्त 2011 09: 36
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे
तुम्हारे साथ सारे बेस पर मजा आ जाएगा।
पहले दिन में स्वागत है।
मैं हमारे बबल को बहुत याद कर रहा हूं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ ग्रे इंटरप्राइज़िस हॉल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: बबल को मत फोड़ो
डेट: 22 अगस्त 2011 09: 58
टू: क्रिस्टियन ग्रे
पतिदेव
मि ग्रे! मैं अपने नाम को यही रखना चाहती हूं।
शाम को बात करेंगे।
मैं अभी मीटिंग में जा रही हूं।
मैं भी बबल को याद कर रही हूं...
पीएस: शायद मुझे ब्लैकबैरी प्रयोग में लाना होगा।
एनेस्टेसिया स्टील
संपादक, एसआईपी

मैं महसूस कर सकती हूं कि हमारे बीच गहरी ठनेगी। मैंने पेपर लिए और मीटिंग के लिए चल दी।

मीटिंग दो घंटे चली। वहां रॉक और एलिजाबेथ सहित सभी संपादक थे। हमने प्रबंधन, रणनीति, मार्केटिंग, सिक्योरिटी व वर्ष के अंत के बारे में बातें कीं। मीटिंग के दौरान मेरी बेचैनी बढ़ने लगी। वे लोग मुझसे बड़े ही अलग तरीके से पेश आ रहे थे। कुछ लोगों में थोड़ी कड़वाहट भी दिखी।

शायद उसने सही कहा था। अब मैं यह सब नहीं कर सकती। पर ये तो मेरा सपना था। मैंने इन बातों को दिमाग से निकालने की चेष्टा की।

जब मैं बैठी तो क्रिस्टियन की ओर से मेल देखे। कहीं कुछ नहीं आया था। ओह कम-से-कम मेरी मेल का कोई उलटा जवाब तो नहीं आया। मैंने मीटिंग में दिया गया मार्केटिंग प्लान खोल लिया।

हमेशा की तरह हैना मेरे लिए लंच ले आई। जो मिस जोंस ने घर से भेजा था। हमने एक साथ खाते हुए बहुत सी बातें कीं। तभी दरवाजे पर आहट हुई।

रॉक आया था और उसके साथ ही क्रिस्टियन खड़ा था। मेरे पति ने हैना को एक मुस्कान दी और मेरी ओर आ गया।

"हैलो हैना! मैं क्रिस्टियन ग्रे हूं।" उसने अपने हाथ आगे कर दिया।

"मि. ग्रे! आपसे मिलकर अच्छा लगा"

"क्या आप कॉफी लेंगे?"

"प्लीज।" फिर उसने मेरी ओर देख कर रॉक की ओर देखा जो अब तक बुत बना खड़ा था।

"रॉक! मैं मिस स्टील से बात करना चाहूंगा।"

ओह! ये तभी यहां आया है।

"बेशक मि. ग्रे. एना!"

"मि. ग्रे! आपसे मिल कर अच्छा लगा। कैसे हैं आप?"

"मिस स्टील! क्या मैं बैठ सकता हूं।"

"आपकी अपनी कंपनी है।" मैंने कुर्सी की ओर संकेत किया।

"आपका ऑफिस बेहद छोटा है"

"मुझे यही सूट करता है।"

मैं जानती हूं कि वह नाराज है।

"मैं आपके लिए क्या कर सकती हूं"

"मैं अपनी संपत्तियों पर नजर मारने आया था"

"संपत्तियां?"

"हां, उनमें से कुछ को नए सिरे से नाम देना होगा।"

"किस तरह?"

"मुझे लगा कि तुम जानती हो।"

"प्लीज! ये मत कहना कि तुम आज काम के पहले ही दिन मेरे नाम को ले कर यहां झगड़ा करने आए हो। मैं तुम्हारी जायदाद नहीं हूं।"

"नहीं मैं लड़ने नहीं आया।"

"मैं काम कर रही हूं।"

"मुझे तो लगा कि तुम अपनी सहायिका से गप्पें मार रही थीं।"

"हम काम की बातें कर रहे थे।" मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।

दरवाजे पर आहट होते ही मैंने चीख कर कहा

"आ जाओ।"

हैना के हाथ में कॉफी का सामान था। उसने उसे मेरे मेज़ पर रख दिया

मुझे अपने चिल्लाने से शर्मिंदगी-सी हुई।

"मि. ग्रे! कुछ और लेंगे?"

"नहीं थैंक्स!! "

"मिस स्टील हम कहां थे?"

"आप मेरे नाम को ले कर लड़ते हुए, मेरे काम में बाधा दे रहे थे।"

उसने हैरानी से पलकें झपकाईं और अपने घुटने पर अंगुलियों से थपकी देने लगा। मैं जानती हूं कि ये सब मुझे भटकाने के लिए जानबूझ कर किया जा रहा है।

"मैं अक्सर ऐसे दौरे करता हूं। इससे मैनेजमेंट चौकस रहती है और बीबियां भी ठिकाने लगी रहती हैं।"

"मुझे तो नहीं पता था कि तुम्हारे पास इतना फालतू वक्त होता है।"

"तुम यहां अपना नाम क्यों नहीं बदलना चाहतीं?"

"क्या इस बारे में अभी बात करना जरूरी है?"

"मैं यहां हूं। तुम यहां हो। बात करने में क्या हर्ज है।"

"देखो, मेरे सिर पर पिछले तीन सप्ताह का काम पड़ा है।"

वह इतनी गर्मजोशी के साथ इतना वक्त बिताने के बाद भी कितना उदासीन दिख सकता है। मुझे हैरानी होती है। ये नाराज क्यों है। हर बात पर इतना नाराज क्यों होता है?

"क्या तुम मुझसे शर्मिंदा हो। तभी मेरा नाम नहीं लेना चाहतीं?"

हे जीसस! इस बात का इससे क्या लेनदेन है।

उसके दिल को ठेस लगी है। मुझे तो समझ नहीं आता कि ये हर बात को अपने पर क्यों ले लेता है। मैं तो इसका दिल दुखाने के बारे में सपने में भी नहीं सोच सकती। मुझे इसे अपनी बात समझानी होगी। अपने फैसले से जुड़ा तर्क देना होगा।

"क्रिस्टियन! जब मैंने ये काम लिया तो उस समय हमारी मुलाकात ही हुई थी। मैं नहीं जानती थी कि तुम इसे खरीद लोगे।"

मैं इस बात को कम शब्दों में कैसे समझा सकती हूं? उसका स्वभाव, उसका बचावकारी रवैया, पैसे के बल पर सबको नचाने की आदत! मैं जानती हूं कि वह मुझे सुरक्षित रखना चाहता है पर यहां तो एसआइपी का स्वामित्व बुनियादी मुश्किल है। अगर वह दखल न देता तो आज ये लोग मुझसे सामान्य रूप से पेश आ रहे होते। मैंने अपना सिर हाथों में दे लिया।

"ये बात तुम्हारे लिए इतने मायने क्यों रखती है?"

"मैं चाहता हूं कि हर कोई जान ले कि तुम मेरी हो।"

"मैं तुम्हारी हूं- देखो।" मैंने उसे अपने हाथ में पड़ी अंगूठियां दिखाई।

"ये काफी नहीं है।"

"क्या ये काफी नहीं है कि हमारी शादी हो चुकी है।"

"मैं ये नहीं कहना चाहता था"

"तो क्या कहना चाहते हो?"

"मैं चाहता हूं कि तुम्हारी दुनिया मुझ पर ही शुरू हो और यहीं खत्म हो।" ऐसा लगा मानो उसने मेरे पेट में घूंसा दे मारा हो। मैं यह सुन कर लाजवाब हो गई। मेरे दिमाग में उसी समय छोटा-सा, डरा हुआ, ताबंई बालों वाला, बेमेल कपड़ों में खड़ा गंदा व भूखा छोकरा घूम गया।

"ऐसा ही है। मैं तो अपना कैरियर बनाना चाहती हूं और चाहती हूं कि उसके लिए तुम्हारे नाम का प्रयोग न हो। मैं अपने बल पर कुछ करना चाहती हूं। मैं एस्काला या नए घर में बंदी बन कर नहीं रहना चाहती। मैंने हमेशा से काम किया है और उसका आनंद भी लिया है। ये मेरे लिए ड्रीम जॉब है और मैं इसे खोना नहीं चाहती। कुछ नाम कमाना चाहती हूं।" मेरा गला भर आया। नहीं, मुझे रोना नहीं है। कम से कम यहां तो ऐसा नहीं करना।

वह मुझे एकटक ताकता रहा।

"मेरी वजह से तुम्हारा दम घुटता है। मैं तुम्हें बंदी बना कर रखता हूं।"

"नहीं..हां..नहीं।" ओह अब इसे क्या जवाब दूं।

"देखो! यहां मेरे नाम की बात हो रही है। मैं अपना नाम इसलिए रखना चाहती हूं क्योंकि मैं हम दोनों के बीच यहां थोड़ी दूरी रखना चाहती हूं। यह दूरी केवल यहीं के लिए है। घर के लिए नहीं है और जबकि यहां बस सोचते हैं कि मुझे ये नौकरी तुम्हारी वजह से मिली..हकीकत यह है कि.."

"एना क्या तुम जानना चाहती हो कि तुम्हें ये नौकरी कैसे मिली?"

"ये नौकरी?" *शिट! ये कहना क्या चाहता है।*

"क्या मैं जानना चाहती हूं?"

"कंपनी बिकने जा रही थी और उसी समय हाइड को काम से निकाला गया। वह नहीं चाहती थी कि उस समय किसी नए बंदे को काम पर रखा जाए इसलिए उन्होंने तुम्हें ये नौकरी दे दी। वे नए मालिक के आने तक पोस्ट को भरना चाहते थे इसलिए तुम्हें रख लिया।"

"ये तुम क्या कह रहे हो?"

"वैसे उनका निर्णय गलत नहीं था। तुमने बहुत अच्छी तरह से काम को संभाला है।" ओह! मैं अपनी कुर्सी पर मुंह खोले बैठी थी।

"एना! मैं तुम्हारा दम नहीं घोंटना चाहता और न ही तुम्हें सोने के पिंजरे में बंद करना चाहता हूं।"

"मैं तो यहां कंपनी के बारे में ही बात करने आया था।"

"कैसी बात? क्या योजना है?"

"मैं इसे ग्रे पब्लिशिंग नाम देना चाहता हूं और साल से भी कम समय में यह तुम्हारी होगी। मेरी ओर से तुम्हें शादी की भेंट!! "

मेरा खुला मुंह बंद हो गया

हे जीसस

"क्या मुझे इसका नाम स्टील पब्लिशिंग रखना है?"

"यह तो गंभीर है।"

"क्रिस्टियन!" मैंने हौले से कहा। "मैं इतना बड़ा काम नहीं संभाल सकती।" उसने अपना सिर एक ओर झुकाया।

"मैं इक्कीस साल की आयु से संभालता आ रहा हूं।"

"पर तुम तो कुछ अलग हो, कुछ खास हो।

मैं एक आम लड़की हूं।"

"मैं तो किसी भी काम के बारे में कुछ नहीं जानती। तुम तो जानते हो कि मुझे कुछ नहीं आता।"

"तुम किताबों की शौकीन हो और हनीमून के दौरान भी किताबें तुम्हारे साथ थीं। तुमने वहां कितनी किताबें पढ़ीं? चार?"

"पांच"

"और तुमने उनकी पूरी रिपोर्ट भी तैयार की। एनेस्टेसिया! तुम कमाल हो और मुझे उम्मीद है कि तुम सब संभाल लोगी।"

"क्या तुम पगला गए हो?"

"हां, तुम्हारे लिए पगला गया हूं।"

"लोग मजाक उड़ाएंगे। तुमने एक औरत को कंपनी खरीद दी जिसे अभी नौकरी शुरू किए, कुछ ही माह हुए थे।"

"क्या तुम्हें लगता है कि मैं किसी की परवाह करता हूं। वैसे भी तुम अकेली नहीं हो।" मेरा दिल चाहा कि दिल खोल कर हंस लूं। मेरे चेहरे पर वही भाव आ ही गए। "मिस स्टील! आपको किसी बात पर हंसी आ रही है?"

"हां तुम पर हंसी आ रही है।"

उसकी आंखें सदमे से और भी फैल गईं पर उनमें कौतुक झलक रहा था। "अपने पति का मजाक? ऐसा कभी नहीं होगा। और तुम अपना होंठ काट रही हो"

उसकी आंखें गहरा गईं। अरे! ये तो फिर से वही वासना और चाह से भरी आंखों से देखने लगा। अरे नहीं... मैं इस नज़र को पहचानती हूं।

"तुम ऐसा सोचना भी मत"

"एनेस्टेसिया! मुझे क्या नहीं सोचना।"

"मैं इस नज़र को जानती हूं और हम इस वक्त काम पर हैं।"

वह आगे झुका और उसकी भूखी, गहरी चाह से भरी आंखें मुझ पर आ चिपकीं। ओ जीसस! मैंने किसी तरह थूक निगला।

"हम एक ऐसे केबिन में हैं, जिसकी आवाज़ बाहर नहीं जाती और जिसे आसानी से बंद भी किया जा सकता है।" वह हौले से बोला

"यह तो भयंकर नैतिक पतन है।"

"तुम अपने पति के साथ हो"

"जी नहीं, मैं। अपने बॉस के भी बॉस भी बॉस के साथ हूं।" मैं गुस्से से बोली "तुम मेरी पत्नी हो।"

"क्रिस्टियन! बात को समझो। तुम आज शाम को मेरे साथ जितना जी चाहे रंगरलियां मना लेना पर अभी नहीं। यहां तो बिल्कुल नहीं! "

उसने पलकें झपका कर आंखें सिकोड़ीं और फिर अचानक हंसने लगा।

"मिस स्टील! मैं तुमसे कुछ भी करवा सकता हूं। "

"मुझे बार-बार मिस स्टील मत कहो। अगर तुम्हें ज्यादा ही बुरा लगा है तो मैं नाम बदलने को तैयार हूं।" मैंने चीख कर कहा और हम दोनों ही चौंक गए।

उसने गहरी सांस भरी और फिर चेहरे पर वही दिलफेंक मुस्कान ले आया।

"अच्छा!" फिर वह खड़ा हो गया।

"अब क्या?"

"मिशन पूरा हुआ। मिसेज ग्रे! अब मुझे कुछ काम है।"

हैं! ये आदमी तो दीवाना है।

"पर"

"पर क्या मिसेज ग्रे"

"जाओ यहां से"

"हां आज शाम को मिलते हैं और वे रंगरलियां..."

मैंने मुंह बनाया।

"ओह! मुझे काम के सिलसिले में कई जगह लंच और डिनर पर जाना है और तुम्हें मेरा साथ देना होगा।"

मैं उसे हैरानी से देखती रही। "अब यहां से कब जाओगे?"

मैंने एंड्रिया से कह दिया है कि तुम्हारे कैलेंडर में तारीखें डाल देगी। तुम्हें कुछ लोगों से भी मिलना है। अब से वही तुम्हारी दिनचर्या देखेगी।"

"अच्छा!" बस मुंह से यही निकला और मैं हतप्रभ हो कर उस इंसान को देखती रह गई।

"मिसेज ग्रे!" वह आगे आया और होंठों पर चुंबन अंकित कर चल दिया।

मैंन अपना सिर मेज पर टिका दिया। ऐसा लगता है कि जैसे कहीं से दौड़ कर आ रही थी। उसे तो चिड़चिड़ा, खब्ती और गुस्सैल होना चाहिए था। भला ये उसे क्या हुआ। मैंने उसे किस बात की हामी दे दी। अच्छा एना ग्रे, ग्रे पब्लिशिंग संभाल रही है। यह आदमी पागल है। तभी उसकी भेजी हुई हैना ने दरवाजा खटखटाया।

"आप ठीक हैं। कुछ लेंगी?"

"क्या थोड़ी चाय बना दूं।"

मैंने हामी भरी।

"अभी लाई।"

मैंने कंप्यूटर को ताका। मैं उसे अपनी बात कैसे समझा सकती हूं। ई-मेल की मदद लेनी होगी।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: कोई संपत्ति नहीं!!
डेट: 22 अगस्त 2011 14: 23
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे

अगली बार जब भी आएं तो मुलाकात का समय ले कर आएं ताकि मैं आपके इस किशोरावस्था से जुड़े बर्ताव को सहने के लिए खुद को तैयार रख सकूं।

आपकी
एनेस्टेसिया ग्रे------------कृपया नाम पर ध्यान दें।
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: संडे की रंगरलियां
डेट: 22 अगस्त 2011 14: 34
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मेरी प्यारी मिसेज ग्रे (माथे पर बल)

मैं अपने बचाव में क्या कह सकता हूं? मैं पड़ोस में आया हुआ था।

और नहीं, तुम कोई संपत्ति नहीं मेरी प्रिय पत्नी हो।

तुमने हमेशा की तरह मेरे दिल को रोशन कर दिया।

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

वह मजाकिया बनने की कोशिश में है पर मेरा हंसने का मन नहीं है। मैंने गहरी सांस ली और अपने काम में लग गई।

आज शाम कार में चुप-चुप सा दिखा।

हाय!

हाय!

"क्या आज किसी और के काम में भी बाधा दी?" मैंने प्यार से पूछा।

उसके चेहरे पर हल्की मुस्कान आई। "हां फ्लिन के पास गया था।"

ओह

"अगली बार जब जाओ तो मुझसे उन विषयों की सूची ले जाना। जिनके बारे में मैं जानना चाहती हूं।"

"मिसेज ग्रे?"

उसने हाथ आगे किया तो मैंने बचकानापन दिखाते हुए हाथ झटक दिया।

"इतना गुस्सा?"

मैंने उसकी ओर देखा तक नहीं। मुझे बहुत गुस्सा आया हुआ है।

एस्काला आते ही मैंने रोज के प्रोटोकॉल को भी तोड़ दिया और खुद ही गाड़ी से उतर कर चल दी। मुड़ कर भी नहीं देखा कि पीछे कौन आ रहा था।

मैंने रेयॉन को भी हल्के तेवर दिखाए तो क्रिस्टियन पीछे से आ कर बोला

"तो यह तो साफ है कि खाली मुझ पर गुस्सा नहीं है।" उसके चेहरे पर मुस्कान थी। "क्या तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो।"

"जी नहीं, मेरी इतनी हिम्मत!"

वह अपने नीले सूट और सेक्सी बालों में गजब दिख रहा है।

"तुम्हारे बाल कटवाने वाले हो रहे हैं।" मैंने हौले से कहा और आगे चल दी। "अच्छा अब मुझसे बात कर रही हो?"

"हां"

"पर तुम गुस्सा क्यों हो?"

"क्या तुम्हें बिल्कुल नहीं पता। मुझे बताना होगा। हद हो गई।"

उसने हैरानी दिखाई. मुझे लगा कि ऑफिस में सारी बात हो गई थी।

मैंने रास्ते में खड़े टेलर को देख हल्की सी मुस्कान दी और घर में घुस कर सीधा फ्रिज की ओर लपकी।

मैं कुछ पीना चाहती थी।

मैंने अपने लिए एक गिलास में वाइन डाली और चुस्कियां भरने लगी। पति महाशय से पूछा तो उसने इंकार कर दिया।

वह परेशान है। दरअसल उसे समझ नहीं आ रहा कि मेरे साथ क्या करे। जहां एक ओर हंसी आ रही है। वहीं दूसरी ओर उसके लिए दुख भी हो रहा है। हुंह आया बड़ा!

तभी मिसेज जोंस चली गई और वह सीधा मेरे पास आकर कान सहलाने लगा। *ओह! क्या सारा दिन मैं इसी के लिए तरस रही थी।*

"मुझसे बात करो एना।"

"क्या फायदा! तुम सुनते कहां हो?"

"मैं तो तुम्हारे सिवा किसी और की सुनता तक नहीं हूं।"

"क्या तुम्हारे नाम वाली बात है"

"हां और नहीं। मैं यह देख रही हूं कि जब मैं तुमसे असहमत होती हूं तो तुम मुझसे किसी तरह पेश आते हो।"

"एना! तुम जानती हो। तुम्हारे मामले में मुझे किसी भी तरह की ढील पसंद नहीं है।" "पर मैं कोई बच्ची नहीं हूं और न ही कोई जायदाद हूं।"

"मैं जानता हूं।"

"फिर मुझसे उस तरह पेश आना बंद करो।"

उसने मेरे निचले होंठों पर अंगुली फेरी।

"तुम नाराज मत हो। मेरे लिए तुमसे कीमती कुछ नहीं है। तुम तो बेशकीमती नगीना हो। एक बच्चे की तरह बेशकीमती! "

क्या एक बच्चा उसे बेशकीमती लगता है!

"मैं ऐसी कुछ नहीं हूं। क्रिस्टियन मैं तुम्हारी पत्नी हूं। अगर तुम्हें इस बात से ठेस लगी थी कि मैं तुम्हारा नाम नहीं लगाने वाली तो तुम्हें मुझे बताना चाहिए था।"

ठेस? वह मन ही मन कुछ सोचने लगा पर बात को खत्म करने की बजाए उसने बात का सिरा ही मोड़ दिया और घड़ी देख कर बोला

"ओह! जिआ आने वाली होगी। हमें खाना खा लेना चाहिए।" मैंने उसे देख कर मुंह बनाया।

"बात अभी खत्म नहीं हुई।"

"बात में बचा ही क्या है?"

"तुम कंपनी बेच सकते थे।"

"बेच सकता था?"

"हां"

"तुम्हें लगता है कि मुझे कोई खरीददारी मिलेगा?"

"इसकी कीमत क्या थी?"

"बहुत सस्ते में पड़ी थी।"

"अगर ये बंद हो गई तो?"

"हम इसे बंद नहीं होने देंगे क्योंकि एनेस्टेसिया तुम यहां हो।"

"और मैं चली जाऊं तो?"

"क्या करोगी?"

"पता नहीं! कुछ भी।"

"तुमने तो पहले ही कहा था कि ये तुम्हारी मनपसंद नौकरी थी। अगर मैं गलत हूं तो माफ करना पर मैंने जीसस, रेवरेंड वाल्श और सबके सामने कसम खाई है कि तुम्हारे सपनों व आशाओं को पूरा करते हुए, तुम्हें पूरी सुरक्षा दूंगा।"

"शादी की कसमें मत दोहराओ। ये सही नहीं है।"

"मैंने कभी नहीं कहा कि मैं सब कुछ ठीक ही करता हूं। तुम भी तो इन कसमों को हथियार की तरह प्रयोग में ला चुकी हो। "वह दुष्टता से मुस्कुराया।

मैंने मुंह बनाया। यह तो सच था।

"एनेस्टेसिया! अगर अब भी नाराज हो तो बाद में बिस्तर पर गुस्सा निकाल लेना।" अचानक ही उसके सुर में मादकता झलक उठी।

क्या? बिस्तर? कैसे?

वह मेरे भाव देख कर मुस्कुराया। क्या वह उम्मीद कर रहा है कि मैं उसे टाई से बांध दूंगी।

"संडे के सात रंग और रंगरलियां?" वह हौले से बोला। मैं इंतजार में हूं।

ओह!

"गेल।" वह चिल्लाया और चार मिनट बाद मिसेज जोंस आ गई। वह कहां थीं? टेलर के पास? सब सुन रही थीं। ओह नहीं!

"मि. ग्रे?"

"हम खाना खाना चाहेंगे, प्लीज! "

"जी सर"

उसकी आंखें मुझ पर ही जमी थीं। वह मुझे ऐसे देख रहा था मानो मुझे चिड़ियाघर से वहां ला कर बंद किया गया हो। "मैं भी खाना खाकर एक गिलास लेना चाहूंगा। उसने अपने बालों में हाथ फिराए।

"तुम बात खत्म नहीं कर रहीं?"

"नहीं!" उसके कुछ कहने से पहले ही मैंने झूठे बर्तन लिए और रखने चल दी "क्या आपको खाना पसंद नहीं आया।" मिसेज जोंस ने पूछा

"नहीं ठीक था पर मुझे भूख नहीं थी।" मैंने कहा। वे वहां से लौट गई।

"मैं एक-दो फोन करके आया।" क्रिस्टियन अपनी स्टडी में चला गया।

मैंने चैन की सांस ली और बेडरूम की ओर चल दी। डिनर बकवास लगा। उसे तो अभी भी नहीं लग रहा कि उसने कोई गलती की है। *क्या उसने की है?* हां, उसने गलती की है। उसने मुझसे घर में इस बारे में बात नहीं की और ऑफिस में अपना गुस्सा दिखाया और अब बात निपटाने के नाम पर कंपनी मेरे नाम करना चाहता है। मैं कंपनी कैसे चला सकती हूं। मुझे तो उसका एबीसी भी नहीं आता।

मैंने सिएटल की ढलती शाम को देखा। वह हमेशा की तरह प्लेरूम में ही हमारे मामले को सुलझाना चाहता है। उसके साथ सारी बात सेक्स पर क्यों खत्म होती है। क्या वह इसे अपने बचाव के लिए प्रयोग में लाता है।

मैंने बाथरूम के शीशे में खुद को देखा। हकीकत की दुनिया में आ कर ये समझौते करने भारी हो रहे हैं। जब हम अपने ही सपनों में थे तो कोई दिक्कत नहीं थी पर रोजमर्रा के जीवन में ये सब?

मुझे भूलना नहीं चाहिए कि वह शादी से पहले क्या था और इस बारे में बात करनी ही होगी।

मेरा रंग पीला लग रहा था और अभी तो मुझे उस औरत से भी निपटना था। मैंने बिना बांहों के ब्लाउज के साथ ग्रे पेंसिल स्कर्ट पहनी है। भीतर बैठी लड़की ने लाल

रंग से रंगे तीखे नाखून भी बाहर निकाल लिए हैं और मैं तैयार हूं। मैंने उभार दिखाने के लिए पहले दो बटन खोले। चेहरा धोया, रोज से थोड़ा ज्यादा मस्कारा लगाया और होंठों पर भी अतिरिक्त ग्लॉस लगा लिया। फिर अपने

बालों में ब्रश करने के बाद उन्होंने सलीके से कान के पास टिकाया और तय किया कि मुझे सादी चप्पल की बजाए पंप पहन लेने चाहिए।

जब मैं कमरे से निकली तो क्रिस्टियन मेज पर हाउस प्लान फैलाए खड़ा था। बड़ा ही प्यारा-सा संगीत बज रहा था। मैंने संगीत के बारे में पूछा पर वह तो अपनी ही धुन में था। मुझसे बोला, "तुमने बालों में क्या लगाया है?

"कुछ नहीं, बस ब्रश किया है।"

"मेरे साथ डांस करोगी?"

"इस म्यूजिक पर?" मैं चिहुंकी।

पर तब तक वह अपनी बांहें फैला चुका था। वह मेरे बालों में अपना मुंह दिए हौले-हौले झूम रहा था और मैं उसके बदन से आती महक में कहीं खो गई थी।

ओह... मैं इसे कितना प्यार करती हूं। मैंने उसे बांहों में जकड़ लिया। "तुम मुझे इतना खिझाते क्यों हो?"

"मुझे तुमसे लड़ना अच्छा नहीं लगता।" उसने धीरे से कहा।

"तो लड़ते ही क्यों हो?"

"मैं लड़ता हूं?"

"हां, तुम लड़ते हो"

"अच्छा जी!" उसने हंस कर मेरे बाल चूम लिए।

तभी दरवाजे पर टेलर का स्वर सुनाई दिया

"मिस मैटिओ आ गई।"

ओह! कितनी खुशी की बात है।

क्रिस्टियन बोला, "उन्हें अंदर ले आओ।" जब मिस जिआ मैटिओ अंदर आई तो वह मेरा हाथ थाम कर आगे बढ़ गया।

अध्याय-8

जिआ मैटिओ खूबसूरत है। लंबी और खूबसूरत! वह अपने-आप को संवारना जानती है। आज वह स्लैक्स और टाइट जैकेट में जंच रही है। कपड़े महंगे हैं और गले व कानों में पहने हीरे दमदमा रहे हैं। काफी बनी-ठनी है। यह उन औरतों में से है जो पैसे के साथ ही बड़ी होती हैं।

"क्रिस्टियन, एना!" वह दमकी! उसने मैनीक्योर किया हाथ मेरे पति के हाथ में थमा दिया और फिर मेरी ओर बढ़ाया।

मेरे पति ने हौले से कहा, "हैलो"।

"वाह हनीमून ने बहुत निखार दिया है।" उसने कहा।

"हां, हमारा वक्त बहुत अच्छा बीता।" मेरे पति ने मुझे अपने पास खींचा और माथे पर चूम कर अचरज में डाल दिया।

देखा! ये मेरा है। चाहे जो भी हो, मेरा है। मैंने उसकी कमर में हाथ डाला और पीछे से पैंट की जेब में हाथ डाल कर त्वचा को गुदगुदाने लगी। जिआ ने हमें छोटी मुस्कान दी।

"क्या आपने योजनाएं देख लीं?"

"हां, हमने देख ली हैं।" क्रिस्टियन ने मुझे कौतुक भरी नजरों से देखा।

मैंने जिआ को वाइन के लिए पूछा और रसोई में आ गई। क्रिस्टियन को पूछा तो वह प्यार से बोला, "हां, बेबी! थोड़ी चलेगी। वाह! ये दूसरों के सामने भी कितना मीठा बोल सकता है।" मेरा मन झूम उठा।

मैं मन ही मन सोचने लगी कि शायद यह भी जानता है कि सामने बैठी औरत इसे काबू में करना चाहती है इसलिए ये जानबूझ कर ऐसे बर्ताव कर रहा है ताकि उसे एहसास हो जाए कि ये काबू में नहीं आने वाला।

ये मेरा है! मेरा है, बिच कहीं की!

जिआ मेज पर झुकी है और क्रिस्टियन उसे कुछ समझा रहा है।

"एना तुमसे कांच की दीवार के बारे में कुछ कहना चाहती है। बाकी योजना हमें पसंद है।" "ओह! मुझे खुशी हुई!" उसने अपना गिलास लेते हुए, मेरे पति की बांह छुई। क्रिस्टियन

पल भर के लिए चौंक गया पर उसने ध्यान नहीं दिया।

इसे छोड़ दो कमीनी! इसे किसी की छुअन सहन नहीं होती।

अब समझ आ गया कि वह भी उसके साथ खेल रहा था और बार-बार मेरे साथ अंतरंगता दर्शा कर उसे संदेश दे रहा था कि अब यहां उसकी दाल नहीं गलने वाली!

मैंने अपना गिलास लिया और जानबूझ कर उन दोनों के बीच आ कर खड़ी हो गई। पति ने झट से मेरा हाथ थाम लिया।

"एना! तुम इस बारे में कुछ कहना चाहती हो?"

"हां! जैसा कि हमने तय किया था। घर को उसके मूल रूप से बहुत ज्यादा अलग नहीं करेंगे। कोई बहुत बड़ा बदलाव नहीं आएगा। ये जैसा है, मुझे वैसा ही पसंद है।"

जिआ बोली, "ठीक है। एना अगर हम कांच की इस दीवार को बड़े डेक पर खोलें। वहां हमारे पास पत्थर का टैरेस है। वहां हम मेल खाते पत्थरों के साथ खंभे लगा सकते हैं। वहां से तुम्हें बहुत सुंदर नजारा दिखता रहेगा।"

"गुड! आइडिया अच्छा है।"

"हम कांच के दरवाजों में वुड कलर भी दे सकते हैं ताकि तुम्हारी मैडीटेरेनियन पसंद भी कायम रहे।" उसने कहा।

"जैसे साउथ ऑफ फ्रांस में उजले नीले शटर थे।" मैंने अपने पति से कहा जो मुझे बहुत ही गहराई से देख रहा था। उसने अपनी वाइन का सिप लेकर गर्दन हिलाई। उसे आइडिया पसंद नहीं आया पर वह उसके सामने मुझे नीचा नहीं दिखाना चाहता या मुझ पर रौब नहीं जमाना चाहता। उसने कहा था: 'मैं इस घर को तुम्हारी पसंद के हिसाब से बनवाना चाहता हूं। ये तुम्हारा है।' वह मुझे हर काम में खुश देखना चाहता है। अभी मुझे हमारी बहस के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

जिआ उसे देख रही है। शायद वह उसके फैसले के इंतजार में है। वह अपनी अदाएं दिखाने की कोशिश में है पर मेरे पति का पूरा ध्यान मेरी ओर है। वह उसकी ओर देख तक नहीं रहा।

"एना! तुम क्या चाहती हो?" उसने पूछा।

"मुझे डेक वाला आइडिया पसंद आया।"

"मुझे भी"

मैं जिआ की ओर मुड़ी। *लेडी! मेरी ओर देखो। यहां फैसला मेरा चलेगा।*

जिआ को मेरी ओर देखना ही पड़ा।

"जी कोई और बात?"

तभी दरवाजे पर टेलर दिखाई दिया।

"सर! एक खास बात करनी है।"

"मिसेज ग्रे! इस मामले को देख रही हैं। वे जो भी कहें, आप वहीं करें। मुझे इनके फैसलों पर पूरा भरोसा है। ये बहुत समझदार हैं।" उसने जिआ से कहा और टेलर के पास चला गया।

"तो...अब मास्टर सुइट के बारे में बताएं।" जिआ ने मुझसे पूछा

जब वे दोनों चले गए तो मैंने मोर्चा संभाल लिया।

"जिआ! तुम्हें घबराहट होना स्वाभाविक है क्योंकि काम के बीच में ही क्रिस्टियन ने यह जिम्मेदारी मुझे दे दी है। वैसे अगर तुम मेरे पति पर डोरे डालना बंद करो तो हमारी अच्छी निभेगी और यह परियोजना भी सही तरह से पूरी हो जाएगी वरना तुम्हें काम से निकालना होगा..."

वह तो दंग रह गई। उसने कभी उम्मीद तक नहीं की होगी कि मैं उससे ये सब कह सकती थी।

डरना मत! डरना मत! नीचे मत झुकना! मैं अपने-आप से कहती रही।

मैं जानती हूं कि ग्रे का घर तैयार करना जिआ के लिए फायदे का सौदा है। उसके कैरियर का एक अहम मोड़ है और वह इसे कभी गंवाना नहीं चाहेगी। इस समय मैं इस बात की भी परवाह नहीं कर रही कि वह इलियट की दोस्त है।

"एना- मिसेज ग्रे... सॉरी... मैं कभी भी...।" उसने खिसिया कर कहा

"बेशक! साफ शब्दों में बता दूं कि मेरे पति को भी तुममें कोई रुचि नहीं है।" "चलिए काम की बात करें। मेरे पति चाहते हैं कि हमारा घर पर्यावरण के अनुकूल

हो इसलिए जो भी सामग्री लगाई जाए, वह इस तथ्य को ध्यान में रखकर ही लगाओ।" फिर मैंने उसे मास्टर सुइट के बारे में बताया।

जब तक क्रिस्टियन लौटा, हमारी बात खत्म होने वाली थी।

"हो गया।" वह मेरी कमर में हाथ डाल कर जिआ की ओर मुड़ा।

"हां, जी मैं आपको संशोधित योजना दो दिन में भेज दूंगी।"

"खुश!" पति ने पूछा

मैं लजा गई।

"अच्छा जिआ"

"जी! मि. व मिसेज ग्रे, मैं चलती हूं।"

तभी दरवाजे पर टेलर आ गया।

टेलर आपको बाहर तक छोड़ देगा। मैंने थोड़े तेज सुर में कहा और वह एड़ियां खटखटाती चली गई।

"आज इतनी रुखाई क्यों दिखा रही थी?" क्रिस्टियन ने कहा

"अच्छा! मुझे तो नहीं पता चला।" मैं उसे क्या बताती कि हमारे बीच क्या बात हुई थी।

"हाइड का क्या हुआ?"

"एना! तुम चिंता मत करो। बस यही पता चला कि वह काफी समय से अपने अपार्टमेंट में नहीं है।"

"तो क्या तय किया?" उसने पूछा क्योंकि वह नहीं चाहता था कि मैं हाइड के मामले में ज्यादा खोजबीन करूं।

"वही जो हमने तय किया था। शायद ये तुम्हें पसंद करती है।"

"क्या तुमने उससे कुछ कहा?"

"ओह! इसे कैसे पता चला?"

"जब वह आई थी तो उसने कहा था- क्रिस्टियन और एना। जब वह गई तो उसने कहा था- मि. और मिसेज ग्रे! उसका सुर रुखा था।"

वह मुझे घूरता रहा और मैं सकुचा कर खड़ी रही। ये मैंने क्या कर दिया। इसे बुरा लगा। वह हंस दिया। "एना तुम्हें जलन हो रही थी।"

मैं चुप खड़ी रही।

"एना! वह तो एक सेक्स की आदमखोर औरत है। वह मेरे टाइप की नहीं है" "एना! मेरे जीवन में बस अब तुम हो और हमेशा तुम्हीं रहोगी। तुमने ये बात सोची भी कैसे? क्या मेरी किसी भी बात से तुम्हें ऐसा लगा कि मैं किसी दूसरी औरत में रुचि ले रहा हूं।"

"नहीं। मैं ही पागल थी।"

मैं उसे कैसे बता सकती थी कि आज उसने मेरे ऑफिस में दोपहर को जो बर्ताव किया, मैं उसके कारण ही उलझन में थी। उसी वजह से परेशान थी। पहले वह चाहता था कि मैं काम न करूं और फिर वह मुझे उपहार में कंपनी देने की बात करने लगा।

"क्रिस्टियन! मैं इस नई जीवनशैली को अपनाने की कोशिश में हूं। मैंने अपने ऐसे जीवन की कभी कल्पना तक नहीं की थी।। सब कुछ मानो मुझे एक ही बार में परोस दिया गया है। अमीर पति, नौकरी, आलीशान घर, नौकर-चाकर...तुम......मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं तुमसे इतना प्यार करने लगूंगी"

"पर तुम तो बहुत तेजी से भाग रहे हो। मैं तुम्हारे साथ हर समारोह में साथ बैठने वाली औरत नहीं बनना चाहती। अपने भीतर की उस लड़की को खत्म नहीं होने देना चाहती।। तुम चाहते हो कि मैं अपनी ही कंपनी में सीईओ बन जाऊं।" कहते-कहते मेरी सुबकी निकल गई।

"तुम्हें मेरे फैसले मुझे खुद लेने देने होंगे ताकि मैं अपनी भूलों से सबक ले सकूं। अपने तरीके से जिंदगी जी सकूं। क्या तुम देख नहीं पा रहे कि मुझे अपने लिए थोड़ी आजादी चाहिए। मेरे लिए मेरा नाम यही महत्व रखता है।"

"एना! मैं तो तुम्हें एक ऐसी दुनिया देना चाहता हूं। जिसमें सब कुछ हो। तुम्हें किसी चीज़ की कमी न रहे। तुम्हें सलामत रखना चाहता हूं पर यह भी चाहता हूं कि हर कोई जाने कि तुम मेरी हो। आज मैं तुम्हारा मेल देख कर डर गया था। तुमने मुझे अपने नाम वाली बात पहले क्यों नहीं बताई?"

मैं खिसिया गई। वह सही कह रहा था।

"मुझे लगा कि हनीमून के बाद ही बताना सही होगा और मैं उसके बाद भूल गई। कल शाम ही याद आया और वह बाकी सब......"

"तुम डर क्यों गए?"

"मैं नहीं चाहता कि तुम मेरी जिंदगी से कहीं चली जाओ।"

"क्रिस्टियन! मैं तुम्हें छोड़ कर कहीं नहीं जा रही"

हमारी कुछ देर की बातचीत के बाद मैंने इस फैसले के लिए हामी दे दी। वह खुशी से झूम उठा।

मेरी कमर में हाथ डाल कर बोला -

"तो फिर हो जाए संडे के सात रंग और रंगरलियां।"

"तो सारी कहानी यहीं खत्म हुई।"

"जी हां! यहीं खत्म हुई पर हां, एक मिनट! मुझे तो एक जरूरी काम करना है।" "कौन सा काम?" मैंने कहा

"मुझे तो बाल कटवाने हैं क्योंकि मेरी बीबी को लंबे बाल पसंद नहीं आ रहे?" "इस समय"

"हां, इसी समय। मेरी बीबी ही बाल काट देगी।"

"क्रिस्टियन! मैं तुम्हारे बाल नहीं काट सकती"

"तुम ऐसा कर सकती हो।"

"अच्छा तो क्या मिसेज जोंस के पास एक कटोरा होगा?"

"नहीं-नहीं! मैं फ्रैंको के पास ही चला जाऊंगा।"

हुंह! वह तो उसी कमीनी के लिए काम करता है। मैं इसके बालों की छंटाई तो कर ही सकती हूं। इतने सालों तक रे के बाल मैं ही काटती आई हूं।

"आओ!" मैंने उसका हाथ थाम लिया। मैंने सिंक के पास एक कुर्सी ला कर रखी तो वह दुष्टता से मुझे ही घूर रहा था।

"बैठो!" मैंने खुद को सहज रखना चाहा।

"क्या तुम मेरा सिर धोने जा रही हो।"

मैंने हामी भरी। हैरानी तो इस बात की हुई कि वह पल भर में मान गया और अपनी कमीज खोलने लगा

भीतर बैठी लड़की ने खुशी से कुलांचें भरना आरंभ कर दिया।

उसने अपना हाथ मेरे आगे कर दिया ताकि मैं उसके कफ लिंक्स खोल सकूं। इस दौरान उसकी नजरें मुझ पर ही टिकी रहीं। वह कितना हॉट दिख रहा था। मैंने उसकी कमीज भी नीचे उतार फेंकी

"तैयार!"

"एना! तुम्हारे लिए हमेशा तैयार!"

मैं उसे चूमने लगी। उसने मुझे रोकना चाहा।

"देखो! ऐसे तो मैं अपने बाल नहीं कटवा सकूंगा"

मुझे उसकी बात सुनने की होश कहां थी। मैं सब कुछ भुला कर उसकी छाती के वे गुदगुदे बाल चूमने लगी। फिर

मैंने उसे आराम से बैठने को कहा और अपने काम में जुट गई

नरम तौलिया उसके कंधों पर लगाया और उसे कहा कि वह गर्म पानी से भरे सिंक में अपना सिर लटका दे।

फिर मैंने वह शैंपू लिया। जिसे हम अपने हनीमून से लाए थे।

मैंने उसके बाल भिगोए और नरम मुलायम हाथों से शैंपू करने लगी।

उसने आगे झुक कर मेरे होंठ चूमे और ऐसा सुर निकाला कि मेरे भीतर बैठी इच्छा जाग उठी।

नहीं-नहीं! पहले मुझे अपना काम खत्म करना है।

वह इस तरह बैठा था मानो उसे बहुत ही आनंद आ रहा हो।

"एना! मुझे अपने सिर पर तुम्हारी अंगुलियों का स्पर्श बहुत ही भला लग रहा है। जब तुम अपने नाखूनों से सिर में मलती हो तो बड़ा अच्छा लगता है। मैं उसे इस सुख के बीच आंनद लेते देखती रही।" वह किसी छोटे बच्चे जैसा दिख रहा था।

जब उसके सारे सिर पर शैंपू लगा था तो मैंने आगे बढ़कर उसे चूम लिया। कौन जानता था कि दोपहर की इतनी बहस के बाद भी वह इतना शांत व सहज दिख सकता था और वह भी सेक्स के बिना!

मैंने उसके बालों को दो बार शैंपू किया और पानी से अच्छी तरह धो दिया। उसने मुझे अपनी गोद में खींच लिया और हमारे होंठ आपस में अठखेलियां करने लगे। मेरी अंगुलियां उसके गीले बालों में घूम रही थीं और जब उसने अपना चुंबन गहरा किया तो उसके बालों ने मेरा चेहरा भिगो दिया। उसके हाथ मेरे ब्लाउज के बटनों तक आ गए।

"चलो अब बहुत हुआ। अब हमें रंगरलियां भी तो मनानी हैं।" वह हॉट अंदाज में बोला "तुम तय करो कि हम इसे यहां करेंगे या अपने बिस्तर में...?"

"तुम तो पूरा भीग गए हो।" मैंने कहा

उसने अपना सिर जोर से हिलाया और मुझे गुदगुदी की। मैं खिलखिलाते हुए उसी की गोद में जा सिमटी। उसने मेरे आसपास अपनी पकड़ और भी कस दी।

"अरे नहीं। बेबी। मत करो। मैं तो बेबी वैट ब्लाउज 201। बन गई हूं और गीले ब्लाउज से सब आरपार दिखाई दे रहा है।"

"वाह! अच्छा लग रहा है।" उसने हौले से कहा और अपना हाथ मेरे वक्ष की ओर बढ़ाया

"एना! जवाब दो, यहां या हमारे बेडरूम में!"

"यहीं" मैंने दीवानों की तरह कहा। *भाड़ में जाए हेयरकट। वह तो बाद में भी हो सकता है।*

उसके हाथ धीरे-धीरे मेरी स्कर्ट के भीतर रेंगने लगे और मैं उसकी छुअन से सिमट गई। उसका स्पर्श कितना भला लगता है।

"ओह! मैं तुम्हारा क्या कर सकता हूं।" वह हौले से बोला और मेरी स्टॉकिंग्स में अंगुलियां फंसाते हुए बोला, "ये मुझे बहुत पसंद हैं।" मैं उसकी गोद में और सिमट आई।

"अगर मुझे संडे के सात रंग और रंगरलियां देखने हैं तो मुझे मेरी मनमर्जी करने दो और हिलो मत।" उसने हौले से कहा

"ओह! आ जाओ।"

क्रिस्टियन ने गहरी सांस ली और मुझे गहरी नजरों से देखा।

"मिसेज ग्रे! चलिए पहले आपको इन कपड़ों से आजाद कर दें।" मैंने हिलकर उसे मदद देनी चाही तो उसने डपट दिया। उसने मेरे अंतर्वस्त्र उतारे और फिर स्कर्ट भी पास में ही ढेर कर दी।

"अब आप क्या करने जा रहे हैं। मि. ग्रे?"

उसने मुझे अपनी हॉट नज़रों से देखा और मेरे ही अंतर्वस्त्रों से मेरे हाथ बांध दिए। उसने मुझे अपनी गोद में खींच लिया। अब भी उसकी गर्दन व छाती से पानी टपक रहा

है। मैं आगे आ कर उन बूंदों को चूमना चाहती हूं पर अब ऐसा हो नहीं सकता क्योंकि मेरे हाथ बंधे हैं।

क्रिस्टियन ने मेरे घुटने सहलाए और मेरी टांगें खोलते हुए खुद भी टांगें खोल लीं। वह मेरे ब्लाउज के बटनों से खेलने लगा।

"मुझे नहीं लगता कि हमें इसकी जरूरत होगी।"

उसने हर बटन खोला और मुझे अपलक ताकते हुए ब्लाउज को दूर पटक दिया। उसने मुझे छुआ तक नहीं और मैं उसकी छुअन के लिए तरस उठी। उसने अपने दोनों हाथों से मेरा गीला चेहरा सहलाया और अंगूठे से निचले होंठ से खेलने लगा। अचानक ही उसने वह अंगूठा मेरे मुंह में डाल दिया।

"इसे चूसो!" उसने कहा और मैं वही करने लगी, जो उसने कहा था। ओह क्या खेल है। मुझे इसमें आनंद आ रहा है। मैं इसी तरह और क्या कर सकती हूं। इस सोच से ही पेट की सारी मांसपेशियों में ऐंठन होने लगी। मैंने हल्का-सा काटा तो उसने आंखें दिखाई।

फिर वह उस गीले अंगूठे को मेरे मुंह से निकाल कर गर्दन व छाती तक फिराता चला गया। उसने मेरी ब्रा में हाथ डाला और उसे दूर झटक दिया।

क्रिस्टियन की नजरें लगातार मेरा पीछा कर रही थीं। वह देख रहा है कि मैं उसके स्पर्श से कैसे उत्तेजित हो रही थी। मैं उसे देख रही हूं और यह सब कितना हॉट लग रहा है। वह धीरे-धीरे मेरे वक्षस्थल से खेलने लगा। उन पर अपने हाथ गोल-गोल घुमाने लगा। उस स्पर्श में कितनी मादकता भरी थी। उसके स्पर्श से वक्ष कठोर होते चले गए। मैंने अपने-आप को उस मीठे व भीने एहसास के हवाले कर दिया।

शी...! क्रिस्टियन की अंगुलियां मेरे होठों पर आ कर ठहर गई।

"बेबी! स्टिल! हिलना मना है।"

फिर उसका हाथ मेरी गर्दन के पिछले हिस्से पर जा पहुंचा। अब उसका मुख मेरे वक्ष से आ लगा था। उसके गीले बाल मेरे चेहरे को सहला रहे थे। उसका एक हाथ मेरे दूसरे वक्ष से खेल रहा था। वह उसे बार-बार सहला रहा था।

"ओह क्रिस्टियन!" मैंने सिसकारी भरी और उसकी गोद में ही निढाल होने लगी पर वह नहीं रुक रहा था। ऐसा लग रहा था मानो यह मेरी देह की ऐसी अदम्य लालसा थी जिसे केवल वही जानता था और केवल वही पूरा कर सकता था। मैंने अपने हाथों को झटक कर उसे छूना चाहा। उसके शरीर के उभार को महसूस करना चाहा पर बेकार! मैं ऐसा कुछ नहीं कर सकी।

"प्लीज!"

"एना! तुम्हारी भरी हुई छातियां बहुत ही सुंदर हैं। एक दिन मैं...."

एक दिन वह क्या......अभी मेरे पास यह सोचने के लिए समय नहीं था।

मेरे वक्ष उसके होठों व हाथों की छुअन से दीवाने हो चले थे और आसपास की किसी भी वस्तु का जैसे कोई अस्तित्व ही नहीं रहा था। फिर एक पल ऐसा भी आया कि मैं उसी सुख के सोपान चढ़ते-चढ़ते चरम सुख तक जा पहुंची।

"गॉड! एना! मुझे तुम्हें इस रूप में देखना बहुत अच्छा लगता है।"

अच्छा......उसने मुझे बहुत ही प्यार से चूम लिया।

मैं उसके चुंबन में खो कर रह गई।

उसकी आंखों में एक अजीब-सा नशा तारी था।

"अब मैं तुम्हारे साथ...."

ओह! अब उसे अपना हुनर दिखाना है। वह मुझे लगातार देखते हुए अपने वस्त्र उतार रहा है। मैं इस निरूपाय अवस्था में उसकी गोद में हूं और हम दोनों एक-दूसरे की आंखों में ताक रहे हैं। क्या दुनिया में इससे भी हसीन पल कोई होते होंगे? उसने अपनी जिप खोली और उसका एक हाथ अपने ही अंग से खेलने लगा।

ओह! मेरा पति उस अंग से खेल रहा है और यह दृश्य मेरे भीतर कैसी आग भर रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है?

" "भूख लगी है।" मैंने ठिठोली की।

"अच्छा जी!" वह जैसे सब समझ गया।

"मैं अभी तुम्हारे लिए प्रबंध करता हूं।"

उसने मुझे खड़ा किया और घुटनों के बल बैठने को कहा मैं समझ गई कि वह मेरे मन की बात समझ गया था।

उसका वह खुला अंग और मेरे भीतर सुलगती इच्छा के साथ मेरा मुंह!

मैं मुख-मैथुन के रस में ऐसा भीगी कि उसे भी सराबोर कर दिया।

आह! उसने अपने भिंचे दांतों से स्वर निकाला पर मैंने भी जैसे न रुकने की कसम खा ली थी। मैंने अपनी गति और भी तेज कर दी। वह भी अपने शरीर को हिलाते हुए, अपनी ओर से पूरा सहयोग दे रहा था...

अचानक उसने खुद को मुझसे पीछे धकेल दिया।

"बस बहुत हुआ..."

उसने मेरे हाथ खोल दिए और मुझे लगा कि मैं उसे रविवार के सात नज़ारे नहीं दिखाना चाहती थी बल्कि देखना चाहती थी। मैं उसे बुरी तरह से चाहती थी। मैं चाहती थी कि उसे अपने सुख के बीच पिघलता देखूं।

कुछ ही पलों में, वह मेरे भीतर था। वह सिसकारी ले कर बोला

"बीबी! यह मेरी सबसे प्रिय जगह है। तुम्हारे भीतर... तुम्हारे भीतर मेरी बीबी!" "ओह क्रिस्टियन!" उसके इन शब्दों ने जादू-सा असर दिखाया और हमारे मुंह आपस

में मिल गए। मानो उन्हीं चुंबनों से हम एक-दूसरे में खो जाना चाहते हों। मैं उससे कितना प्यार करती हूं। हमारे बीच की ताल तेज होती जा रही थी।

"हां एना! हां............"

वह जोर से कराहा और मैंने अपने दोनों बाजुओं से उसे कसकर जकड़ लिया। "ओह क्रिस्टियन! मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और इसी तरह करती रहूंगी।" मेरी आंखें उस सुख से छलछला उठी थीं।

"हे।"

"क्या तुम रो रही थीं? क्या मैंने तुम्हें चोट पहुंचाई?"

"नहीं" उसने मेरा चेहरा सहलाया और हौले से होंठ चूम लिए।

"एना! बोलो, क्या हुआ?"

"कई बार मैं यही सोच कर भावुक हो जाती हूं कि मैं तुम्हें कितना प्यार करती हूं।" वह लजीली-सी मुस्कान के साथ बोला, "तुम भी मुझ पर ऐसा ही असर छोड़ती हो।" मैं उसकी छाती के बाल सहलाने लगी और उसने मुझे कस कर अपने गले से लगा

लिया। "मिसेज ग्रे! तुम्हारी गंध कितनी भीनी है।"

"मि ग्रे! आपके भीतर भी तो ऐसी ही गंध बसी है।" मैंने क्रिस्टियन और सेक्स की मिली-जुली गंध को सूंघा। मैं हमेशा-हमेशा उसकी बांहों में इसी तरह लिपटी रह सकती थी। मैं अपने इस झक्की, दीवाने व तानाशाह पति की बांहों में हमेशा के लिए बस जाना चाहती थी। मैंने संतुष्टि की सांस ली और उसकी मुस्कान को महसूस किया। हम दोनों बहुत देर तक वहीं बैठे रहे।

"बहुत देर हो गई।"

"तुम्हारे बाल भी काटने हैं।"

"मिसेज ग्रे! क्या तुममें ऐसा कर पाने की हिम्मत बची है?"

"मि. ग्रे! आपके लिए कुछ भी कर सकती हूं।"

मैं उठने लगी तो उसने रोक लिया। "ओह! तुम भी क्या कमाल दिखती हो। वाकई मैं किस्मतवाला हूं।"

"हां तुम हो।"

"चलो तुम मेरी शर्ट पहनकर बाल काट दो।"

मैंने उसकी शर्ट पहनी और पूछा कि कैंची कहां होगी। उसने कहा कि कैंची स्टडी में होगी। मैं बेडरूम से कंघी लेने गई और स्टडी में जाने के लिए निकली तो पाया कि टेलर के ऑफिस का दरवाजा खुला था। मिसेज जोंस उसके दरवाजे के पास खड़ी थीं। मैं वहीं छिप कर देखने लगी। उसने झुककर, बड़े ही प्यार से उनका चेहरा सहलाया और होंठ चूम लिए। ओह! ये क्या। क्या वे दोनों...क्या उन दोनों में...... मुझे हमेशा से लगता तो था पर क्या मिसेज जोंस उससे उम्र में बड़ी नहीं है? स्टडी में गई तो वही बात दिमाग में चक्कर काट रही थी।

तभी दराज खोलते ही गन पर नज़र गई। क्या क्रिस्टियन के पास गन भी थी? मैंने उठा कर देखा। वह तो भरी हुई थी पर भार में हल्की थी। तो वह कार्बन फाइबर होगी। वह इसे क्यों रखता है। उसे इस्तेमाल करना भी आता है? मैं तो रे के साथ रह कर इनके बारे में बहुत कुछ जानती हूं। उन्होंने कहा था कि अगर हम इनका सही प्रयोग न करें तो ये हमें मार भी सकती हैं।

मैं बड़े कमरे से निकलते हुए टेलर से टकरा गई।

"ओह सॉरी मिसेज ग्रे"

"ओह टेलर! मैं क्रिस्टियन के बाल काट रही हूं।" मैंने शर्मिंदा हो कर कहा। उसने कुछ नहीं कहा

उसके चेहरे का रंग बदल गया। ऐसा लगा कि मैं नहीं बल्कि वह आधे-अधूरे कपड़ों में घूम रहा था

"क्या हुआ।" भीतर गई तो क्रिस्टियन ने पूछा। तब तक वह वहां का सारा सामान टिका चुका था।

मैं टेलर से टकरा गई

ओह! तुम इन कपड़ों में थीं?

मैंने बात बदली, "क्या तुम्हें पता है...वह और गेल?"

क्रिस्टियन हंस दिया। "हां मैं जानता हूं।"

"और तुमने मुझे कभी बताया ही नहीं।"

"मुझे लगा कि तुम जानती हो।"

"नहीं"

"एना! वे अकेले वयस्क हैं और एक ही छत के नीचे रहते हैं। आकर्षण होना स्वाभाविक है।"

मैं खिसिया गई।

"पर गेल तो टेलर से बहुत बड़ी है।"

"हां, कई मर्दों को ऐसे ही पसंद होता है।"

"मैं जानती हूं।" मैंने मुंह बनाया।

वह मुझे देख कर मुस्कुराया। मेरी ध्यान भटकाने की तकनीक कारगर रही। मेरे भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं। वैसे बात तो बदल गई पर ये मिसेज राबिन्सन हमारे बीच में नाच रही है।

"हां याद आया।"

"बैठो!!"

मैं सोच रही थी कि हम नए घर में गैराज के साथ वाले कमरे तैयार करवा लेते। इस तरह टेलर की बेटी भी उसके पास कभी-कभी रहने आ सकती है।

"वह यहां क्यों नहीं रहती?"

"टेलर ने कभी पूछा ही नहीं।"

"शायद तुम्हें पूछना चाहिए।"

"पर हमें संभल कर रहना होगा।"

"ये तो मेरे दिमाग में नहीं आया।"

"शायद टेलर ने भी इसलिए नहीं सोचा होगा।"

"क्या तुम उससे मिले हो?"

"हां! बहुत प्यारी है।"

"मैं उसके स्कूल का खर्च भी देता हूं।"

"ओह।"

"मुझ पता नहीं था।"

"मैं इससे ज्यादा कर भी क्या सकता हूं।"

"मुझे उम्मीद है कि उसे तुम्हारे लिए काम करना पसंद होगा।"

"कौन जाने"

"नहीं, क्रिस्टियन! वह तुम्हें बहुत पसंद करता है।"

"अच्छा।"

"हां"

"क्या तुम जिआ से उन कमरों के बारे में बात करोगे।"

"हां, मैं जिआ से बात कर लूंगा।"

बेशक। वैसे भी मुझे भी जिआ का नाम ले कर उतनी खीझ नहीं हुई, जितनी आमतौर पर होती थी। मुझे यकीन है कि वह मेरे पति के किसी काम में टांग नहीं अड़ाएगी और हमें चैन से जीने देगी।।

मैं क्रिस्टियन के बाल काटने को तैयार हूं।

मैंने उसे खिझाया। "देख लो अब भी सोच लो।"

"मैं अपनी ओर देखूंगा तक नहीं। तुम अपनी मनमर्जी कर लेना।"

"मैं तो यह चेहरा सारा दिन देख सकती हूं।"

"एना! ये एक सुंदर चेहरा भर है।"

"नहीं, इस चेहरे के पास एक सुंदर आदमी भी है।"

माई मैन! मैंने उसका माथा चूमा और वह लजा कर मुस्कुराने लगा।

मैंने उसके बालों में कंघी फिराई और उनकी एक लट को अपनी दो अंगुलियों में थाम लिया। कंघी मेरे मुंह में थी और मैं अपने हाथों में थमी कैंची से बाल काटने को तैयार थी। उसने अपनी आंखें बंद कर लीं और मैं अपना काम करने लगी। जब भी उसकी आंखें खुलतीं तो वह बड़ी गहराई से मुझे ही देखने लगता। उसने इस दौरान मुझे हाथ नहीं लगाया। अगर वह मुझे छूता तो शायद काम सही तरह से न कर पाती।

पंद्रह मिनट में ही काम हो गया

"मेरा काम हो गया।" मैंने ऐलान किया।

उसने खुद को शीशे में देखा और बोला "बहुत अच्छे! मिसेज ग्रे! आप बहुत हुनरमंद हैं।" फिर उसने मुझे पास खींच कर पेट के पास एक चुंबन जड़ दिया।

"धन्यवाद!" उसने कहा।

"चलो सोने चलें। रात तो बहुत हो गई"

"मैं जरा इस जगह की सफाई कर देती हूं।"

"मैं झाड़ू लाता हूं। मैं नहीं चाहता कि तुम इन आधे-अधूरे कपड़ों में मेरे स्टाफ के सामने निकलो।" उसने कहा।

"तुम्हें पता है कि वह कहां होगा।"

"नहीं!" वह वहीं थम गया।

"मैं लाती हूं।"

मैं बिस्तर में गई तो उसे इंतजार करते पाया। कितनी हैरानी की बात थी। सारा दिन कैसे अजीब तरीके-से बीता था। वह चाहता था कि मैं कंपनी चलाऊं और मैं तो इस काम का कुछ भी नहीं जानती। कभी-कभी जब ये ज्यादा

तानाशाही दिखाए तो मेरे पास उस समय के लिए भी सेफवर्ल्ड होना चाहिए। मैं इस बारे में सोच ही रही थी कि उसने बाधा दी।

"क्या सोच रही हो?"

"यही सोच रही थी कि मैं कोई कंपनी नहीं चलाना चाहती।"

उसने खुद को कोहनी का सहारा दिया

"तुम कहना क्या चाहती हो?"

"मैं बस किताबें ही पढ़ना चाहती हूं। ये सब काम मेरे बस के नहीं है। मैं कंपनी नहीं चला सकती।"

"एनेस्टेसिया! तुम ऐसा आराम से कर सकती हो।"

"तुम क्रिएटिव हेड हो सकती हो।"

"बस तुम्हें इतना करना है कि अपने यहां काम करने वालों की प्रतिभा का उपयोग करो। बस एक अच्छी कंपनी चलाने का यही फंडा होता है। तुम अपने को कमतर मत समझो। यदि तुम चाहो तो कोई भी काम कर सकती हो।"

वाह! इसे तो जैसे सब पता है।

"मुझे डर है कि ये मेरा बहुत सारा वक्त न ले ले। वह जो मैं तुम्हें देना चाहती हूं।" मैंने अपना आखिरी अस्त्र चलाया।

"मैं समझ गया कि तुम आखिर चाहती क्या हो।"

हद हो गई!

"तुम मुझे बात से भटका रही हो। एना! तुम हमेशा ऐसा ही करती हो। तुम्हें मेरी बात पर गौर करना होगा। इसे यूं ही बातों में न उड़ाना।"

"क्या मैं कुछ पूछ सकती हूं।" मैंने कोमल सुर में कहा

"बेशक पूछ सकती हो।"

"पहले तुमने कहा था कि मुझे अगर गुस्सा हो तो मैं उसे तुम पर बिस्तर में निकाल सकती हूं। इसका मतलब क्या था?"

"तुम्हारे हिसाब से मैं क्या कहना चाहता था?"

ओह। क्या मुझे ये कहना चाहिए।

"तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें बांध दूं?"

"नहीं मैं यह नहीं कहना चाहता था।"

ओह।

"तुम मुझे बांधना चाहती हो?" उसने मेरे चेहरे के भाव पढ़ने चाहे और मेरा चेहरा गुलाबी हो गया।

खैर

"एना! मैं...।" मैं उसके बदलते भावों से चौंकी।

क्रिस्टियन। मैंने प्यार से उसका चेहरा सहलाया ताकि उसे चेहरे से उदासी के बादल छंट जाएं।

"ओह! तुम बस भी करो। मैं ऐसा कुछ नहीं कहना चाहती थी।"

उसने मेरा हाथ अपने दिल पर रख दिया।

"एना! मैं नहीं जानता कि अगर मैं तुम्हें अपने-आप को छूने न देता तो मुझे कैसा लगता?"

ओह! यह तो अपने मन की कोई बात कहना चाहता है।

यह मेरे लिए अब भी नया है।

हाय! इसे तो अभी बहुत लंबी दूरी तय करनी है। *मेरा फिफ्टी!* मेरा दिल पिघल गया। मैंने उसके मुंह के कोने पर छोटा-सा चुंबन जड़ दिया।

"क्रिस्टियन! मैं इस बात को समझी नहीं थी। तुम बुरा मत मानना। इस बारे में मत सोचो।" मैंने उसे चूम लिया। उसने भी मुझे चूमा और जल्दी ही हम दोनों एक-दूसरे में खो चुके थे।

अध्याय-9

जब मैं अगली सुबह अलार्म से पहले उठी तो देखा कि क्रिस्टियन मुझसे किसी लता की तरह लिपटा था। उसका सिर मेरी छाती पर था, बाजुओं ने कमर घेरी हुई थी और टांगें टांगों में लिपटी थीं। वह मेरे साथ वाले पलंग पर था। हमेशा ऐसा ही होता था। हम एक रात पहले बहस करते और अगली सुबह वह मुझे अपने साथ लिपटा हुआ दिखाई देता। कितना हॉट!

किसने सोचा था कि इस इंसान को भी किसी की जरूरत हो सकती है। मैंने उसके बाल सहलाए और उसने अधनींदी आंखों से मुझे देखा।

"हाय।"

"हाय"

उसने मेरी छातियों पर अपनी नाक सहलाई और बोला

"कैसा नशा भरा है तुम्हारे भीतर! "

"पर मुझे तो उठना ही होगा"

मैं वहीं लेट कर नज़ारा देखने लगी। वह नहाने जाने की तैयारी में है। उसने अपने कपड़े उतारकर मुझ पर दे मारे।

"अच्छा जी! तो नजारा लिया जा रहा है?"

"जी हां! अच्छा शो है।"

उसे भी मस्ती सूझी और सब भूल कर मेरे पास आ गया। फिर वह पूरे बदन पर मीठे चुंबनों की बरसात करता चला गया। कैसा अभूतपूर्व आनंद था। मैं तो पूरी तरह से रस से सराबोर हो गई।

"मिसेज ग्रे! शुभ प्रभात!" बाहर निकली तो मिसेज जोंस मिल गई। मुझे कल रात वाली घटना याद आ गई।

उन्होंने मुझे चाय दी। मेरा पति अपनी सफेद कमीज और मेरी प्यारी टाई में तैयार था। वह भीगे बालों में और भी खूबसूरत दिखता है।

"मिसेज ग्रे! आप कैसी हैं?"

"मुझे लगा कि आप जानते हैं।"

"जी हां! मैं जानता हूं। पहले आप कुछ खाएं। आपने कल भी कुछ नहीं खाया था।" *ओह बॉसी फिफ्टी!!*

क्योंकि आप दिमाग खा रहे थे।

अचानक ही रसोई में कुछ गिरने की आहट हुई तो मैं चौंक गई।

क्रिस्टियन ने परवाह नहीं की। "चाहे जो भी हो। तुम्हें खाने पर ध्यान देना चाहिए।" "अच्छा!" मैंने चम्मच उठाया और नाश्ता करने लगी। मैंने अपने सीरियल पर थोड़ा

दही व स्ट्राबेरी डाल दीं। मिसेज जोंस ने मेरे हनीमून के दिनों में मुझे यह नाश्ता दिया था। मुझे बेहद पसंद आया।

"मुझे अगले सप्ताह न्यूयार्क जाना होगा।" वह बोला।

"ओह"

"मतलब एक रात का काम है। मैं चाहता हूं कि तुम भी साथ चलो।"

"क्रिस्टियन! मुझे तो टाइम नहीं मिलेगा"

उसने मुझे बॉस की निगाहों से देखा

"मुझे पता है कि तुम कंपनी के मालिक हो पर ये भी तो देखा कि हम पिछले तीन सप्ताह से बाहर थे और मेरा कितना काम इकट्ठा हो गया है। तुम टेलर को ले जाओ। स्वेयर और रेयॉन हमारे पास रहेंगे... क्या हुआ, हंस क्यों रहे हो?"

"कुछ नहीं! बस तुम्हें देख रहा था।"

"क्या वह मेरा मजाक उड़ा रहा है?"

"क्या तुम कंपनी के जेट से जा रहे हो?"

"क्यों पूछा?"

"बस यही जानना चाहती थी क्या तुम चार्ली टैंगो में जाओगे।" मेरी आवाज कांप रही थी। पिछली यादें ताजा हो गई। मिसेज जोंस भी वहीं थम गई थीं। मैंने बात बदलनी चाही।

"नहीं। वह तो अभी सही नहीं हुआ। मैं दूसरे जेट से जा रहा हूं।"

"शुक्र है! "

मुझे न चाहने पर भी उसे बताना ही पड़ा कि उसके जेट में जाने की बात सुनकर मुझे डर लग रहा था। उसने मुझे तसल्ली दी कि उसने ऑफिस में पांच लोगों को निकाल दिया था ताकि ऐसे हालात दोबारा न हों।

बातों-बातों में मेरे मुंह से यह भी निकल गया कि मैंने उसके दराज में एक गन देखी थी। उसने पहले तो अजीब-सा मुंह बनाया और फिर ऑमलेट खाते-खाते बोला

"वह तो लीला की गन है।"

"लीला की गन... ?"

मैं हैरान रह गई। वह अब भी हमारे जीवन में कोई मायने रखती है। "क्या तुम गन नहीं रखते?"

"नहीं! मैं इसके खिलाफ हूं।"

"टेलर रखता है?"

"हां, कभी-कभी"

हम कार की ओर बढ़े तो मैंने रास्ते में उसे यह समझाने की कोशिश की कि उसे भी गन चलाना सीखना चाहिए।

"क्रिस्टियन! तुम्हें गन चलाना सीखना चाहिए।"

"नहीं, मैं नहीं सीखना चाहता।"

"तुम्हें इसकी जरूरत पड़ सकती है।"

"मेरे पास इस काम के लिए लोग हैं। वैसे भी मेरी मां डॉक्टर हैं। मैंने उन्हें गन से घायल लोगों की जान बचाते देखा है। मेरे पापा गन को पसंद नहीं करते। मैं उन्हीं संस्कारों में पला हूं। मैं ऐसी दो संस्थाओं को अपना सहयोग दे रहा हूं जो गन के इस्तेमाल के खिलाफ हैं इसलिए इस बारे में बात न ही करो तो बेहतर होगा।"

"तुमने लीला से बात की थी?" क्या तुम्हें लगता है कि वही उस दिन कार में हमारा पीछा कर रही थी?

"नहीं, वह तो अपने माता-पिता के साथ है। इन दिनों उसने किसी आर्ट कॉलेज में दाखिला ले लिया है।"

"क्या तुम्हारी उससे बात होती रहती है?"

उसने कोई जवाब नहीं दिया। मैं जान गई कि उसे जो सही लग रहा था। वह वही कर रहा था। वह उसकी मदद करना चाहता था। शायद उसकी कक्षाओं के पैसे और इलाज का खर्च भी वही दे रहा था।

"एनेस्टेसिया! इन बातों पर अधिक गौर मत करो। मुझे जो ठीक लगा मैंने किया।" उसने मेरा हाथ दबा दिया।

उस दिन ऑफिस में बहुत-सी मीटिंग थीं। ब्रेक के दौरान क्रिस्टियन के मेल पर नज़र गई।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: चापलूसी
डेट: 23 अगस्त 2011 09:54
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे!

मुझे अपने नए हेयर कट पर तीन तारीफें मिलीं। ऐसा पहली बार हुआ है। कल रात के बारे में सोचते ही चेहरे पर अजीब सी मुस्कान आ जाती है। तुम तो सचमुच एक अद्भुत, प्रतिभाशाली और सुंदर औरत हो।

और पूरी तरह से मेरी हो!
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैं तो ये पंक्तियां पढ़ते ही पिघल गई।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: काम पर ध्यान देने की कोशिश
डेट: 23 अगस्त 2011 10:48

टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे,

मैं काम पर हूं और नहीं चाहती कि कोई मीठी यादों से मेरा ध्यान भंग करे। क्या अब यह बताने का वक्त आ गया है कि मैं नियमित रूप से रे के बाल काटती

थी? मुझे नहीं पता था कि ये प्रशिक्षण इतना उपयोगी होगा।

और हां, जान मैं पूरी तरह से तुम्हारी हूं। जो हथियार रखने के अपने संवैधानिक अधिकार के प्रयोग से भी इंकार करता है पर कोई बात नहीं। मैं हमेशा तुम्हारी रक्षा करूंगी।

एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: एनी ओकले
डेट: 23 अगस्त 2011 10:53
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे!

मुझे खुशी हुई कि तुमने आई टी विभाग से बात करके अपना नाम बदल लिया। मैं अपने बिस्तर में आराम से नींद लूंगा क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरी गन चलाने वाली बीबी मेरे साथ है।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

इसी तरह कुछ देर और मेल के माध्यम से गुदगुदाने वाली बातों का आदान-प्रदान होता रहा। क्रिस्टियन जब अपने आनंदी स्वभाव में होता है तो इससे पार पाना मुश्किल हो जाता है।

वह अपने काम से न्यूयार्क चला गया तो मन बड़ा उदास सा हो गया। अभी उसे गए कुछ ही घंटे हुए हैं और मैं उसे अभी से याद करने लगी हूं। मैंने कंप्यूटर चालू किया तो उसका मेल मेरे इंतज़ार में था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुम्हारी याद में
डेट: 25 अगस्त 2011 04:32
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे!
आज सुबह बड़ी प्यारी लग रहीं थीं।
मेरे पीछे से, ध्यान से रहना
तुमसे बहुत प्यार करने वाला....
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

शादी के बाद पहली रात होगी कि हम साथ नहीं होंगे। मुझे केट के साथ कुछ कॉकटेल लेने होंगे ताकि रात को नींद आ जाए। मैंने भी मेल का जवाब दिया हालांकि मुझे पता था कि वह अभी उड़ान में ही होगा।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जैक्ट: तुम संभल कर रहो
डेट: 23 अगस्त 2011 09:03
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे,
मुझे बताओ कि कब तक पहुंचोगे वरना मुझे चिंता लगी रहेगी।
और मैं संभल कर रहूंगी। मतलब केट के साथ मुझे क्या दिक्कत हो सकती है? एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

मैंने अपनी लाते का घूंट भरा। कौन जानता था कि मुझे कॉफी इतनी अच्छी लगने लग जाएगी। पता नहीं क्यों, वह मेरे पास नहीं है। मैं बेचैनी महसूस कर रही हूं। ये तो बड़ा ही अजीब-सा एहसास है।

दोपहर को मेल और फोन चेक किया। वह कहां है? क्या वह सुरक्षित रूप से पहुंच गया? हैना ने लंच के लिए पूछा पर मैंने उसे इशारे से भगा दिया। क्या करूं, क्रिस्टियन की खबर मिले बिना चैन नहीं आने वाला।

अचानक ही ऑफिस के फोन की घंटी बजी

क्रिस्टियन की आवाज़ सुनते ही तन और मन में सुकून की लहर दौड़ गई।

"हाय "

"केट के साथ क्या कर रही हो?"

"कुछ नहीं। बस आज ड्रिंक के लिए जा रहे हैं।"

वह कुछ नहीं बोला।

"स्वेयर और और वह नई औरत प्रेस्कॉट हमारे साथ होंगे।" मैंने बात को संभालना चाहा।

"मुझे लगा कि केट घर आ रही है।"

"नहीं, उसके पास ज्यादा वक्त नहीं है। प्लीज मुझे बाहर जाने दो।"

"तुमने पहले क्यों नहीं बताया?" उसका सुर गंभीर था।

"क्रिस्टियन! हमें कुछ नहीं होगा। सारी सिक्योरिटी साथ जा रही है।"

वह कुछ नहीं बोला। मुझे पता है कि वह नाराज हो गया है।

"जब से हम मिले हैं तब से उससे मिलने का समय ही नहीं मिल पाता। वह मेरी पक्की सहेली है। मुझे जाने दो।"

"एना। मैं तुम्हें दोस्तों से दूर नहीं रखना चाहता पर मुझे लगा कि वह हमारे घर आएगी।"

"अच्छा। हम अंदर ही रहेंगे।"

इस आदमी को बहलाना भी आसान नहीं है। उसका मूड संभला तो कुछ मीठी बातें हुई और उसने कहा कि वह कल शाम को लौटेगा। उसने वहां पहुंचते ही मुझे कॉल किया था क्योंकि मैंने ऐसा करने को कहा था। देखा! वह मेरी बातों का कितना ध्यान रखता है।

फोन रखते ही मेल आ गया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुम्हारी याद में
डेट: 25 अगस्त 2011 13:42
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे!
तुम हमेशा की तरह फोन पर रोचक बातें करती हो
मैंने जो कहा है, वैसे ही करना।
मैं तुम्हें सुरक्षित रखना चाहता हूं
लव यू
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

ओह! वह ठीक पहुंच गया और पहले की तरह मुझ पर अपना रोब जमा रहा है। मुझे तसल्ली हो गई।

मैं ऑफिस से बाहर आई तो सफेद जींस व लाल टॉप में गजब की दिलकश लग रही केट को रिसेप्शन पर बतियाते देखा। हम दोनों कसकर गले मिली। वह मेरी पोशाक देख कर दंग रह गई और बोली।

"देखो तो! कौन कहेगा कि ये मेरी एना स्टील थी। वाह! मिसेज ग्रे! क्या शान है।" "क्रिस्टियन चाहता है कि हम हमारे अपार्टमेंट में ही रहें।"

"कोई बात नहीं। हम जिग-जैग में कुछ समय बिता कर चलते हैं। मैंने वहां टेबल बुक करवा लिया है।"

"मेरे कुछ बोलने से पहले ही केट प्लीज-प्लीज करने लगी।

"मुझे भी वहां जाना पसंद है। वह जगह केट के घर के पास पड़ती है। उसके साथ कहीं बाहर गए कितने दिन हो गए हैं।"

बाहर निकले तो स्वेयर और वह सिक्योटी वाली महिला दिखी। अभी उसके साथ इतना अपनापन नहीं बना। वह बहुत ही व्यासायिक रवैया रखती है। हम चलने लगे तो स्वेयर ने इशारा किया। शायद उसे आदेश मिल गए थे कि मुझे घर ही ले जाना है।

"जी मैम! सर ने आपको घर ले जाने को कहा है।"

"सर यहां नहीं हैं। तुम मेरा हुक्म मानोगे। जिग-जैग चलो"

केट को तो मेरा सुर सुन कर इतनी हैरानी हुई कि क्या कहूं। मैं तो बहुत बदल गई हूं

"तुम्हें पता है कि इस अतिरिक्त सुरक्षा के कारण ग्रेस और ईया परेशान हैं।" मैंने चकराकर उसकी ओर देखा।

"तुम नहीं जानतीं। पूरे ग्रे परिवार की सुरक्षा तिगुनी कर दी गई है।"

"अच्छा"

"उसने तुम्हें नहीं बताया?"

"नहीं। तुम्हें पता है क्यों?"

"हां! जैक हाइड के कारण"

"पर वह तो केवल क्रिस्टियन के पीछे पड़ा है?" केट ने कहा

"हमने जैक को पहचान लिया पर बाकी ग्रे सदस्यों को क्या परेशानी हो सकती है?" *उसने मुझे क्यों नहीं बताया?*

केट ने अपने तरीके से मुझपर वार कर दिया था।

"इलियट ने कहा है कि यह सारा चक्कर उसके कंप्यूटर में रखी जानकारी से संबंध रखता है।" वह बोली

"अब छोड़ो भी!"

मैंने देखा कि स्वेयर शीशे से मेरे चेहरे के भाव देख रहा था।

मैंने बात बदल दी। "इलियट कैसा है?"

केट अपनी कहानी सुनाने लगी।

मेरी महिला सुरक्षाकर्मी का चेहरा स्याह पड़ा है। ये लोग समझते क्यों नहीं। हमें यहां कोई डर नहीं है।

केट की सोहबत में कितना अच्छा लग रहा है। कितनी बातें पता चल रही हैं। मुझे उसका साथ शुरू से ही पसंद रहा है। बेशक क्रिस्टियन का मूड बिगड़ जाएगा पर मुझे भी तो थोड़ी आजादी चाहिए।

मैंने जैसे ही जिआ का नाम लिया तो केट के चेहरे पर गुस्सा आ गया

"उस कमीनी की बात मत कर"

"अच्छा जी! वह इलियट के साथ भी...."

"वह क्रिस्टियन को भी नहीं छोड़ती।" मैंने हंस कर कहा

"लगता है कि उसका काम ही यही है।" केट ने कहा

"मैंने तो धमका दिया है कि अपने काम से काम रखे वरना काम से निकाल दूंगी" केट ने अपना जाम टकराया और बोली

"वाह! मिसेज ग्रे! आपकी बात में दम है। लगी रहो! तुम्हें बहुत आगे तक जाना है।" "अच्छा! एक बात बता। क्या इलियट गन रखता है?"

"नहीं, वह तो इसके खिलाफ है।"

"मेरा पति भी नहीं रखता। शायद उनके माता-पिता का असर है।"

"कैरिक अच्छे इंसान हैं।"

"हां! पर उन्होंने मुझ पर शक किया

"नहीं, वे बस अपने बेटे की भलाई चाहते हैं। वे नहीं चाहते थे कि कोई शादी की आड़ में उनके बेटे का उल्लू सीधा करे। एक दिन तुम भी अपने बेटे की भलाई के लिए ऐसा ही चाहोगी"

ओह! मैंने तो कभी सोचा ही नहीं। मेरे बच्चे भी तो अमीर होंगे। फिर मैं कैरिक की जगह ले लूंगी। मैंने आसपास नज़र मारी तो अपनी सिक्योरिटी को वहीं बैठे पाया

"कुछ खाएं क्या?"

"नहीं, हमें और पीना चाहिए।" केट बोली

"क्या बात है आज?"

"क्योंकि तुमसे मिलना नहीं हो पाता। समझ नहीं आया कि जिंदगी में पहला लड़का मिला और तुमने शादी कर ली। मुझे तो लगा कि तुम गर्भवती थीं इसलिए सब जल्दी से कर लिया।"

"मैं हंसने लगी। सबको यही लगा था। खैर, इस बात को छोड़। मुझे वाशरूम जाना है।"

प्रेस्कोट मेरे साथ गई। उसने कुछ नहीं कहा। उसे ज़्यादा बोलना पसंद नहीं है। "मैं शादी के बाद पहली बार अकेले बाहर आई हूं।" मैंने उसे सुनाया।

"केट देर हो गई। हमें चलना चाहिए।"

"अभी सवा दस हुए हैं। मैं चार कॉकटेल ले चुकी हूं और हमें अब चलना चाहिए। कहीं सिर को न चढ़ जाए।"

"हां एना। तुम से मिल कर अच्छा लगा। शादी के बाद तुम और भी प्यारी हो गई हो।" *वाह! मिस केट कावना की तारीफ सुन कर तो मजा आ गया।*

मेरी आंखें भर आईं। "मैं शादी करके बहुत खुश हूं। चाहे वह जैसा भी है पर मुझे बहुत प्यार करता है।"

आज शाम बहुत मजा आया। हम गले मिले और मैं उसके कान में बोली।

"मुझे यकीन है कि इन लोगों ने मेरे पति तक खबर पहुंचा दी होगी कि हम घर में नहीं हैं और वह गुस्से में होगा।"

मैं मन ही मन सोचने लगी कि वह मुझे सजा देने का कोई प्यारा-सा तरीका खोज लेगा "एना! तू क्या सोच कर मुस्कुरा रही है।"

"नहीं कुछ नहीं। बस कभी-कभी मेरा पति ज्यादा ही झक्की हो जाता है।"

"हां, मैंने भी देखा है।"

हम केट के घर के बाहर मिले। उसने मुझे गले से लगाया।

मैं उसे बहुत पसंद करती हूं। माना कि अपने पति के साथ उसके बुलबुले में कैद हो कर रहना अच्छा लगता है पर कभी-कभी दोस्तों के साथ समय भी बिताना चाहिए। मन कितना हल्का हो जाता है। बेशक उसकी दावतें कितनी बोरिंग होती हैं। यहां केट से मिल कर लगा कि मैं कितनी तरोताजा हो गई।

मेरे पेट में ऐंठन होने लगी। मैंने अभी तक कुछ नहीं खाया। ओह क्रिस्टियन! फोन पर पांच मिस्ड कॉल थे! फिर एक मैसेज था

आखिर तुम किस जहन्नुम में हो?

और एक ई-मेल!

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: गुस्से में, तुमने मेरा गुस्सा देखा नहीं
डेट: 26 अगस्त 2011 00:42
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
एनेस्टेसिया

स्वेयर ने कहा कि तुम एक बार में कॉकटेल ले रही हो जबकि तुमने कहा था कि तुम नहीं जाओगी?

क्या तुम जानती हो कि मैं इस समय कितने गुस्से में हूं?

तुमसे तो कल बात करता हूं।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

ओह शिट! मेरा कलेजा मुंह को आ गया। मैं तो पक्का मुसीबत में हूं। भीतर बैठी लड़की ने भी मुंह बनाया। मैंने तो खुद अपने लिए मुसीबत मोल ली थी। उसे फोन करने की सोची पर शायद कहीं सो न गया हो। मैंने झट से मैसेज किया।

मैं अब भी साबुत हूं। बहुत अच्छा वक्त बीता। तुम्हारी याद आ रही है- प्लीज नाराज मत हो!

मैंने फोन को देखा पर कोई जवाब नहीं आया।

हम एस्काला पहुंचे तो मुझे स्वेयर से बात करने का मौका मिला।

"मेरे पति ने कितने बजे फोन किया था?"

"करीब साढ़े नौ बजे मैम"

"तुमने केट के साथ मेरी बात रोककर, मुझसे बात क्यों नहीं करवाई?"

"मि. ग्रे ने मना कर दिया था"

मैंने होंठ भींच लिए। वह दूसरे देश में है। मुझे उसकी याद आ रही है और वह मुझसे गुस्सा है।

ज्यों ही बरामदे में लिफ्ट का दरवाजा खुला तो मैं चौंकी।

"इस तस्वीर को क्या हुआ?"

फूलदान टूटा हुआ था और उसका कांच बिखरा हुआ था। स्वेयर ने झट से मुझे लिफ्ट में खींच लिया।

मैंने वहीं से झांका स्वयेर ने मुझे वापिस अंदर खींच लिया ।

मैंने अंदर से रेयान का स्वर सुना और वे आपस में कोड वर्ल्ड में बात करने लगे। वह थोड़ी जांच-पड़ताल करने अंदर गया। मैं बुरी तरह से कांप रही थी। यहां हो क्या रहा था। उसने लौट कर मुझे तसल्ली दी कि हालात काबू में थे और हम अंदर जा सकते थे।

उसने मुझे थाम लिया वरना मैं वहीं गिर जाती। रेयान दरवाजे के पास खड़ा था और आंख के पास लगे घाव से खून बह रहा था। उसके कपड़े भी अस्त-व्यस्त थे जैसे किसी से हाथापाई हुई हो। इसके बाद दिखाई दिया कि वहां जैक हाइड चारों खाने चित्त पड़ा था।

अध्याय-10

दिल तेजी से धड़क रहा था और ऐसा लगता था कि अभी कलेजा बाहर आ जाएगा। शायद शराब का भी असर था।

"क्या वह..."

"नहीं मैम! बस बेहोश है।" रेयान ने कहा

"और तुम? ठीक तो हो?"

वह ऐसे हांफ रहा है मानो मैराथन से आया हो। उसने अपने होंठ और मुंह से खून साफ किया।

"मिसेज ग्रे! उसने बहुत हाथापाई की पर मैंने संभाल लिया। अब सब नियंत्रण में है।" "और गेल? वे कहां गईं? वे ठीक तो हैं?"

तभी गेल दिखाई दीं। वे अपने गाउन में थीं और उनका चेहरा भी मेरी तरह स्याह पड़ा हुआ था।

वे टेलर के कमरे से निकली थीं। खैर जो भी हो, वे ठीक तो थीं। यही बहुत था। तभी देखा कि बरामदे के दरवाजे का कब्जा निकला हुआ था। इसे क्या हुआ? "क्या ये अकेला आया था?"

"हां मैम! अगर वह अकेला न होता तो आप यहां न खड़ी होतीं"

"ये यहां आया कैसे?"

"ये सर्विस लिफ्ट से आया है।"

फिर मुझे रेयान ने बताया कि उसने उसे आते देख लिया था। उसे पता था कि मैं बाहर थी और गेल सुरक्षित थी इसलिए उसने उसे आने का मौका दिया ताकि उसे रंगे हाथों पकड़ा जा सके। रेयान अपने से बहुत खुश दिखा।

"अब क्या करें?"

"इसे पुलिस को दे दें।" मैंने कहा

"पहले हमें इसे बांधना होगा।"

"इसके लिए हमें क्या चाहिए होगा?"

"कहीं से रस्सी मिल जाती तो?"

"मैं लाती हूं।" मुझे अपने कमरे में पड़ी केबल की याद आ गई।

सबके चेहरे पर हैरानी थी कि मेरे पास रस्सी का क्या काम पर मैंने उन्हें अनेदखा किया और रस्सी ले आई।

स्वेयर ने उसे बांध दिया। मिसेज जोंस रेयान की मरहम पट्टी करने लगी। उसकी आंख के पास एक घाव था। ओह! तभी मेरी नज़र जैक पर पड़ी। उसके पास हथियार था।

ज्यों ही मैं उसे उठाने लगी तो प्रेस्कोट ने रोक दिया।

स्वेयर हाथों में दस्ताने पहनकर आया और बोला

"आप रहने दें। हम देख लेंगे। क्या ये इसकी है।"

"जी मैम।"

ओह! रेयान मेरे घर में एक हथियारबंद आदमी से लड़ा

वे लोग टेलर को फोन मिला रहे थे और वह उठा नहीं रहा था। उन्होंने अंदाजा लगाया कि अभी उस देश में रात के एक बज कर पैंतालीस मिनट होंगे।

मेरा मन बुरी तरह खीझ रहा था। इस जैक नामक आदमी ने मेरे घर में सेंध लगाई है। इसे तो अभी पुलिस के हवाले कर देना चाहिए पर बाकी सब लोगों के चेहरे देखकर लगा कि शायद मुझे कुछ और करना चाहिए। मुझे तो क्रिस्टियन को फोन करना चाहिए। मुझे पता था कि वह मुझसे नाराज है। ये भी पता था कि वह कुछ भी कह सकता है पर बात तो करनी ही थी। उसे फोन मिलाया तो पता चला कि उसका फोन भी बंद आ रहा था। शायद उसने भी गुस्से में आकर फोन ऑफ कर दिया होगा। जब उसे पता चलेगा तो कितना परेशान होगा क्योंकि वह यहां नहीं है और कल शाम तक आ भी नहीं सकता। मैं जानती हूं कि आज शाम ही उसे बहुत चिंता में डाल चुकी हूं। अगर वह यहां होता? इस सोच से ही मेरा दिल दहल गया। जैक के पास हथियार था। शुक्र है कि क्रिस्टियन बाहर गया हुआ था। मैं भी बाहर थी शायद इसलिए हमें ज्यादा दिक्कत नहीं हुई वरना कुछ भी हो सकता था।

"क्या वह ठीक है?" मैंने जैक की ओर संकेत करके कहा।

"जब ये उठेगा तो इसकी खोपड़ी घूम रही होगी। वैसे ये ठीक है।"

मैंने फोन मिलाया पर वह वॉयस मेल पर गया। मैं सबसे थोड़ा दूर हो गई।

"हाय! मैं बोल रही हूं। प्लीज! मुझसे गुस्सा मत करो। हमारे घर में एक दुर्घटना हो गई है। चिंता मत करना। सब ठीक है। किसी को चोट नहीं आई। मुझे फोन करो।"

"पुलिस को बुलाओ।" मैंने स्वेयर से कहा और वह फोन करने लगा।

एक अधिकारी स्वेयर के साथ बात कर रहा है और दूसरा रेयान के साथ टेलर के ऑफिस में है। पता नहीं प्रेस्कॉट कहां है। जासूस क्लार्क मुझसे सवाल-जवाब कर रहा है। शायद उसे नींद से जगाकर लाया गया है क्योंकि सिएटल के सबसे अमीर और खानदानी घर में किसी ने घुसपैठ की है।

"वह आपका बॉस होता था?" उसने पूछा।

"जी"

मैं हद तक थक गई हूं और सोना चाहती हूं। अभी तक उसका फोन नहीं आया। जैक को यहां से हटा दिया गया है। मिसेज जोंस हमारे लिए चाय बना लाई।

"थैंक्स! मि. ग्रे कहां हैं?"

"वे काम के सिलसिले में न्यूयार्क गए हुए हैं। कल शाम आएंगे।"

"मुझे आपका बयान चाहिए होगा पर अभी रात बहुत हो गई है। और बाहर कुछ रिपोर्टर भी घूम रहे हैं। क्या मैं आसपास देख सकता हू?"

"जी क्यों नहीं।" मुझे बाहर वालों की चिंता नहीं थी। वे कल सुबह तक कुछ नहीं कर सकते। हां रे व मॉम से बात करनी होगी। उन्हें कहीं से पता चला तो बहुत परेशान होंगे।

"मिसेज ग्रे! आप आराम करो।" मिसेज जोंस ने कहा

मेरा मन रोने को हो आया और वे मेरा कंधा सहलाने लगीं।

"हम सुरक्षित हैं। आप सो कर उठेंगीं तो बेहतर महसूस करेंगीं। कल शाम तक मि.ग्रे भी आ जाएंगे।"

"क्या आपको सोने से पहले कुछ चाहिए? "

"खाने को कुछ चाहिए?"

"दूध और सैंडविच चलेगा।"

वे किचन से लेने चली गई। अचानक ही मुझे अपने पति की याद सताने लगी। क्या शाम थी। मैं चाहती थी कि वह आ कर मुझे अपनी बांहों में भर ले पर ऐसा कल शाम तक नहीं हो सकता था। उसने मुझे क्यों नहीं बताया कि उसने सबके लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध कर दिए हैं? जैक के कंप्यूटर में क्या था? वह इतना परेशान क्यों है? जो भी हो, मैं बाकी सब भुला कर, इस समय तो उसे ही चाहती हू। मुझे उसके सिवा कुछ नहीं चाहिए।

"एना! ये लो।" मिसेज जोंस ने मुझे पीनट बटर जैली सैंडविच दिया। मैंने सालों से नहीं खाए। मैं धन्यवाद देकर उसे खाने लगी।

जब मैं लेटी तो उसके पलंग पर लेट कर, उसकी ही टी-शर्ट पहन ली। उसके बिस्तर और टी-शर्ट में से उसकी गंध आ रही थी। मेरा मूड अचानक ही संभल गया।

जब उठी तो दिमाग चकरा रहा था। शायद हैंगओवर था। मैंने आंखें खोलीं तो सामने कुर्सी पर क्रिस्टियन को बैठा देखा। उसके हाथ में एक बड़ा जाम था। एक टांग घुटने के पास मुड़ी थी और वह अभी सफर के ही कपड़ों में था। वह अपने होंठ पर अंगुली फिराते हुए कुछ सोच रहा था। वह कैसे आ सकता है? मैं सपना देख रही हू।

अगर वह आ गया है तो क्या वह कल रात न्यूयौर्क से निकला था। क्या वह मुझे सोते हुए देख रहा था?

"हाय "

उसने मुझे देखा और मेरा कलेजा मुंह को आ गया। अरे नहीं। मैंने सोचा कि शायद वह आगे बढ़कर मुझे चूमेगा पर वह उसी तरह अपना गिलास थामे बैठा रहा।

"हैलो! " मैं जानती हू कि वह गुस्से में है।

"तुम आ गए?"

"लगता तो यही है।"

मैं धीरे से उठी। मेरा मुंह सूख रहा है।

"तुम कब से यहां बैठे हो?"

"बहुत देर से"

"मुझसे गुस्सा हो?"

"गुस्सा...?"

"गुस्से की हदों से भी पार"

मैंने एक गिलास पानी पीया शायद कुछ होश आए।

"रेयान ने जैक को पकड़ लिया।" मैंने माहौल बदलना चाहा

"मुझे पता है।"

"बेशक! उसे पता है।"

"सॉरी! कल मैं बाहर चली गई थी।"

"अच्छा! शर्मिंदा हो"

"नहीं"

"तो माफी किसलिए ?"

"क्योंकि मैं नहीं चाहती कि तुम मुझसे नाराज़ रहो।"

उसने भारी सांस ली और बालों में हाथ फेरा। वह गुस्से में भी कितना प्यारा लगता है। मेरा प्यारा क्रिस्टियन!

"शायद जासूस क्लार्क तुमसे बात करना चाहता है?"

"हां!"

"क्रिस्टियन प्लीज!"

"बोलो।"

"मुझसे इतनी रुखाई मत दिखाओ।"

"एनेस्टेसिया! रुखाई......मैं गुस्से से पागल हो रहा हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं?"

ओह शिट! मैंने उसकी बात को अनुसना किया और वही किया जो मैं कल शाम से करना चाहती थी। मैं जा कर उसकी गोद में सिमट गई। उसने मुझे बाजुओं में घेर लिया और बालों को नाक से सहलाने लगा। आज यह व्हिस्की पी रहा है। उसने एक गहरी आह भरी।

"मिसेज ग्रे! समझ नहीं आता कि तुम्हारा किया क्या जाए? "

उसने मुझे बहुत से चुंबनों से लाद दिया।

"आज तुमने कितनी पी है?"

"क्योंकि तुम अक्सर शराब नहीं पीते।"

"ये मेरा दूसरा गिलास है। एनेस्टेसिया! आज की रात भारी थी। मुझे थोड़ा सांस लेने दो।" मैंने उसे बताया कि मैं उसके बिस्तर में उसके कपड़े पहनकर सोई थी और मुझे बहुत

अच्छा लगा। उसका मूड संभलने लगा था।

"मैं तुमसे बहुत नाराज हूं।"

"मैं भी नाराज हूं।" मैंने भी अदा से कहा।

"अच्छा जी! मैंने ऐसा क्या किया कि आप नाराज हो?"

"जब तुम्हारा गुस्सा उतर जाएगा। तब बता देंगे।" उसने मुझे कसकर थाम लिया। "जब मैं सोचता हूं कि क्या हो सकता था तो मेरी रूह कांप जाती है...".उसने भर्राए

गले से कहा

"मैं ठीक हूं।"

"ओह एना! "

ये क्या......यह तो एक सुबकी थी।

"हम सब ठीक हैं। गेल, रेयान और मैं... हम ठीक हैं। जैक को यहां से ले गए हैं।" "एना! मैं इस बारे में अभी बात नहीं करना चाहता।"

"क्यों! हुआ क्या?"

ओह! चलो कोई बात नहीं। कम-से-कम बात तो कर ही रहा है।

"मैं तुम्हें सजा देना चाहता हूं। जी में तो आता है कि मार-मार कर...."

मेरा कलेजा उछल कर मुंह को आ गया।

"एना! एना! तुमने मेरे सब्र की हद देख ली है।"

"मि. ग्रे! भला ऐसा हुआ क्या?"

"मिसेज ग्रे!" उसने हंस कर मुझे चूम लिया।

"आओ! सोने चलो। मेरे साथ लेटो।"

"नहीं, बहुत से काम बाकी हैं।"

"क्या अब भी नाराज हो?"

"हां।"

"तो मैं सोने जाऊं?"

उसने मुझे कंबल ओढ़ा दिया।

"हां! तुम सो जाओ।"

बेशक! बड़ी राहत मिली। वह लौट आया है। और अब मैं आराम से सो सकती हूं। वैसे ये समझ नहीं आया कि उसने आज तनाव को भगाने के लिए अपना पुराना तरीका क्यों नहीं अपनाया। वह मेरे पास क्यों नहीं आया?

"ये लो ऑरेंज जूस पी लो।" दो घंटे बाद उठी तो मेरे लिए जूस इंतजार कर रहा था। मुझे याद आया कि जब मैं पहली बार उसके साथ हीथमैन होटल में जागी थी तो ऐसा ही सीन था। तब भी वह इसी तरह कसरत के बाद पसीने से भीगा हुआ था।

"मैं नहा कर आता हूं।" वह बाथरूम में चला गया। ये अब भी कटा-कटा सा बर्ताव क्यों कर रहा है?

मैं यही सोचते-सोचते बिस्तर से उठी और घड़ी पर नजर गई। आठ बज गए थे। मैंने झट से उसकी टी-शर्ट उतारी। वह शॉवर में था। मैं बिना हिचके उसकी पीठ से जा लगी। उसे कस कर पकड़ लिया। एक ही पल में हम फिर से साथ थे और मैं उन पलों को याद करने लगी जो हम दोनों ने इसी तरह पानी के नीचे बिताए थे। उसने मुझे मुड़ कर चूमा और फिर घूम गया। ये इतना शांत तो कभी नहीं रहा। आज कोई बात तो है।

"एना!" उसने कहा

मेरे हाथ उसके पेट के निचले हिस्से की ओर जा रहे थे। मैं वहीं ठिठक गई। "नहीं! मत करो।"

मैंने उसे झट से छोड़ दिया। वह इंकार कर रहा है? क्या आज से पहले भी ऐसा हुआ है? ऐसा लगा कि किसी ने मेरे मुंह पर चांटा दे मारा हो। वह मुड़ा तो मुझे अच्छा लगा। अभी उसने पूरी तरह से मुझे अनदेखा नहीं किया है। वह मेरा चिबुक उठा कर आंखों में झांकने लगा

"तुम मुझसे इतना गुस्सा क्यों हो?"

"इतनी बड़ी बात तो नहीं हुई।"

"बड़ी बात?"

"मतलब मैं कहना चाहती थी... मैं यहां नहीं थी।

"मैं जानता हूं। ये इसलिए हुआ कि तुम एक छोटी-सी बात भी नहीं मान सकतीं। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।" वह तौलिया लेकर बाहर निकल गया।

सत्यानाश! सत्यानाश! सत्यानाश!

अब मुझे समझ आया कि जैक मेरा अपहरण करने आया था। उन्होंने वह मुह चिपकाने वाली टेप उसके पॉकेट से बरामद की थी। तो क्या क्रिस्टियन के पास सारी जानकारी है? मैं झट से बाहर आई। मुझे जानना है। मुझे सब पता करना है। मैं नहीं चाहती कि वह मुझे अंधेरे में रखे।

जब मैं आई तो वह कपड़े पहन कर बाहर जा चुका था। मैंने भी यही किया। झट से उसकी पसंद की पोशाक पहनी और बाहर आ गई। अपने बालों को जूड़े में बांधा। कानों में हीरे के टॉप्स पहनते हुए बाथरूम की ओर भागी ताकि थोड़ा मस्कारा लगाया जा सके। शीशा देखा तो अपना पीला चेहरा दिखाई दिया। आज मुझे अपनी दोस्त के साथ मजा करने की सजा भुगतनी होगी।

वह बड़े कमरे में भी नहीं दिखा और मिसेज जोंस रसोई में है।

"गुड मार्निंग एना"

"गुड मार्निंग"

"कुछ लोगी?"

"ऑमलेट चलेगा।"

"मशरूम, पालक व चीज़ डाल देना।"

"क्रिस्टियन कहां है?"

"वे स्टडी में है।"

"क्या उसका नाश्ता हो गया?"

"नहीं मैम"

"थैंक्स"

क्रिस्टियन सफेद कमीज में है। शायद ऑफिस नहीं जा रहा। वह फोन पर था। मुझे सिर के संकेत से अंदर जाने से रोका गया। मैं नाश्ते की मेज पर आ गई। टेलर से भेंट हुई। मैं समझ सकती थी कि वह गुस्से और तनाव से भरे बॉस के साथ कैसे वापिस आया होगा।

टेलर अपने बॉस के पास जा सकता है। मुझे इजाजत नहीं है।

तभी मेरा नाश्ता आ गया। भूख मर गई थी पर अगर न खाती तो मिसेज जोंस को बुरा लगता। मैं ब्रश करने गई तो मन ही मन तय कर लिया कि मुझे अपने पति से बात करनी होगी। कितनी बातें हैं जो केट को पता थी और मैं नहीं जानती। मुझे इस तरह अंधेरे में नहीं रखा जा सकता।

मैंने ब्रश करके हल्का सा ग्लॉस लगाया। अपनी जैकेट ली और कमरे में आई। वह अपना नाश्ता कर रहा था।

"तुम जा रही हो?"

"हां काम पर।" मैं उसके पास जा कर खड़ी हो गई।

"बहुत सी बातें करनी हैं। तुम शांत हो जाओ तो शाम को बात करते हैं।" मैंने कहा "शांत हो जाऊं?"

"हां! तुम समझते हो कि मैं क्या कहना चाहती हूं।"

"नहीं एना! मैं कुछ नहीं समझा"

"मैं लड़ना नहीं चाहती। यही पूछने आई थी कि अपनी कार ले जा सकती हूं?" "नहीं! नहीं ले जा सकतीं।"

अच्छा प्रेस्कॉट साथ होगी। ये जाने क्यों नहीं देता। अब तो जैक भी पुलिस के पास है। इतनी सुरक्षा? तभी पूछने से पहले ही मुझे अपनी मां की बात याद आ गई। उन्होंने कहा था कि मुझे अपनी लड़ाई भी खुद चुननी होगी। वह मुझे काम पर जाने दे रहा है। यही बहुत है।

मैंने उसके गाल पर एक चुंबन दिया और उसने अपनी आंखें मूंद लीं।

"मुझसे नफरत मत करो।"

"मैं तुमसे नफरत नहीं करता।"

"तुमने मुझे चूमा भी नहीं।"

"मैं जानता हूं।"

मैं कारण पूछना चाहती थी पर कारण तो मैं भी जानती हूं। वह अचानक ही उठा और हमारे होंठ आपस में जुड़ गए। उसने मुझे बहुत ही गहरा चुंबन दिया।

"टेलर और प्रेस्कॉट तुम्हें ले जाएंगे।"

"अगर आज खुद को मुसीबत से दूर रखने की कोशिश करोगी तो मुझे अच्छा लगेगा।" बाहर जा कर देखा तो लोगों की भीड़ थी। वे जान गए थे कि कल रात हमारे घर क्या

हुआ था। मैंने कार में रे और मॉम से बात की और उन्हें तसल्ली दी कि हम ठीक थे। घर में रुकने का मतलब नहीं था। जैक के पकड़े जाने के बाद भी वह खुश नहीं था

और मैं सारा दिन उसके बुरे मूड का शिकार बनती इसलिए ऑफिस में आ कर, खुद को काम में उलझा लिया।

ऑफिस में ज्यादा पूछताछ नहीं की गई। मैंने मेल देखा। मेरे पति ने कोई मेल नहीं दिया था। मैंने फोन भी देखा। तभी उसका मेल आ गया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: जरूरी बात
डेट: 26 अगस्त 2011 13:04
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
जासूस क्लार्क दोपहर को तीन बजे बयान लेने आएगा।
मैंने कहा कि वह वहीं आ जाए। कम-से-कम तुम्हें थाने नहीं जाना होगा
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ

ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

जैसा मेल आया था। इसका जवाब भी वैसा ही होना चाहिए।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: जरूरी बात
डेट: 26 अगस्त 2011 13:12
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे
ठीक है
एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

पांच मिनट तक देखा। कोई जवाब नहीं आया। वह आज खेल के मूड में नहीं है। तभी उसके बारे में सोचने लगी। सुबह उठी तो वह आया हुआ था। तो इसका मतलब है कि वह रात को ही वहां से निकल पड़ा होगा। वह आम तौर पर फंक्शनों से दस-ग्यारह के बीच निकलता है। तो वह वहां से क्यों चला। जैक की घटना के कारण या मैं घर से बाहर थी इसलिए?

अगर वह उस समय रास्ते में था तो उसे जैक के बारे में कुछ पता ही नहीं होगा। उसे सिएटल आकर सारी खबर मिली होगी। मुझे इस बारे में पता लगाना होगा। वैसे उसे यहां आकर तो गहरा सदमा लगा होगा। तभी तो वह इतना परेशान दिखा। मुझे पता लगाना होगा कि वह सुबह वापिस कैसे लौट आया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारी उड़ान
डेट: 26 अगस्त 2011 13:24
टू: क्रिस्टियन ग्रे
तुमने कल सिएटल के लिए उड़ान लेने का फैसला कब लिया?
एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुम्हारी उड़ान
डेट: 26 अगस्त 2011 13:26
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
क्यों?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: तुम्हारी उड़ान
डेट: 26 अगस्त 2011 13:29
टू: क्रिस्टियन ग्रे
यूं ही जानना चाहती थी।

एनेस्टेसिया ग्रे

संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे

सब्जेक्ट: तुम्हारी उड़ान

डेट: 26 अगस्त 2011 13:32

टू: एनेस्टेसिया ग्रे

इतनी जिज्ञासा अच्छी नहीं होती।

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ

ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे

सब्जेक्ट: हुह?

डेट: 23 अगस्त 2011 13:35

टू: क्रिस्टियन ग्रे

तुम इसलिए वापिस आए कि मैं अपनी सहेली के साथ बाहर थी या तुम्हारे घर कोई पागल घुस आया था।

एनेस्टेसिया ग्रे

संपादक, एसआईपी

कोई जवाब नहीं आया। तो मैंने एक और मेल कर दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे

सब्जैक्ट: ये बात....

डेट: 23 अगस्त 2011 13:56

टू: क्रिस्टियन ग्रे

मैं समझ गई कि तुम इसलिए ही वापिस आए थे कि मैं केट के साथ बाहर गई थी। मैं सिक्योरिटी के साथ थी। मुझे केट से पता चला कि ग्रे परिवार की सुरक्षा बढ़ाई गई है। तुम हमेशा ऐसा अजनबियों जैसा बर्ताव क्यों करते हो?

कोई चिंता की बात नहीं है पर तुमने बना रखी है। मुझे तो लगता है कि उस दिन घर की बजाए बार में हम ज्यादा सुरक्षित रहे। अगर मुझे 'तुमने सारी बात बताई होती तो मैं भी थोड़ा संभलकर चलती।

मैं समझ सकती हूं कि तुम्हें जैक के कंप्यूटर में रखी जानकारी के कारण चिंता है- जैसा कि केट से पता चला। मुझसे ज्यादा जानकारी मेरी सहेली को है, मेरे पति के बारे में वह ज्यादा जानती है। क्या तुम अनुमान लगा सकते हो कि मुझे यह जान कर कितना बुरा लगा होगा। क्या तुम मुझे बताओगे या मुझसे किसी बच्चे की तरह ही पेश आते रहोगे और हमेशा यही उम्मीद रखोगे?

केवल तुम्हें ही गुस्सा नहीं आया हुआ। कोई और भी गुस्से से पागल है। समझे? एनेस्टेसिया ग्रे

संपादक, एसआईपी

अपनी भड़ास निकाल कर मन शांत हो गया। नहीं, मैंने कुछ गलत नहीं किया था। अगर वह कोई गलती करता है तो कम से कम उसे पता तो चलना ही चाहिए।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: ये बात
डेट: 26 अगस्त 2011 13:59
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे

तुम हमेशा की तरह मेल पर ही चुनौतियां दे रही हो। हम शाम को भी ये बात कर सकते हैं। जरा अपनी भाषा पर ध्यान दो। मैं अब भी गुस्से में हूं।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैंने कोई जवाब देने की बजाए अपने काम में मन रमाया।?

क्लार्क के साथ मीटिंग हुई तो मैंने पूछा कि क्या हाइड जेल में था

"जी मैम! वह आज ही हस्पताल से आया है। वह कुछ समय हमारे साथ ही रहने वाला है।"

"मैंने आज सुबह मि. ग्रे से बहुत देर बात की। वाकई! आपके पति दिलचस्प आदमी हैं।"

"हां! ये तो आपने सही कहा।"

उसने जाने से पहले अपना कार्ड दिया। मैं उससे पूछ नहीं सकी कि हाइड पर क्या इल्जाम लगाया गया था। बेशक मुझे मेरे पति से भी पता नहीं चलने वाला।

हम गहरी खामोशी के बीच एस्काला के लिए रवाना हुए। गाड़ी स्वयेर चला रहा था। घर लौट कर पति से गहरी ठनने वाली है। पता नहीं, मेरे अंदर हिम्मत भी बचेगी या नहीं।

ज्यों ही मैं घर पहुंची तो मन ही मन सोचने लगी कि आखिर मैं उससे क्या कहना चाहती थी। मुझे गुस्सा क्यों आ रहा था। मैं लड़ना नहीं चाहती पर कोशिश करनी होगी कि मैं अपनी बात पर डटी रहूं।

हम अंदर पहुंचे तो नजारा ही नया था। पति मुझे टाइट काली टी-शर्ट और फटी जींस में दिखाई दिया। वही जींस जिसे प्लेरूम में पहनता है। तो क्या मेरा ध्यान भटकाने के लिए यह तकनीक अपनाई जा रही थी।

उसने आगे बढ़ कर मेरे हाथ से बैग लिया और मीठी-सी मुस्कान दी।

"तुम्हें घर में देख कर अच्छा लगा। तुम्हारे ही इंतजार में था।"

अध्याय-11

"क्या तुम अभी?"

मेरा दिल हिचकोले खाने लगा

इसने ये कपड़े क्यों पहने हैं? यह जींस तो वह तभी पहनता है जब..., वह चाहता क्या है? यह तो मुझसे नाराज था।

"हां! मैं जाना चाहता हूं।" वह अपने सुर में मिठास लाते हुए मेरे निकट आ गया। यह किस मूड में है। यह मुझसे नाराज है, गुस्सा है, खुश है या सेक्स के मूड में है। ओह! इसके बारे में पता लगाना तो बहुत मुश्किल है।

"मुझे तुम्हारी यह जींस पसंद है।" उसने खीसें निपोरीं पर उसकी ये मुस्कान आंखों तक नहीं आई। इसका मतलब है कि यह अब भी नाराज है। उसने मेरा ध्यान भटकाने के लिए इन्हें पहना है। वह मेरे आगे खड़ा है और मैं उसकी निगाहों की ताब नहीं ला पा रही। उसने मुझे घूर कर देखा और मैंने थूक गटक ली।

"मिसेज ग्रे! मैं समझता हूं कि आप भी कुछ कहना चाहती हैं।" उसने कहा और अपनी जेब से एक कागज निकाला। यह क्या है! ओह, यह तो मेरे ई-मेल की कॉपी थी।

"हां! मैं तुमसे बात करना चाहती हूं।" जब तक मैं अपनी बात कहते हुए पीछे हटी। उसने अपनी नाक मेरी नाक से सहलानी शुरू कर दी। मैं अचानक ही इस स्पर्श से अचकचा गई।

"मैं भी बात करना चाहता हूं।"

"क्रिस्टियन! मैं जानती हूं कि तुम मुझसे क्या बात करना चाहते हो।" मेरी बात सुन कर उसने अपनी आंखें ऐसे सिकोड़ीं कि वे पल भर के लिए चमक उठीं।

क्या हम लड़ने जा रहे हैं। मैंने सावधानी के साथ एक कदम पीछे हटा लिया। मैं उसकी गंध, उसकी छुअन, उसकी नजर और हॉट जींस से दूर हो जाना चाहती हूं।

"तुम न्यूयार्क से उस रात क्यों आए? मुझे अभी जानना है।"

"तुम जानती हो कि मैंने ऐसा क्यों किया?" उसके सुर में चेतावनी थी।

"क्योंकि मैं केट के साथ गई थी।"

"क्योंकि तुम अपने वादे से मुकर गई। तुमने मुझे धोखा दिया। तुमने अपने-आप को अनावश्यक खतरे में डाला।"

"मैं वादे से मुकर गई। तो तुम इस बात को इस रूप में लेते हो।"

"हां।"

"ओह! क्रिस्टियन, मैं एक औरत हूं और औरतें अक्सर ऐसा करती ही हैं।"

उसने मुझे देख कर पलकें झपकाई मानो उसे मेरी बात समझ ही न आ रही हो। "काश, मैंने यह सोचा होता कि तुम अपना...।" मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि

मैं उससे क्या कहूं। मैं उससे कहना चाहती थी कि मैंने कभी यह वादा नहीं किया था कि उसकी हर बात मानूंगी। पर मुझे खुशी है कि वह सही-सलामत वापिस आ गया।

"तुमने अपना मन बदल लिया?"

"हां"

"और मुझे बताना भी ठीक नहीं समझा। तुमने यहां की सिक्योरिटी भी कम कर दी और रेयॉन खतरे में पड़ गया।"

"ओह नहीं! मैंने तो इस बारे में सोचा तक नहीं था।"

"मुझे फोन करना चाहिए था पर मैं तुम्हें चिंता में नहीं डालना चाहती थी। अगर मैंने फोन किया होता तो तुम मना कर देते और मैं केट के साथ कुछ समय न बिता पाती। वैसे भी मेरे यहां न होने के कारण ही रेयान ने उसे अंदर आने दिया। ये बातें कितने उलझाव से भरी हैं"

क्रिस्टियन ने अपनी आंखें ऐसे भींच लीं मानो बहुत तकलीफ में है। इससे पहले कि मैं जान पाती। वह मुझे बांहों में भर कर भींच रहा था।

"ओह एना! मुझे खुल कर सांस भी नहीं आ रही थी। अगर तुम्हें कुछ हो जाता तो...।"

"ऐसा कुछ नहीं हुआ।"

"पर ऐसा हो सकता था। क्या हो सकता था... यह सोच कर ही मैं हजारों मौतें मर चुका हूं। मुझे बहुत गुस्सा आया था। मैं तुमसे, अपने-आप से और बाकी सबसे नाराज था। याद नहीं आता कि जिंदगी में पहले कभी इतना गुस्सा आया होगा। हां, एक बार आया था.."

"कब?"

"जब लीला तुम्हारे घर में घुस गई थी।"

"ओह! मैं तो उस बात के बारे में सोचना भी नहीं चाहती।"

"आज सुबह तुम कितनी रूखाई से पेश आए।" मुझे याद आ गया कि सुबह बाथरुम में। वह मुझसे कैसे पेश आया था। उसने अचानक ही अपनी पकड़ ढीली कर दी।

"मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अपने गुस्से का क्या करूं। मुझे नहीं लगता कि मैं तुम्हें चोट पहुंचाना चाहता हूं पर आज सुबह तुम्हें सज़ा देना चाहता था। मुझे डर था कि मैं कहीं तुम्हें चोट न पहुंचा दूं।"

"तुम्हें इस बात की चिंता हो रही थी?" ओह! मन को सुकून आ गया। मुझे तो यह डर था कि अब वह मुझसे प्यार नहीं करता।

"मुझे अपने पर भरोसा नहीं है।"

"क्रिस्टियन! मैं जानती हूं कि तुम मुझे कभी चोट नहीं पहुंचा सकते। किसी भी तरह से नहीं...।"

"क्या तुम्हें ऐसा लगता है।"

"हां, मुझे पता है कि बस तुम धमकी दे रहे थे।"

"नहीं, मैं तुम्हें मारना चाहता था।"

"नहीं! तुम नहीं मारना चाहते थे। तुमने केवल ऐसा सोचा था।"

"मैं नहीं जानता कि सच क्या है।"

"जरा सोचो! जब मैं छोड़ कर चली गई थी तो तुम्हें कितना दुख हुआ था। मैं जानती हूं कि तुम मेरे लिए कितने दुखी हुए थे। जरा सोचो कि हनीमून के दौरान मेरे हाथ पर हथकड़ियों के निशान देख कर तुम्हें कैसा लगा था।"

वह मेरी बात गौर से सुन रह था। मैंने उसका आलिंगन करते हुए, शरीर की गठी मांसपेशियों को अपने हाथों से महसूस किया।

क्या उसे यह चिंता थी कि वह कहीं मुझे चोट न पहुंचा दे। उसे अपने पर इतना भरोसा नहीं है, जितना भरोसा, मैं उस पर करती हूं। मुझे तो लगा था कि हम आगे निकल आए हैं पर अभी ऐसा नहीं है। आमतौर पर वह कितना ताकतवर दिखता है पर अंदर से....मेरा फिफ्टी....मेरा फिफ्टी! उसने मुझे आंखों, होठों और गालों पर चूमना शुरू कर दिया और मैं इस समय उसके इन चुंबनों के सिवा कुछ नहीं चाहती।

"तुम मुझ पर इतना भरोसा करती हो?" उसने चूमते हुए कहा

"हां, इससे भी ज्यादा।"

ओह! मेरा पति अपनी अंधेरी गलियों से लौट आया है।

हम एक-दूसरे की बांहों में बंधे, कमरे के बीचों-बीच खड़े हैं।

"मेरे साथ बिस्तर पर चलो।"

"क्रिस्टियन! हमें बात करनी है।"

"बाद में होगी।"

"क्रिस्टियन प्लीज! मुझसे बात करो।"

उसने आह भरी, "किस बारे में?"

"मैं तुम्हारी सुरक्षा चाहता हूं।"

"मैं कोई बच्ची नहीं हूं।"

"मिसेज ग्रे! मैं जानता हूं।" उसने मेरे नितंबों को अपने हाथों से थाम लिया। "क्रिस्टियन! मैं बात करना चाहती हूं।"

"तुम क्या जानना चाहती हो।"

"मुझे बहुत कुछ जानना है।"

वह मुझे काउच पर ले गया। "बैठो! "

उसने मुझे हुक्म दिया। मैंने माना और बैठ गई। अब उसने अपना सिर दोनों हाथों में थाम लिया है।

"बोलो, क्या कहना चाहती हो।"

"तुमने परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा क्यों दी?"

"उन्हें हाइड से खतरा था।"

"तुम्हें कैसे पता चला?"

"उसके कंप्यूटर से पता चला। उसमें मेरे और मेरे परिवार के बारे में सूचना थी। कैरिक के बारे में भी थी।"

"उनके बारे में क्यों?"

"अभी नहीं जानता।"

"क्रिस्टियन! तुम्हें समझना मुश्किल है।"

"क्यों?"

"जब पहले ये बात पता चली थी तो तब सुरक्षा नहीं बढ़ाई पर अचानक ये सब क्यों?" "मैं नहीं जानता कि वह इंसान क्या कर सकता है। उसके हमले से बचाव के लिए

ऐसा किया गया। हो सकता है कि वह मेरे घर को आग लगा देता या...मेरे परिवार में सभी लोग सार्वजनिक सुर्खियों में रहते हैं।"

"तुम क्या कह रहे थे। घर को आग लगा देता या..."

"तुम्हें भूख लगी होगी?"

"क्या?" उसने कहा और मेरे पेट में गुड़गुड़ होने लगी।

"क्या आज कुछ खाया?"

मैं लज्जित हो गई।

"मुझे पता था कि तुमने नहीं खाया होगा।"

"तुम जानती हो कि तुम ऐसा करती हो तो मुझे कैसा लगता है। चलो। मैं तुम्हें खिलाता हूं।" इस बार उसके सुर का नशा मुझसे छिप नहीं सका।

"मुझे खिलाओ।" मैंने भी उसी सुर में जवाब दिया।

ये सब क्या है। क्या मैं सब कुछ भुला कर वही करना चाहती हूं। जो वह करना चाह रहा था।

"बैठो।" उसने कहा।

"मिसेज जोंस कहां हैं?"

"मैंने उन्हें और टेलर को आज रात की छुट्टी दी है।"

ओह

"क्यों?"

उसने मुझे हैरानी से देखा, "क्योंकि मैं ऐसा कर सकता हूं।"

"तो तुम खाना पकाने जा रहे हो।"

"मिसेज ग्रे! भरोसा करना सीखिए।"

उसने मेरी आंखें बंद करवा दीं।

"क्या तुम मेरी आंखों पर पट्टी बांधने जा रहे हो।"

"जी हां"

ओह मेरा कलेजा उछल कर बाहर आने को हो गया।

"क्या अभी ये सब कर रहे हो?"

"बोलना बंद करो। पहले मैं तुम्हें कुछ खिलाना चाहता हूं।"

"क्या हम पहले बात कर लें।"

"मिसेज ग्रे! इतनी अधीरता क्यों। पहले खाना जरूरी है।"

अच्छा! चलो यही सही। मैंने अपने-आप को उसके हवाले छोड़ दिया और आवाजों से अंदाजा लगाने लगी कि वह कमरे में घूम रहा है। उसने टोस्टर ऑन किया।

चारों ओर मसालों की खुशबू फैल गई।

"एनेस्टेसिया! सलीके से पेश आओ। अपनी जगह से हिलना भी मत! "

"अपने होंठ भी मत काटो। मेरे चेहरे पर न चाहते हुए भी मुस्कान आ गई। इसके बाद मैंने आवाज सुनी कि वह गिलासों में वाइन भर रहा था। फिर उसने कोई

संगीत चालू कर दिया। जिसमें से गिटार की धुन, पूरे कमरे में तैरने लगी।

"पहले कुछ पी लो। अपना सिर पीछे करो।" उसने कहा

उसके होंठ मेरे होंठों से आ मिले। ओह। ठंडी वाइन मेरे गले से नीचे उतरती चली गई। ये उसने कौन सा अंदाज खोज निकाला है।

अचानक ही मुझे वह समय याद आ गया जब मैं उसके साथ वैंकूवर में थी और उसने तब भी यही अदा दिखाई।

खैर! वक्त भी कितनी तेजी से बदलता है।

"हम्म!" मैंने तारीफ की।

"तुम्हें अच्छी लगी।" उसने बहुत ही मादक सुर में कहा

"तो और पी सकती हो।"

इसके बाद उसके होंठों से मेरे लिए एक और घूंट आ गया।

"और?"

"हां मि. ग्रे! आपके साथ मुझे हमेशा और चाहिए होता है।"

"क्या आप फ्लर्ट कर रही हैं?"

"हां।"

अचानक उसने एक और सिप दिया तो उसकी शादी की अंगूठी गिलास से टकरा कर खनकी। इस बार उसने मुझे अपनी गोद में खींच लिया। एक और चुंबन और ठंडी वाइन मेरे गले से भीतर थी।

"भूख लगी है?"

"मि. ग्रे! मैं बता चुकी हूं।"

तभी माइक्रोवेव का स्वर सुनाई दिया और मुझे लहसुन, पुदीने, रोजमैरी और लैंब की गंध आई।

ओह!

"तुम ठीक तो हो"

"हां।" वह एक ही पल में मेरे साथ था।

"मेरी अंगुली जल गई। शायद तुम इसे बेहतर तरीके से चूस सकती हो।"

मैंने उसकी अुंगली को मुंह में लिया और हौले-हौले चूसने लगी। उसने अचानक सांस लेना बंद कर दिया। फिर उसने गहरी सांस ली और उसके इस सुर ने मेरे भीतर तक अपना जादू दिखा दिया। वह हमेशा की तरह बहुत ही स्वादिष्ट है और मैं समझ सकती हूं कि यह उसका खेल है। वह अपनी बीबी के साथ खेल रहा है मेरा यह पति बहुत ही उलझन से भरा है पर यह मुझे यूं ही पसंद है। आनंदी! खिलंदड़ा।

मैंने उसे अपने पास खींचना चाहा तो उसने मना कर दिया। अभी वह इस खेल को इसी तरह जारी रखना चाहता है। फिर मैंने उसके कहने पर मुंह खोला तो इस बार लजीज मांस से भरा चम्मच मुंह में आ गया। वाह! क्या स्वाद था। आवाज से पता चला कि वह भी खा रहा था। इसी तरह उसने मुझे भरपेट खिलाया और वाइन भी पिलाई।

"और खाना चाहोगी?"

"नहीं! पेट भर गया।"

"ओह! अब मेरी बारी है।" उसने यह कहते हुए मुझे इस तरह बांहों में भरा कि मैं खिलखिला उठी।

"क्या मैं पट्टी खोल सकती हूं।"

"अभी नहीं।"

"प्लेरूम?"

"चलें क्या! हमारा वह चैलेंज?"

पता नहीं क्यों, उसके इस प्रस्ताव को ठुकरा नहीं सकी और जाने के लिए हामी दे दी। उसने मुझे उसे कमरे में ले जा कर पट्टी खोल दी। फिर उसने मेरे जूड़े के पिन खोले

और खुले बालों को पीछे की ओर इस तरह खींचा कि मेरी गर्दन उसकी ओर झुक गई। "मेरे पास एक प्लान है।"

"हां, मैं अंदाजा लगा सकती हूं।"

"ओह मिसेज ग्रे! मेरे पास हमेशा प्लान होता है।" उसने बाल हटाते हुए, गर्दन पर चुंबनों की बौछार कर दी।

"पहले हमें तुम्हें कपड़ों से आजाद करना है।" उसका सुर मेरी देह में गूंज रहा है। उसने मेरे लिए जो भी प्लान किया है, मैं उसे पूरा करना चाहती हूं। मैं उसके साथ उसी तरह जुड़ाव चाहती हूं, जैसा उसे पसंद है। उसने मेरा मुंह अपनी ओर घुमा लिया। उसके टी-शर्ट के बटन खुले हैं और मैं खुद को उसकी छाती के बालों में अंगुली फिराने से रोक नहीं सकी। उसने गहरी सांस ली और हमारी आंखें मिलीं।

"तुम ऐसा ही कर सकते हो"

"हां एनेस्टेसिया! मैं ऐसा ही करना चाहता हूं।"

फिर वह मुझे इस तरह चूमने लगा मानो उसकी सारी जिंदगी इसी चुंबन पर टिकी हो। ओह!

वह चूमते हुए, मुझे पीछे की ओर ले जाने लगा और मुझे अपने पीछे लकड़ी की टेक महसूस हुई।

उसकी देह मेरे शरीर से लिपटी है।

"चलो पहले इन कपड़ों से छुटकारा पाएं।"

उसके हाथ बड़े ही लगाव से मेरी पोशाक उतार रहे हैं। अब मैं अपने सैंडिल और अंतर्वस्त्रों में हूं। उसने पलकें झपकाई और मैं जानती हूं कि वह आगे की कारवाई के लिए मुझसे इजाजत मांग रहा है।

वह मेरे साथ क्या करने वाला है

तभी उसने चमड़े की हथकड़ियों से मेरे हाथ बांध दिए और पट्टी ले आया। "लगता है कि तुमने बहुत कुछ देख लिया है।" उसने आंखों पर पट्टी बांध दी और

इस तरह मेरी अन्य इंद्रियां और भी तेजी से काम करने लगीं। उसकी महकती सांसों का स्वर, मेरी अपनी उत्तेजित प्रतिक्रिया, कनपटियों में बहता लहू। यह सब बहुत तेज़ी से महसूस किया जा सकता है क्योंकि आंखों पर पट्टी बंधी है। उसकी नाक मेरे नाक को छू रहा है।

"मैं तुम्हें दीवाना बनाने जा रहा हूं।" उसके हाथों ने मेरे अंतर्वस्त्र भी उतार दिए। मैं और दीवानी... वाऊ!

फिर वह आगे बढ़ा और मुझे हाथ लगाए बिना ही चूम लिया।

कुछ खिलौने और संगीत। मैंने सोचा।

"मिसेज ग्रे! तुम ऐसे बहुत सुंदर दिख रही हो। मैं तुम्हें इसी रूप में देखना चाहता हूं।" मेरे पेट की मांसपेशियां ऐंठने लगीं।

तभी उसने एक दराज खोला। बट दराज? मुझे कुछ नहीं पता। तभी कमरे में संगीत गूंज उठा। यह संगीत बड़ा ही विरक्त कर देने वाला और उदासी से भरा है। मैं बेचैन हो गई और उसने अपनी छुअन से मुझे आश्वासन दिया। भला इसमें परेशान होने वाली क्या बात है। मैंने खुद को समझाया।

उसने मेरे गालों से होते हुए गर्दन व छाती पर हाथ फिराया और उसके होंठ लगातार नीचे तक चुंबनों की बरसात करते चले गए। उसका एक हाथ वक्ष से खेल रहा है और दूसरे वक्ष को अपने मुंह में भर रखा है। कितना ही अनूठा एहसास है। मानो उसने मेरे पूरे शरीर पर कब्जा कर लिया हो।

ओह! वह रूकता क्यों नहीं? उसने धीरे-धीरे उनकी गहनता बढ़ा दी है। यह एहसास मेरी टांगों के बीच तक जा रहा है। मैंने सिकुड़ना चाहा पर मैं हिल नहीं सकती इसलिए यह सब और भी गहन लग रहा है।

क्रिस्टियन! मैंने विनती की।

"मैं जानता हूं।"

"तुम भी मुझे यही एहसास दिलाती हो।"

"क्या?" वह यह कहने के बाद अपनी उस मीठी यंत्रणा के साथ जारी रहा। "प्लीज!"

उसने अपने गले से एक आदिम सुर निकाला और मुझे तड़पता हुआ छोड़ कर उठ गया। आज उसने पहले से तय कर रखा था कि उसने क्या करना है। कुछ ही देर में उसकी अंगुलियां मेरे गुप्तांगों से खेलने लगीं। मैं भी उस खेल का हिस्सा बनना चाहती थी पर उसने ऐसा करने नहीं दिया।

"एनेस्टेसिया! मैं देख सकता हूं कि तुम तो तैयार हो।"

वह लगातार अपना दांव दोहराता रहा। वह मेरे शरीर के एक ही अंग को छू रहा है और मानो सारे दिन का तनाव उसी एक अंग पर आ टिका है।

ओह! ये सब कितना विचित्र है! ये विरक्त कर देने वाला संगीत! उसका यह बर्ताव! मैं अब चरम सुख तक आना चाहती हूं। ज्यों ही मैंने आगे हो कर उसे चूमना चाहा तो उसने रोक दिया।

एक अजीब सी आवाज सुनाई दी।

"यह क्या है?"

"यह एक छड़ है जो वाइब्रेशन यानी कंपन पैदा करती है।"

उसने उसे मेरी छाती के पास रखा और ऐसा लगा मानो कोई बड़ी सी गेंद देह को रगड़ रही हो। वह शरीर पर

रेंगने लगी और मेरी वासना भड़क उठी।

ओह! उसका एक हाथ अब भी वहीं है। ...मैं पहुंच रही हूं ....उस मुहाने पर पहुंचने ही वाली हूं...। मैंने अपना सिर झुका कर एक सिसकारी भरी कि उसका हाथ वहीं थम गया। सारी संवेदनाएं वहीं मर गईं।

"नहीं, क्रिस्टियन!" मैंने आग्रह किया। बेबी हिलो मत। उसने मेरी बात की परवाह नहीं की और आगे बढ़ कर चूम लिया।

वह फिर से अपनी वही यंत्रणा देने लगा। वह वाइब्रेटर और उसका हाथ! वह अब भी कपड़ों में है। उसकी जींस मेरी देह से रगड़ खा रही है। उसकी देह के उभार को महसूस कर सकती हूं। वह मेरे पास हो कर भी दूर है। उसने फिर से मुझे उस मोड़ पर ले जा कर अकेला छोड़ दिया और मैं तरसती रह गई।

उसने कंधा चूमा और वह प्रक्रिया फिर से दोहराने लगा।

"क्रिस्टियन!" मैंने जोर से पुकारा।

"देखा! मुझे भी ऐसा ही महसूस होता है, जब तुम वादा करती हो और उसे तोड़ देती हो...।"

इसके बाद भी उसने मुझे चरम सुख की सीमा के पास ले जा कर रोक दिया। वह जानबूझ कर मुझे उसके पार जाने नहीं दे रहा। ऐसा कई बार हो चुका है। हर बार नए सिरे से शुरूआत की जा रही है। जो मेरे लिए किसी सजा से कम नहीं है।

"प्लीज! मेरी नसें अपने लिए आजादी चाहती हैं।"

उसने वाइब्रेशन को बंद किया और चूम कर बोला, "मैंने आज से पहले तुम से ज्यादा झक्की औरत नहीं देखी।"

नहीं! नहीं!

"क्रिस्टियन! मैंने कभी वादा नहीं किया था कि तुम्हारी हर बात मानूंगी।"

उसने पट्टी खोली और मुझे अपने से सटा कर वासना को भड़काने लगा। अभी मैं उस रास्ते पर बढ़ी ही थी कि उसने फिर से दूरी साध ली। मेरा पूरा शरीर तरस रहा है। मैं उसे अभी और यहीं चाहती हूं पर वह ऐसा होने नहीं दे रहा। मैं बेबस हूं पर इतना तो तय है कि वह जान कर ऐसा कर रहा है। वह मुझे सजा देना चाहता है। मेरी आंखों में आंसू छलछला आए। पता नहीं, वह कितनी देर तक ऐसा करता रहेगा।

क्या मैं यह खेल खेल सकती हूं। नहीं! कभी नहीं!

वह इसी तरह करता रहेगा। उसके हाथ फिर से मेरी देह पर रेंगने लगे। और पिछले दिनों का भय और तनाव आंखों के रास्ते बहने लगा।

यह सब तो वही है। वही है। पीड़ादायी लाल कमरा!

"नहीं! नहीं। ओ गॉड नहीं!" वह चिहुंक उठा।

वह झट से आगे आया और मेरे बंधन खोल दिए। मैं अपना सिर हाथों में रख कर रोने लगी।

"नहीं, नहीं...एना। प्लीज रोना बंद करो।"

वह मुझे पलंग पर ले गया, गोद में खींच लिया और मैं जोर-जोर से सुबकियां भरने लगी... मेरा शरीर और दिमाग दोनों ही मेरा साथ नहीं दे रहे। मेरी भावनाएं बाहर आने के लिए उमड़ रही हैं। वह मेरे पास आया और साटिन की चादर शरीर पर लपेट दी। देह को उसका ठंडा सा स्पर्श बिल्कुल नहीं भाया। वह मुझे बांहों में भर कर, किसी बच्चे की तरह आगे-पीछे झुलाने लगा।

"सॉरी! सॉरी! माफ कर दो मुझे।" उसने मुझे चूमते हुए हौले से कहा

पिछले कुछ दिनों में तेजी से बीती घटनाओं ने मुझे हिला कर रख दिया था। फिर वह दूर चला गया और मुझे उसका अपने से दूर जाना बिल्कुल पसंद नहीं है। जब मैंने चादर के कोने से नाक पोंछा तो मुझे पता चला कि वह विरक्त सा कर देने वाला संगीत अब भी कमरे में गूंज रहा था।

"भगवान के लिए इसे बंद कर दो।" मैंने खीझ कर कहा।

"तुम्हें पसंद नहीं आया।" उसने झट से उसे बंद कर दिया।

"अब ठीक लग रहा है? सॉरी!"

"तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया?"

उसने उदासी से अपनी गर्दन हिलाते हुए आंखें मूंद लीं।

"मैं उन पलों में बहक गया था।"

मैंने त्यौरी चढ़ाई तो उसने आह भरी, "एना अक्सर हम चरमसुख तक... । मैं गलत कर रहा था"

मेरे आंसू अभी सूखे नहीं थे। दोबारा उमड़ आए और वह बहुत ही प्यार से मेरे गाल चूमने लगा। मैं इस आदमी का क्या करूं? एक पल में बेगाना हो जाता है और एक ही पल में ऐसे पेश आता है मानो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा मुझे ही चाहता है। मैं उसकी आंखों में देख रही हूं। क्या मुझे इससे पार करने के लिए यह सीखना होगा कि मैं हमेशा इसके वश में कैसे रहूं। मैं यह नहीं कर सकती।

"मैंने कभी तुम्हारा दिल नहीं तोड़ा...।"

"मेरी बात भी तो नहीं मानी। तुमने अपना मन बदल लिया। मुझे बताया नहीं कि तुम कहां हो, एना। मैं वहां न्यूयार्क में था। मैं कुछ नहीं कर सकता था। अगर सिएटल में होता तो तुम्हें घर ले आता।"

"तो तुम मुझे चरम सुख के छोर से बार-बार लौटा कर सजा दे रहे थे?"

उसने थूक निगला और आंखें बंद कर लीं। उसे जवाब देने की जरूरत नहीं थी क्योंकि मैं जानती थी कि यही उसकी असली मंशा थी।

"तुम्हें यह सब करना रोकना होगा।"

यह सुन कर उसके माथे पर बल आ गए।

"तुम्हें अपने बारे में बेहूदा सोचना रोकना होगा।"

"तुम्हें याद रखना होगा कि तुमने अपनी सेक्स गुलाम से शादी नहीं की।"

"मैं जानता हूं। मैं जानता हूं।"

"तो मेरे साथ वैसे पेश आना बंद करो। मुझे माफ कर दो कि मैंने तुम्हें फोन नहीं किया। आगे से ऐसा नहीं होगा। मैं जानती हूं कि तुम्हें मेरी चिंता हो रही थी।"

उसने हौले से मेरे होंठ चूम लिए।

"जब तुम रोती हो तो होंठ और भी मुलायम हो जाते हैं।" उसने हौले से कहा। "मैंने कभी तुमसे वादा नहीं किया था कि तुम्हारी हर बात मानूंगी।"

"मैं जानता हूं।"

"तुम्हें अपनी आदतें बदलनी होंगी। तुम मुझसे किसी गुलाम की तरह पेश नहीं आ सकते।"

मैंने उसकी छाती पर हाथ रख लिया और दोनों कुछ देर चुपचाप लेटे रहे। उसने मेरे बालों की चोटी खोल दी। माना उसे मेरी परवाह थी पर यह तो हद थी कि वह मुझे कुछ बताना भी नहीं चाहता था। मेरे अंदर फिर से उबाल आ गया।

"तुम मेरी सुरक्षा चाहते हो पर तुम्हें तो गन तक चलाना नहीं आता। अगर एलीना वाले मामले में, मैं कमजोर होती तो...। तुम्हारी मॉम भी जानती हैं कि एलीना वाली घटना में...।"

"क्या मॉम जानती हैं?"

"हां, मैंने उनसे बात की थी पर वे उतना ही जानती हैं, जितना उन्हें जानना चाहिए।" मैंने उसे तसल्ली दी।

"तो तुम मुझे जैक के बारे में कुछ बताओगे।"

उसने कुछ पल के लिए मुझे देखा और बताया कि चार्ली टैंगो वाली घटना में जैक का ही हाथ था।

मेरा दिमाग चकरा गया। यह काम उसने किया था।

"आज गैराज में एक कार्गो वैन मिली है। उस दिन हमें जो पड़ोसी लड़का मिला था। जैक उसका सामान डिलीवर करने के बहाने से ही कल हमारे घर में घुसा था।"

"और उस वैन में क्या था"

"मुझे बताओ, उसमें क्या मिला?"

"उसमें बेहोशी की दवा और मेरे नाम एक नोट लिखा मिला।"

उसके नाम नोट?

"क्या लिखा था उसमें?"

पता नहीं, वह बताना नहीं चाहता था या उसे पता नहीं था।

"हाइड कल रात तुम्हारा अपहरण करने आया था।"

ये क्या! इसने अभी-अभी क्या कहा?

"ओह! तभी उसकी जेब से गन और मुंह पर चिपकाने वाली टेप निकली थी।" मेरी तो रूह ही कांप गई। क्या जैक शुरू से ही ऐसा था? वह इतनी नीच हरकत भी कर सकता है।

"पर वह ऐसा क्यों चाहता था।"

"पता नहीं। पुलिस पता लगा रही है पर हमें लगता है कि डैट्रॉयट से कोई संबंध है।" "क्यों! ऐसा क्यों है।" मैं नहीं समझी।

"एना! मेरा जन्म भी वहीं हुआ था।" क्रिस्टियन के चेहरे पर बहुत ही बेचैन कर देने वाले भाव थे।

अध्याय 12

"मुझे तो लगा था कि तुम्हारा जन्म सिएटल में हुआ था।" मैंने हौले से कहा। इस बात का जैक से क्या लेना-देना है। उसने एक तकिया लिया और उस पर अपनी

कोहनी टिका कर मेरे हाव-भाव देखने लगा।

"नहीं, मुझे और इलियट, दोनों को ही डेट्रॉयट में गोद लिया गया था। उसके बाद हम यहां आ गए थे। ग्रेस पश्चिमी तट के पास कोलाहल से दूर रहना चाहती थीं और उन्हें नार्थ वेस्ट अस्पताल में नौकरी मिल गई। मुझे बहुत ज्यादा याद नहीं है। ईया को यहीं गोद लिया गया था।"

"तो जैक भी वहीं से है क्या?"

"हां"

"ओह! तुम्हें कैसे पता?"

"मैंने जांच की थी।"

"क्या उसके बारे में भी सब पता लगा रखा है।"

"हां"

"उस फाइल में क्या लिखा है?"

"क्या तुम सचमुच जानना चाहती हो।"

"क्या बहुत बुरा है।"

"नहीं, उससे भी बद्तर।"

क्या वह अपनी बात कर रहा है। मुझे बचपन का वह बेबस बालक याद आ गया। मैंने उसे अपने पास खींचा और छाती पर सिर रख लिया।

"क्या हुआ?"

"कुछ नहीं।"

"नहीं, नहीं। एना कुछ तो है?"

मैंने सोचा उसे बता ही दिया जाए।

"कभी-कभी मैं सोचती हू कि जब तुम ग्रे के पास नहीं आए थे तो कैसे दिखते थे।" "मैं अपनी बात नहीं कर रहा था। मैं किसी की दया नहीं चाहता। एनेस्टेसिया! मेरी

जिंदगी का वह हिस्सा बीत चुका है।"

"यह दया नहीं है। यह तो करूणा है।" किसी भी बच्चे को इस रूप में देख कर ऐसा भाव मन में आ सकता है।

"क्रिस्टियन! तुम्हारी जिंदगी का वह हिस्सा अभी बीता नहीं है। तुम ऐसा नहीं कह सकते। तुम हर रोज उसके साथ जीते हो। याद करो, तुमने ही तो बताया था।"

उसने अपने बालों में हाथ फेरा पर मुंह से कुछ नहीं कहा।

"फिर भी तुम मेरा दिल दुखाती हो।" वह बोला।

हे भगवान! क्या मैंने जान कर ऐसा किया? भीतर बैठी लड़की का भी यही कहना है। मैंने तय किया कि उसे अनसुना कर दूंगी। ये सब कितनी उलझन से भरा है। मैं उसकी पत्नी हूं। उसकी सेक्स गुलाम या कोई जायदाद नहीं हूं। मैं उसकी दुष्टा मां भी नहीं हूं। डॉक्टर के शब्द मेरे दिल को कचोटने लगे।

जो भी कर रही हो। वही करती रहो। क्रिस्टियन को इसी तरह संभाला जा सकता है। ...उसे तरक्की करता देख अच्छा लगा। मैं तो वही कर रही हूं। जो हमेशा से करती आई हूं। क्या उसे मेरी यही खूबी पसंद नहीं आई थी?

"शायद मैं तुम्हें तुम्हारे अतीत के साए से दूर ला कर अच्छा ही कर रही हूं। बस यही नहीं जान पाती कि किसी भी बात पर तुम्हारी प्रतिक्रिया क्या होगी?"

"भाड़ में जाए डॉक्टर!"

"क्या वह तुम्हें अब भी ऐसी बातें कहता है?"

"क्रिस्टियन! मैं जानती हूं कि तुम अपनी मां से प्यार करते थे और उसे बचा नहीं सके पर वह तुम्हारा काम नहीं था और मैं भी वह नहीं हूं।"

"चुप करो।"

"तुम्हें सुनना होगा।" उसने मानो अपनी सांस रोक ली।

"मैं वह नहीं हूं। मैं कहीं ज्यादा ताकतवर हूं। मेरे पास तुम हो और तुम पहले से कहीं ताकतवर हो और मैं जानती हूं कि तुम मुझसे प्यार करते हो। मैं भी तुमसे प्यार करती हूं।"

"क्या तुम अब भी मुझसे प्यार करती हो?" उसने मुझसे पूछा।

"बेशक! प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी।"

उसने मुझे अपने पास खींचा पर अपने चेहरे को बांह से ढ़क लिया।

"ऐसा मत करो। तुम सारी जिंदगी अपने-आप को छिपाते आए हो। अब ऐसा मत करो।" "पर तुम एक बात बताओ कि एना तुमने सेफ वर्ल्ड का प्रयोग नहीं किया?" उसे नहीं बता सकती। नहीं बता सकती कि मैं डर गई थी कि वह मेरी बात मानेगा

भी या नहीं। मैं नहीं चाहती थी कि वह बात आगे बढ़े और मुझे वह वक्त याद आ गया था जब उसने मुझे अपनी बेल्ट से मारा था।

"क्योंकि तुम बहुत गुस्से में और मुझसे बहुत दूर और खोए हुए दिख रहे थे।" "क्या तुम नहीं चाहते थे कि मैं

चरम सुख तक पहुंचू?" यह पूछते ही मेरे चेहरे पर लाली आ गई, पर पूछना जरूरी था।

"नहीं।"

"ओह... ऐसा कठोर बर्ताव!"

"पर मुझे खुशी है कि तुमने टोक दिया"

"क्यों?"

"क्योंकि मैं अपनी हद से आगे चला गया था। तुम्हें चोट तो नहीं पहुंचाना चाहता था पर अपने पर काबू नहीं रहा था।"

...और बातों ही बातों में हम एक-दूसरे से लिपट गए। उसने मेरी बांहों में आ कर चैन की सांस ली।

"एना! जिस तरह मुझे तुम्हारी जरूरत है। उसी तरह मुझे हर चीज को अपने वश में करना पसंद है। मैं ऐसे ही जी सकता हूं। कोशिश भी कर ली पर कोई और उपाय नहीं है।"

ओह! यह कैसी दुविधा है। मुझे चाहता भी है और बस में भी रखना चाहता है। यह दोनों ही बातें अपने-आप में अनूठी है।

"मुझे माफ करो। मैं आगे से इन बातों को ध्यान रखूंगी।"

"मैं चाहता हूं कि तुम भी मुझे चाहो"

"मैं चाहती हूं।"

"हां! मुझे तुमसे दूर जाना पसंद नहीं है।"

"एना! तुमसे बहुत प्यार करता हूं।"

"मैं भी तुमसे बहुत प्यार करती हूं।"

अचानक आंख खुली तो पाया कि हम प्लेरूम में ही सो गए थे। अचानक उसके हिलने से मेरी आंख खुली। ये क्या वह तो कांप रहा था। क्या वह कोई बुरा सपना देख रहा था।

"नहीं!" वह चिल्लाया।

"क्रिस्टियन उठो!" मैंने चादर हटा कर उसे जगाना चाहा। उसे कंधों से पकड़ कर हिला दिया और मेरे आंसू टपकने लगे।

"क्रिस्टियन उठ जाओ!"

वह झट से उठ बैठा और खाली-खाली आंखों से मुझे ताकने लगा।

"तुम बुरा सपना देख रहे थे। तुम अपने घर में हो। तुम सही-सलामत हो।"

उसने पागलों की तरह पलकें झपकाते हुए, यहां-वहां ताका।

"एना!" वह मुझे बांहों में भर कर चूमने लगा। वह मुझे दीवानों की तरह चूम रहा था। ओह! ऐसा लगा मानो उसे यकीन न आ रहा हो कि वह मेरे साथ है। और अचानक ही मेरी सोई हुई वासना भी जाग उठी।

"मैं यहीं हूं। तुम्हारे पास हूं।" मैंने अपने-आप को उससे सटाते हुए कहा।

"ओह एना! मुझे तुम्हारी जरूरत है।"

मुझे भी। मैं उसे चाहती हूं। उसे अपने लिए अभी चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि हम दोनों इस नशे में खो कर, बाकी सब कुछ भूल जाएं।

ओह! दो पल पहले तो हम सो रहे थे और अब...

"क्या मैं..."

"हां क्यों नहीं... ओह!" अचानक ही मुंह से आह निकली और हमारे मुंह आपस में जुड़ गए।

ये बस इतनी जल्दी हुआ कि सोचने का भी वक्त नहीं मिला। वह दीवानों की तरह अपनी भूख मिटा रहा था और मैं केवल साथ दे रही थी। शायद आज रात मेरी नहीं है। कुछ ही देर में वह तृप्त हो कर, मेरे ऊपर ही लेट गया और मैंने उसे सभलने का वक्त दिया। फिर वह एक ओर लेटा और मुझे खुल कर सांस आया।

ओह एना! उसने बड़े ही लगाव से मेरा माथा चूम लिया।

"तुम ठीक हो।" मैंने उससे पूछा पर उसका चेहरा स्याह पड़ गया है। शायद सपने का असर अभी गया नहीं है। वह मेरी आंखों में ऐसे झांकने लगा मानो जानना चाहता हो कि वह दरअसल कहां है।

"तुम कितनी सुंदर हो।"

अचानक ही उसने अपनी टेक बदल दी। कुछ ही देर में मैं उसकी मनपसंद मुद्रा में उसके साथ थी और उसके होंठ मेरे शरीर के सबसे संवेदनशील अंग के साथ खेल रहे थे। फिर वह धीरे-धीरे अपनी अंगुलियों से उस हिस्से की मालिश करने लगा। उसे शरीर में दबी वासना को उभारने और शांत करने की कला में महारत हासिल है। मैंने आगे हो कर उसके बाल चूम लिए और इस आनंद में मग्न हो गई।

अभी ये सब खत्म नहीं हुआ। उसने कहा और एक ही झटके में उसने खुद को मेरे भीतर उतार दिया।

ओह बेबी। वह मुझे अपनी गोद में बिठा कर, नितंबों के सहारे उछाल रहा है। और मैं उसके हाथों का खिलौना बन कर भी बहुत खुश हूं। मैं जानती हूं कि इस समय यही उसकी जरूरत थी। बहुत देर तक हम उसी झूले में हिचकोले खाते रहे। बहुत से प्यार से भरे शब्दों का आदान-प्रदान हुआ और जब ये तूफान थमा तो मैं उसके पास लेट गई। दरअसल मैं जानना चाहती हूं कि वह कौन सा बुरा सपना देख कर उठ गया था पर उसके बारे में पूछते ही उसने झटक दिया।

समझ नहीं आता कि इसके मूड के इतने उतार-चढ़ाव का मैं क्या कर सकती हूं। हमने तय किया कि अपने कमरे में जा कर सोएंगे। मैंने खुद को चादर में लपेट कर चलना चाहा तो उसने रोक कर मुझे बांहों में भर लिया।

"मैं नहीं चाहता कि तुम यहां गिर जाओ।"

रात को आंख खुली तो पाया कि वह बिस्तर में नहीं था। अभी तो रात के तीन बज कर बीस मिनट ही हुए थे। वह कहां गया। मैंने पिआनो का सुर सुना।

मैं गाउन पहन कर बाहर लपकी। वह बहुत ही उदास कर देने वाली विरक्त सी धुन बजा रहा है। मैंने उसके कंधे पर सिर रख दिया और वह पिआनो बजाता रहा। वह इतना उदास क्यों है? क्या मेरी कोई गलती है? वह इस तरह बर्ताव क्यों कर रहा है। उसने अपनी धुन पूरी करने के बाद मुझे देखा।

"तुम इतने परेशान क्यों हो?"

"मेरे घर में एक आदमी घुसा जो मेरे बीबी का अपहरण करना चाहता था। मेरी बीबी मेरी बात नहीं सुनती। वह अपने वादे तोड़ देती है। वह मुझ पर भरोसा नहीं रखती। मैं बुरी तरह से दहल गया हूं।"

"सॉरी! "

"मैंने सपने में तुम्हें मरा हुआ देखा।

"तुम फर्श पर लेटी थीं और लगता था कि तुम कभी नहीं उठोगी।"

ओह मेरा फिफ्टी!

"छोड़ो भी, वह तो एक बुरा सपना भर था।" मैंने उसका हाथ थामा और उसे अपने साथ कमरे में ले गई।

जब उठी तो वह मेरे साथ लिपट कर गहरी नींद में मग्न था। मैं हिली तक नहीं। मैं बहुत देर तक उस आनंद में मग्न रहना चाहती थी।

ओह कल कैसी शाम थी । क्या मेरी जिंदगी इसी तरह रहेगी। इसी तरह मुझे इसके मूड के उतार-चढ़ाव का सामना करना होगा। खैर, इतना तो तय है कि मैं उससे कहीं ज्यादा मजबूत हूं और सब कुछ संभाल सकती हूं। मैं इससे प्यार करती हूं इसलिए इसके लिए कुछ भी कर सकती हूं। मैं उसके लिए और वह मेरे लिए सब कुछ है। मैंने सोचा कि अगले सप्ताहांत को कुछ खास बना दूंगी और कोशिश करूंगी कि उसे परेशानी में न डालूं।

तभी वह उठ गया और कुछ मीठी बातों के बाद उसने बताया कि वह मुझे एस्पेन ले जाना चाहता था।

"एस्पेन?"

"एस्पेन कोलोराडो?"

"हां भई। वही जिसके लिए तुमने सारा पैसा दान कर दिया था।"

"वह तुम्हारा पैसा था।"

"हमारा पैसा था"

"नहीं, तब वह तुम्हारा ही था"

"ओह! तुम्हारा आंखों का मटकाना।"

"पर वहां जाने में तो घंटों लगेंगे।"

"जेट में नहीं लगते।"

"बेशक मेरे पति के पास जेट है। मैं कैसे भूल सकती हूं।

टेलर हमें जेट के पास ले गया। मेरा पति खास मूड में है। वह किसी छोटे बच्चे की तरह उमंग से भरा है जो कोई राज छुपाना चाहता है। आज वह सीईओ नहीं लग रहा।

"तुम्हारे लिए सरप्राइज रखा है।"

"ये क्या है?"

जैसे ही मैं जेट के अंदर गई तो मुझे वहां ईया, ईथन, केट और इलियट भी बैठे दिखाई दिए।

"ओह ये क्या!"

"तुमने ही तो कहा था कि तुम्हें अपने दोस्तों से मिलने का मौका नहीं मिलता।" "मैं आप सबका धन्यवाद करता हूं कि आप सब इतने कम समय में आने के लिए राजी हो गए।"

"ओह! हमें भी खुशी हुई।" सबने एक साथ कहा।

मैं तो जैसे यकीन नहीं कर पा रही।

अचानक उसने मुझे अपने कंधों पर उठा लिया।

"ओह मुझे नीचे उतारो।" मैं चिल्लाने लगी।

"माफ करना! अपनी बीवी से अकेले में कुछ बात करनी थी।"

हाय! ये क्या हो रहा है। मुझे तो शर्म आ रही है।

क्रिस्टियन मुझे उसी केबिन में ले गया। जहां शादी के बाद...।

"हां, यह तो वही जगह है।"

"मि. ग्रे! आपने तो अच्छा तमाशा बना दिया।"

"मिसेज ग्रे! मुझे तो बड़ा मजा आया।"

उसके चेहरे की मुस्कान चौड़ी हो गई। ओह! आज वह कितना जवान और बेलौस दिख रहा है। मुझे अपना क्रिस्टियन इसी तरह अच्छा लगता है।

"क्या तुम इस बारे में फिर से सोच रही हो। दोबारा करना चाहती हो।" मुझे वह समय याद आया तो चेहरे पर लाली छा गई। शादी वाली रात भी भला कैसे भूल सकती है। कल हमने कितनी बातें कीं। कितना दिल खोला पर डर इसी बात का लगता है कि यह सब अनजान है। मैं जान नहीं सकती कि वह कब तक इस मूड में रहेगा।

"अरे हमारे मेहमान इंतजार में है। चलो अंदर चलें।" वह बोला।

यह कब से लोगों की परवाह करने लगा? उसने झुक कर बड़े ही प्यार से मेरा नाक सहलाया और हम भीतर चले गए।

"क्रिस्टियन! मैं तो इस सरप्राइज को देख कर दंग हूं।" मैंने उसकी छाती पर हाथ फिराते हुए चूम लिया।

"तुमने ये सब तैयारी कब की?"

"कल रात। जब जाग रहा था तो मैंने इलियट व ईया को मेल किया और प्लान बना लिया। ...और देखो वे आ भी गए।"

"हां, धन्यवाद।"

"इस तरह हम एस्पेन में प्रेस से भी बचे रहेंगे जो लोग हमारे घर के बाहर चक्कर लगा रहे हैं। उन्हें हम वहां नहीं मिलेंगे।" वह बोला।

"हां, उसने सही कहा।" मैं भी आज सुबह उन प्रेसवालों को दरवाजे पर जमघट लगाए देख चुकी थी।

"चलो सीट पर आ जाओ। हम उड़ान भरने ही वाले हैं।"

मैं बड़े प्यार से सबसे मिली और उन्हें आने के लिए धन्यवाद दिया। क्रिस्टियन का यह उपहार मुझे कभी नहीं भूलेगा। तभी नतालिया अंदर आ गई। अरे यह तो वही है जो हमारी उस उड़ान के दौरान भी थी। वही लाल बालों वाली युवती। नतालिया का मेकअप बड़ा ही ज़बरदस्त होता है। यह अपनी चुस्त पोशाक में प्यारी दिखती है। उसने हमें उड़ान से जुड़ी औपचारिक जानकारी दी और सभी अपनी सीट बेल्ट बांध कर बैठ गए।

केट ने मौका पाते ही हाइड के बारे में जानकारी लेनी शुरू कर दी। जब वह पूछताछ करने के मूड में आती है तो किसी के रोके नहीं रुकती। मैं नहीं चाहती थी कि वह इन बातों से मेरे पति का मूड खराब करे पर उसे मनाना मुश्किल है। उसने पता लगा लिया कि हाइड ने मेरे साथ बद्तमीज़ी की थी इसलिए उसे काम से निकाला गया था।

उसने मुझे घूरा।

"एना! तूने बताया नहीं?"

मैंने उसे मेज के नीचे से ठोकर मार कर चुप रहने का संकेत भी किया पर वह उसके सिर के परे निकल गया। उसने फिर से मेरे पति को टहोका दिया।

"हाइड भी डेट्रायट का ही रहने वाला है न?"

ओह! अब हद हो गई। बस भी कर...।

मैंने अपने पति का हाथ कस कर थाम लिया। उसे पता है कि मुझे उड़ान भरते समय बहुत घबराहट होती है। तभी

इलियट भी अपनी जिज्ञासा के साथ आगे आ गया। वह भी हाइड के बारे में जानना चाहता है। अब मेरे पति को बताना ही होगा।

वह बोला, "यह बातें उसके रिकॉर्ड में नहीं हैं पर हम जानते हैं। उसके पिता एक बार झड़प के दौरान मारे गए। उसकी मां बहुत पियक्कड़ थी और वह बार-बार बाल सुधार गृहों से निकाला जाता रहा। फिर वह थोड़ा संभला और प्रिंसटन के लिए छात्रवृत्ति ले ली।"

"अच्छा जी।"

"हां पढ़ने में अच्छा था। "

"पर पकड़ा तो गया न?"

"मुझे तो लगता है कि कोई और भी उसके साथ है। वह अकेला यह काम नहीं कर सकता।"

"वह कितने साल का है।" मैंने उसके पास होते हुए पूछा

"क्यों पूछ रही हो?"

"बस यूं ही।"

"वह 32 साल का है।"

"हाइड की बातें मत करो। मुझे खुशी है कि वह पकड़ा गया।" मैं चुप लगा गई। "क्या तुम्हें लगता है कि वह किसी के साथ यह काम कर रहा है?"

"मैं नहीं जानता।" क्रिस्टियन ने बात का विषय बदलना चाहा।

"कहीं ऐसा तो नहीं कि वह किसी एलीना जैसी के साथ मिल कर तुम्हारे खिलाफ़ साज़िश रच रहा हो?" मैंने यह बात हौले से कही।

केट व इलियट अपनी बातों में मग्न थे। बेशक उन्होंने इस बारे में नहीं सुना होगा। "भले ही वह दोस्त नहीं रही। पर वह मेरे साथ ऐसा कभी नहीं कर सकती। अब उसकी बातें बंद करो। मुझे पता है कि तुम उसके बारे में ज्यादा बात करना पसंद नहीं करतीं।" "क्या तुम उससे मिले?"

"मेरे जन्मदिन के बाद से, हमारी मुलाकात नहीं हुई। मैं उस बारे में बात भी नहीं करना चाहता।" उसने मेरा हाथ चूम लिया।

इलियट ने चुटकी ली, "कोई कमरा ले लो...।"

फिर मेरे पति ने जवाब दिया और वे चुहलबाज़ी करने लगे। मुझे शर्म आने लगी तो केट बीच में कूदी।

"अब बस भी करो इलियट...।"

"तुम्हें इससे क्या?"

केट व उसके बीच कोई अनबन चल रही है। हम सभी उसे केबिन में महसूस कर सकते थे।

इलियट ने ठीक ही तो कहा था कि मैं अपने पति की पहली गर्लफ्रेंड थी और उसने मुझसे ही शादी कर ली। यही इल्ज़ाम मुझ पर भी लगाया गया था पर क्या करें, यही सच है। केट सब जानती है और मैं यह जानती हूं कि उसके पास मेरे राज़ सुरक्षित रहेंगे।

"अच्छा! अब आप लोग अपनी बेल्ट खोल कर केबिन में घूम सकते हैं। हम करीब दो घंटे में पहुंच जाएंगे।"

नतालिया उठ कर बोली

"क्या आप लोगों में से कोई कॉफी लेना चाहेगा?"

अध्याय 13

हमने दिन में बारह बज कर पच्चीस मिनट पर लैंड किया। ज्यों ही मैंने खिड़की से झांका तो मुझे एक मिनी वैन इंतजार करती दिखाई दी।

"गुड लैंडिंग।" क्रिस्टियन ने स्टीफन से हाथ मिलाया और हम उतरने को तैयार हो गए। "जी सर! आज के मौसम ने साथ दिया।"

"मि. व मिसेज ग्रे! अपने वीकएंड का मजा लीजिए।"

हम नीचे उतरे तो टेलर वैन के पास खड़ा दिखा।

"मिनी वैन!" क्रिस्टियन को वैन देख कर खुशी हुई और टेलर ने प्यारी सी मुस्कान दी। "मैं जानता था कि तुम तैयारी कर ही लोगे।" टेलर सबका सामान निकाल कर लगाने लगा।

"मैं तुम्हारे साथ वैन के पिछले हिस्से में भी कुछ करना चाहूंगा।" उसने मेरे कान में कहा।

मैं खिलखिलाने लगी। कौन कहेगा कि दो दिन से यह आदमी गुस्से से पागल था। उसने वैन में बैठ कर मेरा माथा चूम लिया। समझ नहीं आ रहा कि आज मुझे उसके साथ शर्म क्यों आ रही है। कल रात वाली बात के कारण या फिर हम लोगों के बीच हैं। पांच मिनट बाद ही हमारी वैन तेजी से भागी जा रही थी।

मैं खिड़की से बाहर एस्पेन के नजारे देखने लगी। हमारे आसपास चोटियों का सुंदर नजारा था। बर्फ से ढकी चोटियों को देख कर लग रहा था मानो किसी बच्चे ने कागज पर उन्हें बना दिया हो।

"एना! पहले कभी एस्पेन आई हो।" ईथन ने पूछा।

"नहीं, पहली बार आ रही हूं।"

"तुम लोग आए हो?"

"हां, मैं और केट बचपन में आते थे। पापा को स्की पसंद है।"

"उम्मीद करती हूं कि मेरे पति मुझे सिखा देंगे।"

"कह नहीं सकते"

"मैं इतनी बुरी खिलाड़ी भी नहीं हूं।"

"नहीं, तुम गिर कर अपनी गर्दन तुड़ा सकती हो"

मैं बहस करके उसका मूड खराब नहीं करना चाहती। "अच्छा! तुम्हारे पास यह जगह कब से है?"

"करीब दो साल से है। अब ये आपकी भी है मिसेज ग्रे! "

मैं जानती हूं पर अभी इन बातों को कबूल करने की हिम्मत नहीं होती। इसके बाद हम सभी बातें करने लगे। केट कुछ चुप दिख रही है। क्या वह जैक के बारे में सोच रही है। पर उसे जैक के बारे में क्यों सोचना चाहिए। अरे!

मुझे याद आया। ये घर जिआ ने डिजाईन किया है और ईथन ने तैयार करवाया है। कहीं ये उन दोनों को ले कर परेशान तो नहीं है। पर हो सकता है कि उसे इस बारे में पता ही न हो।

हम लोग एस्पेन पहुंचे तो शहर देख कर दिल खुश हो गया।

"तुमने एस्पेन में ही जगह क्यों ली क्रिस्टियन?"

"जब हम छोटे थे तो मॉम और डैड हमें यहीं लाते थे और हम स्की करते थे। मुझे यह जगह पसंद है और उम्मीद करता हूं कि तुम्हें भी पसंद आएगी। वरना हम इसे बेच कर, कहीं और ले लेंगे।"

वाह! कितना आसान काम है!

उसने मेरे बालों की लट कान के पीछे कर दी। "तुम आज बहुत प्यारी लग रही हो।" मेरे गाल दहक। मैं तो आज साधारण से कपड़ों में हूं। आज मुझे इतनी शर्म क्यों आ रही है।

टेलर हमें पहाड़ी रास्ते से ले चला। मेरे पति के चेहरे पर तनाव था।

"क्या हुआ?"

"उम्मीद करता हूं कि तुम्हें पसंद आएगा।"

टेलर ने सलेटी व लाल पत्थरों से बने घर के आगे गाड़ी रोक दी। वाह क्या घर है। बिल्कुल मेरे पति के अंदाज में ही बना है।

"घर आ गया।" उसने गाड़ी से उतरते हुए कहा।

"अच्छा दिख रहा है।"

"आओ!" ऐसा लगा मानो वह मुझे अपनी कोई बड़ी परियोजना दिखाने ले जा रहा हो। ईया भाग कर एक अधेड़ सी महिला के पास गई और गले लग गई।

"ये कौन हैं?"

"ये मिसेज बेंटले हैं। परिवार के साथ यहीं रहती हैं। वे यहां की देखरेख करते हैं।" अच्छा... और स्टाफ।

ईया ने हम सबका परिचय करवाया। इलियट भी उस महिला के गले लगा।

"वैलकम बैक! मि. ग्रे!"

"कैरमेला! ये है मेरी पत्नी एनेस्टेसिया!" क्रिस्टियन ने इतने गर्व से मेरे नाम का उच्चारण किया मानो मैं कोई बेशकीमती चीज हूं।

"मिसेज ग्रे!" उस महिला ने आदर के साथ अभिवादन किया। देख कर ही पता लग रहा था कि वह मि. ग्रे के साथ थोड़ा औपचारिक थी।

"उम्मीद करती हूं आपका सफर अच्छा रहा होगा। खाना तैयार है, जब कहेंगे, लग जाएगा।" वह मुस्कुराई और, मुझे पसंद आ गई।

अचानक ही पतिदेव ने मुझे बांहों में उठा लिया।

ये क्या!

"तुम्हें घर की दहलीज़ से अंदर ले जाना है।"

मैं हंसने लगी और वह मुझे गोद में उठा कर अंदर ले गया। अंदर जा कर तो एस्काला की याद आ गई। अंदर हल्के सफेद रंग के तीन काउच और फायरप्लेस दिखाई दिए। वह मुझे कमरे दिखाने लगा और मैं यही सोचने लगी कि उसके पास कितना पैसा है। मैं तो एस्काला का घर देख कर ही चौंक गई थी और यह तो उससे भी सुंदर है।

इस घर में भी तकरीबन वैसा ही सामान है जैसा उसके दूसरे घरों में है।

मास्टर सुईट देखने लायक है। वहां से एजेक्स पर्वत का नजारा दिखता है। उसे एस्पेन पर्वत भी कह सकते हैं। वहां चार और बेडरूम हैं और सबके साथ बाथरूम बनाए गए हैं।

"तुम इतनी चुप क्यों हो?" उसने पीछे से आ कर कहा

"ये सब बहुत सुंदर है।"

"पर तुम चुप क्यों हो?"

"तुम बहुत पैसे वाले हो।"

"हां, हम पैसे वाले हैं। अमीर हैं।"

"कभी-कभी तो हैरानी होती है कि तुम्हारे पैसा कितना पैसा है।"

"एना! इतना मत सोचो। ये बस एक घर है।"

"जिआ यहां क्या करती है।"

"ओह। उसने इस जगह को नया रूप दिया है।"

"उसने निचला नक्शा तैयार किया और इलियट ने उसे बनवाया है।"

"क्या तुम्हें पता है कि उसका इलियट के साथ कुछ था?"

"ओह! इलियट ने तो सिएटल में किसी को नहीं छोड़ा।"

" खासतौर पर औरतें।" क्रिस्टियन ने मजाक किया।

नहीं।

"मैंने इन बातों से क्या लेना है?"

"मुझे नहीं लगता कि केट जानती है।"

"हो सकता है कि उसने खबर न फैलाई हो। वैसे केट का तो अपना ही नेटवर्क है।" ओह! इतना प्यारा सा मासूम

दिखने वाला इलियट और ये तारीफ!!!

"चलो! छोड़ो भी। हम उनकी बातें करने नहीं आए। यह तुम्हारा घर है। तुम यहां जो जी में आए कर सकती हो। वैसे इलियट के बारे में मत सोचना। मैंने यूं ही कह दिया। वह इतना बुरा भी नहीं है।"

"एक बात बताओ। तुम्हारे पास तो बहुत कुछ है। पर तुम यहां पहले किसी को नहीं लाए? "

"मैं इसे तुम्हारे साथ बांटना चाहता था"

"ओह! कितनी प्यारी बात है।"

"मिसेज ग्रे! आप इसी लायक हैं।"

"हालांकि मुझे लगता है कि मैंने तुम्हें धोखा दिया है क्योंकि मुझे तुम्हारे लिए बहुत इंतजार नहीं करना पड़ा। तुम मेरे लिए स्टेट लॉटरी, कैंसर के इलाज और अलादीन के जादुई चिराग से कम नहीं हो।"

"अरे वाह! सुन कर मजा ही आ गया।"

"तुम्हें ये एहसास कब होगा कि तुम एक सुयोग्य कुंआरे थे और तुम्हारे चाहने पर लाखों लड़कियां तुमसे शादी करने के लिए तैयार थीं।"

ज्यों ही मैंने उसकी छाती पर हाथ रखा तो मेरा सेक्सी आत्मविश्वासी पति जाने कहां चला गया और उसकी जगह एक खोए हुए उदास छोकरे ने ले ली।

"मेरा विश्वास करो क्रिस्टियन!!! " मैंने अपने होंठों को उसके होंठों से लगा दिया। "तुम्हारे भेजे में यह बात कब आएगी कि मैं तुम्हें प्यार करती हूं।"

"एक दिन! "

"चलो, कुछ तो उम्मीद बंधी।" मैंने हंस कर कहा।

"चलो! कुछ खा लें। वे सोच रहे होंगे कि हम कहां गए।"

"अरे नहीं!!! " केट ने अचानक कहा

सारी निगाहें उसकी ओर चली गईं

"देखो।" उसने बाहर की ओर इशारा किया। बारिश होने लगी थी। हम सब मजे से लंच ले रहे थे और मैं हल्के सुरूर में थी।

"हमारी हाइक तो गई।" इलियट ने कहा। केट ने उसे घूरा। ये तो तय है कि उनके बीच कोई अनबन चल रही है।

"हम शहर चल सकते हैं।" ईया ने कहा

"मछली पकड़ने के लिए अच्छा मौसम है।" क्रिस्टियन ने कहा

"मैं भी चलूंगा।" ईथन ने कहा

"चलो दल बना लें। लड़कियां शॉपिंग और लड़के जो मन आए करें।" मैंने केट को देखो जो ईया को लगाव से देख रही थी। बेशक यह उसकी भी पसंद है। पर मछली पकड़ना या खरीददारी!!! क्या चुनाव है?

"एना! तुम क्या करना चाहती हो।" मेरे पति ने पूछा

"मुझे कोई एतराज नहीं है।"

केट ने मेरी ओर से कह दिया, "शॉपिंग!! "

क्रिस्टियन हैरान था क्योंकि वह जानता है कि मुझे ये पसंद नहीं है।

उसने कहा, "ठीक है, टेलर तुम्हारे साथ रहेगा।"

"हमें बेबीसिटर नहीं चाहिए।" केट ने कहा

मैंने केट की बांह पर हाथ रख दिया। "नहीं केट, टेलर को हमारे साथ चलना चाहिए।" उसने भवें सिकोड़ीं और अपनी जुबान बंद कर ली। मैंने चैन की सांस ली।

हाय! कहीं मेरे पति को केट पर गुस्सा न आ गया हो।

इलियट बोला। "मुझे अपनी घड़ी में बैटरी डलवाने के लिए शहर जाना है।" उसने केट को देखा पर केट उसे अनदेखा कर रही है।

"इलियट! ऑडी ले जाओ। हम तुम्हारे आने पर फिशिंग के लिए चलेंगे।"

"हां! ठीक है।"

उसकी बातों से किसी रहस्य की बू आ रही है।

ईया मुझे एक डिजाईनर बुटिक में ले गई। जहां हल्का गुलाबी और पुराना फर्नीचर रखा था। उसने एक सिल्वर रंग का चीथड़ा मुझे लपेट कर कहा, "एना! यह तुम पर खिलेगा।"

"अरे ..ये तो बहुत छोटा है।"

"नहीं, उसे पसंद नहीं आएगा

"क्रिस्टियन को बहुत भाएगा। तुम्हारी टांगें कितनी सुंदर हैं। अगर हम आज रात क्लब गए तो तुम्हें अपने पति के लिए हॉट दिखना चाहिए।" ईया बोली।

ओह! मुझे क्लब जाना अच्छा नहीं लगता। मैंने मन में सोचा

केट को हंसी आ गई। वह इलियट से दूर आ कर खुश दिख रही है।

"चलो पहन कर दिखाओ।" ईया ने कहा

जब मैं केट और ईया के बाहर आने का इंतजार कर रही थी तो खिड़की के पास ही टहलने लगी। तभी अचानक बाहर नजर गई। ऑडी में से इलियट निकला और गहनों की दुकान में चला गया। जब वह कुछ देर बाद बाहर

आया तो जिआ उसके साथ थी।

वह औरत उसके साथ यहां क्या कर रही है।

मेरे हाथ में पोशाक थी और हम मैचिंग जूते और हार लेने के लिए दूसरी दुकान में जाने की तैयारी कर रहे थे।

वह उसकी बातें सुन कर हंस रही थी। देख कर लगता था कि उनकी यारी बड़ी पुरानी है। उसने उस औरत का गाल चूमा और भाग कर कार में चला गया। मुझे यह देख कर खुशी हुई कि यह नजारा केट और ईया ने नहीं देखा था।

टेलर भी बाहर था। क्या टेलर ने यह सब देखा होगा?

तभी केट और ईया हंसते हुए आए। मेरे हाथ में साढ़े आठ सौ डॉलर का चिथड़ा था। पता नहीं, इन्हें इतने महंगे कपड़े पहनने का शौक क्यों है। केट ने मेरे चेहरे का उड़ा हुआ रंग देख लिया पर मैं उसे चाह कर भी नहीं बता सकती थी कि मैंने वहां क्या देखा।

इसके बाद की सारी खरीदारी में, मेरे दिमाग में वही दृश्य घूमता रहा। मैं क्या कर सकती थी। क्या मुझे केट को सब बताना चाहिए? यह तो पक्का है कि उनमें अनबन चल रही है पर क्या चल रहा है। यह पता लगाना मुश्किल हो रहा है। मैं उसके चेहरे को पहचानती हूं। वह किसी बात से दुखी है। इलियट ग्रे उसके साथ क्या खेल खेल रहा है?

जब हम घर लौटे तो कुछ खा-पी कर काउचों पर जा बैठे और अलाव के सामने आराम करने लगे।

केट ने बातों ही बातों में मुझे बताया कि वह इलियट को कितना चाहती है। पहले उनकी दोस्ती सेक्स के साथ हुई थी पर अब वे एक-दूसरे को चाहने लगे थे। ऐसा लगा कि केट रो देगी। वह सच में इलियट को बहुत प्यार करने लगी है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए।

केट ने बताया कि इलियट उससे उखड़ा हुआ था। वह कोई और ही खिचड़ी पका रहा है। जिसमें वह केट को शामिल नहीं करना चाहता। मैंने उसे सलाह दी कि मौका पाते ही उसे इलियट से बात करनी चाहिए। हालांकि मैं जानती हूं कि उनके बीच की दूरी का कारण क्या है। पर अगर वे मिल कर इसे हल करें तो ज्यादा बेहतर होगा।

भले ही गर्मियों का मौसम था पर बारिश के कारण सर्दी हो गई थी और अलाव की आग अच्छी लग रही थी। फायर प्लेस में लकड़ी खत्म हो गई। बारिश भी थम गई थी। मैं गैराज में लकड़ी लेने गई तो पाया कि वहां दो स्नो-मोबाइक भी थे। एक ऑडी और बाइक भी दिखी।

इलियट ने आ कर पूछा "तुम्हें बाइक चलानी आती है।"

"तुम आ गए? "

"हां, क्या बाइक चलाना चाहती हो?"

"नहीं, मेरे पति को यह पसंद नहीं आएगा।"

"वह तो यहां नहीं है। तुम चाहो तो एक चक्कर लगा सकती हो।"

"नहीं। मैं नहीं चाहती कि वह बाद में गुस्सा करे।" मैंने कहा।

इलियट ने बताया कि वह उनके साथ गया ही नहीं था क्योंकि उसे शहर में कुछ काम था। वह जाता भी कैसे?? उसे शहर में जिआ से जो मिलना था।

तभी केट भी आ गई। हमने गेट पर कार का स्वर सुना। मेरा पति लौट आया था। वह हमें गैराज के पास खड़ा देख वहीं रुक गया। गैराज बैंड!

मुझे उसे देख कर अच्छा लगा। उसने अपनी जैकेट के नीचे वही कवरऑल पहना है। जो मैंने उसे शादी से पहले भेजा था।

"ये तो बड़ा अच्छा है।"

"हां, बहुत सी जेबें हैं। फिशिंग के लिए अच्छा है।"

"तुम लोग यहां क्या कर रहे हो"

"एना लकड़ी लेने आई थी। मैं मदद करने आ गया। मैंने इसे कहा कि अगर यह बाइक चलाना चाहे तो मैं मदद कर सकता हूं पर इसने मना कर दिया।" इलियट बोला।

क्रिस्टियन का चेहरा उतर गया। मैं जानती हूं कि उसे यह कभी पसंद न आता। "हां, इसने अच्छा किया। बेकार कहीं गिर कर हाथ-पैर टूट जाते।" वह बोला। वैसे उसे इस बात की हैरानी भी हुई कि मुझे मोटर साइकिल चलानी आती थी। "तुमने मछली पकड़ी।"

"मैंने नहीं... कावनाग ने पकड़ी है।" मेरे पति ने प्यारा सा मुंह बिचकाया और मुझे उस पर प्यार आ गया।

"मिसेज ग्रे! आपको मुझे देख कर हंसी आ रही है।"

"जी हां मि. ग्रे! चलिए मैं आपको नहला देती हूं।"

मैंने टब में पानी भरा और उसमें सुगंधित तेल मिला दिया। जब कमरे में आई तो क्रिस्टियन ने पूछा।

"तुम्हारा वक्त कैसा बीता?"

अच्छा ही था। उसे टी शर्ट और स्वेट पैंट में देखते हुए, जैसे सब कुछ भूल ही गयी। "क्या हुआ?" उसने अपनी गर्दन एक ओर झुकाते हुए कहा।

"मुझे तुम्हारी बहुत याद आई।"

"तुमने क्या लिया"

"एक पोशाक, जूते और हार। तुम्हारी काफी जेब खाली हुई है।"

"बढ़िया! पर तुम्हारी नहीं 'हमारी'!" वह बोला।

ओह। मुझे यह आदत डालनी ही होगी।

उसने एक झटके में मेरी टी-शर्ट उतार दी।

उसने मुझे घेर लिया तो मैंने याद दिलाया कि बाथरूम में पानी बह रहा था। उसने एक झटके में खुद को भी सारे कपड़ों से आजाद किया और नल बंद करने चल

दिया।

और मैं वहीं बिस्तर पर लेटे-लेटे अपनी पति की सुंदरता का नजारा करती रही।

हम दोनों पानी से भरे टब में हैं और वह मेरे पैरों की मालिश कर रहा है। धीरे-धीरे मेरे पांव की अंगुलियां चूमते हुए, उन्हें अपने दांतों से काट रहा है।

आह! मैं इस एहसास को महसूस कर सकती हूं।

मैंने उसे बताया कि मैंने शहर में जिआ को देखा था।

"शायद उसका घर भी है यहां?" उसने कोई ज्यादा रूचि नहीं ली।

"वह इलियट के साथ थी।"

उसने मालिश करना रोक दिया। अब उसे बात समझ आई जब मैंने आंखें खोलीं तो लगा कि उसे मेरी बात समझ नहीं आई।

"तुम कहना क्या चाहती हो?"

मैंने जो भी देखा था, उसे बता दिया।

"एना! वे तो दोस्त हैं। वैसे भी इलियट तो केट पर फ़िदा है। दरअसल, मर मिटा है।" "मेरी सहेली है ही इतनी प्यारी।" मैं बोली।

"मैं तो आज तक यही सोचता हूं कि अगर उस दिन तुम्हारी जगह यह होती तो... ?" उसने बुरा सा मुंह बनाया। अब वह दूसरे पैर की मालिश कर रहा है। मुझे बहुत आराम आ रहा है। मैं केट के बारे में बहस नहीं करना चाहती। उसके हाथ मेरे पैरों पर जादू रचते जा रहे हैं।

मैंने खुद को शीशे में निहारा तो हैरान रह गई। केट ने मुझे कितना सुंदर सजा दिया था पर मेरी पोशाक से पूरी पीठ नंगी दिख रही है और सारी टांगें भी... पता नहीं मेरे पति को यह पसंद आएगा या नहीं। उसे अच्छा नहीं लगता कि मैं लोगों के सामने छोटे कपड़ों में जाऊं इसलिए मैंने तय किया कि एक बार उसकी राय ले लेनी चाहिए ताकि कहीं बाद में उसके गुस्से का सामना न करना पड़े। मैंने फोन उठा लिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: क्या इससे मेरे नितंब बड़े दिखेंगे
डेट: 27 अगस्त 2011 18:53
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे
मुझे आपकी राय चाहिए
हमेशा आपकी

मिसेज ग्रे

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: ये बात
डेट: 27 अगस्त 2011 18:55
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे

कह नहीं सकता पर मैं अभी आपके नितंबों के निरीक्षण के लिए आ रहा हूं। आपका पति

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ व नितंबों का निरीक्षणकर्ता
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैं अभी मेल पढ़ ही रही थी कि बेडरूम का दरवाजा खुला और वह भीतर आ गया। मुझे देखते ही उसका मुंह खुला का खुला रह गया। बेशक! उसे मेरी पोशाक पसंद आई थी। "ओह एना! तुम तो..." उसे शब्द ही नहीं सूझे।

उसके हाथ मेरी नंगी पीठ पर घूमते हुए मुझे सुलगाने लगे। मुझे भी बहुत अच्छा लगा पर यह जानना बाकी था कि मैं उसे पहन कर बाहर जा सकती थी या नहीं।

"यह तो बहुत ही अंग प्रदर्शन कर रही है।" वह हौले से बोला।

उसकी नंगी ऊंगुलियां मेरी जंघाओं से होते हुए ऊपर की ओर जाने लगीं तो मैं सिकुड़ गई। अभी नहीं... यह सही समय नहीं है।

"यह जगह यहां से बहुत दूर नहीं है।" वह दुष्टता से बोला।

"मैं नहीं चाहता कि कोई इसे देखे। इसलिए तुम झुकना मत।"

उसकी अंगुलियां अपना काम कर रही थीं और मेरे लिए अपने पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। इसे तो मुझे अपने वश में करने में केवल कुछ ही मिनट का समय लगता है।

"तो अच्छी लड़की झुकना मत...।"

"तो तुम पहनने की इजाजत दे रहे हो?"

"नहीं, पर तुम्हें इंकार भी नहीं करना चाहता।"

उसने फिर से अपनी दुष्टता दोहराई और मुझे हाथ थाम कर बाहर ले गया।

हम लोग शहर के एक नामी रेस्त्रां में मीठे व्यंजन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आज शाम बहुत अच्छी रही और ईवी चाहती है कि हम क्लब अवश्य जाएं। अभी वह चुपचाप बैठी अपने भाई और ईथन की बातें सुन रही है। मुझे

खुशी है कि मेरे पति की उससे पटने लगी है। ईया भी ईथन की दीवानी लग रही है। वे लोग बहुत से विषयों पर बातें कर रहे हैं और देख कर ही पता चलता है कि मेरे पति की जानकारी कितनी विस्तृत है।

खूबसूरत केट थोड़ी चुप व शांत है। इलियट थोड़ा घबराया हुआ लग रहा है। क्या इनकी लड़ाई हुई है। वह औरत शहर में क्यों थी। क्या वे उस औरत की वजह से आपस में लड़े हैं। कहीं वह मेरी सहेली को धोखा तो नहीं दे रहा। मेरा दिमाग शराब के असर से चकरा रहा है।

अचानक ही ही इलियट ने जोर से कुर्सी खींची। सबका ध्यान उसकी ओर चला गया। वह केट के सामने एक घुटने पर बैठ गया।

ओह गॉड...

उसने उसका हाथ थामा और सभी अपनी बातें व खाना रोक कर यहीं देखने लगे। वे लोग लगातार हमें ही ताक रहे थे।

"मेरी प्यारी केट! मुझे तुमसे बहुत प्यार है। तुम्हारी शालीनता, सुंदरता और उमंग का कोई जोड़ नहीं है। तुमने मेरा मन मोह लिया है। क्या तुम अपनी बाकी जिंदगी मेरे साथ बिताना चाहेगी। मुझसे शादी करना चाहोगी?"

होली शिट!

अध्याय 14

सारे रेस्त्रां का ध्यान केट व इलियट पर आ गया। हमारे चारों ओर एक अजीब सी चुप्पी छाई है।

ओह! इलियट ने ये क्या किया? वह उसे अकेले में भी तो पूछ सकता था।

केट चुपचाप देखती रही। फिर उसके गाल से आंसू बहने लगा। वह रो रही है। फिर उसने मुस्कुराते हुए सिर हिलाकर सहमति दे दी।

"हां।" वह हौले से बोली। अरे ये तो केट की अदा नहीं थी। सारे रेस्त्रां ने चैन की सांस ली और फिर शोर होने लगा। सभी तालियां और सीटियां बजा रहे हैं। अचानक ही मेरी आंखों से भी आंसू बह निकले।

वे दोनों आसपास के शोर से बेखबर अपने में ही खोए हैं। इलियट ने अपनी जेब से एक छोटा सा पैकेट निकाल कर केट को दिया। उसमें एक प्यारी सी अंगूठी थी। तो वह जिआ के साथ अंगूठी खरीद रहा था। शिट्! अच्छा हुआ कि मैंने इस बारे में केट को नहीं बताया।

केट ने उसके गले में बांह डाली और उसे चूम लिया। इलियट झुका और नीचे बैठ गया। उसने वह अंगूठी केट की अंगुली में पहनाई और उसे फिर से चूम लिया। मैं उन दोनों पर से नजरें नहीं हटा पा रही हूं।

क्रिस्टियन ने मेरा हाथ दबाया। मुझे पता नहीं था कि मैंने उसका हाथ इतना कस कर थामा हुआ था।

"क्या तुम इस बारे में जानते थे?"

वह मुस्कुराया और मैं जान गई कि उसे सब पता था। उसने वेटर को बुला कर दो बोतल क्रिस्टल का ऑर्डर दिया।

मेरे पति की वाइन के मामले में बेजोड़ रुचि है।

"तुम्हें तो सारे स्वाद पता हैं।" मैंने हौले से कहा

हां, उनमें से तुम्हारा स्वाद सबसे बेहतर लगता है।" उसने जवाब दिया।

ओह इतने लोगों के बीच ऐसी बात!

ईया ने केट को गले से लगाया और इसके बाद हम सब इलियट और केट से मिले। केट के चेहरे पर आंसू और मुस्कान दोनों हैं। उसका सारा तनाव कहीं गायब हो गया है।

क्रिस्टियन ने भी बड़े दिल से अपने भाई को बधाई दी।

केट के साथ उसकी दूरी बनी रही। वह बोला, "उम्मीद करता हूं कि इस शादी से तुम्हें भी वही खुशी मिलेगी जो मुझे मिल रही है।" उसने इतने धीरे से कहा कि हम तीनों के सिवा कोई नहीं सुन सका।

"धन्यवाद क्रिस्टियन! मैं भी यही उम्मीद करती हूं।"

तभी वेटर शैंपेन ले आया।

क्रिस्टियन ने अपना गिलास उठा कर कहा-

"मेरे प्यारे भाई इलियट और केट के नाम- बधाई हो"

हम सबने अपने घूंट भरे और उन्हें बधाई दी।

"मैंने पहली बार तुम्हारे क्लब में यह शैंपेन पी थी।"

"अरे हां! याद आ गया।" उसने आंख दबाई।

ईया ने इलियट से पूछा कि क्या उसने शादी की तारीख तय कर ली है और उनके बीच इसी बात को ले कर नोंक-झोंक होने लगी।

अचानक ही इलियट की ओर नजर गई तो मैं हैरान रह गई। वह केट को ऐसी निगाहों से देख रहा था कि मेरी सांस ही थम गई।

हम लोग ईया के मुताबिक एस्पेन के सबसे निराले नाइट क्लब जैक्स में हैं। रात के साढे ग्यारह बजे हैं और मैं थोड़े नशे में हूं। आज के लिए बहुत हो गई। पति ने बांहों से घेर रखा है। मैं उसकी आभारी हूं।

"मि. ग्रे! वैलकम बैक।"

"ओह तो जनाब पहले भी यहां आते रहे हैं।"

साटिन के हॉट पैंट में सजी युवती हमें हमारे मेज तक ले गई। बेशक वह मेरे पति पर फिदा दिख रही है। पर इसे संभालना मेरे बस के बाहर है। लोगों की आंखें तो बंद नहीं कर सकती।

हमें वहां की सबसे बेस्ट सीटों पर बिठाया गया। देख कर ही लग रहा था कि वीआईपी स्वागत हो रहा है। केट व इलियट हाथों में हाथ डाले मग्न बैठे हैं। वे बहुत खुश दिख रहे हैं और ईया के पांव नाचने के लिए मचल रहे हैं। मैंने केट की अंगूठी देखी। बेशक उसकी रैट्रो विक्टोरियन लुक देखने लायक थी।

"यह तो बहुत सुंदर है।" तभी इलियट ने उसे चूम लिया

मैंने चुटकी ली, "जरा सब्र कर लो।"

आज मेरा क्रिस्टियन इतना मग्न है कि किसी की नहीं सुन रहा। उसने खाने का सारा बिल खुद ही दिया और अब भी ऐसा ही करना चाह रहा है। सबके लिए दोबारा बीयर और शैंपेन मंगाई गई।

"एना तुम क्या लोगी?"

"शैंपेन प्लीज।"

आज मुझे भी पीने की छूट दी गई है वरना अब तक तो उससे डांट पड़ चुकी होती। "तो औरतों को काबू करने वाला रसिया!" मैंने ऑर्डर लेने वाली औरत को अपने पति

की ओर आंखें मटकाते देख कर कहा

"तो मिसेज ग्रे को जलन हो रही है।"

"जी नहीं! मुझे जलन क्यों होने लगी।" उस एक पल से ऐसा लगा कि मैं अब उन औरतों को थोड़ा सहन करने

लायक हो गई थी जो मेरे पति पर डोरे डालती थीं।

मैं हल्के नशे में थी और पति से यह बात छिपी न रही। उसने मुझे फटकार कर दो गिलास ठंडा पानी पिलाया।

वह बोला, "गुड गर्ल! तुम एक बार मुझ पर उल्टी कर चुकी हो और मैं नहीं चाहता कि उस अनुभव को फिर से दोहराया जाए।"

"चलो लड़कियों! अब जरा अपना भार घटाने और सुंदर से पोज देने का वक्त हो गया है। चलो डांस करते हैं।" ईया से अब और नहीं रहा जा रहा।

केट झट से खड़ी हो गई।

मैंने झुक कर क्रिस्टियन से कहा, "तुम मुझे डांस करते देख सकते हो।"

"ज्यादा झुकना मत।" वह गुर्राया।

"अच्छा। ओह।" अचानक ही सिर चकरा गया।

"तुम थोड़ा पानी और पी लो।"

"मैं ठीक हूं। ये कुर्सियां नीची हैं और मेरी हील ज्यादा है इसलिए...।" हम नाचने के लिए पहुंच गए।

केट ने मुझे गले से लगा लिया।

मैं बहुत खुश हूं। ईया झूमने लगी। मैंने मेज पर नजर मारी तो वे हमें ही देख रहे थे। मैं भी हिलने लगी। मैंने आंखें बंद की और खुद को उस लय के हवाले कर दिया। आंखें

खोलीं तो देखा कि वहां बहुत भीड़ हो गई थी। केट, ईया और मैं बहुत पास-पास नाच रहे थे। मुझे अच्छा लग रहा था।

मेरी आंखों के आगे जिंदगी के 20 साल घूम गए। मैंने कभी पहले डांस क्यों नहीं किया। दरअसल मैं नाचना नहीं जानती थी। क्रिस्टियन ने मुझे डांस करना सिखाया है।

अचानक ही मेरे नितंबों पर दो हाथ आ टिके। अरे, मेरा पति भी आ गया। उन हाथों ने मेरे पिछले हिस्से को दबोचा और छोड़ दिया।

मैंने आंखें खोलीं तो पाया कि ईया मेरी ओर हैरानी से देख रही थी। शिट... क्या मैं अच्छा नहीं नाच रही। मैंने अपने पति के हाथ थामे। ये तो बालों से भरे हैं। शिट! ये ते उसके हाथ नहीं हैं।

हाथ देखते ही मैं पलटी तो पाया कि एक अजनबी मुझ पर झुका हुआ था। "आओ न! थोड़ी मस्ती हो जाए।"

"अपने हाथ दूर करो।" मैं गुस्से से चिल्लाई।

"अरे आओ न! हैव सम फन!" उसने दांत चमकाए।

इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती। उसके गाल पर एक झन्नाटेदार चांटा रसीद कर दिया।

ओह शिट्! हाथ दुख गया।

"हट जा यहां से।" मैंने उसे अपने हाथ की अंगूठी दिखाई।

"गधे! मेरी शादी हो चुकी है।"

उसने कंधे झटके और माफी मांगने के अंदाज में मुस्कान दी।

आसपास देखा तो ईया हमें घूर रही थी। केट अपने में मग्न थी। मेज पर क्रिस्टियन नहीं दिखा। ओह अच्छा ही हुआ वरना!

"अपने गंदे हाथ मेरी बीबी से दूर रख।" उसने कहा।

वह चिल्ला नहीं रहा पर मैं उसकी आवाज सुन सकती हूं।

"वह खुद को संभाल सकती है।" उस आदमी ने अपना गाल सहलाया पर इतने में उसे मेरे पति ने एक और घूंसा जड़ दिया। बेचारा आदमी चारों खाने चित्त गिरा।

"क्रिस्टियन नहीं! ओह!" ये तो उसे जान से ही मार देगा।

बाकी डांसर एक सुरक्षित दूरी बना कर खड़े हो गए। अच्छा-खासा तमाशा बन गया थ। केट हमें हैरानी से देख रही है और बाकी साथी क्रिस्टियन को लड़ने से रोक रहे हैं।

"कोई बात नहीं। मैंने तो कुछ कहा ही नहीं था। जाने भी दो।" उस आदमी ने हाथ खड़े किए तो क्रिस्टियन उसके साथ ही स्टेज से उतर गया।

गाना तेजी से बजने लगा। मैंने अपने पति को अपने पास खींच लिया। उसकी आंखों से अब भी आग बरस रही है।

"तुम ठीक हो न?"

"हां।" मैंने अपने हाथ उसकी छाती पर रख दिए। हाथ दुख रहा है। कभी किसी को चांटा नहीं मारा। मुझे हो क्या गया था? क्या मुझे हाथ लगाना, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध हो गया था?

हालांकि मैं जानती हूं कि मैंने उसे क्यों मारा क्योंकि मैं मन ही मन जानती थी कि अगर मेरे पति ने उस अजनबी को ऐसा करते देखा तो वह उसे जान से मार देगा।

"क्या बैठना चाहती हो?"

"नहीं, मेरे साथ डांस करो।"

"डांस करो न दोस्त! "

मैं उसके साथ नाचने लगी।

"तुमने उसे मारा।" वह अब भी बंद मुटि्ठयों के साथ खड़ा है।

"बेशक मैंने मारा। पहले मुझे लगा कि तुम थे पर जब उसे देखा तो गुस्सा आ गया और एक चांटा लगा दिया।"

उसकी आंखों के भाव बदल गए

"डांस करना है। आओ.."

उसके हाथ मेरे बदन पर रेंगने लगे और मैं उसकी छुअन का आनंद लेने लगी। ओह...वह कितना अच्छा डांस करता है। मैं जैकेट के बाहर से ही उसकी गठी हुई

मांसपेशियों को महसूस कर सकती हूं। हम दोनों सारी दुनिया भुला कर एक-दूसरे में खोए हैं।

जब उसने मुझे एक चक्कर दिया तो मैं जान गई कि अब उसका मूड संभल गया है। हम एक साथ मिल कर मजा करते रहे। उसके साथ आ कर मैं कितनी सेक्सी और

प्यारी हो जाती हूं।

अगले गाने तक मैं बेदम हो चुकी थी।

हम अपनी सीट पर आ गए। उसने मुझे एक गिलास ठंडा पानी पिलाया।

ओह! अभी वहां कितना हंगामा हो गया था। मुझे तो इस बात की हैरानी है कि हमें बाहर नहीं निकाला गया। आसपास देखा तो वह आदमी दिखाई नहीं दिया। वह चला गया है या उसे बाहर निकाल दिया गया है।

क्रिस्टियन ने पानी का गिलास आगे किया, "इसे पी लो।"

मैंने चुपचाप उसे उठा लिया। मैं जानती हूं कि आज वाइन बहुत ज्यादा हो गई है और इसकी बात टालना मेरी सेहत के लिए ठीक नहीं होगा।

"अगर प्रेस यहां होती तो?"

"मेरे पास वकीलों की कमी नहीं है।"

"क्रिस्टियन! क्या तुम कानून से भी ऊपर हो? मैंने तो बात संभाल ही ली थी।" "कोई मेरी बीबी को हाथ लगाने की जुर्रत कैसे कर सकता है।" अचानक ही मैं भावुक

हो गई।

उसने मेरे हाथ थाम लिए, "चलो।"

"तुमने यूं ही बात बिगाड़ दी। कुछ भी तो नहीं हुआ था।"

"उसने तुम्हें हाथ लगाने की हिम्मत कैसे की? तुम मेरी हो। मेरे सिवा तुम्हें कोई नहीं छू सकता।"

मैं शैंपेन का घूंट भरने लगी पर मेरा सिर चकरा रहा था।

"मुझे वापिस ले चलो।"

"हां, मैं भी यही सोच रहा था।"

हमने उन लोगों को इशारे से बताया कि हम घर जा रहे थे। केट व इलियट भी आ गए और केट ने मुझसे सारी घटना की जानकारी ली। क्रिस्टियन को तो ज्यादा हैरानी इस बात की थी उस आदमी ने मेरे हाथ से भी चांटा खाया था। मैंने उसे यकीन दिलाना चाहा कि मैं अपना बचाव खुद कर सकती हूं। वापसी पर कार में आंख लग गई।

क्रिस्टियन ने हिला कर जगाया। केट व इलियट ओझल हो चुके थे और टेलर वहीं खड़ा था। वह हमें उतार कर गाड़ी वापिस ले गया ताकि बाद में ईया और मि. कावना को ला सके।

मैं बुरी तरह से पस्त थी पर कारण समझ नहीं आ रहा था कि इतनी थकान क्यों हो रही है। क्रिस्टियन ने बताया कि मैंने रोज के मुकाबले काफी वाइन ली थी और मैं समुद्र तल

से काफी ऊंचाई पर थी। मुझे ऐसी जलवायु की आदत नहीं है और शायद यही मेरी थकान की वजह भी थी।

उसने मुझे कुर्सी पर बिठा दिया। आंखें तक नहीं खुल रहीं। वह बोतलों में से कोई बोतल खोज रहा है। अब मेकअप रूम से इसने क्या लेना है।

तभी वह रूई का गोला ले कर आ गया। उसने आंखें बंद करने को कहा तो मुझे पता चला कि वह मेरा मेकअप उतारना चाहता था। उसने सारा मेकअप उतार दिया।

"ओह! यह वह औरत है। जिससे मैंने शादी की थी।"

"तुम्हें मेकअप पसंद नहीं है।"

"पसंद है पर उसके नीचे जो छिपा रहता है। वह कहीं ज्यादा पसंद है।"

"ये लो।" उसने मेरे हाथ पर एडविल की गोली और पानी का गिलास रख दिया। "जल्दी से ले लो।"

मैंने वही किया जो कहा गया था।

"बढ़िया! वाशरूम जाना चाहोगी?"

"जी मि. ग्रे आप बाहर जाएं।"

"कोई बात नहीं। मैं यहीं रुकता हूं।"

"जी नहीं! कम से कम मुझे अपने जीवन की इतनी गोपनीयता बनाए रखने दो।" मैंने उसे वहां से बाहर धकेल दिया।

जब मैं बाथरूम से आई तो वह पजामे में था। ओह उसका ऊपरी हिस्सा नंगा था। "तो नजारा लिया जा रहा है।"

"जी हां! इसके जादू से कौन बच सकता है।" मैंने चुटकी ली।

हमारी चुहल के बीच ही मैं कपड़े बदलने लगी तो उसने यह काम अपने हाथ में ले लिया और मुझे मेरी पोशाक से आजाद कर दिया।

"बाजू ऊपर करो।" उसने हाथ ऊपर करवाए और टी-शर्ट पहना दी।

"वैसे तो दिल चाह रहा है कि... पर मिसेज ग्रे! आप थकान से पस्त हैं और बुरी तरह से नशे में हैं इसलिए आपको अपनी नींद पूरी करनी चाहिए।"

"आंखें बंद करो। मैं दोबारा यहां आऊं तो तुम सोई अवस्था में मिलना।" ये उसका हुक्म था। मुझे मानना ही पड़ा।

मुझे सारी बातें याद आने लगीं। आज प्लेन में उसका बर्ताव, मुझे घर पसंद आएगा या नहीं, इस बारे में उसकी चिंता। हमारा प्यार। मेरी पोशाक। उस आदमी की पिटाई और अब उसका यह रवैया! ...और फिर कैसे उसने मुझे प्यार से सुलाया।

किसने सोचा था। मेरा क्रिस्टियन धीरे-धीरे इतनी तरक्की कर जाएगा।

अध्याय 15

मेरा शरीर गरमाहट में है। वह मेरी छाती पर सिर रख कर सो रहा है। टांगें टांगों से गुथी हैं और उसने मेरी कमर को अपने हाथों से घेरा हुआ है। मैं हिलना नहीं चाहती क्योंकि मेरे हिलते ही उसकी नींद भी टूट जाएगी। कल मैंने कितनी वाइन पी और उसने रोका भी नहीं।

तभी उसकी आंख खुल गई।

"गुड मार्निंग मिसेज ग्रे! "

"गुडमार्निंग मि. ग्रे! कल रात आपने मेरा बहुत अच्छा ध्यान रखा।"

"मैं ऐसे ही ध्यान रखता रहूंगा।" उसने हाथ दबाया तो मैं चिहुंकी।

"घूंसे का दर्द है।"

"नहीं, मैंने तो उसे थप्पड़ मारा था।"

"हरामी कहीं का!"

"मुझे तो लगा था कि कल रात कहानी खत्म हो गई।"

"यकीन नहीं आता कि उसने तुम्हें हाथ लगाया।"

"लाओ, हाथ दिखाओ।"

उसने मेरा हाथ चूमा और जादुई तरीके से सारा दर्द गायब हो गया।

"तुमने कल क्यों नहीं बताया कि इसमें दर्द था।"

"कल तो पता नहीं चला था।"

"मिसेज ग्रे! आपमें दम है।"

"हां, सो तो है।"

"मिसेज ग्रे! एक दिन आपसे दो-दो हाथ होंगे। आपको बिस्तर में हराना है। यह मेरी फैंटेसी है।"

"क्या?"

"मुझे तो लगता था कि आप हमेशा से यही करते हैं।"

"अच्छा जी! तो हो जाए फिर।"

"अभी?"

वह मेरे ऊपर है और मैं उसकी जरूरत को महसूस कर रही हूं। यह सब क्या है? हमारी झड़प? फंटेसी? क्या वह

मुझे चोट पहुचाएगा? मेरे भीतर बैठी लड़की ने सिर हिलाया- कभी नहीं।

"क्या तुम पलंग पर नाराज होने की बात इसलिए कर रहे थे।"

"अपना होंठ मत काटो।"

उसने बिना कुछ कहे, मुझे जकड़ा और चूमने लगा। मैंने भी अपने बाल उसके चेहरे पर बिखेर दिए।

"तो आज आप जोर-जबरदस्ती चाहते है।

उसने मुंह खोल कर गहरी सांस ली।

"हां। वह बोला और मैंने उसे छोड़ दिया।

"ठहरो।" मैंने मेज के पास रखा पानी पी लिया। वह ठंडा था। शायद उसने ही मेरे लिए रखा होगा। मैंने उसे चूमते हुए, ठंडा पानी उसके मुंह में डाल दिया।

"मिसेज ग्रे! बहुत टेस्टी था।"

इसके बाद उसने मेरे हाथ पीछे की ओर खींच दिए।

"अच्छा! मैंने ऐसा दिखावा करना है कि मैं तैयार नहीं हू।"

"हां"

"पर मैं कोई हीरोईन नहीं हू।"

"कोशिश करो।"

"अच्छा! मैं खेल के लिए तैयार हू।"

उसने मेरे ऊपर चढ़ कर हाथ दबाए तो मैं छूटने के लिए हाथापाई करने लगी। मैंने उसे छाती से धकेला और उसने अपने घुटने से मेरी टांगें दबा लीं।

मैं उसे धकेलती रही पर वह एक इंच भी नहीं हिला। फिर मैंने अपने दूसरे हाथ से उसके बाल पकड़ लिए।

"ओह!" वह चीखा। उसकी आंखों में आदिम हिंसा की झलक दिखी।

उसकी सांसें भी महक रही हैं। मैं उससे छूटने की कोशिश में और भी लिपटती जा रही थी। ओह! क्या नशा है।

उसने मेरे दोनों हाथ लपक लिए और अपने हाथ को मेरे पूरे बदन पर रेंगने की इजाजत दे दी।

मैं चिल्लाई पर उसने अपने हाथों के जादू से मुझे बेबस कर दिया है।

जब उसने चूमना चाहा तो मैंने मुंह घुमा लिया उसने अपने हाथ से मेरा मुंह पकड़ा और चूम लिया।

ओह बेबी! मुझसे लड़ाई करो।

मैंने अपने-आप को उसकी पकड़ से छुड़ाने के लिए बहुत हाथ-पैर मारे। वह मेरे निचले होंठ को धीरे-धीरे काट रहा है। मुझे लगा कि मैं यह खेल नहीं खेल सकती। मैं तो उसके लिए मरी जा रही हूं। हमेशा की तरह उसे पाने को बेताब हूं। पूरे शरीर में वासना की लहर दौड़ रही है।

मैं अपनी दोनों टांगों की मदद से उसका पजामा नीचे खिसकाने लगी।

"एना! " उसने गहरी सांस ली और अब हमारे बदन का एक-एक हिस्सा स्पर्श के लिए तरस रहा है।

उसने एक ही झटके में मेरी टी-शर्ट उतार दी।

मैंने भी वैसा ही किया और अब मैं उसे पूरी तरह से महसूस करने के लिए तैयार हूं। शायद अब मुझे भी उसकी फैंटेसी और प्यार जताने के तरीके भाने लगे हैं। उसके हाथ मेरे शरीर के एक-एक अंग को बहुत ही लगाव से सहला रहे हैं और पूरे बदन में उत्तेजना की लहरें दौड़ रही हैं। उसके शरीर का उभार मेरे लिए किसी उत्तेजक वस्तु से कम नहीं है। मैंने उसे हाथों में थाम कर दबाया तो उसके मुंह से एक आह सी निकल गई।

मैंने उसे कस कर अपनी टांगों से लपेट लिया और चूमने लगी। उसके हाथ मेरे वक्षों से खेल रहे हैं और उसकी मीठी यंत्रणा के बीच मेरी पूरी देह हिलोरें ले रही है। वह कितना सुंदर है। वह कितना प्यारा है। वह मेरा पति है। वह मुझसे प्यार करता है। वह मुझे चाहता है।

मैं अब उसके साथ एक हो जाना चाहती हूं।

मैंने अपने बदन को उसके साथ और सटाना चाहा तो उसने चुटकी ली।

"ओह मिसेज ग्रे! इतनी अधीरता।"

"हां, मेरे भीतर समा जाओ। मुझसे रहा नहीं जा रहा।"

उसके हाथ धीरे-धीरे बदन से खेलते रहे। मैं उसे अपने भीतर संजो लेना चाहती हूं पर वह इस खेल को बहुत धीरे-धीरे, लंबे समय तक खेलना चाह रहा है।

ओह हद हो गई।

उसने मेरे पूरे शरीर पर कब्जा करते हुए, मुझे बेदम कर रखा है। मैंने उसे हिलाना चाहा पर वह टस से मस नहीं हुआ।

"ओह तो तुम जोर-जबरदस्ती का खेल चाहती हो।"

अरे! कुछ देर पहले उसने तो ही यह शुरू किया था। फिर वह लजीले प्रेमियों की तरह पेश आने लगा। पहले हाथापाई हुई और फिर वह भद्र पुरुषों की तरह खेलने लगा। यह आदमी भी निराला ही है। पल भर में कितने रंग बदलता है। इसे जानना बहुत मुश्किल है।

मैंने एक बार फिर उसे जताया कि मैं क्या चाहती हूं। उसने मुझे झट से गोद में खींच लिया और बोला-

"अच्छा मिसेज ग्रे! हम इसे आपके तरीके से करते हैं।"

आह! यही तो मैं चाहती थी। इसके लिए ही तो जाने कब से तरस रही थी। मैंने अपनी ऊंगलियां उसकी गर्दन में धंसा दीं। मैं हिलने लगी। मैंने उसकी देह को अपने नियंत्रण में लिया और अपनी गति से खेलने लगी। वह कराहा

और अपने होंठ मेरे होंठों से जोड़ दिए। हम जाने कौन सी दुनिया में जा कर खो गए।

मैं क्रिस्टियन की छाती पर ऊंगुलियां फिरा रही हूं और हम दोनों ही बेदम हुए पड़े हैं। उसके हाथ लगातार मेरी पीठ सहला रहे हैं।

"तुम बहुत चुप हो।" मैंने उसका कंधा चूम लिया। वह मुड़ कर बोला।

"बहुत आंनद आया।"

"एना! तुमने मुझे उलझन में डाल दिया।"

"कैसी उलझन?"

"आज से पहले तो मैंने तुम्हें कभी फैंटेसी का मजा लेते नहीं देखा। क्या तुम्हें यह अच्छा लगता है।"

ओह! मेरा पति और उसका रंगीन सेक्सी जीवन! मैं भीतर ही भीतर इस सवाल से जूझ रही हूं कि क्या मैं उसकी उस दुनिया में जाना चाहती हूं?

"क्या पिछली लड़कियां तुम्हें छू सकती थीं?"

"नहीं एनेस्टेसिया! तुम मुझे छू सकती हो।"

"वह तुम्हें छू सकती थी?" ओह! मुझे उसका नाम लेने की क्या पड़ी थी?

"वह अलग बात थी।"

"मैं अचानक ही पूछना चाहती हूं कि तुम्हें यह सब अच्छा लगा या बुरा?"

वह मुझे हैरानी से देखता रहा और फिर बोला-

"शायद बुरा?"

ओह! ये मैंने क्या किया।

"मुझे लगा था कि तुम्हें यह पसंद आएगा।"

"हां कभी वह वक्त भी था।"

"अब नहीं?"

ओह क्रिस्टियन... मैं भावुक हो गई। मेरा प्यारा सा बेबी! मैं उसे बांहों में भर कर पूरे शरीर पर चूमने लगी। उसने भी मुझे पास खींचा और चूमने लगा। धीरे-धीरे हम एक बार फिर-एक-दूसरे में समा गए।

"यह आ गई एना टाइसन! जिन्होंने कल एक धांसू घूंसा जमाया।" जैसे ही मैं कमरे में गई तो नाश्ते की मेज पर बैठे ईथन ने तालियां बजाई। केट और बाकी सब भी वहीं हैं और नाश्ता कर रहे हैं। मेरा पति कहीं दिखाई नहीं

दिया।

"गुडमार्निंग! मेरा पति कहां है?"

"बाहर है।" केट ने खिड़की की ओर इशारा किया।

वहां बहुत प्यारा सा दिन खिला

...और वह किसी से बातें करने में मग्न था।

"वह मि. बेंटले हैं।" ईया ने मेरी जानकारी बढ़ाई।

मैं खिड़की के पास जा कर उसे पास से देखने लगी। अचानक ही उसकी नजर मेरी तरफ गई और उसने प्यारी सी मुस्कान उछाल दी।

इसी तरह वहां का वक्त मजे से बीता

"ओह नींद की महारानी! " उठो घर आ गया।

मुझे क्रिस्टियन ने जगाया। मैंने उसके कंधे पर सिर रखा और आंखें बंद कर लीं। एक लंबी हाइक के बाद पहाड़ी पर हुई पिकनिक ने मुझे बहुत थका दिया था। हमारी

बाकी पार्टी भी थकी हुई दिखी। इलियट अपने दस्तावेज पढ़ रहा है। ईया किसी किताब में मग्न है और कुछ लोग खर्राटे ले रहे हैं।

मुझे अभी इलियट से अकेले में जिआ वाली बात करनी है पर मौका नहीं मिल पा रहा। --------------

हमारी उड़ान उतरने लगी तो क्रिस्टियन ने पूछा

"मिसेज ग्रे! आपका वीकएंड कैसा रहा?"

"बहुत अच्छा थैंक्स! "

"तुम जब चाहो। हम वहां जा सकते हैं। अगली बार रे को भी ले चलेंगे। उन्हें मछली पकड़ना पसंद है।"

"हां, यह सही रहेगा।"

"ये तुम्हारे लिए कैसा रहा?" मैंने पूछा।

"अच्छा था।" उसने मेरे सवाल पर अपनी हैरानी दिखाते हुए कहा।

"बहुत अच्छा था।"

"तुम कितने रिलैक्स दिख रहे हो।"

"मुझे पता था कि तुम सुरक्षित हो।"

"क्रिस्टियन मैं हमेशा सुरक्षित ही होती हूं। पहले भी कितनी बार बता चुकी हूं कि मेरे लिए इतनी चिंता मत किया करो। मैं चाहती हूं कि तुम्हारे साथ अपना बुढ़ापा भी बिताऊं तो मुझे कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता।" मैंने उसका हाथ थाम लिया। वह मुझे ऐसे देख रहा है मानो मेरी कही बात का मतलब निकालना चाह रहा हो। उसने मेरा हाथ चूमा और बात का विषय बदल दिया।

"हाथ कैसा है?"

"पहले से बेहतर है, थैंक्स!"

"मिसेज ग्रे! जिआ से मिलने को तैयार हैं?"

ओह! मैं तो भूल ही गई थी कि आज शाम को हमारी उसके साथ मीटिंग थी। मैंने चुटकी ली, "हां मुझे तुम्हें भी तो सुरक्षित रखना है।"

"मिसेज ग्रे! आपको मुझे संभाल कर ही रखना चाहिए। वह भी हंस दिया।

क्रिस्टियन ब्रश कर रहा था, मैं बिस्तर में आ गई। कल हम अपनी हकीकत की दुनिया में लौटने वाले हैं। जैक हाइड और खटखटाते कैमरे! हो सकता है कि मेरे पति को पता हो कि उसने क्या बताया पर क्या वह मुझे इस बारे में कभी बताएगा? उससे जानकारी निकलवाना कोई आसान काम नहीं है। क्या मैं ऐसा करते हुए, हमारे बीच की मिठास को खत्म तो नहीं कर दूंगी।

उसे इस माहौल में अपने परिवार के साथ हंसी-खुशी देखना बहुत अच्छा लग रहा है। हो सकता है कि इस घर की यादें उसके दिल के लिए मलहम का काम कर रही हो।

मुझे अचानक याद आया कि जब मैं जिआ से कहा था कि मैंने उसे एस्पेन में देखा था तो वह कैसे भौंचक्की रह गई थी। वैसे वह तो एक संयोग मात्र था। वह इलियट के साथ केट के लिए रिंग ले रही थी पर मुझे अब भी उस पर यकीन नहीं होता। मैं इलियट के मुंह से सब सुनना चाहती हूं। कम से कम मुझे अपने पति को तो उस आदमखोर औरत से बचाना ही होगा।

मैंने आकाश की ओर ताका। क्या नजारा है। पूरा सिएटल हमारे सामने बिछा हुआ है। कितनी संभावनाओं से भरपूर पर फिर भी कितना दूर...। शायद मेरे पति की भी यही समस्या है। वह बहुत लंबे समय तक हकीकत की जिंदगी से दूर रहा है। आज वह अपने परिवार के साथ कितना सहज और सामान्य दिख रहा है। उसके व्यवहार का सनकीपन जाने कहां चला गया। मैं सोच रही थी क्या यह सब अकेले डॉक्टर के वश में होता? शायद यही सही जवाब है। उसे केवल अपना परिवार चाहिए। मैंने अपनी गर्दन हिलाई। हम सब इन बातों के लिए अभी बहुत ही अनजान और नादान थे। मेरे पति ने हमेशा की तरह दिलकश अंदाज में भीतर आने के लिए दरवाजा खटखटाया-

"सब ठीक तो है?"

उसने अपनी गर्दन हिलाई।

"दिल में आ रहा कि यहीं रह जाएं।"

"अच्छा?"

"हां। यह वीकएंड बहुत प्यारा था। थैंक्स!"

"एना! तुम ही मेरी हकीकत हो।" उसने कहा और हौले से चूम लिया।

"क्या तुमने उन्हें याद किया?

"किसे?"

"वही तुम्हारे कोड़े और छड़ियां।" मैंने थोड़ा हकलाते हुए कहा।

वह मुझे घूरता रहा। "नहीं एना! मुझे ऐसी किसी चीज की याद नहीं आई।"

"एना! पहले मैं उसके सिवा कुछ जानता ही नहीं था। पर तुमने मुझे दूसरे तरीके से जीना सिखाया।"

"मैंने सिखाया?"

"हां। क्या तुम उन बातों को दोहराना चाहती हो।"

"हां कुछ चीजें।" मैंने लजाते हुए कहा।

"क्या चीज?"

"तुम्हारा चाबुक..."

"अच्छा देखेंगे... वैसे अभी तो मैं पुराने फैशन का वनीला ही लेना चाहूंगा।" उसने मेरे निचले होंठ पर अंगूठा फिराया और उसे चूम लिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: गुडमार्निंग
डेट: 29 अगस्त 2011 09:14
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे
बस यही कहना था कि मुझे आप से बहुत प्यार है।
हमेशा आपकी
एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: ये बात
डेट: 29 अगस्त 2011 09:18
टू: एनेस्टेसिया ग्रे

मिसेज ग्रे

सोमवार सुबह अपनी पत्नी के मुंह से ऐसी बात सुन कर स्वाद ही आ गया। मैं भी तुम्हारे लिए ऐसा ही महसूस करता हूं।

आज शाम के डिनर के लिए सॉरी! उम्मीद करता हूं कि तुम्हें ज्यादा थकान नहीं होगी।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

अरे हां, आज तो हमें अमेरिकन शिप बिल्डिंग एसोसिएशन के साथ डिनर करना है। वह मुझे अपने साथ एक से एक आलीशान जगहों पर ले जाता है।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: रात को निकलने वाले जहाज
डेट: 29 अगस्त 2011 09:26
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे
उम्मीद है कि आप इसे रंगीन बनाने के लिए कुछ कर सकते हैं।
इसी उम्मीद में...
एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: विविधता में जीवन का रस है
डेट: 29 अगस्त 2011 09:35
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे
मेरे पास कुछ नए प्लांस हैं
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मेरे पेट की मांसपेशियों में ऐंठन होने लगी। काश वह... तभी हैना के आने से मेरा ध्यान टूटा।

मैंने उसे बिठाया और काम की बात करने लगी।

"क्या हम बीस मिनट में यह मीटिंग कर सकते हैं?"

"हां! मैं प्रबंध करती हूं।"

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: कल रात
डेट: 30 अगस्त 2011 09:24
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मज़ा आ गया

किसने सोचा कि था डिनर में इतना मज़ा आएगा।

हमेशा की तरह, मिसेज ग्रे आप कभी निराश नहीं करतीं।

आई लव यू
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: बॉल गेम पसंद आई
डेट: 30 अगस्त 2011 09:33
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे
मुझे सिल्वर बॉल्स की याद आ रही है।
आप कभी निराश नहीं करते
मिसेज ग्रे
संपादक, एसआईपी

हैना ने अंदर आ कर मुझे मेरे ख़्यालों से बाहर ला पटका। क्रिस्टियन का चेहरा... उसके हाथ...।

"अंदर आ जाओ।"

"एना! आज सुबह तुम्हारी बहुत जरूरी मीटिंग है। तुम तैयार रहना।"

"हां ठीक है! " मैंने कल रात की यादों को दिमाग से निकालते हुए काम में मन रमाया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: हाइड

डेट: 1 सितंबर 2011 15:24

टू: एनेस्टेसिया ग्रे

हाइड को जमानत नहीं मिली। उस पर अपहरण व सेंधमारी का आरोप है। ...और अभी मुकदमे की तारीख भी तय नहीं हो सकी।

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ

ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे

सब्जेक्ट: हाइड

डेट: 1 सितंबर 2011 15:53

टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे

खबर अच्छी है। इसका मतलब है कि अब आप सुरक्षाकर्मी घटा देंगे?

मुझे प्रेस्कॉट फूटी आंख नहीं भाती।

मिसेज ग्रे

संपादक, एसआईपी

- फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
- सब्जेक्ट: हाइड
- डेट: 1 सितंबर 2011 15:59
- टू: एनेस्टेसिया ग्रे

सिक्योरिटी वही रहेगी। कोई बहस नहीं।

प्रेस्कॉट को क्या हुआ? अगर पसंद नहीं तो उसकी जगह किसी और को रख सकते हैं।

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ

ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैंने मेल को देख कर मुंह बनाया। वैसे वह बेचारी इतनी बुरी भी नहीं है।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: हाइड
डेट: 1 सितंबर 2011 16:03
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मैं तो ऐसे ही कह रही थी। प्रेस्कॉट के बारे में सोचूंगी।

क्या हथेली खुजला रही है?

मिसेज ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: मुझे मत ललचाओ
डेट: 1 सितंबर 2011 16:11
टू: एनेस्टेसिया ग्रे

आज शाम हथेली के बारे में कुछ करना ही होगा। बहुत खुजली हो रही है। क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: ओह...
डेट: 1 सितंबर 2011 16:20
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे

आपके वादे... वादे

अब मुझे तंग न करें। किसी लेखक से मीटिंग है। मुझे उससे बात करने दें। मिसेज ग्रे

संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: आपके निराले शौक
डेट: 5 सितंबर 2011 09:18
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे

आप जानते हो किसी लड़की का दिल कैसे जीता जाता है।

मैं हर सप्ताहांत पर ऐसे ही मौके की उम्मीद रखती हूं।

तुम मुझे बिगाड़ रहे हो। मुझे अच्छा लगा।

मिसेज ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: मेरी ज़िंदगी का मिशन...
डेट: 5 सितंबर 2011 09:25
टू: एनेस्टेसिया ग्रे

आपको बिगाड़ना और सुरक्षित रखना... क्योंकि मुझे आपसे प्यार है।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

हाय ! ये कभी-कभी कितना रोमानी हो जाता है!

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: मेरी ज़िंदगी का मिशन....
डेट: 5 सितंबर 2011 09:33
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे

...कि आपको ऐसा करने दूं क्योंकि मैं भी आपसे प्यार करती हूं।

अब ज्यादा प्यार मत दिखाओ। मुझे रोना आ जाएगा

मिसेज ग्रे
संपादक, एसआईपी

अगले दिन मैंने कैलेंडर देखा तो पता चला कि मेरा जन्मदिन आने में केवल पांच दिन रह गए थे। मुझे पता है कि हम इलियट द्वारा बनवाया गया घर देखने जा रहे हैं पर क्या मेरे पति ने कोई और योजना भी बनाई है?

तभी बाहर से हैना ने आ कर बताया कि कोई लीला विलियम मुझसे मिलना चाहती थी।

लीला विलियम... उसका नाम सुनते ही मेरा मुंह सूख गया।

हद हो गई... वह मुझसे क्या चाहती है?

अध्याय 16

"क्या मैं उसे बाहर भेज दूं।" हैना ने कहा।

"नहीं, वह कहां है।"

"वह रिसेप्शन में है। अकेली नहीं है। कोई और भी साथ है।"

ओह!

"मिस प्रेस्कॉट आपसे बात करना चाहती हैं।"

"सो तो है।"

"हैना एक मिनट! बोलो प्रेस्कॉट, क्या कहना चाहती हो?"

"लीला विलियम का नाम उस सूची में है जिन्हें आपसे नहीं मिलना चाहिए।" "क्या?"

"जी, टेलर और वेल्क चाहते हैं कि वह आपके संपर्क में न आए।"

"क्या वह खतरनाक हो सकती है?"

"कह नहीं सकते मैम!"

"ओह अच्छा।"

"मैं वाशरूम में थी। उसने क्लेयर से बात की और उसने हैना को बुला लिया।" प्रेस्कॉट ने अपनी सफाई दी।

"अच्छा! उसे भी जाना पड़ता है।" मेरी हंसी छूट गई।

"जी मैम!" मैंने आज उसे पहली बार निशस्त्र देखा। उससे भूल जो हुई है। "मैं क्लेयर से प्रोटोकॉल के बारे में बात करती हूं।" उसने चिंता के साथ कहा "हां, क्यों नहीं? क्या टेलर को पता है कि लीला आई है।" मैंने मन ही मन सोचा कि

काश उसने अभी मेरे पति को यह खबर न दी हो।

"मैंने उनके लिए संदेश छोड़ा है।"

तब तो वक्त कम है। मुझे जल्दी पता करना होगा कि वह मुझसे चाहती क्या है। प्रेस्कॉट बोली, "मैम! आपको उससे नहीं मिलना चाहिए।"

"वह मुझसे किसी कारण से ही तो मिलने आई है।"

"अगर तुम्हें ज्यादा डर है तो उसकी तलाशी ले लो।"

"मैं बातचीत के दौरान साथ रहना चाहूंगी।"

मैंने हैना को पुकारा और मीटिंग कक्ष में लीला को बिठाने के लिए कहा।

लीला चाहती क्या है? मुझे नहीं लगता कि वह यहां मुझे कोई नुकसान करने आई होगी। उसने पहले भी कुछ नहीं किया था पर अब मेरे पति को बहुत गुस्सा आने वाला है। भीतर बैठी लड़की सब समझ रही है। मैंने सोचा कि क्रिस्टियन को बता दूं कि मैं क्या करने जा रही हूं।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जेक्ट: मिलने वाले
डेट: 6 सितंबर 2011 15:27
टू: क्रिस्टियन ग्रे

लीला मुझसे मिलने आई है। मैं प्रेस्कॉट के साथ उससे मिल रही हूं।

मैं अपने हाथ के साथ थप्पड़ के हुनर को आजमा सकती हूं। क्या मुझे जरूरत होगी? मैं अब बड़ी हो गई हूं।

उससे बात करने के बाद तुमसे बात करती हूं।

एनेस्टेसिया ग्रे
संपादिका, एसआईपी

मैंने झट से फोन को दराज में रखा और अपने गालों पर चुटकी काटी ताकि उनका रंग लौट आए। अपनी पेंसिल स्कर्ट को ठीक किया और अपने ब्लाउज का पहला बटन खोल दिया। मैं तैयार हूं। मैं बड़े ही आत्मविश्वास के साथ लीला से मिलने चल दी। तभी फोन पर जानी-पहचानी धुन सुनाई दी। क्रिस्टियन का फोन है। मैंने उसे अनसुना कर दिया।

लीला पहले से बेहतर दिखी। वह बहुत ही आकर्षक है। गुलाबी गाल और भूरी आंखें। साफ और चमकीले बाल...। आज वह हल्के गुलाबी ब्लाउज और सफेद पतलून में है। वह मेरे जाते ही खड़ी हो गई और साथ ही उसके साथ आई वह युवती भी खड़ी हो गई। प्रेस्कॉट कोने में मंडरा रही है और उसकी नजरें लीला पर टिकी हैं।

"मिसेज ग्रे! मुझसे मिलने के लिए धन्यवाद।" वह बोली।

"सिक्योरिटी के लिए सॉरी!" मैं इसके सिवा कुछ नहीं कह सकी।

"यह मेरी दोस्त सूसी है।"

"हाय!" हमने एक-दूसरे से कहा।

"बैठो!" पता नहीं ये मुझसे चाहती क्या है।

तभी दरवाजे पर हैना दिखी। मैंने उसे आने का संकेत दिया।

"एना! मि. ग्रे लाइन पर हैं।"

"उन्हें कहो कि मैं व्यस्त हूं।"

"वे अभी बात करना चाह रहे हैं।"

"हैना प्लीज!"

वह हिचकी।

"प्लीज!"

वह बाहर निकल गई। वे दोनों युवतियां मुझे हैरानी से देख रही हैं।

सूसी बोली! "मैं भी आपसे मिलना चाहती थी। हम लोग सब क्लब से हैं।"

ओह गॉड। ये क्या हो रहा है।

उसने आंख दबाई और चिहुंकी। शायद लीला ने उसे मेज के नीचे से टहोका दिया था। मैं यहां क्या कह सकती हूं।

तभी वह बोली। "मैं चलती हूं। यहां तो लुलू का काम है।"

अब ये लुलू कौन है।..

मैं अभी इसी उलझन में थी कि इस बार प्रेस्कॉट के फोन पर मेरे पति का फोन आया। पहले शायद उसे डांट पड़ी और उसने मोबाइल मुझे थमा दिया।

क्रिस्टियन चिल्लाया!

"तुम क्या तमाशा कर रही हो।"

मैं वहां से उठ गई।

"मैंने किया क्या है?"

"मैंने खासतौर पर सबको मना किया था कि लीला तुमसे न मिले। एना! तुम मेरी बात बिल्कुल नहीं सुनतीं।"

"जब तुम शांत होगे। तब बात करेंगे।" मैंने कहा

"फोन बंद मत करना।"

"क्रिस्टियन गुडबाय!" मैंने फोन बंद कर दिया।

अब मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है। पूरी उम्मीद है कि क्रिस्टियन कुछ ही देर में यहां आ पहुंचेगा।

लीला ने अपने बालों से खेलते हुए कहा, "मैं आपसे माफी मांगना चाहती हूं।" ओह...

हां बोलो,

"मुझे धन्यवाद देना है कि आपने कार और आपके घर में सेंधमारी के लिए मुझे जेल नहीं भेजा।"

"हूं! अब बेहतर महसूस कर रही हो?" मैंने पूछा

"हां! मैं पहले से ठीक हूं।"

"क्या डॉक्टर को पता है कि तुम यहां हो?"

उसने अपनी गर्दन हिलाई।

ओह

"माना कि मुझे नतीजे भुगतने होंगे पर मैं आपको, आपके पति और सूसी को मिलना चाहती थी।"

"तुम क्रिस्टियन से मिलना चाहती थीं?" अच्छा तभी यह यहां आई है।

"हां। मैं आपसे पूछना चाहती थी कि क्या यह सही रहेगा?"

मैंने उसे देखा और मैं उसे बताना चाहती थी कि यह सही नहीं रहेगा। मैं नहीं चाहती कि वह मेरे पति के पास भी जाए। वह यहां क्यों है? वह मुझे परेशान करना चाहती है? कोई मदद चाहती है?

"लीला! यहां मेरी नहीं, मेरे पति की मर्जी चलेगी कि वह मिलना चाहता है या नहीं? तुम्हें उससे ही पूछना होगा।"

"वे लगातार मेरी विनती को ठुकराते आए हैं।" उसने पलकें झपकाईं।

ओह शिट! मैं तो मुसीबत में पड़ गई।

"तुम्हारा उससे मिलना इतना जरूरी क्यों है?"

"मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं। वह न होते तो मैं पागलखाने में सड़ती रहती। उनके और डॉक्टर की मदद के बिना कुछ नहीं हो सकता था। उन्होंने आर्ट स्कूल में दाखिल करवाया।"

मैं जानती हूं कि वह उसकी क्लास का पैसा दे रहा है। पर यह तो उसके स्वभाव का अंग है। उसे दूसरों की मदद करना आता है। मुझे खुशी है कि उसने लीला की मदद की।

"क्या तुम अपनी क्लास छोड़ कर आई हो?"

"हां दो क्लास छोड़ी हैं।"

"अब क्या चाहती हो?"

"मैं सूसी से सामान ले कर चली जाऊंगी। मि. ग्रे के पास मेरी दो पेंटिंग भी हैं।" ओह अब याद आया। हमारे बरामदे में दो नई पेंटिंग टंगी थीं तो वह इसने बनाई हैं।

"मिसेज ग्रे! आपसे अपने दिल की एक बात कहना चाहती थी।"

"हां, बोलो!"

"मैं अपने ब्वायफ्रेंड से बहुत प्यार करती थी जो पिछले साल मारा गया।"

"सॉरी"

"मैं अपने पति और एक आदमी से बहुत प्यार करती थी।"

"मेरे पति से।" न चाहते हुए भी मेरे मुंह से निकल ही गया।

"हां।" उसने भी हामी भरने में देर नहीं की।

"हां! उसे प्यार करना बहुत आसान है।"

"आपने सही कहा।" और वह हंसने लगी। उसके साथ ही मुझे भी हंसी आ गई पर मैं मन ही मन जानती हूं कि क्रिस्टियन किसी भी पल यहां होगा।

"तुम्हें उससे मिलने का मौका जरूर मिलेगा।"

"हां! मैं जानती हूं कि वह आपकी कितनी सुरक्षा चाहता है।"

"क्या मतलब?"

तो क्या उसने मुझे मेरे पति तक जाने का जरिया बनाया। वह जानती थी कि ज्यों ही मेरे पति को हमारी मुलाकात का पता चलेगा तो वह उसी समय आ जाएगा। ओह! कैसी चालाकी!

अचानक ही बाहर हलचल हुई और मैं जान गई कि मेरा पति आ गया। उसने भड़ाम से दरवाजा खोला और मेरी मुस्कान का जवाब तक नहीं दिया। वह गुस्से में है।

"प्रेस्कॉट! इसी समय काम से निकल जाओ।"

मैं सहम गई। यह तो गलत बात है। प्रेस्कॉट की क्या गलती है।

"क्रिस्टियन!"

उसने अंगुली दिखाई। तुम चुप रहो।"

मैं चुपचाप अपनी जगह बैठी रही। अब कुछ बोलना खतरे से खाली नहीं होगा। "लीला! तुम यहां क्या भाड़ झोंक रही हो?"

"मैं आपसे मिलना चाहती थी पर आप मिलना नहीं चाहते थे।" उसका चेहरा स्याह हो गया था।

"तो तुम मेरी बीबी को धमकाने आ गई।"

लीला मेज पर देखने लगी।

"लीला! आज के बाद तुम एना के पास भी दिखीं तो मैं सारी मदद बंद कर दूंगा। समझीं?" "क्रिस्टियन!" मैंने फिर से बोलना चाहा पर उसकी ठंडी नजरों ने सारे उत्साह पर पानी फेर दिया।

"ये सूसन रिसेप्शन में क्या कर रही है?"

"यह मेरे साथ आई थी"

उसने बालों में हाथ फेरे। साफ दिख रहा है कि वह कितने गुस्से में है।

"क्रिस्टियन छोड़ो भी। ये तो सॉरी बोलने आई है।"

उसने मेरी बात को अनसुना किया और उससे पूछा

"क्या तुम बीमारी के दौरान इसके साथ ही ठहरी थीं?"

"हा"

"क्या वह जानती है कि तुम उसके साथ रहने के दौरान क्या कर रही थीं?" "नहीं। वह छुट्टियों पर थी।"

उसने अपने होंठ पर अंगुली फेरी।

"तुम मुझसे क्यों मिलना चाहती थी। तुम डॉक्टर के हाथों कोई भी संदेश भेज सकती थीं। तुम्हें क्या चाहिए?"

लीला चुपचाप मेज के किनारे पर अपनी अंगुली फेरती रही।

"मुझे पता लगाना था।"

"क्या पता लगाना था?"

"कि आप ठीक हैं या नहीं?"

"मैं ठीक हूं।"

"हां"

"मैं बिल्कुल ठीक हूं। टेलर तुम्हें सी टैक छोड़ देगा ताकि तुम आगे जा सको। अगर तुमने वहां से कभी वापिस आने की कोशिश की तो याद रखना मेरी ओर से मिलने वाली हर तरह की मदद बंद हो जाएगी।"

"ओह क्रिस्टियन!"

"हां! मैं समझ गई।" लीला बोली।

"पर शायद यह अभी न जा सके। इसे यहां कुछ काम हो सकता है।" मैंने बीच में बोलना चाहा।

"एनेस्टेसिया! इस बात से तुम्हारा कोई लेन-देन नहीं है।"

"बेशक यह मुझसे संबंध रखता है। वह मेरे ऑफिस में मुझसे मिलने आई है।" मैं मन ही मन चिढ़ गई। फिफ्टी शेड्स कहीं का!

"लीला तुमसे नहीं मुझसे मिलने आई है।" मुझसे बोले बिना रहा नहीं गया।

लीला मेरी ओर मुड़ कर बोली।

"मिसेज ग्रे! मुझे कुछ निर्देश दिए गए थे और मैंने उनका पालन नहीं किया।" उसने घबराहट के साथ मेरे पति को देखा।

"ये वही क्रिस्टियन ग्रे हैं, जिन्हें मैं जानती हूं।" मेरा हलक सूख गया। क्या वह उससे हमेशा ऐसे ही पेश आता होगा। क्या वह पहले मेरे साथ भी ऐसे ही पेश आता था। मुझे याद नहीं आ रहा था। लीला मुझे एक मुस्कान देते हुए वहां से उठ गई।

"मैं कल शाम तक रहना चाहती हूं। फिर वापिस जाना होगा।"

"मैं किसी को भेज दूंगा ताकि तुम्हें एयरपोर्ट छोड़ दे।"

"थैंक्यू"

"क्या तुम सूसन के घर हो??"

"हां"

"ठीक है।"

मैंने क्रिस्टियन को हैरानी से देखा। वह उस पर इस तरह हुक्म नहीं चला सकता। फिर उसे कैसे पता कि सूसन कहां रहती है।

"गुडबाय मिसेज ग्रे! मुझसे मिलने के लिए मेहरबानी।"

"गुडबाय... गुडलक।" मैं समझ नहीं पा रही कि अपने पति की एक्स सेक्स सब को बाय कैसे कहना चाहिए।

उसने मेरे पति से भी विदा ली।

"मुझे खुशी है कि आप खुश हैं। आपको जीवन में खुशियां पाने का पूरा हक है।" उसने कहा और उसके जवाब देने से पहले ही निकल गई। टेलर लीला के साथ था।

क्रिस्टियन दरवाजा बंद कर मुझे घूरने लगा

"मुझ पर गुस्सा मत दिखाना। किसी पर भी धौंस जमाओ या अपने डॉक्टर से मिलने जाओ। समझे?"

उसका मुंह खुला का खुला रह गया।

"तुमने कहा था कि ऐसा नहीं करोगी।" उसने आरोप लगाया।

"क्या नहीं करूंगी।"

"मुझे नीचा नहीं दिखाओगी?"

"नहीं। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। मैंने कहा था कि जो करूंगी, सोच-समझ कर करूंगी। मैंने तुम्हें बता दिया था कि वह यहां है। प्रेस्कॉट मेरे पास थी। अब तुमने उस बेचारी को काम से निकाल दिया। वह तो वही कर रही थी

जो उसे कहा गया था। मैंने कहा था कि चिंता मत करना पर फिर भी तुम यहां आ गए। ऐसा कहां लिखा है कि मैं लीला से नहीं मिल सकती। मैं नहीं जानती थी कि ऐसे लोगों की भी एक सूची है जिनका मुझसे मिलना मना है।" मैंने अपनी भड़ास निकाल दी।

उसके चेहरे पर हंसी आ गई। यहां मेरे गुस्से का पारावार न हीं है।

बेशक वह जिन नजरों से अपनी सब को देख रहा था। वे बहुत ही विरक्त करने वाली थीं। क्या उसके मन में किसी के लिए भी कोई भाव नहीं हैं?

"तुमने उससे इतनी रूखाई क्यों दिखाई?"

"एनेस्टेसिया! तुम सूसान और लीला जैसी औरतों को नहीं समझ सकतीं। ये कभी वक्त बिताने का खुशनुमा साधन थीं पर अब ऐसा नहीं है। तुम मेरे जीवन का केंद्र हो। आखिरी बार जब तुम दोनों एक कमरे में थीं तो उसने तुम पर बंदूक तान दी थी। मैं नहीं चाहता कि वह तुम्हारे पास भी आए। मैं यह खतरा मोल नहीं लेना चाहता।"

"पर क्रिस्टियन, वह बीमार थी।"

"मैं जानता हूं और अब यह भी पता है कि वह पहले से बेहतर है पर मैं उसे कोई और मौका नहीं देना चाहता। उसने जो भी किया, वह माफी के लायक नहीं था।"

"पर तुम अभी उसके हाथों का खिलौना बन कर हटे हो। तुम उससे मिलना नहीं चाहते थे। उसे पता था कि अगर वह मेरे पास आई तो तुम बचाव के लिए दौड़े आओगे और वही हुआ। उसकी मुराद पूरी हो गई।"

उसने कंधे झटके, "मैं तुम्हें अपनी बीती जिंदगी से उलझने नहीं देना चाहता।" "नहीं, क्रिस्टियन! तुम जो भी, इस नई या पुरानी जिंदगी की देन हो। जो तुम्हें छूता

है, वही मुझे भी छूता है। जब मैंने शादी के लिए हामी दी थी तो सब सोच लिया था क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूं।"

"उसने मुझे चोट नहीं पहुंचाई। लीला तुमसे प्यार करती है।"

"मुझे परवाह नहीं है।"

मैं उसे आंखें फाड़े देखती रही। मुझे सदमा इस बात का था कि वह अब भी मुझे सदमा देने की क्षमता रखता था। यह तो वही क्रिस्टियन ग्रे है, जिसे मैं जानती थी। ये लीला के शब्द थे। मैं जिस आदमी को इतना चाहती हूं, वह उस औरत के लिए इतना बेलाग कैसे हो सकता है, जो कभी उसके जीवन का एक हिस्सा रही थी। फिर वह वक्त भी याद आया जब उसने उसके दर्द को महसूस किया था। खुद को जिम्मेदार माना था। यहां तक उसे अपने हाथों से नहलाया भी था। मेरे पेट में इन बातों को सोच कर ही बेचैनी सी होने लगी। वह कैसे कह सकता है कि उसे उसकी परवाह नहीं है। अब ऐसा क्या बदलाव आ गया है। कभी-कभी तो इसे समझ पाना मुश्किल हो जाता है। यह पता नहीं कौन से स्तर पर जी रहा है।

"तुम अचानक उसकी इतनी हिमायत क्यों कर रही हो?"

"देखो क्रिस्टियन! ऐसा तो नहीं है कि हम दोनों आपस में सहेलियां बन गई हैं पर तुम्हें उसके लिए इतनी बेरहमी नहीं दिखानी चाहिए। क्या तुम्हारे पास दिल नहीं है।"

"मैंने तुम्हें एक बार कहा था कि मेरे पास दिल नाम की कोई चीज नहीं है।" ओह! अब ये किशोरों वाली हरकतों पर उतर आया।

"ये सच नहीं है। तुम्हें उसकी परवाह है। अगर ऐसा होता तो तुम उसकी मदद न कर रहे होते।"

अचानक ही मुझे ऐसा लगने लगा कि जीवन में उसे यह एहसास दिलाना कि वह दूसरों के लिए कितना संवेदनशील है, यही मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य हो गया है। वह इस बात को मानता क्यों नहीं? इसे मानवता और करूणा के पास कैसे लाया जाए।

वह गुस्से से बोला। "ये बहस यहीं खत्म हो गई। चलो अब घर चलें।"

साढ़े चार बजने को थे।

"मुझे तो अभी काम करना है।"

"घर चलो।"

"क्रिस्टियन! मैं तुमसे एक ही बात पर बहस कर-कर के तंग आ गई हूं।"

"मुझे पता है। जब भी मैं कुछ ऐसा करती हूं जो तुम्हें पसंद नहीं होता तो तुम अक्सर मेरे साथ निराले अंदाज में सेक्स करते हो जो या तो बहुत ही अजीब होता है या बहुत ही कमाल!" मेरे मुंह से निकल ही गया।

"अच्छा कमाल भी होता है?"

"हां"

"क्या मैं उस कमाल के बारे में जान सकता हूं।"

मुझे पता है कि वह मेरा ध्यान दूसरी ओर लगाने के लिए ऐसा कर रहा है। ओह! यहां ऑफिस में ये क्या हो रहा है। मेरे भीतर बैठी लड़की ने फटकारा कि यह सब मैंने ही तो शुरू किया था।

उसने पास आ कर मुझे छुआ और बोला।

"मुझे तो इतना पता है कि मुझे तुम्हें खुश करना अच्छा लगता है।"

"एनेस्टेसिया! कमाल वाली बात तो बतानी होगी।" अब वह मस्ती के मूड में है। "तुम लिस्ट चाहते हो?"

"क्या पूरी लिस्ट है।" वह खुश हो गया।

ओह यह बंदा भी कमाल है।

"खैर तुम्हारी हथकड़ियां।"

उसने अचानक ही मेरा हाथ थाम लिया।

"मैं तुम्हारे हाथों पर निशान नहीं डालना चाहता था।"

"ओह"

"घर चलो"

"कुछ काम बाकी है।"

"कल कर लेना। अब घर चलो।"

"वरना हम यहीं.."

"नहीं, नहीं। क्रिस्टियन मैं ऑफिस में ऐसा कुछ नहीं करना चाहती। तुम्हारी रखैल अभी यहां से गई है।"

"वह कभी मेरी रखैल नहीं थी। एना! वह अतीत है। उसे भुला दो।"

मैंने आह भरी। हो सकता है कि वह सही कह रहा हो। मैं तो उससे यही कहलवाना चाहती थी कि वह उसकी कद्र करता है। मान लो कि अगर मैं कभी उसके कहे पर नहीं चली तो क्या मैं भी अतीत कहलाऊंगी। पहले तो वह उसके लिए परेशान हुआ था और आज वह इस बारे में मना कर रहा है।

उसने एक झटके से मुझे अपनी ओर खींचा और चूमने लगा।

"ओह क्रिस्टियन! कभी-कभी तो तुम मुझे कितना डरा देते हो।"

"क्यों?"

"तुमने कितनी आसानी से लीला से मुंह फेर लिया"

"तो तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारे साथ भी ऐसा ही कर सकता हूं। तुमने ऐसा क्यों सोचा?"

"कुछ नहीं। मुझे एक किस दो और घर चलो।" ज्यों ही उसके होंठों ने मेरे होंठों को छुआ। मैं सब भूल गई।

मैं आज मुलायम चमड़े की बेड़ियों में हूं। उसने मेरे दोनों घुटने बांध रखे हैं और उसका मुंह...। मैंने आंखें खोलीं और उस सुख के बीच हिचकोले खाने लगी।

"एना! चरम सुख तक नहीं आना। तुम्हें इसी नियंत्रण को सीखना होगा। अपने पर काबू पाना सीखो।" उसने कहा

ओह! वह जानता है कि वह क्या कर रहा है। मैं बेबस हूं। मेरा शरीर उसके हाथों का खिलौना बना हुआ है। उसकी जीभ उस संवेदनशील अंग के आसपास मंडरा रही है।

"ओह एना! तुमसे रहा नहीं गया।" उसने फटकारा।

उसने मेरे पीछे एक धौल जमा दिया।

"आह।" मैं चिल्लाई।

उसने मेरे नितंब हाथों से पकड़े और अगले दांव की तैयारी में जुट गया।

हम दोनों एक दूसरे में समाए हुए थे कि उसने हांफते हुए कहा

"एना! तुम मेरी हो"

"हां! मैं तुम्हारी हूं।"

और हम दोनों चरम सुख के छोर पर एक साथ पहुंचे। मैं उसका नाम लेते हुए निढाल हो गई।

"ओह एना! मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। यह कहते-कहते वह भी..."

उसने मेरा कंधा चूमा और चेहरे से बाल हटा दिए।

"मिसेज ग्रे! कैसा लग रहा है?"

"हां लिस्ट का कुछ हिस्सा तो पूरा हो गया।" मैंने चुहल की।

"चलो अब डिनर हो जाए।"

मैंने स्वीकृति में सिर हिलाया । बहुत जोर से भूख लगी है। मैंने उसकी छाती के बालों पर हाथ फिराते हुए कहा

"तुमसे कुछ कहना चाहती हूं।"

"बोलो"

"गुस्सा मत होना"

"हां, तुम्हें बड़ी परवाह पड़ी है।"

"मैं चाहती हूं कि तुम यह मानो कि तुम लीला की परवाह करते हो क्योंकि मैं अपने पति के उस रूप से प्यार करती हूं। जो दूसरों की कद्र करता है।"

मैं उसके आंतरिक संघर्ष को देखते हुए महसूस कर रही हूं।

"हां! हां। मैं परवाह करता हूं। अब खुश हो।"

"ओह थैंक्स! मुझे सुन कर अच्छा लगा।"

"यकीन नहीं आता कि मैं अपने पलंग पर लेटा, तुमसे किसके बारे में बात कर रहा हूं"

"नहीं, हम कोई बात नहीं कर रहे। चलो कुछ खाएं।"

"तुम तो सचमुच मुझे दीवाना बना देती हो। मिसेज ग्रे।"

"बढ़िया!" मैं आगे बढ़ी और उसे चूम लिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे

सब्जेक्ट: लिस्ट
डेट: 9 सितंबर 2011 09:33
टू: क्रिस्टियन ग्रे
वह तो सबसे ऊपर है।
मिसेज ग्रे
संपादिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: कुछ नया बताओ
डेट: 9 सितंबर 2011 09:42
टू: एनेस्टेसिया ग्रे

तुमने पिछले तीन दिन यही कहा था

या हम कुछ नया आजमा सकते हैं।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, खेल का मजा लेते हुए
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने खीसें निपोरीं। पिछली कुछ शाम कितनी रंगीन रहीं। लीला की कहानी भूल गई है।

अभी मुझे दीवारों पर उसकी पेंटिंग वाली बात पूछने का मौका नहीं मिला। कोई बात नहीं, पूछना भी नहीं चाहती।

तभी मेरा फोन बजा।

"एना"

"जी?"

"एना हनी! मैं जोस सीनियर बोल रहा हूं।"

"मि. रॉड्रिज! हैं, जोस के पापा मुझसे क्या चाहते हैं?

"हनी मैं तुम्हें रे के बारे में बताना चाहता था।"

"क्या हुआ? क्या हुआ उन्हें।" मेरा कलेजा दहल गया।

"रे का एक्सीडेंट हो गया है।"

"अरे नहीं। डैडी!" मेरी तो सांसें ही रूक गई।

"वे अस्पताल में हैं। तुम जल्दी आ जाओ।"

अध्याय 17

"मि. रॉड्रिज, क्या हुआ?" मेरा स्वर कुछ खुरदुरा सा हो आया। ऐसा लगा मानो गले में आंसू घुट रहे हों। रे, प्यारे रे, मेरे डैड!

"उनकी कार का एक्सीडेंट हुआ है।"

"अच्छा... मैं आ रही हूं। मैं अभी आ रही हूं।" पूरे शरीर में भय की सिरहन सी दौड़ गई। सांस लेना भी दूभर हो रहा था।

"वे उन्हें पोर्टलैंड भेज रहे हैं।"

"वे वहां क्या कर रहे हैं?"

"ओह एना! मैं भी वहीं जा रहा हूं। मैंने कार नहीं देखी। मैंने उस पर नजर तक नहीं डाली...।" उनका स्वर भर्रा सा गया।

"मैं तुमसे वहीं मिलता हूं।"

मेरा गला जोरों से घुट रहा है। रे! नहीं, नहीं। मैंने एक गहरी सांस लेते हुए फोन रख दिया और रॉक को पुकारा। उसने दूसरी ही घंटी पर जवाब दिया।

"एना?"

"जैरी, मेरे पापा"

"एना, क्या हुआ?"

मैंने उसे संक्षेप में बताया।

"जाओ तुम्हें जरूर जाना चाहिए। उम्मीद करता हूं कि वे ठीक होंगे।"

"धन्यवाद! मैं तुम्हें बताती रहूंगी।" मैंने झट से फोन पटक दिया।

"हैना।" जैसे ही वह भीतर आई तो मैं अपना सामान बैग में ठूंस रही थी।

"मेरे पापा का एक्सीडेंट हो गया है। मुझे जाना होगा।"

"आज की सारी एपाईंटमेंट रद्द कर दो। सोमवार के लिए भी... और तुम्हें ई-बुक वाले काम को संभालना होगा। चाहो तो किसी की मदद ले लेना।"

"हां। तुम चिंता मत करो। सब ठीक हो जाएगा। यहां हम संभाल लेंगे।"

"अच्छा चलती हूं। मैं तुम्हें फोन करूंगी।" मेरे चेहरे का पीलापन छिपाए नहीं छिप रहा।

"गुडलक एना! "

मैंने उसे एक छोटी सी मुस्कान दी और अपने-आप को सभालने की कोशिश के साथ आगे बढ़ गई। ज्यों ही मैं बाहर आई तो स्वेयर लपक कर आगे आ गया।

"मिसेज ग्रे!" वह अचानक चकरा सा गया।

"हम पोर्टलैंड जा रहे हैं, अभी...।"

"जी मैम!"

ओह! कार में बैठ कर अच्छा लगा।

"मिसेज ग्रे! क्या मैं अचानक वहां जाने की वजह जान सकता हूं।"

"मेरे डैड का एक्सीडेंट हो गया है।"

"क्या मि. ग्रे जानते हैं?"

"मैं उन्हें अभी बता दूंगी।"

मैंने अपने पति को फोन मिलाया तो उसकी पी ए का स्वर सुनाई दिया।

"मिसेज ग्रे! "

"हां, वे कहां हैं?"

"यहीं कहीं हैं। फोन चार्ज हो रहा है।"

"क्या उसे कह सकती हो कि मुझे जल्दी से जल्दी फोन करें। कोई एमर्जेंसी है।" "मैं देखती हूं। वे अक्सर यहां-वहां भटक जाते हैं।"

"मेरा मैसेज दे दो, प्लीज।"

"जी मिसेज ग्रे! सब ठीक है न?"

"नहीं। उन्हें फोन करने को कहो"

"जी, मैम।"

मैंने अपने घुटने मोड़ लिए और आंसू बहाने लगी।

स्वेयर ने मुझसे पोर्टलैंड में अस्पताल का पता पूछा और गाड़ी आगे बढ़ा दी। "क्रिस्टियन!" मैंने घंटी का स्वर सुनते ही फोन उठाया।

"एना! क्या हुआ? तुम रो क्यों रो रही हो।"

"रे... उनका एक्सीडेंट..."

"शिट!"

"मैं पोर्टलैंड जा रही हू"

"पोर्टलैंड? स्वेयर साथ है न?"

"हां. कार चला रहा है?"

"रे कहां हैं?"

"ओएचएसयू में"

"हां रॉस! ...सॉरी बेबी! मैं तीन घंटे में वहां आता हूं। यहां का काम निपटाना है। मैं अपने जेट में आ जाऊंगा।"

ओह नहीं। चार्ली टैंगो ठीक हो गया है। अगर वह उसमें आया तो पिछली बार की तरह कहीं...। अच्छा! कहने को कह दिया पर सच तो यह था कि मैं उसे अपने पास चाहती थी।

"ठीक है। तुम आराम से आना। मैं नहीं चाहती कि मुझे तुम्हारी चिंता भी हो।" "अच्छा।"

"लव यू"

"लव यू. बेबी! "

बाय। मैं उसके काम के बारे में कुछ नहीं जानती। वह ताईवानी लोगों के साथ क्या काम कर रहा है। मुझे कुछ नहीं पता। मैं मन ही मन अपना मंत्र जपने लगी। ओह गॉड रे को ठीक कर दो! रे को ठीक कर दो!

"मिसेज ग्रे! हम पहुंच गए हैं।"

मुझे अस्पताल के बारे में जानकारी थी। एक बार नौकरी के दौरान मेरे पांव पर जब सीढ़ी गिरी थी तो मुझे वहीं लाया गया था।

स्वेयर ने मुझे बाहर आने में मदद की और कहा कि वह बाद में मेरा सामान ले आएगा। अपने डैड के पास पहुंचने तक मैं हजार मौतें मर चुकी थी। कुछ समझ नहीं आ रहा

था कि क्या करूं।

रिसेप्शन पर पूछा कि रेमंड स्टील कहां थे।

पता चला कि उन्हें अभी दाखिल करवाया गया था और वे ओ आर 4 में थे। मुझे प्रतीक्षा कक्ष में बैठने को कहा गया।

"क्या वे ठीक हैं? मैंने लड़खड़ाते सुर में पूछा।

"मैम! आपको इंतजार करना होगा। मुझे इस बारे में नहीं पता।" उसने कहा। "थैंक्स!"

मैं डर रही हूं और डैड की असली हालत के बारे में जानना चाहती हूं पर वहां बताने वाला कोई नहीं था।

प्रतीक्षा कक्ष में मि. रॉड्रिग्ज दिखे। उनकी बांह पर पलस्तर था और गाल पर भी खरोंचें दिख रही थीं। वे पहियाकुर्सी पर हैं क्योंकि पांव पर भी पलस्तर बंधा है।

"ओह! ये क्या हुआ?" मैं उनसे लिपट कर रोने लगी।

"एना हनी! आई एम सॉरी।"

"अरे नहीं! वे माफी क्यों मांग रहे हैं।"

"नहीं पापा!" जोस ने मुझे देखा और बांहों में खींच लिया।

मैं उसकी बांहों से लग कर रोने लगी। हम बहुत देर तक यूं ही खड़े रहे और मैं अपनी दोस्त की एहसानमंद थी कि वह मेरे लिए वहां था। जब स्वेयर अंदर आया तो हम अलग हो गए और मैंने टिश्यू से अपने आंसू पोंछ लिए।

मैंने स्वेयर से उनका परिचय करवाया और वह कोने में जा कर बैठ गया।

"बैठो एना।"

"क्या हुआ? क्या हमें पता है कि उनकी तबीयत कैसी है? वे क्या कर रहे हैं?" जोस ने कहा, "मैं, डैड और रे, मछली पकड़ने के लिए एस्टोरिया गए थे। कुछ

पियक्कड़ों ने हमारी गाड़ी में टक्कर दे मारी। मुझे कुछ खास चोट नहीं आई। डैड की कलाई और टखना टूट गया पर रे को ज्यादा चोट आई है। उनकी सर्जरी हो रही है।"

अरे नहीं....नहीं! रे को कितनी चोट आई होगी।

"अब वे कैसे हैं?"

"अभी हमें उनकी कोई खबर नहीं दी गई"

मैं कांपने लगी।

"एना! तुम्हें ठंड लग रही है।"

मैंने हामी भरी और जोस ने अपनी जैकेट मुझे पहना दी।

"मैम! मैं आपके लिए चाय लाता हूं।" स्वेयर बाहर चला गया।

"तुम लोग एस्टोरिया में क्यों गए?"

"वहां हम तीनों ने बहुत अच्छा वक्त बिताया।"

"तुम लोगों को भी ज्यादा चोटें आ सकती थीं। ओह गॉड! "

"एना! तुम तो बर्फ की तरह ठंडी पड़ी हो।" जोसे ने मेरा हाथ थाम कर कहा। दोनों बाप-बेटे ने मेरा एक-एक हाथ थाम लिया और बताया कि उस अहमक को पुलिस

ने पकड़ लिया था।

तभी स्वेयर मेरे लिए चाय ले आया। वह जानता है कि मैं किस तरह चाय पीना पसंद करती हूं। ये लोग हमारी हर

बात का कितना ध्यान रखते हैं।

"क्या आप लोग कुछ लेंगे?" उसने उन दोनों से पूछा और फिर अपनी सीट पर कोने में बैठ गया।

मैंने अपनी चाय पी और मन ही मन भगवान से प्रार्थना करने लगी कि मेरे डैड अच्छे हो जाएं।

मैं बेचैनी से चक्कर काटती रही। डॉक्टर के आने का इंतजार करती रही। फिर जोस ने मेरा हाथ थाम लिया। तभी दरवाजा खुला। हम सबने एक साथ देखा तो क्रिस्टियन दिखाई दिया। मेरा हाथ जोस के हाथ में देखते ही उसका चेहरा स्याह हो गया।

"क्रिस्टियन!" मैं सीधा उसके पास जा पहुंची और उसके शरीर से सट गई। उसकी गंध और स्पर्श से मुझे राहत मिली। मुझे अच्छा लगा कि अब वह मेरे साथ था। दिल को सहारा सा मिल गया।

"कोई खबर?"

मैंने गर्दन हिलाई।

मैंने जोस के पापा से परिचय करवाया और बताया कि उन दोनों का भी एक्सीडेंट हुआ था।

"क्या आप दोनों यहां बैठने की हालत में हैं।"

"हां, हमें कहीं और चैन नहीं आएगा।" जोस के पापा ने कहा।

क्रिस्टियन ने मेरा हाथ थामा और कुर्सी पर बैठ गया।

"क्या तुमने कुछ खाया?"

"नहीं?"

"तुम्हें ठंड लग रही है।"

"हां? "

उसने जोस की जैकेट तो देखी पर कुछ कहा नहीं।

तभी एक डॉक्टर भीतर आया। वह डरा हुआ दिखा।

"रे स्टील।" क्रिस्टियन ने अपनी बाजू मेरी कमर में डाल ली।

"मैं उनकी बेटी हूं एना"

"मिस स्टील"

"मिसेज ग्रे!"

"माफ कीजिए। मैं डॉ. क्रो हूं। आपके डैड ठीक हैं पर अभी हालत संतोषजनक नहीं कह सकते।"

"मतलब?" मेरे पांव लड़खड़ा से गए।

"उन्हें कई अंदरूनी चोटें आई हैं। हमने उन्हें ठीक भी किया पर ऑपरेशन के दौरान ही उन्हें हार्ट अटैक आ गया क्योंकि खून बहुत बह गया था। हमने किसी तरह सब संभाला पर अभी हालत ठीक नहीं है। सिर में लगी चोट के कारण दिमाग में भी सूजन है। हमने उन्हें सुलाने की दवा दी है और उस सूजन को देख रहे हैं।"

"दिमाग में सूजन, अरे नहीं..."

"हमें इन मामलों में इंतजार करना होता है।"

"क्या वे ठीक तो हो जाएंगे।"

"मि. ग्रे! अभी कुछ कह नहीं सकते। हो सकता है कि वह पूरी तरह से ठीक हो जाए पर ये भगवान के हाथों में है।"

"आप उन्हें कोमा में कब तक रखेंगे? करीब 72 से 96 घंटों तक..."

"क्या मैं उन्हें देख सकती हूं।"

"करीब आधे घंटे बाद, हम उन्हें आईसीयू में भेज रहे हैं।"

डॉक्टर के जाने के बाद जोस ने कहा कि उसे और पापा को घर जाना चाहिए और वे शाम को आ जाएंगे क्योंकि पापा को भी आराम चाहिए।

"बेशक।" मैंने जवाब दिया।

"क्या तुम लोग पोर्टलैंड में ही ठहरे हो?" क्रिस्टियन ने पूछा।

"जी।" जोस ने जवाब दिया।

जोस टैक्सी के लिए कहने ही वाला था कि क्रिस्टियन ने स्वेयर को इशारा कर दिया कि वह उन्हें छोड़ आए।

वे लोग बारी-बारी से गले मिले और रॉड्रिग्ज मेरे कान में बोले

"एना! रे मजबूत काठी का आदमी है। उसे कुछ नहीं होगा।"

मैंने जैकेट वापस करते हुए धन्यवाद दिया।

उन लोगों के जाने के बाद मैं और क्रिस्टियन अकेले रह गए। उसने मेरे गाल सहलाए "तुम्हारा चेहरा पीला पड़ गया है। यहां आ कर बैठो।"

उसने मुझे गोद में खींच लिया और बाल सहलाने लगा।

"चार्ली टैंगो का सफर कैसा रहा?"

"बढ़िया!"

"तुम्हारा काम कैसा रहा"

"हां मुझे ताइवानी लोगों के साथ शिपयार्ड की डील करनी थी। ये हमारे हक में रही।" "बहुत अच्छे।"

"कुछ ही देर बाद हम रे को देखने चल दिए।

डैडी...

वे इतने बड़े पलंग में कितने छोटे से दिख रहे हैं। कई तरह के पाइपों व उपकरणों से घिरे रे को देख मेरे आंसू निकल गए। उनके पांव पर पलस्तर है।

उनके मुंह पर वेंटीलेटर लगा था। कमरे में बीप... बीप... का सुर सुनाई दे रहा था। ओह डैडी

वे अपनी बेहोशी में भी कितने शांत दिख रहे हैं।

नर्स ने मुझे बताया कि मैं उन्हें छू सकती थी। उनके पास बैठ सकती थी। वे गहरी बेहोशी में थे पर मैं उनकी बांह पर सिर रख कर रोती रही। मेरे पति ने सहारा दे कर चुप करवाया। वह किसी काम से बाहर गया तो मैं रे के पास बैठ गई और उन्हें अपने जीवन की यादगार घटनाओं के बारे में बताने लगी। मैं नहीं जानती कि वे कुछ सुन रहे हैं या नहीं पर मुझे इतना पता है कि वे बेहतर महसूस करेंगे।

क्रिस्टियन ने मुझे आश्वासन दिया कि उसने हमारे नंबर नर्सों को दे दिए हैं। रे कोमा में हैं। अगर उनकी हालत में जरा सा भी बदलाव आया तो वे हमें सूचित कर देंगे। तब तक हमें किसी होटल में चल कर कुछ खाना चाहिए और आराम करना चाहिए।

मेरे पति का रवैया देखने लायक है। वह इस मुश्किल की घड़ी में मुझे अपना पूरा साथ दे रहा है। किसी छोटे बच्चे की तरह मेरी देखरेख कर रहा है। उसने टेलर से कह कर रात को बदलने वाले कपड़े भी मंगा लिए हैं।

मैं बहुत घबराई हुई हूं। उसे मेरा यह रूप पसंद नहीं है।

वह बोला, "तुम तो कितनी बहादुर हो। आज तुम ही हिम्मत हार कर दिखा रही हो। हौसला रखो। सब ठीक हो जाएगा।"

मैं कुछ समझ नहीं पा रही। मैं सदमे में हूं और अजीब सा महसूस कर रही हूं। उसने मुझे अपनी बांहों में भर लिया।

"बेबी! वे ठीक हैं। उनके सभी अंग सही तरह से काम कर रहे हैं। बस हमें धैर्य रखना है। वे ठीक हो जाएंगे।" वह मुझे बाथरूम की ओर ले गया और कपड़े उतार दिए।

मैं बहुत ही प्यार से अपने पति की बांहों में हूं। गर्म पानी से भरे टब में हम दोनों मग्न हो कर लेटे हैं। चारों ओर कमल के फूलों की खुशबू है और मैं रिलैक्स महसूस कर रही हूं।

"तुम लीला के साथ नहाए तो नहीं थे, जब तुमने उसे नहलाया था?"

अचानक ही उसके कंधों में जकड़न आ गई।

उसने हैरानी से कहा, "नहीं तो"

मैंने भी यही सोचा था।

"ठीक है।"

उसने मेरा मुंह अपनी ओर घुमा कर पूछा

"तुम ऐसा क्यों पूछ रही हो"

"बस यूं ही।"

"तुम उसे कब तक मदद दोगे?"

जब तक वह अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो जाती। क्यों?"

"क्या ऐसी और भी हैं?"

"और?"

"तुम्हारी मदद पाने वाली एक्स?"

"हां, पहले एक थी। पर अब नहीं है"

"ओह"

"वह डॉक्टर बनना चाहती थी। अब वह किसी के साथ है।"

"किसी सेक्स मालिक के साथ?"

"हां"

"लीला ने कहा था कि तुमने उसकी दो पेंटिंग ली हैं।"

"हां। वैसे मुझे परवाह नहीं है। मेरे लिए बहुत रंगीन हैं। शायद इलियट ले ले क्योंकि उसे कला की समझ नहीं है।"

मैं हंसते हुए उसे सहलाने लगी

"ओह! ये ठीक है।"

"वह मेरी सबसे पक्की सहेली से शादी कर रहा है।"

"तब तो मुझे अपना मुंह बंद ही रखना चाहिए।"

नहा कर बहुत आराम मिला। मैंने पलंग पर पड़े बैग देखे। इतने कपड़े? एक में मेरे लिए जींस और टोपी वाली टीशर्ट थी।

टेलर ने पूरे सप्ताह के कपड़े ले लिए और उसे मेरी पसंद पता है। मुझे याद आ गया, जब मैं हीथमैन में थी तो वही मेरे लिए सबसे पहले कपड़े खरीद कर लाया था।

"क्लेटन में मुझे तंग करने के लिए जाने के सिवा क्या तुमने कभी कोई खरीदारी भी की है?"

"मैं और तंग कर रहा था"

"जी हां! "

"जहां तक मुझे याद है तुम वहां उस पॉल से तंग थीं।"

"तुम्हारे चाहने वालों में से एक..."

"चलो कपड़े पहनो। कहीं ठंड न लग जाए।"

"तैयार।" मैंने कहा।

वह काली जींस व ग्रे स्वेटर में है। मुझे नई पोशाक में देख कर बोला।

"तुम कितनी छोटी दिख रही हो और कल तुम एक साल बड़ी हो जाओगी।" "मैं जन्मदिन नहीं मनाना चाहती। रे को देखने चलें?"

"हां पर पहले कुछ खा लो। तुमने खाने को हाथ तक नहीं लगाया।"

"क्रिस्टियन प्लीज! पहले रे को गुडनाईट कर दें। फिर शायद मैं कुछ खा सकूंगी।" हम आईसीयू में गए तो जोस जा रहा था। वह अकेला आया था।

"डैड कहां हैं?"

"वे घर पर हैं। दवाओं के नशे में हैं। वे आना चाहते थे पर बड़ी मुश्किल से सुला कर आया हूं।" उसने कहा।

"ओह बर्थडे गर्ल कल मिलते हैं।" वह जाने से पहले गले मिला।

क्रिस्टियन को भी बाय कहा और चला गया।

हम अंदर गए तो ग्रेस से मुलाकात हुई। ग्रेस किसी दूसरी महिला से बात कर रही हैं। वे भी एक डॉक्टर हैं और उन्होंने मुझे तसल्ली दी कि मेरे डैड बहुत जल्द ही अच्छे हो जाएंगे। उनकी तबीयत में सुधार हो रहा है।

ग्रेस ने प्यार से गलबांही दे कर भरोसा दिलाया कि मेरे डैड जल्दी अच्छे हो जाएंगे। मुझे उनसे मिल कर अच्छा लगा। वे सब मुझे डैड के पास छोड़ कर चले गए और मैं उनके पास बैठ गई।

बाद में क्रिस्टियन से पता चला कि उसने अपनी मॉम को सुबह फोन किया था और वे मेरे डैड को देखने आना चाहती थीं। सुन कर अच्छा लगा। ऐसा लगा कि परिवार का सहारा मिल गया हो।

रात को हम लेटने लगे तो क्रिस्टियन ने मुझसे वादा लिया कि मैं सुबह कुछ न कुछ अवश्य खाऊंगी।

"क्रिस्टियन! मेरे पास आने के लिए धन्यवाद! "

"मैं तुम्हारे पास नहीं आता तो कहां जाता। एना! तुम तो मेरे लिए सब कुछ हो।" वह बोला

मैं लजा गई। बेशक उसके साथ होने से मेरा तनाव कितना छंट गया। उसे तो सब कुछ संभालना आता है।

हम दोनों लेट कर होथमैन में बिताई पहली रात की बातें करते रहे और उसने मुझे बताया कि वह उस रात कैसे मुझे घंटों ताकता रहा था। मैंने बड़े ही सुकून से अपने पति की बांह को अपना तकिया बनाया और गहरी नींद में सो गई। आज का दिन वाकई भावात्मक रूप से बहुत थकाने वाला रहा था।

अध्याय-18

सुबह आंख खुली तो मैंने खुद को होटल के कमरे में पाया। मुझे याद आया कि मैं हीथमैन में थी और जब यह याद आया कि मैं पोर्टलैंड में क्यों थी तो अचानक ही दिल दहल गया। डैडी!!!

मैं झटके से जाग गई। "अरे! परेशान मत हो! "

मैंने अभी फोन किया था। "रे ठीक हैं और रात को गहरी नींद ली है।" क्रिस्टियन काली टी-शर्ट और नीली जींस में है। उसने मेरा माथा चूम लिया।

"हाय "

"हाय! क्या मैं तुम्हें जन्मदिन की मुबारक दे सकता हूं।"

मैंने उसके गाल सहलाए, "क्यों नहीं! हर चीज के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद! " "हर चीज"

"हां, हर चीज"

वह एक पल के लिए उलझन में दिखा और फिर मुझे एक कार्ड और छोटा-सा बॉक्स थमा दिया।

मैं अपने पिता के लिए चिंतित होने के बावजूद कुछ समय के लिए उसके साथ रौ में बह गई और कार्ड पढ़ा

मेरी प्रिय पत्नी के रूप में तुम्हारे पहले जन्मदिन पर, हमारी सारी पहली यादगार बातों के नाम

तुमसे बहुत प्यार करता हूं।

तुम्हारा और तुम्हारा

"ओह! हाउ स्वीट! "

"इसमें क्या है?"

"खोल कर देखो।"

लाल चमड़े के बॉक्स में सिल्वर या सफेद गोल्ड का प्यारा सा ब्रेसलेट दिखा। इसमें बहुत प्यारी चीजें टंगी हैं जैसे आइफल टॉवर, लंदन की काली कैब, एक हैलीकॉप्टर, एक दिल, एक ग्लाइडर, एक छोटी नौका, पलंग और आईसक्रीम कोन। मैंने उसे कौतुक से देखा।

"वनीला! " उसने कहा और मेरी हंसी छूट गई।

"क्रिस्टियन! ये बहुत सुंदर है। थैंक्स"

"मुझे हार्ट पसंद आया। यह एक लॉकेट है।"

"तुम इसमें कोई तस्वीर भी लगा सकती हो।"

"तुम्हारी तस्वीर। हमेशा मेरे दिल में रहती है।"

उसने अपनी प्यारी और लजीली सी मुस्कान दी।

उसमें सी नाम का अक्षर और एक चाबी भी थे। मैं अपने पति के पहले नाम के अक्षर का प्रयोग कर सकती थी। अंत में एक चाबी भी दी गई थी।

"यह मेरे दिल और आत्मा की चाबी है।"

मेरी आंखों से आंसू छलक उठे। मैं उसकी गोद में जा बैठी। कितना प्यारा तोहफा है। बहुत सुंदर!!! मैं उसकी गंध में मग्न हो गई।

उसने मुझे आलिंगन में भर लिया।

"पता नहीं, तुम्हारे बिना मेरा क्या होता?" मेरा स्वर भर्रा गया।

उसने मुझे कस कर थाम लिया। "रोना बंद करो।"

"काश हम घर पर होते पर आज हालात ऐसे हैं और हम यहां हैं। चलो, हम नाश्ता करके रे से मिल आते हैं।"

मैंने कपड़े बदले और अपने पति के साथ नाश्ता करने लगी। अगर मैंने सही तरह से न खाया तो उसे अच्छा नहीं लगेगा।

"मेरा मनपसंद नाश्ता मंगाने के लिए थैंक्स! "

"आज तुम्हारा जन्मदिन है और मुझे बार-बार धन्यवाद कहना बंद करो।" उसने बड़े ही लगाव से कहा

फिर इसी तरह प्यार भरी बातों में थोड़ा समय बीत गया।

मैं ब्रश करके आई। मैंने कहा तो वह दबी हंसी हंसा

उसने ऐसा क्यों किया। ओह! याद आया, जब मैं उसके साथ यहां थी तो मैंने उसका ब्रश इस्तेमाल किया था। तब मैं अकेली थी और आज मैं उसकी पत्नी हूं।

मेरे प्यारे से पति ने कितना प्यारा तोहफा दिया है। मैंने गहरी सांस के साथ उसके दाम का अंदाजा लगाना चाहा पर मेरा पति इसे खरीद सकता है।

जब हम चलने लगे तो उसने मेरा हाथ चूम लिया

"ठीक लग रहा है?"

"हां, बहुत अच्छा"

कल से बेहतर लग रहा है। आज रे ठीक हैं। मेरे पति ने कितने प्यार से जगाया है। सब कुछ संभल गया है।

हम लिफ्ट में चले तो उसने कनखियों से देख कर कहा

"एक दिन, पूरी दोपहर इसका इस्तेमाल करूंगा"

"केवल दोपहर"

"मिसेज ग्रे! आप बड़ी लालची हो रही हैं।"

"हां, मैं तुम्हारे लिए लालची ही हूं।"

"सुन कर खुशी हुई।" उसने मुझे प्यार से चूम लिया।

अचानक ही मेरा मन उसके लिए मचल उठा। मैंने उसे चूमते हुए दीवार से सटा दिया और बालों में हाथ फिराने लगी। हम दोनों गहरे चुंबन में मग्न हो गए। मैंने उसका प्यारा-सा चेहरा हाथों में भर लिया।

"एना! "

"आई लव यू क्रिस्टियन ग्रे।"

अचानक ही लिफ्ट बंद हो गई। हम नीचे उतरे तो उसने रिसेप्शन पर खड़े आदमी को इशारा-सा किया। कुछ समझ नहीं आया।

"टेलर कहा है?"

"गाड़ी लाने गया है।"

"स्वेयर कहा है?"

"कामों में लगा है।"

"कौन से काम?"

उसने गोल घूमने वाले दरवाजे की बजाए दूसरे दरवाजे से बाहर जाना पसंद किया। मैं जानती हूं कि वह मेरा हाथ नहीं छोड़ना चाह रहा।

तभी गाड़ी का स्वर सुनाई दिया और उसमें से टेलर निकला

"आर 8। ओह! तुम मेरे जन्मदिन पर सफेद रंग में लेकर दे सकते हो।"

"हैप्पी बर्थडे।" मैं उसे हैरानी से देख रही हू और इसके सिवा कर भी क्या सकती हूं। ओह! उसने मेरे लिए आर 8 ली है। उसने मुझे बांहों में भरकर झुला दिया।

"ओह! तुमने इतनी महंगी गाड़ी क्यों ली?"

"मिसेज ग्रे! आपके लिए कुछ भी! "

"चलो डैड से मिलें।"

"हां। क्या मैं चला सकती हू"

"क्यों नहीं! तुम्हारी गाड़ी है।"

"थैंक्स टेलर।" मैंने उसे छोटी-सी गलबांही दी और वह अचकचा गया।

"मिसेज ग्रे! आराम से चलाना।" उसने कहा

पति ने साथ बैठ कर कहा, "कोई जल्दी नहीं। आज कोई पीछा नहीं कर रहा।" मैंने एकदम से गति ली तो वह चिल्लाया

"धीमी करो। मैं नहीं चाहता कि तुम मुझे अपने डैड के साथ आईसीयू में दिखाई दो।" "बेहतर?"

"हां, अब ठीक है।"

रे की हालत अब भी वैसी ही है। वे ठीक लग रहे हैं। मैं उन्हें अपनी सुबह के बारे

पाठकों से

अध्याय 17 के बाद तकनीकी कारण से पृष्ठ संख्या 271 आ गया है। यह केवल तकनीकी त्रुटि है। पुस्तक के कथानक अथवा घटनाक्रम में कुछ भी मिसिंग नहीं है। आप अध्याय-18 से आगे की कहानी अध्याय के अनुसार पढ़ें। पृष्ठ संख्या पर ध्यान न दें।

–प्रकाशक

में बताने लगी तो मेरे पति ने इस दौरान कुछ फोन कर लिए। पता नहीं उसे इतना काम क्यों रहता है।

"मिसेज ग्रे! इनकी हालत में सुधार है।" नर्स ने कहा

सुन कर अच्छा लगा

तभी डॉक्टर आ गए। हम इन्हें रेडियोलॉजी के लिए ले जा रहे हैं।

"क्या वक्त लगेगा?"

"हां, एक घंटा लगेगा।"

"मैं इतंजार करूंगी। नतीजा जानना चाहती हूं।"

प्रतीक्षा कक्ष में गई तो वह किसी पर भन्ना रहा था। वह चाहता है कि रे का एक्सीडेंट करने वाले को पूरी सजा मिले। उसका गुस्सा देखने लायक था।

मैं उसकी गोद में जा बैठी और बताया कि कल रात उसकी मॉम के आने से मुझे कितनी तसल्ली मिली थी।

"हां, वे बहुत ही कमाल की महिला हैं।"

"क्या मुझे अपनी मॉम को रे के बारे में बताना चाहिए।"

अचानक याद आया कि आज मेरा जन्मदिन है और मॉम ने विश तक नहीं किया। शायद किया हो। मैंने फोन निकाला तो कोई मिस्ड कॉल नहीं थी। केवल केट, ओसे, ईया और ईथन की ओर से बधाई संदेश थे। मेरी अपनी मां बधाई देना भूल गई।

मैं उन्हें सी टी स्कैन का नतीजा आने के बाद बताऊंगी।

मैं गोद में ही थी कि उसकी एंड्रिया का फोन आ गया। मैंने हटना चाहा पर उसने उठने नहीं दिया गुड...पैकेज...हीथमैन....किस वक्त...बढ़िया....हां। उसने फोन रखा तो मुझे कुछ समझ नहीं आया।

"सब ठीक है?"

"हां"

"तुम्हारे ताईवान दल की बात हो रही थी।"

"हां ।" उसने पहलू बदला

"क्या मेरा भार ज्यादा है।"

"नहीं बेबी! "

"क्या तुम ताइवान डील के लिए परेशान हो?"

"नहीं"

"मुझे लगा कि वह अहम थी।"

"हां। बहुत से काम उस पर टिके हैं।"

वह अपने काम की बातें बताने लगा तो मैंने जंभाई ली।

"क्या मैं तुम्हें बोर कर रहा हूं।"

"नहीं। मुझे तुम्हारी बातें सुनना पसंद है।"

"बेशक। तुम्हें हमेशा ज्यादा-से-ज्यादा जानने का शौक रहा है।" उसने चुटकी ली। "अच्छा! तुम बताओ कि तुम क्या करते हो"

"वही जो पैसा कमाने के लिए करना पड़ता है। काम करता हूं।"

"क्रिस्टियन! तुम बहुत पैसा कमाते हो।" मुझे पता है कि वह कुछ नहीं बताने वाला पर उसने हैरानी में डाल दिया।

"मुझे गरीबी पसंद नहीं है। मैं दोबारा वहां नहीं जाना चाहता। यह एक खेल है। मुझे इस खेल में जीतना पसंद है।"

"हां! मैं जिंदगी के इस खेल को तुम्हारे साथ खेलना चाहता हूं क्योंकि 'यह तुम्हारे साथ आसान हो जाता है।।"

"पर तुम तो बहुत उदार दानी हो"

"हां, कह सकती हो।"

ओह! मेरा दीवाना, दानी, सेक्सी, झक्की, रोमानी, लजीला और प्यारा-सा पति!! ओह! कितने क्रिस्टियन हैं।

कम से कम पचास तो होंगे।

उसने प्यार से चूमा। "चलो मिसेज शेड्स! डैड से मिलें।"

"क्या हम ड्राईव पर जा सकते हैं?"

हम आर 8 में वापिस आ रहे हैं। आज उन्होंने डैड को कोमा से जगाने का फैसला लिया है क्योंकि उनकी तबीयत संभल रही है।

"क्यों नहीं, तुम जो कहो।" क्रिस्टियन ने कहा

"कुछ भी?"

"हां, कुछ भी"

जब हम पोर्टलैंड आए तो मैं उसे लंच के लिए वहां ले गई। जहां हमने ओसे की प्रदर्शनी के बाद खाना खाया था।

वह हंसने लगा। "शुक्र है कि तुम मुझे उस बार में नहीं ले गई। जहां से तुमने मुझे शराब पीकर फोन किया था।"

"मैं ऐसा क्यों करती?"

"यह देखने के लिए वे लोग जिंदा हैं या नहीं।"

"वैसे तुम भी तो मुझे होटल ले गए थे?"

"हां, मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला था।"

"हां! सो तो है।"

लंच के बाद हमने हीथमैन से उसका लैपटॉप लिया और अस्पताल आ गए। दोपहर को मैं रे के साथ रही। बस अब तसल्ली है कि उन्हें आराम आ रहा है। थोड़ा वक्त लगेगा। मैं सोचने लगी कि मॉम से बात करती हूं। पर उस वक्त टाल दिया। मैंने रे का हाथ थाम लिया और सहलाने लगी।

करीब दो घंटे बाद देखा तो क्रिस्टियन नर्स के साथ खड़ा था।

"चलें एना! "

"ओह। मैं रे को छोड़ कर नहीं जाना चाहती।"

"आओ! कुछ खा लें। बहुत देर हो रही है।"

"हां! मुझे मि. स्टील को स्पंज बाथ देना है।" नर्स ने कहा

वह मुझे सुईट में ले गया और बताया कि हम प्राइवेट कमरे में अपना डिनर लेने जा रहे थे।

"अच्छा! कोई पुरानी कहानी पूरी करनी है।"

"हां। सो तो है।"

"पर मेरे पास कोई अच्छी ड्रेस नहीं है।"

उसने अलमारी खोल कर दिखाई।

"वहां प्यारी सी सफेद पोशाक तैयार थी।"

"टेलर लाया है?"

"नहीं मैं लाया हूं।" उसके सुर में उलाहना था। मुझे हंसी आ गई।

बैग में एक नेवी रंग की साटिन पोशाक दिखी और साथ ही मेल खाते जूते भी थे। वाह क्या पसंद है।

वह बहुत ही दामी और प्यारे अंतर्वस्त्र भी लाया था और उसने इशारे से बताया कि वह उन्हें उतारने के लिए बेताबी से इंतजार करेगा।

मैं नहाकर आई तो उसने इसरार किया कि वह मेरे बाल सुखाना चाहेगा। वह बालों की एक-एक लट को किसी कुशल ड्रेसर की तरह सुखाता रहा। मैं उसे निहारती रही। रे अब ठीक हैं और मैं खुद को बेहतर महसूस कर रही हूं।

जब डिनर के लिए चले तो वह सफेद कमीज, काली जींस और जैकेट में बहुत दिलकश दिख रहा था। आज वह टाई में नहीं है। रास्ते में दो औरतों ने उसे निगाहें भर कर देखा और मैंने भी जता दिया कि जी हां, ये मेरा है।

मैं नीचे पहुंची तो डाईनिंग एरिया में भीड़ थी। सजे-संवरे लोग खाने के लिए आए हुए थे। मैंने मन ही मन अपने पति को धन्यवाद दिया। उसकी वजह से कम-से-कम मेरी इज्जत रह गई। वरना मेरे कपड़े वहां खड़े होने लायक भी नहीं थे। मैंने प्राइवेट कमरे की ओर कदम बढ़ाए। पहले भी हम वहीं बैठे थे जब अनुबंध के बारे में बात हुई थी पर वह तो मुझे दूसरी ही ओर ले चला। जैसे ही उसने दरवाजा खोला।

सरप्राइज!!

ये क्या!! वहां केट और इलियट, ईया और ईथन, कैरिक और ग्रेस, ओस और उसके पिता, बॉब और मेरी मां सभी खड़े दिखाई दिए। मेरी तो बोलती ही बंद हो गई। कैसे? कब? मैंने हैरानी से अपने पति को देखा तो उसने मेरा हाथ दबा दिया।

मॉम ने आगे आकर मुझे गले लगा लिया।

"डार्लिंग बहुत प्यारी दिख रही हो। जन्मदिन मुबारक हो।"

मेरे आंसू उमड़ पड़े और मैंने उनकी गर्दन में मुंह छिपा लिया।

"मुझे लगा कि आप भूल गई थीं।"

"ओह! क्या मैं अपनी बेटी का जन्मदिन भूल सकती हूं। कोई घंटों की प्रसव वेदना कैसे भुला सकता है। जब मां बनोगी, जब जानोगी।" वे नाक सिकोड़ कर बोलीं।

"चलो आंसू पोंछो। ये सब लोग तुम्हारे खास दिन को और भी खास बनाने आए हैं।" ओह ये लोग सब मेरे लिए आए हैं। कितने कमाल की बात है।

"आप सब कैसे आए? कब आए? "

"तुम्हारे पति ने प्लेन भेजा था। शोना!! " मॉम ने कहा

और मैं हंस दी। "थैंक्स मॉम! "

सभी बारी-बारी से आगे आए और मुझे जन्मदिन की बधाई दी।

"एना! तुम जी भरकर रो सकती हो। ये तुम्हारी पार्टी है।" ओसे ने कहा

"मेरी प्यारी बेटी को जन्मदिन मुबारक।"

"चलो बहुत हुआ। अब मेरी बीवी को छोड़ और अपनी मंगेतर को गले लगा।" क्रिस्टियन ने मुझे इलियट की गलबांही से आजाद करते हुए कहा

इलियट ने केट को देखकर आंख मारी। एक वेटर ने मुझे और मेरे पति को गुलाबी शैंपेन का गिलास थमा दिया।

क्रिस्टियन बोला, "अगर आज रे यहां होते तो बहुत अच्छा होता पर वे हमारे साथ ही हैं और अब ठीक हो रहे हैं। एना! वे भी यही चाहते हैं कि तुम अपने जन्मदिन की खुशी मनाओ। आप सबका धन्यवाद कि आप हमारे विवाह के बाद, मेरी पत्नी के पहले जन्मदिन की दावत में आए। मेरी प्यारी पत्नी के नाम।" उसने टोस्ट किया और सबने मिलकर जन्मदिन का गीत गाया। मेरे आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे।

डिनर टेबल के आसपास मेरा पूरा परिवार बैठा और सभी अलग-अलग तरह की बातों में मग्न हैं। मैं सोच भी नहीं सकती थी कि मेरा पति मेरे लिए इतना बड़ा सरप्राइज कर सकता है। मेरे डैड आईसीयू में हैं पर अब ठीक हैं और ये सब मेरे लिए यहां आए हैं। मैं इनकी आभारी हूं।

मैंने केट से पूछा कि वे लोग कैसे आए हैं तो उसने बताया कि वे क्रिस्टियन के साथ हैलीकॉप्टर में आए हैं।

उसे हैरानी थी कि मेरे पति ने पायलट का काम किया। उसे कैसे बताती कि मैं यह अनुभव ले चुकी हूं।

"हाय! मजा ही आ गया।"

"सच्ची।" मैंने पूछा

"हां! "

"क्या आज रात तुम सब यहीं थे।"

"हां शायद तुझे नहीं बताया होगा पर हम सब उसके साथ ही आ गए थे"

मैंने उसे जन्मदिन वाला तोहफा दिखाया पर उसके सारे मॉडलों की कहानी नहीं बता सकी। ऐसी बातें किसी को बताई नहीं जा सकतीं।

हम हंसकर गप्पें मारने लगे।

चॉकलेट केक तो देखने लायक था। उसमें बाईस मोमबत्तियां लगी थीं। एक बार फिर से हल्ले-गुल्ले के बीच केक कटा और बधाईयां दी गईं।

ओसे के पिता जाने लगे तो मुझसे धीरे से बोले

"मैं तुम्हें अपनी बहू बनाना चाहता था पर तुम्हारा पति भी नेक आदमी है। इसे बहुत प्यार से रखना।"

"जी अंकल! ओसे मेरा अच्छा दोस्त है। मैंने उसे हमेशा एक भाई की तरह माना है।" मैंने अपनी सफाई दी और वे मुझे प्यार देने के बाद चले गए।

सबको विदा देने के बाद, कमरे में आते ही मैंने अपने पति को उस यादगार दावत के लिए धन्यवाद दिया और हमारे होंठ आपस में मिल गए।

सामूहिक नाश्ते के बाद मैंने अपने तोहफे खोले और चार्ली टैंगो से वापिस जाने वालों को अलविदा कहा। फिर मैं अपने पति और मॉम के साथ अस्पताल चल दी। बॉब नहीं जा रहा था। चलो ठीक ही है।

रे को देखते ही मॉम को झटका लगा और हम दोनों रो दिए।

उन्होंने रे को प्यार से सहलाया और उनका हाथ थाम लिया। उन्हें एक साथ देख मेरा दिल भर आया। ये मेरे पति की ही मेहरबानी थी वरना मॉम के लिए इतनी दूर से आ पाना शायद संभव न होता। मैंने उसे लगाव से देखा और आंखों ही आंखों में धन्यवाद दिया।

मां-बेटी के बीच कुछ गोपनीय बातें हुई और मॉम ने राय दी कि मुझे अपने प्यारे से पति को समय-समय पर बताते रहना चाहिए कि मैं उससे कितना प्यार करती हूं। उन्होंने कहा कि अक्सर पुरुषों को भी ऐसा सुनना पसंद होता है।

हम उन्हें एयरपोर्ट तक छोड़ने गए। और जब वे चले गए तो क्रिस्टियन ने मुझे अपनी बांह से घेर लिया।

"चलो बेबी! वापिस चलें।"

"क्या गाड़ी तुम चलाओगे?"

"हां।" उसने लगाव से कहा

जब हम शाम को लौटे तो रे का वेंटीलेटर हटा दिया गया था और वे अपने-आप सांस ले रहे थे। मुझे चैन आ गया। मैंने टिश्यू ले कर उनके मुंह के कोने से निकल रही झाग साफ कर दी।

क्रिस्टियन ने उनकी हालत का ब्यौरा लेने के लिए डॉक्टरों की खोजबीन शुरू की और मैं उनके पास जाकर बैठ गई।

अचानक ही रे की आंख खुली और मैंने उन्हें देखा।

डैडी!!!! मेरे डैडी को होश आ गया।

अध्याय-19

मैं रोने लगी। मेरे डैडी को होश आ गया। वे ठीक हो गए हैं।

"प्यारी एना! रोना बंद करो। मैं कहां हूं।"

"आपका एक्सीडेंट हो गया था। आप पोर्टलैंड के अस्पताल में हो।"

"क्या आप पानी लोगे?" हालांकि मैं जानती हूं कि उन्हें अपने-आप कुछ नहीं देना पर मैं उनसे बात करना चाहती हूं। मैं नर्स कैली के पास गई और उसे बताया कि मेरे डैड को होश आ गया है।

फिर मैं क्रिस्टियन के पास गई और डैड के बारे में बताया।

"मैं उन्हें सिएटल ले जाना चाहता हूं। तब हम घर जा सकते हैं और मॉम उन्हें देख भी लेंगीं।"

"तुम्हें घर की याद आ रही है?"

"हां, तुम्हें नहीं आ रही है।"

"हां, मुझे भी आ रही है।"

हम अस्पताल से निकले तो मेरे पति ने पूछा कि क्या अब हम जश्न मना सकते थे। मैंने कहा कि मैं अपने होटल के कमरे में ही खाना चाहूंगी।

ओह पेट भर कर खाया। खाना कितना अच्छा था।

"एना! आज पहली बार तुम्हें इतने दिल से खाते देख रहा हूं।"

"हां! मैं खुश हूं कि मेरे डैड अच्छे हो गए।" मैंने कहा।

"क्या करना चाहोगी?"

"तुम क्या करना चाहते हो?"

"वही जो हमेशा से चाहता आया हूं।" उसने अपनी वाइन का घूंट भरा।

मैंने उसके पास जा कर उसकी हथेली पर अंगुली फिराते हुए कहा। "मैं चाहती हूं कि तुम मुझे इससे छुओ। वह एकदम पिघल गया और मुझे बांहों में खींच लिया। उसके किस से एपल पाई, वाइन और मेरे क्रिस्टियन की गंध आ रही है। हमारी जीभें आपस में मिलीं तो लहू में उबाल आने लगा।

"चलो बिस्तर पर चलें"

"बिस्तर पर?"

"तो मिसेज ग्रे! कहां जाना चाहती हैं?"

"तुम जहां ले चलो।"

"आज आप कुछ ज्यादा ही मचल रही हैं"

"हां, हो सकता है कि मुझे बांधना ही पड़े।"

"ओह! मैं जानता हूं कि मुझे क्या करना चाहिए।"

"मि. ग्रे! पिछले दिनों आप कुछ ज्यादा नरमाई से पेश आते रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि मैं कांच की नहीं बनी।"

"आपको वह पसंद नहीं?"

"पसंद है पर विविधता में ही जीवन का रस होता है।"

"तो आप कुछ कम नरमाई चाहती हैं?"

"आपकी मर्जी"

उसने तीन में से एक कोच पर मुझे बिठा दिया और वहां से न हिलने का आदेश दिया। "चलो इसी से काम चलाते हैं।" उसने मेरी टीशर्ट को इस तरह ऊंचा किया कि वह

मुंह पर आ गई और अब मैं कुछ नहीं देख सकती। मैं अपने अंतर्वस्त्रों में हूं। फिर उसने मुझे उठाया और काउच पर तौलिया बिछा दिया।

"अपने सारे कपड़े उतार दो।"

मैंने वही किया जो कहा गया था।

"मिसेज ग्रे! आपको कुछ ज्यादा होता दिखे तो मुझे रोक देना।"

मैंने हामी दी।

"अपने घुटने ऊंचे करो और सीधी बैठ जाओ।"

उसने मेरी दोनों टांगें काउच के दोनों ओर बाथरोब की पतली बेल्ट से बांध दीं। फिर मुझे चेतावनी मिली। "हिलना मत!! "

ओह माई! मेरी दोनों टांगें चौड़ी खुली हुई हैं।

मैंने सोचा कि शायद वह मेरे हाथ भी बांधेगा पर उसने ऐसा नहीं किया।

"तुम नहीं जानतीं कि तुम इस समय कितनी हॉट दिख रही हो।"

अब मैं पूरी तरह से निर्वस्त्र हूं और उसके हाल पर हूं।

उसने मेरी पसंद का गाना लगाया और मेरे आगे घुटनों के बल बैठ गया।

अचानक ही मुझे शर्म-सी आने लगी।

मैं उसकी ओर सम्मोहित भाव से देख रही हूं और उसने मुझे अपने हाथ पीछे करने को कहा। फिर एक शीशी में से कोई सुगंधित बाथ ऑयल निकाला और मेरे हाथों पर रख दिया।

"अपने हाथ मलो और मैं चाहता हूं कि तुम इन हाथों से अपने-आप को छुओ।" *हैं!!! ये क्या।*

"हां। अपने गले से शुरू करते हुए नीचे तक आओ।"

मैं हिचकने लगी।

"एना! शरमाना बंद करो।"

मैंने अपने हाथ गर्दन पर रखे और उन्हें नीचे तक फिसलने दिया। मेरे हाथ गरमाहट से भरे हैं।

"और नीचे।" *ओह! वह तो मुझे हाथ तक नहीं लगा रहा।*

मेरे हाथ अपने वक्षों पर आ टिके

"अपनी देह से खेल कर दिखाओ।"

ओह माई

मैंने निप्पलों को हाथों से दबाया।

"और जोर से..."

पेट की मांसपेशियों में ऐंठन होने लगी।

"हां! मुझे अच्छा लगा। दोबारा करो।"

"आंखें खोलो। मैं चाहता हूं कि तुम अपने-आप को इस रूप में देखो।"

"एना! अपने शरीर के इस स्पर्श का आनंद लो।" उसने हौले से कहा

यह सब कितना मादक है। मेरी पूरी देह मेरे हाथों के संकेतों पर नाच रही है। मैंने सिसकारी भरी और अपना सिर पीछे झटका। उसने गहरी सांस ली और मेरी जांघों

पर अपनी जीभ का स्पर्श देता चला गया।

मैं उसे छूना चाहती हूं पर जब भी अपने हाथ हिलाने की कोशिश करती हूं तो उसकी अंगुलियां मेरी कलाईयों को जकड़ लेती हैं।

"अगर तुमने हिलना बंद नहीं किया तो इन्हें भी बांध दूंगा।"

मैंने आह भरी और उसने उसी वक्त अपनी दो अंगुलियों को मेरे भीतर उतार दिया। मेरे पूरे शरीर में आनंद की लहर दौड़ रही है पर मैं चाह कर भी शरीर के निचले हिस्से को हिला नहीं सकती। मेरे हाथ तौलिए के नीचे दबे हैं।

मैंने अपने-आप को उसके स्पर्श के सहारे ही छोड़ने का फैसला लिया और चरम सुख तक जा पहुंची।

"मेरी बारी!" इतना कहते ही वह मेरे भीतर उतर आया।

"ओह एना!' मैं भी उसके साथ दोबारा उन्हीं रास्तों पर चल पड़ी। ये कैसी प्यास है जो कभी बुझती ही नहीं।

"कम ऑन एना! कम विद मी।" उसके इतना कहते ही हम दोनों एक साथ पार जा उतरे।

मैं अपने पति के साथ निश्चेत पड़ी हूं। हम सोफे के पास फर्श पर हैं और वह अभी कपड़ों में ही है।

"एक बार और करें। इस बार तुम्हारे कपड़े भी उतार देंगे।" मैंने चुहल की

"एना! तुम्हारा दिल नहीं भरता।"

मैं खिलखिलाने लगी। "ओह रे को होश आ गया तो तुम्हारी मस्ती भी लौट आई है।" "ओह मि. ग्रे! मैं आपके ये कपड़े उतारना चाहती हूं।" मैंने लाड से कहा

"तुम कितने स्वीट हो"

"मैं स्वीट नही हूं।"

"तुम हो। तुमने मेरे वीकएंड को कितना स्पेशल बना दिया।"

"क्योंकि मैं तुमसे प्यार करता हूं।"

"मैं जानती हूं। मैं भी तुमसे प्यार करती हूं।"

ओह क्रिस्टियन.......मेरा प्यारा फिफ्टी!

उसकी आंखों में छिपी पीड़ा और बचैनी को दूर करने के लिए मैं कुछ भी कर सकती थी और मैंने उसे मुख मैथुन का मजा देने के लिए राजी कर लिया। वह रात बहुत ही खुशनुमा तरीके से बीती।

अगली सुबह उठी तो वह अपने कंप्यूटर पर मग्न था।

"मिसेज ग्रे! आप जल्दी उठ गईं।"

"आप भी तो उठ गए।"

"मुझे काम करना था।"

"क्या?"

"जासूस क्लार्क तुमसे मिलना चाहता है। हाइड के बारे में बात करनी है।"

"अच्छा"

"मैंने टालना भी चाहा पर वह नहीं मान रहा। मुझे हामी देनी पड़ी।"

"आने दो। हमें क्या डर है। हम तो कुछ नहीं छिपा रहे।"

रे के पास गए तो उनकी बेचैनी और खीझ लौट आई थी। देख कर खुशी हुई। इसका मतलब है कि उनकी तबीयत ठीक हो रही है। वे संभल रहे हैं। वे अपने लिए खाने को कुछ अच्छा चाहते थे। मैं अपने पति को बताने चल दी कि मैं डैड के लिए खाने को कुछ लेने जा रही हूं।

क्रिस्टियन अब भी फोन पर है। मेरे हिसाब से तो उसे यहीं अपना ऑफिस खोल लेना चाहिए। जब देखो, तब काम ही सूझता है।

"क्लार्क चार बजे आ जाएगा।"

"उसे इतनी क्या जल्दी पड़ी है। रे कॉफी और डोनट्स लेना चाहते हैं।"

क्रिस्टियन हंसने लगा, "अगर मेरा एक्सीडेंट हुआ होता तो शायद मैं भी यही मांगता।" "टेलर से जाने को कहो।"

"नहीं मैं जाना चाहती हूं।"

"अच्छा उसके साथ जाओ।"

तभी वह अपनी कोई कारस्तानी करने ही वाला था कि एक महिला ने रोते हुए प्रवेश किया। वह मुझे बाहर ले जाते हुए बोला कि उन लोगों को गोपनीयता और एकांत की अधिक आवश्यकता होगी। उसने अपना सामान समेटा और मेरे साथ ही चल दिया।

चार बजे जासूस क्लार्क आ पहुंचा। टेलर उसे अंदर लाया तो वह हमेशा की तरह खराब मूड में दिखा।

"मि. व मिसेज ग्रे! आज मिलने के लिए धन्यवाद।"

हमने हाथ मिलाए और हम उस सोफे पर बैठ गए, जहां पिछली रात....

क्रिस्टियन ने संकेत किया और टेलर बाहर चला गया।

"आपको जो भी कहना हो। मेरी उपस्थिति में मेरी पत्नी से कह सकते हैं।" वह बोला क्लार्क ने मुझसे पूछा। "क्या आपको कोई एतराज नहीं है।"

"जी नहीं। मेरे पति से कुछ भी छिपा नहीं है। आप इनके सामने ही बात करें।" मैंने कहा

क्रिस्टियन के चेहरे पर तनाव के बादल थे।

क्लार्क ने कहा, "हाइड ने कहा कि आपने उसका यौन शोषण किया और अपनी ओर उसे अपने जाल में फांसने की बहुत कोशिश की।"

ओह। मेरी हंसी छूट गई पर मैंने किसी तरह अपने पति का हाथ थामकर उसे संभालना चाहा क्योंकि वह गुस्से से अपना पहलू बदल रहा था।

"हद हो गई।" वह बोला

"यह सच नहीं है।" मैंने कहा

"मतलब?"

"इसका बिल्कुल उलट हुआ था। वह मुझे बार-बार तंग करता था"

"वह कह रहा है कि आपने उसकी नौकरी पाने के लिए यह सब स्वांग किया।" "जासूस महोदय! अब आप ये न कहें कि आप इतनी दूर से मेरी बीबी पर ऐसे बेहूदा

इल्जाम लगाने आए हैं?"

"सर! मैं भी इस बात को नहीं मानता पर मिसेज ग्रे से इस बारे में बात करना चाहता था।"

"एना! तुम्हें ये बकवास सुनने की जरूरत ही क्या है।"

मुझे लगा कि अब उसे सारी बात बता देनी चाहिए। फिर मैंने क्लार्क को सारी बात बताई कि किस तरह हाइड मुझे तंग कर रहा था और उसने मुझ पर झपटना चाहा। मैंने किसी तरह उससे अपने को बचाया। उसने मुझ पर आरोप लगाया कि मैं क्रिस्टियन की जासूस थी जबकि उसे यह पता नहीं था कि वह कंपनी खरीद चुका था।

"आपने उसकी किसी पी ए से बात की?" क्रिस्टियन ने पूछा

"नहीं, वे तो कहती हैं कि वह बहुत अच्छा बॉस था पर कोई भी तीन महीने से ज्यादा नहीं टिकी।"

"यही तो बात है।" वे उसके खिलाफ बोल ही नहीं सकतीं।

आपको इन बातों का कैसे पता। जासूस ने पूछा

"क्योंकि मेरी बीबी वहां काम करती थी इसलिए उसकी सुरक्षा के बारे में चिंता करना मेरा फर्ज बनता है।"

"ओह अच्छा! ये कहानी तो और भी पेचीदा हो रही है।"

उसने बताया कि वे हाइड के बारे में ज्यादा पूछताछ कर रहे हैं। हो सकता है कि चार्ली टैंगो वाले अभियोग की बात भी साबित हो जाए। उसने दो लोगों को मारने का प्रत्यन किया था। जासूस ने बताया कि वह अपनी परदादी से मिलने पोर्टलैंड आ रहा था इसलिए उसने सोचा कि हमसे बातचीत भी कर ले।

क्रिस्टियन से वह अब और बर्दाश्त नहीं हो रहा था। जब वह चला गया तो मुझे अपने पति का गुस्सा शांत करने में बहुत वक्त लग गया। फिर हम डैड को देखने चल दिए।

अगले दिन रे को सिएटल के अस्पताल में पहुंचा दिया गया। वे सफर से थक गए थे इसलिए बहुत देर तक सोते रहे। जब वे उठे तो मैं उनके पढ़ने के लिए बहुत-सी किताबें लाकर कमरा सजा चुकी थी। उन्होंने मुझे काम पर जाने को कहा पर मैं चाहती थी कि उस नए माहौल में उन्हें कोई दिक्कत न हो इसलिए मैं वहीं बनी रही।

तभी मेरे फोन पर एक नए नंबर से फोन आया। मैं नंबर भी नहीं पहचानती थी। अस्पताल से निकलने लगी तो किसी ने पीछे से पुकारा

"मिसेज ग्रे! मिसेज ग्रे।"

"कैसी हैं आप? मेरा मैसेज नहीं मिला?"

"अरे ये क्या ये तो डॉक्टर ग्रीन हैं।"

"मैं सोच रही थी कि तुम पिछली चार बार से मेरे पास क्यों नहीं आई"

मेरा दिमाग चकरा गया। *पिछली चार बार से? क्या मैं पिछली चार बार से अपना शॉट मिस कर रही हूं।*

"मेरे आफिस में चल कर बात करते हैं। मैं लंच लेने जा रही थी।"

मेरी तो जान ही निकल गई।

उनके ऑफिस में जाकर मैंने बताया कि मेरे डैड को वहां रखा गया था इसलिए मैं अस्पताल आई थी।

"ओह सॉरी! अब वे कैसे हैं?" उन्होंने पूछा

डॉक्टर ने बताया कि मुझे प्रेगनेंसी टेस्ट करना होगा।

उन्होंने यूरिन का नमूना लाने को कहा।

मेरे हाथ-पांव काम नहीं कर रहे थे। *क्या मैं मां बनने वाली हूं?*

जब मैं नमूना ले कर आई तो उन्होंने प्रेगनेंसी स्ट्रिप की मदद से उसी समय देख कर बता दिया कि मैं तो मां बनने वाली थी।

"मिसेज ग्रे! इसे देख कर पता चलता है कि आप गर्भ से हैं।" वे बोली

हैं!!! क्या!!! नहीं। नहीं।

अध्याय-20

ऐसा लगा मानो मेरी पूरी दुनिया ही टूट कर बिखर गई हो। *एक बच्चा।*

मैं अपने लिए बच्चा अभी नहीं चाहती। मैं अभी मां बनने के लायक नहीं हूं। "मिसेज ग्रे! क्या आप एक गिलास पानी लेंगीं? आपका चेहरा बता रहा है कि आपके

लिए ये खबर किसी सदमे से कम नहीं रही। पर मुझे यह समझ नहीं आया कि आपने शॉट मिस क्यों किए? "

मैंने हामी दी।

डॉक्टर ने राय दी कि हमें अल्ट्रासाउंड कर लेना चाहिए।

वह सब देखते ही मेरे होश गुल हो गए। वे योनि के रास्ते होने वाला टेस्ट करना चाहती थीं। एक छड़ पर कंडोम लगा कर, उस पर जैल लगाया और मेरे भीतर उतार दिया। कुछ ही देर में स्क्रीन पर एक नन्हा सा ब्लिप दिखाई दिया। डॉक्टर ने बताया कि मैं चार या पांच सप्ताह से गर्भवती हूं। मैं कुछ देर तक उस नन्हे बिंदु को हैरानी से देखती रह गई। यह तो एक नया जीवन था।

मेरा और मेरे पति का बच्चा!!!

"क्या मैं यह पिक्चर प्रिंट कर दूं।"

"जी।"

"बधाई हो मिसेज ग्रे! मैं चाहूंगी कि आप फॉलिक एसिड और प्रीनैटल विटामिन लेना शुरू कर दें। इसके बाद हम जल्दी ही दूसरे टेस्ट भी करेंगे।"

मैं उनसे विदा ले कर कार में आ गई। स्वेयर से कहा कि मुझे ऑफिस छोड़ दे। मुझे तो खुश होना चाहिए पर मैं खुश नहीं हूं। यह सब बहुत जल्दी हो रहा है। मैं अभी इसके लिए तैयार नहीं हूं। मेरा पति भी तैयार नहीं है। पता नहीं वह सुन कर क्या कहेगा? क्या मुझे उसे बताना चाहिए? क्या ये बात यहीं खत्म कर देनी चाहिए? मेरी आंखों में आंसू आ गए। कुछ तय नहीं कर पा रही थी।

मुझे यह भी लगा कि जब मैं अपने गर्भ भार से दोहरी होकर बदसूरत हो जाऊंगी तो वह मुझसे दूर हो जाएगा।

मैं झटके से उठ गई। *ओह! वह तो यह सुनकर डर जाएगा।*

ऑफिस में जाकर हैना से पता करवाया तो पता चला कि उसने ही मेरी व्यस्तता को देखते हुए डाक्टर से मुलाकात को टाल दिया था। उसे क्या कहती। बस इतना सावधान कर दिया कि आगे से ऐसा करे तो मुझे बता दिया करे। मेरे साथ तो होना था। वह होना ही था। मैं हैना को क्या दोष दे सकती हूं। कंप्यूटर खोला तो क्रिस्टियन को मेल दिखाई दिया:

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: याद आ रही है।
डेट: 13 सितंबर 2011 13:58
टू: एनेस्टेसिया ग्रे

मिसेज ग्रे

अभी ऑफिस आए तीन घंटे हुए हैं और आपकी याद आ रही है।

उम्मीद करता हूं कि रे को अपना नया कमरा पसंद आया होगा। मॉम आज दोपहर उन्हें देखने जाएंगी।

मैं शाम को छह बजे लेने आऊंगा। हम उनसे मिलकर ही घर चलेंगे।

सुन कर अच्छा लगा?

तुम्हारा प्यारा पति

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जैक्ट: याद आ रही है
डेट: 13 सितंबर 2011 14:10
टू: क्रिस्टियन ग्रे
पक्का
एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: याद आ रही है।
डेट: 13 सितंबर 2011 14:14
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
क्या तुम ठीक हो?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

नहीं क्रिस्टियन! मैं बहुत डरी हुई हूं और यही डर है कि तुम भी डर जाओगे पर मैं तुम्हें यह बात मेल पर नहीं बताना चाहती।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जैक्ट: याद आ रही है
डेट: 13 सितंबर 2011 14:17
टू: क्रिस्टियन ग्रे
बस थोड़ी व्यस्त हूं।
छह बजे मिलते हैं।
एनेस्टेसिया ग्रे
संपादक, एसआईपी

मैं उसे कैसे जानकारी दू? शायद आज रात। सेक्स के बाद।

शायद सेक्स के दौरान? नहीं ये दोनों के लिए ही खतरनाक हो सकता है। जब वह सो रहा हो। मैंने अपना सिर हाथों में थाम लिया। समझ नहीं आ रहा कि क्या होगा।

"हाय "

"हाय! क्या बात है। बुझी-बुझी लग रही हो?"

"कुछ नहीं।" मैंने कहा

अभी बात नहीं हो सकती। गाड़ी में टेलर भी है।

"बस तुम्हारी याद आ रही थी और रे की चिंता हो रही थी।"

"रे ठीक है। मॉम देख कर आई हैं। आज कुछ खाया था।"

मेरा चेहरा पीला पड़ गया।

"एना???"

मैंने इसलिए नहीं खाया क्योंकि जब तुम्हें मेरे गर्भवती होने का पता चलेगा तो तुम्हारी क्या हालत होगी। यही सोचकर भूख नहीं लगी।

"मैं आज शाम खा लूंगी। दिन में वक्त नहीं मिला।"

"क्या सिक्योरिटी को कहना होगा कि मेरी बीबी को खाना भी खिलाया करे।" वह गुस्से में दिखा।

"हो सकता है कि मुझे ताईवान जाना पड़े।"

"ओह कब?"

"शायद इस या अगले सप्ताह"

"तुम भी साथ चलना"

"नहीं। मेरी नौकरी है। ये बहस दोबारा मत करना।"

उसने किशोरों की तरह आह भरी। "मैंने सोचा कि पूछकर देख लेता हूं। शायद तुम हामी भर दो।"

"जल्दी ही आ जाऊंगा। दो दिन से ज्यादा नहीं लगेंगे।"

"रे पहले से बेहतर दिखे। उनके स्वभाव की खूबियां लौट रही हैं। वे अपने शौकों के बारे में विस्तार से बात कर रहे हैं पर अभी जल्दी थक जाते हैं।"

"डैडी! आप आराम करो। हम चलते हैं।"

"थैंक्स एना हनी! " उन्होंने मेरे पति को भी थैंक्स कहा।

हम उनसे मिलकर बाहर आ गए। मेरे पति ने मेरा हाथ थामा और चल दिया। बेशक मेरे भावों का बदलाव उससे छिपा नहीं है।

मेरे से शाम को भी खाना नहीं खाया गया।

"एना क्या तुम बताओगी कि आखिर हुआ क्या है? क्रिस्टियन ने गुस्से से अपनी प्लेट भनकाते हुए कहा। तुम मेरा दिमाग खराब कर रही हो।"

मैंने अपने गले में घुट रहे दर्द को दबाना चाहा। फिर एक गहरी सांस ले कर कहा "मैं मां बनने वाली हूं।"

उसके चेहरे का सारा रंग पल भर में उतर गया।

"क्या??"

"मैं मां बनने वाली हूं।"

उसकी भवें सिकुड़ीं. "कैसे?"

ये कैसा सवाल है। इस सवाल का जवाब कैसे दिया जा सकता है।

अचानक ही उसे कुछ याद आया।

"तुम्हारा शॉट! "

"क्या तुम उसे लेना भूल गई?"

"ओह नहीं! "

मैं उसे देखे जा रही हूं और वह बहुत गुस्से में है।

उसने जोर से एक मुक्का मारा और मेज पलट कर खड़ा हो गया।

"तुम्हें बस एक ही काम याद रखना था। तुम उसे भी सही तरह से नहीं कर सकीं। एना! तुम इतनी बेवकूफ कैसे हो सकती हो।"

ओह! मैं उसे बताना चाहती थी कि शॉट बेअसर रहा पर मेरी आवाज ही नहीं निकली। "आई एम सॉरी! "

मैं जानती हूं कि ये बात कहने का सही वक्त नहीं है।

"हमें अभी मिले हुए वक्त ही कितना हुआ है। मैं तुम्हें पूरी दुनिया दिखाना चाहता हूं और तुम कह रही हो कि तुम मां बनने वाली हो।" उसने आंखें बंद कर लीं। ऐसा लगा कि वह इस लड़ाई में हार रहा है।

"बताओ, तुम भूल गई या तुमने जानबूझ कर ऐसा किया?" उसका गुस्सा देखने लायक था।

"नहीं। मैंने धीरे से कहा। मैं हैना का नाम नहीं ले सकती।" वह उसे काम से निकाल देगा।

"मुझे माफ कर दो।"

"यही वजह है कि मुझे नियंत्रण पसंद है। जहां मैं नहीं संभालता वहीं सारी गड़बड़ हो जाती है।"

नहीं...मेरे ब्लिप को कुछ मत कहो। क्रिस्टियन मुझ पर चिल्लाना बंद करो। मेरे आंसू बह निकले।

"अब ये आंसू मत दिखाओ। क्या तुम्हें लगता है कि मैं बाप बनने के लिए तैयार हूं।" उसके सुर में दर्द और भय दोनों के साए लहरा रहे हैं।

तभी मुझे समझ आ गया कि वह क्यों डर रहा है। *ओह! फिफ्टी! मुझे माफ कर दो।* मैं जानती हूं कि हम दोनों में से कोई भी इसके लिए तैयार नहीं हूं। उसने मेरी बात

को अनसुना किया और अपनी जैकेट उठाकर झटके से बाहर चला गया। उसने जाते हुए दरवाजा इतने जोर-से पटका कि मैं चौंक गई।

मैं अपनी खामोशी के साथ अकेली हूं। वह मुझे अकेला छोड़ गया है। मैंने जो कल्पना की थी, उसकी प्रतिक्रिया तो उससे भी बुरी निकली। मैंने प्लेट खिसकाई और वहीं अपनी बांहें रखकर रोने लगी।

"एना डियर!! " मिसेज जोंस मेरे आसपास हैं।

मैं झट से उठी और आंसू पोंछ लिए।

"मैंने भी सुना, आई एम सॉरी!!! " उन्होंने प्यार से कहा

"क्या हर्बल टी लेना चाहोगी?"

"मुझे व्हाईट वाईन लेनी है।"

तभी याद आया कि मैं मां बनने वाली हूं और शायद एल्कोहल मेरे लिए सही नहीं होगी। मैंने चाय बनाने को कहा और कुछ ही देर में, मेरे आगे गर्म भाप से भरा चाय का कप आ गया।

"कुछ और लोगी?"

"नहीं, और कुछ नहीं चाहिए।"

"एना! तुमने कुछ नहीं खाया। ऐसी हालत में खाली पेट नहीं रहना चाहिए। मैं तुम्हारे लिए कुछ तैयार करती हूं। क्या खाना चाहोगी?" उन्होंने कहा पर मुझे कुछ नहीं सूझ रहा।

मेरा पति हाल ही में मुझे नकारकर चला गया क्योंकि मैं गर्भ से हूं। मेरे पापा का एक्सीडेंट हुआ पड़ा है। वह जैक हाइड आरोप लगा रहा है कि मैंने उसका यौन शोषण किया। मुझे अचानक ही हंसी आने लगी और मैंने अपने पेट पर हाथ फेरा।

मिसज जोंस ने पूछा कि कितना वक्त हो गया था।

"शायद चार या पांच सप्ताह! डॉक्टर ने पक्का नहीं बताया।"

"अगर कुछ खाना नहीं चाहतीं तो कम से कम आराम करो।"

मैं अपनी चाय लाईब्रेरी में ले गई। वहां मुझे बहुत सुकून मिलता है। मैंने अपने पति को फोन करने की सोची। मैं

जानती हूं कि ये खबर उसके लिए सदमे से कम नहीं है पर मेरा क्या दोष है।

मैं डॉक्टर का दिया कागज पढ़ने लगी पर कुछ समझ नहीं आ रहा। उसने आज तक ऐसा बर्ताव नहीं किया। पिछले दिनों उसका बर्ताव कितना प्यारा और दयालुता से भरा रहा था। अचानक ही उसे क्या हुआ?

क्या मैं उसके डॉक्टर से बात करूं? अचानक ही हालात कैसे बदल गए। उसने सब कुछ संभाला था पर ये सब उसके बस के बाहर था।

जब से मैं उससे मिली हूं। हमारा जीवन कितनी दुविधाओं व परेशानियों से भरा रहा है। हो सकता है कि वह मुझसे तलाक लेना चाहे? नहीं, मैं ऐसा सोच भी नहीं सकती। वह वापिस लौट आएगा। मैं जानती हूं कि वह आ जाएगा। भले ही कितना उल्टा-सीधा बोले पर वह मुझे प्यार करता है।

मैं अपनी कुर्सी पर ही ऊंघने लगी।

एक झटके से आंख खुली तो देखा कि रात के ग्यारह बज रहे थे। वह कहां है? क्या वापिस नहीं आया? घर में कहीं दिखाई नहीं दिया।

वह कहां गया होगा? इलियट के पास? या अपने डॉक्टर के पास? मैंने उसे मैसेज किया?

तुम कहां हो?

मैंने नहाने की सोची और नहाकर थोड़ा आराम आया।

वह अब भी नहीं आया। मैं अपनी साटिन की पोशाक पहन कर बाहर आई। तभी बरामदे में कुछ ठोकर लगने की आवाज आई। दरवाजा खोल कर देखा तो वह खड़ा दिखाई दिया। वह तो नशे में झूम रहा था। क्रिस्टियन नशे में??? ऐसा तो कभी नहीं हुआ। वह तो हमेशा संभल कर शराब पीता है। आज हुआ क्या है? वह वहीं खड़ा लड़खड़ा रहा था।

"एनेस्टेसिया! बड़ी प्यारी दिख रही हो।" वह भर्राए गले से बोला

"तुम कहां गए थे?"

"मैं कहां???"

"चलो तुम सोने चलो।"

मैं तुम्हारे साथ सोने चलता हूं। चलो।"

"आओ न, मेरे पास आओ।" उसने हाथ बढ़ा दिया।

"क्रिस्टियन! मेरे हिसाब से तुम्हें नींद लेनी चाहिए।"

देखा! यही तो मैं कह रहा था। बेबी आने की खबर आई नहीं कि मेरे जीवन से सेक्स का नामोनिशान मिट गया।"

"बेबी मतलब नो सेक्स!! "

"ऐसा नहीं है। अगर ऐसा होता तो सबके यहां केवल एक ही बच्चा होता।" "हुंह!!! "

"तुम नशे में हो।"

"हां, मैं नशे में हूं।" वह अचानक ही गिरने को हुआ तो मैंने उसे अपने कंधे का सहारा दे दिया और हम एक साथ अंदर आने लगे। समझ नहीं आ रहा कि वह कहां से शराब पी कर आया है।

"चलो तुम्हारे कपड़े उतार दें।"

"वाह! मजा आ गया।"

"क्रिस्टियन नशे में कितना आनंदी और जीवंत दिख रहा है।

"तुम बैठो! मैं जैकेट उतार देती हूं।"

बड़ी मुश्किल से जैकेट उतारी।

"अरे! ये कमरा तो घूम रहा है।" वह बोला

अरे! कहीं इसे उल्टी तो नहीं आ रही।

मैंने किसी तरह जूते और जुराबें उतार कर पटके।

"तुम्हारी गंध कितनी अच्छी है।"

"हां! तुम्हारे अंदर से शराब की बू आ रही है।"

"हां, मैंने बॉर-बॉन पी है। एनेसटेशि....या! " उसने शब्दों का उच्चारण इस तरह किया कि मुझे हंसी आ गई।

"तुम इस पोशाक में बहुत अच्छी लगती हो। तुम्हें हमेशा साटिन ही पहनना चाहिए।" वह बार-बार मेरे शरीर पर हाथ फिराने लगा और मैं उसे आरामदेह बनाने की कोशिश में

लगी हूं। बड़ी मुश्किल से टाई की गांठ ढीली की और वह इस दौरान जाने क्या-क्या बोलता रहा। फिर वह अचानक ही पलंग पर लेट गया। मैंने बड़ी मुश्किल से उसकी बेल्ट खोली

और पाया कि वह तो सो चुका था। कमरे में उसके खर्राटे गूंज रहे थे। वह इस नशे में भी कितना प्यारा दिख रहा था। मेरा प्यारा, मेरा अपना क्रिस्टियन!!

वह कंबल पर ही सो गया था इसलिए मैंने लाकर दूसरा कंबल ओढ़ा दिया। मैंने उसे चूम लिया। मैं नहीं जानती कि तुम इस समय कहां से आए हो। तुम नशे में हो पर इसके बावजूद मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। बहुत प्यार करती हूं क्रिस्टियन।

मैं उसका माथा चूमकर हटने लगी तो उसकी जेब से फोन निकलकर गिरा। मैंने उसे उठाकर अनलॉक किया तो मैसेज बॉक्स ही दिखाई दिया। उस पर लिखा था:

तुमसे मिलकर अच्छा लगा। मैं अब समझ गई। तुम परेशान मत होना। तुम एक बहुत अच्छे पिता बनोगे।

यह तो उसकी ओर से था। एलीना कमीनी। मिसेज रॉबिन्सन!!!

शिट! यह वहीं गया था। यह उससे मिलने गया था।

अध्याय-21

मैंने अपने गहरी नींद में सोए पति के मैसेज को देखा। वह कल रात डेढ बजे तक उसके साथ ड्रिंक ले रहा था। वह किसी मदहोश की तरह गहरे खर्राटे भर रहा है। कह सकते हैं कि वह शांति से सो रहा है।

मैं वहीं पास वाली कुर्सी पर बैठ गई। मेरे साथ धोखा किया गया है। उसने तो कहा था कि वह उससे कभी नहीं मिलेगा। मारे गुस्से के आंसू टपकने लगे। माना कि वह इस खबर से दहल गया है। डरने लगा है पर क्या वह तसल्ली पाने के लिए उसके पास जाएगा? मैंने कुर्सी पर घुटने समेट लिए और धीरे-धीरे झूलते हुए रोने लगी।

मैं उम्मीद भी क्या कर सकती हूं। मैंने कितनी जल्दीबाजी में इस आदमी से शादी कर ली। मैं जानती थी, मैं जानती थी कि मेरे साथ ऐसा ही होगा। क्यों? क्यों? क्यों? वह मेरे साथ ऐसा क्यों कर सका? वह जानता है कि उस औरत के लिए मेरे मन में क्या भाव है? वह उसकी ओर वापिस कैसे गया? सवालों के तीखे चाकू सारी रात मुझ पर वार करते रहे।

मैं यकीन नहीं कर सकती कि यह वही आदमी है जिसने मेरा जन्मदिन मनाया था। वह मेरे साथ दो कदम आगे चलता है और तीन कदम पीछे हो जाता है। इसके बाद हम इंच दर इंच सरकने लगते हैं। क्या मैं कभी इस छल से उबर सकूंगी... पिछले दिनों उसने जो बर्ताव किया...उसे देखकर लगता था कि जिंदगी से कोई शिकायत ही नहीं रही पर अब....ओह!

कहां गया वह विश्वास और प्यार!!!

मैंने अपने पेट पर हाथ फेरा। अब सिर्फ मेरा सवाल नहीं रहा। मेरे साथ मेरा बच्चा भी है।

मुझे समझ नहीं आता कि मैं अपने पति का क्या करूं। वह उस औरत के पास क्या करने गया था। उसे यहां से क्या नहीं मिलता जिसे वह उसके पास लेने गया था।

मैंने उस मैसेज को देखा और एक योजना बना ली। गहरी सांस ली और उसे अपने फोन में फॉरवर्ड कर दिया। उसके सारे मैसेज देख कर पता लगा कि पिछला कोई मैसेज नहीं था। मुझे चैन आया।

मैंने सोचा कि उसके ई-मेल भी देख लेने चाहिए। माना मैं उसकी गोपनीयता भंग कर रही थी पर मैं उसकी पत्नी थी। उसके मेल बॉक्स में हजारों मेल भरे थे। उनमें से एक भी लीला या उस कमीनी औरत का नहीं था। एक मेल बार्नी की ओर से था। जिसमें जैक हाइड की बात की गई थी। मैंने कनखियों से देखा तो वह सो ही रहा था। इसलिए मेल खोल लिया।

फ्रॉम: बार्नी सुलीवन
सब्जैक्ट: जैक हाइड
डेट: 13 सितंबर 2011 14:09
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे

सिएटल के आसपास सीसीटीवी ने एक सफेद रंग की वैन का पता लगाया है। इससे पहले मुझे कोई सुराग नहीं मिला तो कह सकते हैं कि जैक वहीं रह रहा होगा।

जैसा कि आपको वेल्क ने बताया कि अनसब कार झूठे लाईसेंस के साथ भाड़े पर ली गई थी। इसका साउथ इरविंग स्ट्रीट इलाके से कोई लेन-देन नहीं है।

हाइड के एसआईपी कंप्यूटर में उसकी भूतपूर्व सहायिकाओं की कोई जानकारी नहीं थी। मैं आपको बताना चाहता हूं कि कंप्यूटर में क्या-क्या था।

ग्रे के घर का पता:

सिएटल में पांच संपत्तियां
डेट्रायट में दो संपत्तियां

विस्तृत जानकारी:

कैरिक ग्रे
इलयिट ग्रे
क्रिस्टियन ग्रे
डॉक्टर ग्रेस
एनेस्टेसिया स्टील
ईया ग्रे

अखबार व ऑनलाइन लेख

कैरिक ग्रे
इलयिट ग्रे
क्रिस्टियन ग्रे
डॉक्टर ग्रेस

तस्वीरें

कैरिक ग्रे
इलयिट ग्रे
क्रिस्टियन ग्रे
डॉक्टर ग्रेस
ईया ग्रे

मैं अपनी जांच पड़ताल जारी रखता हूं। देखते हैं कि और क्या पता चलता है। बार्नी

हैड ऑफ आई टी, जीईएच

मैं इस मेल को पढ़ते हुए अपने ताजा हालात के बारे में भूल-सा गई। मैंने लिस्ट खोलनी चाही पर फोन पर अटैचमेंट खोलना मुश्किल था।

मैं कर क्या रही हूं। आज का दिन थकाने वाला था। रात के दो बज रहे थे। खैर कल जो होगा, देख लेंगे पर आज मैं इसके साथ नहीं सोने जा रही। इसे अकेले ही उठने दो। मैंने फोन वहीं रख दिया। फिर अपना पर्स उठा कर कमरे से निकल गई।

मैंने प्लेरूम की अतिरिक्त चाबी ले कर दरवाजा खोला और वहीं अपना बिस्तर लगा लिया। मुझे पता है कि कल वह मुझे खोजेगा और जब नहीं मिलूंगी तो झल्ला जाएगा। ठीक ही है, उसके साथ ऐसा ही होना चाहिए।

मैंने मिसेज रॉबिन्सन के ही मैसेज को उसे भेजते हुए लिखा:

क्या तुम चाहोगे कि जब हम उस औरत द्वारा भेजे गए मैसेज की चर्चा करें तो वह भी हमारे साथ हो। इस तरह तुम्हें उसके पास दोबारा नहीं जाना पड़ेगा।

तुम्हारी पत्नी

मैंने उसे अपने पति को भेजा और निश्चित होते हुए सो गई। हम मां-बाप बनने जा रहे हैं। उसने मेरे साथ ऐसा छल किया। उसे हम तीनों में से अपने लिए चुनाव करना होगा। जल्दी ही मैं सो गई।

सुबह अपने पति की पुकार से आंख खुली। फोन में उसकी चार मिस्ड कॉल और दो वॉयस मैसेज थे। एक मिस्ड कॉल केट को थी। उसने उसे फोन करके पूछा होगा कि मैं कहां गई। चलो अच्छा ही है। सुबह के साढ़े सात हो रहे थे। मुझे काम के लिए देरी हो रही थी। जब वह दरवाजे के बाहर आया तो मैं जान कर नहीं बोली। जब वह चला गया तो मैं अपना सामान लेकर निकली। नीचे बड़े कमरे में सबकी पेशी हो रही थी। वह सबको दनादन निर्देश दे रहा था। उसके चेहरे पर गुस्सा और डर देखने लायक था। मुझे देखते ही सब चौंक गए। मैंने ऐसा दिखावा किया मानो कुछ हुआ ही न हो। मैंने कहा

"स्वेयर! बीस मिनट में ऑफिस के लिए निकलना है। तैयार होकर आ रही हूं।" मिसेज जोंस बोलीं, "क्या आप नाश्ता लेंगी?"

"थैंक्स! मुझे भूख नहीं है।"

क्रिस्टियन ने खीझ कर पूछा, "तुम थी कहां?"

मैं उसकी बात को अनसुना कर आगे चल दी।

"एना जवाब दो।" वह पीछे आ रहा था। मैंने बाथरूम में जाकर कुंडी लगा ली। "जाओ यहां से"

"मैं कहीं नहीं जा रहा।"

"जो जी में आए करो।"

"एना, प्लीज"

मैं नहाकर निकली तो खुद को पहले से मजबूत और तरोताजा पाया। बाहर निकली तो वह वहीं खड़ा दिखा। मैं सीधा अलमारी की ओर चल दी।

"क्या तुम मुझे अनदेखा कर रही हो?" उसने हैरानी से कहा

मैंने कुछ नहीं कहा और वह वहीं हैरानी से ताकता रहा।

मैंने जानबूझ कर उसके सामने ही तौलिया गिरा दिया और कपड़े पहनने लगी। "एना???"

"जाओ! जा कर तुम्हारी मिसेज रॉबिन्सन से पूछो। उसके पास तुम्हारे सारे सवालों के जवाब हैं।"

"एना! वह मेरी मिसेज रॉबिन्सन नहीं है।"

" क्रिस्टियन! मैं इस बारे में कुछ नहीं सुनना चाहती। कल बात करने का वक्त था पर तुमने उस औरत के साथ शराब पीकर वक्त बिताना ज्यादा बेहतर समझा जो सालों से तुम्हारा यौन शोषण करती आई थी। उसे फोन करो। वह तुम्हारे दिल की हर बात सुनेगी।"

"तुम ऐसे क्यों कह रही हो?"

"जरा-सी मुसीबत आई और तुम उसके पास चल दिए।"

"ऐसी बात नहीं है।"

"तुम कहां थीं?"

मैंने कुछ नहीं कहा और चुपचाप अपनी स्टॉकिंग्स पहनती रही। फिर अपने बाल सुखाए।

वह उस औरत के पास गया और अब भी मुझे अपना गुस्सा दिखा रहा है। हद हो गई!!! "तुम कहां थीं?"

"तुम्हें क्या लेना है?"

"एना बकवास बंद करो।"

मैंने कंधे झटके और वह कंधे पर हाथ रखने लगा तो मैंने कहा

"मुझे हाथ मत लगाओ।"

"तुम कहां थीं"

"मैं अपने किसी एक्स के साथ शराब पीने नहीं गई थी। क्या तुम उसके साथ सोए भी थे?"

"क्या?????क्या मैं तुमसे ऐसा धोखा कर सकता हूं?"

"हां, तुमने किया है। तुमने हमारे जीवन की गोपनीयता उसके साथ बांटी है।" "तुम ऐसा सोचती हो?"

"हां, मैंने उसका भेजा मैसेज देखा है।"

"वह तुम्हारे लिए नहीं था।"

"मैंने तुम्हारे फोन में देखा। तुम पीकर धुत्त थे और मैं तुम्हारे कपड़े बदल रही थी। क्या तुम्हें अंदाजा भी है कि तुमने इस हरकत से मेरे दिल को कितनी ठेस दी है।"

वह क्षणभर को पीला पड़ गया।

"तुमने ठीक कहा। मैंने तुम्हें छोड़ कर इस बेबी को चुना। हर स्नेही मां-बाप ऐसा ही करता है। तुम्हारी मां ने भी यही किया था वरना आज तुम मुझसे इस तरह बात न कर रहे होते। अब तुम्हें सयाना बनना है और किशोर बनने का दिखावा छोड़ना होगा।"

"हो सकता है कि तुम इस बच्चे को लेकर खुश न हो। पर मैं इसे नहीं छोड़ सकती। यह तुम्हारा अंश है। तुम इसे अपनाओ या न अपनाओ। तुम्हारी मर्जी है।"

"तुम अपनी आत्मदया के सागर में मग्न रहो। मैं काम पर जा रही हूं। जब मैं वापिस आऊंगी तो अपना सामान दूसरे कमरे में रख लूंगी।"

वह हैरानी से ताकता ही रह गया।

"क्या तुम यही चाहती हो?"

मैंने उसे अनदेखा किया और माइश्चराइजर लगाने लगी। मन ही मन खुद को समझाया कि अब पैर पीछे नहीं हटाना है।

"तुम मुझे नहीं चाहतीं? तुमने जाने के बारे में सोचा"

"जब किसी का पति अपनी एक्स के साथ समय बिताने लगे तो पत्नी को ऐसा सोचना ही पड़ता है।"

मैंने अपने जूते भी पहन लिए और मैं जानती हू कि मैं क्या कर रही हू। मुझे पता है कि मैं अपने अंतर्वस्त्रों और लंबे जूतों में कितनी हॉट दिख रही हू।

वह मेरे पास खिसक आया।

"ग्रे! तुम ऐसा सोचना भी मत"

"क्यों? तुम मेरी पत्नी हो"

"मैं तो एक गर्भवती महिला हूं। जिसे तुमने कल त्याग दिया था। मुझे हाथ लगाया तो मैं चिल्लाऊंगी।"

"क्या तुम चिल्लाओगी?"

"हां"

"कोई नहीं सुनेगा।"

"क्या तुम मझे डराना चाह रहे हो?"

"नहीं, मेरी ऐसी कोई मंशा नहीं है।"

मैं जानती हूं कि अगर उसने मुझे छू लिया तो मैं वहीं पिघल जाऊंगी।

मैं उस औरत के साथ बैठा क्योंकि वह मेरी पुरानी जानकार है। फिर हम पीने लगे। मैं डॉक्टर के पास जाना चाहता था। वे नहीं मिले और मैं सैलून चला गया। मैं दोबारा उससे नहीं मिलूंगा।

"क्या मुझे यकीन कर लेना चाहिए? "

"हां! अब वह सचमुच समझ गई है कि मैं कैसा महससूस करता हूं।"

"ऐसा क्यों है कि तुम उससे तो बात कर सकते थे पर मुझसे बात नहीं कर सकते थे।" "मैं तुमसे गुस्सा भी था। जो कि अब भी हूं।"

"मैं तुमसे गुस्सा हूं। तुमने कितनी विरक्ति दिखाई। मेरे साथ छल किया।"

"मुझे अपने शॉट का ध्यान रखना चाहिए था पर मैंने जानकर ऐसा नहीं किया। मुझे भी इस खबर से धक्का लगा है। हो सकता है कि शॉट ने काम न किया हो।"

"पिछले कुछ सप्ताह इतनी तेजी से बीते कि उनके दौरान शॉट लेना भूल गई। हर कोई तुम्हारी तरह तेज नहीं हो सकता।"

वह अब भी गुस्से में खड़ा है। उसे गुस्सा है कि मैं उसे हाथ नहीं लगाने दे रही। हमारे बीच कोई सुलह नहीं हुई और वह उसी तरह नहाने चल दिया।

मैं उसे बांहों में लेकर तसल्ली देना चाहती हूं पर मैं बहुत गुस्से में हूं। वह बाथरूम में चला गया और मैं वहीं खड़ी रह गई।

ओह! हमारे बीच कोई हल नहीं निकला। मैं अपने लिए कोई मैडल नहीं चाहती। मैं रोना या चीखना-चिल्लाना भी नहीं चाहती। वह यह क्यों नहीं देखता कि वह उस औरत के पास क्यों जा रहा है। उसने तो कहा था कि वह फिर कभी उसके पास नहीं जाएगा। मुझे काम के लिए देर हो रही थी।

मैंने अपने बच्चे को तसल्ली दी कि उसके पापा जल्दी ही उसे दिल से अपना लेंगे। सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेरे होंठ कांपने लगे पर मैंने अपने भावों पर काबू पा लिया।

चलो! काम पर चलें।

वह अब भी नहा रहा है और मैं उसे बाय कहे बिना ही काम पर चल दी। मन बहुत उदास हुआ। इस खबर ने हमारे रिश्ते को एक अजीब से मोड़ पर ला खड़ा किया है।

ऑफिस में हैना ने स्वागत किया। उसने लाते का कप सामने रखा पर उसका एक घूंट लेते ही मेरा जी मितला गया।

"उम्म....क्या मुझे चाय मिल सकती है।" मैंने शर्मिंदा होते हुए कहा।

"एना! तुम ठीक हो।"

मैंने हामी भरी। तभी केट का फोन आ गया।

"क्रिस्टियन तुझे क्यों खोज रहा था?" उसने साफ शब्दों में पूछा।

"गुड मार्निंग केट! कैसी है?"

"बकवास मत कर स्टील! काम की बात पर आ।"

"हमारी लड़ाई हुई थी।"

"क्या उसने तुझे चोट पहुंचाई।"

"हां। पर उस रूप में नहीं।" मैं इस समय केट से नहीं जूझ सकती। मुझे पता है कि मेरे आंसू निकल जाएंगे। मैं अपने-आपको संभालना चाह रही हूं। "केट मेरी मीटिंग है। हम बाद में बात करते हैं।"

"अच्छा! तू ठीक है न?"

"हां। बाद में बात करेंगे।"

"हां एना! याद रखना कि मैं हमेशा तेरे साथ हूं।"

"मैं जानती हूं।" मैंने भरसक आंसू रोके। मुझे रोना नहीं है। मुझे रोना नहीं है। "रे ठीक हैं।"

"हां"

"ओ एना"

नहीं बात मत करो।

"चलो बाद में बात करेंगे।"

मैंने सुबह अपने ई-मेल देखे पर पतिका कोई मेल नहीं था। दिन में एहसास हुआ कि अभी उसकी नाराजगी गई नहीं और वह मुझसे संपर्क नहीं करेगा। मैंने दोपहर तक काम किया और कुछ हल्का खाया। कुछ खाकर बहुत अच्छा लगा।

शाम को मैं और स्वेयर रे को देखने गए। वह बहुत ही चौकन्ना था। उसने मुझसे पूछा कि क्या वह मेरे लिए चाय ले आए।

"नहीं थैंक्स स्वेयर।" मैंने कहा

"मैं बाहर प्रतीक्षा करता हूं।"

रे कोई पत्रिका देख रहे हैं।

"हे एनी! " उनका चेहरा खिल गया।

"ओह डैडी।" उन्होंने बांहें खोलीं और मैं उनके गले से लग गई।

"एनी। क्या हुआ।" उन्होंने बाल चूमकर कहा। मैंने महसूस किया कि मेरे जीवन में ऐसे पल बहुत कम आए थे जब हम इतने पास थे।

"अपने बूढ़े बाप को नहीं बताएगी।"

मैंने अपना सिर हिला दिया। उन्हें अपनी मुसीबतों में नहीं घसीटना चाहती।

"कुछ नहीं डैड! आज तो आप सही दिख रहे हैं।"

"हां पर पलस्तर वाली टांग में बड़ा दर्द है।"

"कोई बात नहीं, सब ठीक हो जाएगा। आप हिम्मत रखो।"

"मैं अपने घुटनों पर अपने नाती-नातिन खिलाना चाहता हूं इसलिए इनका ठीक रहना जरूरी है।"

ओह! क्या उन्हें पता है।

"क्या तुम दोनों के बीच कुछ चल रहा है।"

"हमारा झगड़ा हुआ है।"

"एना! वह एक अच्छा आदमी है।"

"अभी थोड़ा परेशान है। सब ठीक हो जाएगा। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहती। इससे दिल को ठेस लगती है।"

एस्काला पहुंची तो क्रिस्टियन घर नहीं था।

मिसेज जोंस ने बताया कि उसका मैसेज आया था कि वह काम से देर से आएगा। ओह! बताने के लिए मेहरबानी!! वह मुझे क्यों नहीं बता सकता?

"कुछ खाओगी?"

"पास्ता दे दो और उसमें आपकी बनाई सॉस चलेगी।"

"आज सुबह जब उन्हें लगा कि तुम कहीं चली गई हो तो वे बौरा गए थे।" मिसेज जोंस ने बताया।

वह रात नौ बजे तक नहीं आया। फोन किया तो उसने बहुत ही ठंडे स्वर में कहा कि वह अभी ऑफिस में है और उसे आने में देर हो जाएगी। पूरे दिन में एक फोन और वह भी इतना फीका और ठंडा। उसने गुडनाइट बोल कर फोन काट दिया।

मैं वहीं बैठ कर अपने हालात पर विचार करने लगी। उसके साथ बीते दिनों की यादें ताजा हो गईं। माना कि ये अवस्था अभी के हिसाब से बहुत जल्दी आ गई थी पर अगर मैंने गर्भपात करवा लिया तो शायद अपने-आप को कभी माफ नहीं कर सकूंगी। *ओह ब्लिप! तुमने ये क्या कर दिया। हमारे जीवन में तूफान आ गया है।*

ग्यारह के करीब मैंने सोने का फैसला लिया और अपने कमरे में जाकर सो गई। जब उठी तो सुबह के साढ़े सात बजे थे। आसपास देखा तो वह दिखाई नहीं दिया पर उसकी वह ग्रे टाई वहां रखी थी। इसका मतलब था कि वह रात को आया था और उसने मुझे सोते हुए देखा था।

नीचे गई तो मिसेज जोंस रसोई में व्यस्त थीं।

"गुड मार्निंग"

"गुडमार्निंग! वह कहां है?"

"वे तो चले गए।"

तो क्या वह घर आया था। हालांकि टाई देखी थी पर तसल्ली करना चाहती थी। "हां आए थे। एना! बुरा मत मानना। उन्हें थोड़ा वक्त दो। वे बुरे इंसान नहीं हैं। बस थोड़े अड़ियल हैं।" इतना कहकर वे चुप हो गईं। शायद समझ गई कि मैं इस बारे में कुछ नहीं सुनना चाहती।

जब मैं काम पर गई तो पति का मेल दिखाई दिया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: पोर्टलैंड
डेट: 15 सितंबर 2011 06:45
टू: एनेस्टेसिया ग्रे

एना

मैं आज पोर्टलैंड के लिए उड़ान भर रहा हूं।

वहां डब्ल्यूएसयू के साथ कुछ काम है।

सोचा कि तुम्हें पता होना चाहिए।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मुझे अचानक मतली आई और भाग कर सारा नाश्ता वाशबेसिन में पलट दिया। तभी दरवाजे पर आहट हुई।

"एना! तुम ठीक हो।" हैना का स्वर था।

"हां! मैं ठीक हूं। अभी आई।"

"तुमसे बॉयस फॉक्स मिलना चाहते हैं।"

"उन्हें बिठाओ, मैं अभी आई।"

दोपहर को किसी तरह क्रीम चीज और सालमन बैगल गले से नीचे उतारा और बेमन से कंप्यूटर के आगे बैठी रही।

तभी फोन की घंटी बजी। ईया का फोन था। अब इसकी ही कमी बाकी थी। मैं इस दशा में उससे बात नहीं करना चाहती पर फोन तो लेना ही होगा।

"हैलो ईया"

"हैलो एना! कितने समय से बात नहीं हुई। कैसी हो?" ये तो किसी मर्द का जाना-पहचाना स्वर था।

मेरी खोपड़ी चकरा गई। नंबर तो ईया का था पर जैक हाइड कैसे बात कर रहा था। मेरा सिर चकराने लगा।

ईया के फोन से जैक हाइड!!!

अध्याय-22

"जैक???" डर के मारे मेरी आवाज ही गायब हो गई।

ये जेल से कब आया। इसके पास ईया का फोन क्यों है? मैं अचानक ही बेसुध-सी होने लगी।

"मेरी याद है या नहीं?"

"हां बेशक"

"तुम सोच रही होगी कि मैंने तुम्हें याद क्यों किया?"

"हां"

"फोन मत काटना। तुम्हारी प्यारी ननद से बात कर रहा हूं।"

"क्या ईया! नहीं! तुमने उसे क्या किया"

"ओह कमीनी, पैसे की भूखी औरत। तूने मेरी जिंदगी तबाह कर दी। तुम्हारी ईया मेरे पास है और पूरे ग्रे परिवार को इसकी कीमत चुकानी होगी। उस हरामी ग्रे को इसकी कीमत चुकानी होगी।"

"तुम चाहते क्या हो?"

"मैं उसका पैसा चाहता हूं। अगर उस दौर में मुझे लिया गया होता तो आज उसकी जगह मैं होता। तुम मुझे उसका पैसा लाकर दोगी। मैं आज ही पांच मिलियन डॉलर चाहता हूं।"

"इतना पैसा मैं कहां से ला सकती हूं।"

"तुझे लाना होगा। पुलिस को, सिक्योरिटी को या अपने पति को इस बारे में बताया तो तेरी ननद की जान खतरे में होगी। समझी"

मेरे मुंह से डर के मारे आवाज तक नहीं निकली।

"अपना फोन अपने पास रख। किसी को बताया तो ये लड़की जान से जाएगी।" "जैक। मुझे कम से कम तीन घंटे चाहिए। मैं कैसे मान लूं कि ईया तेरे साथ है?" तभी लाइन कट गई। सिर चकरा गया। किसे बता दूं, किससे छिपा लूं, उसने पहले ही

कह दिया था कि अगर कुछ कहा तो वह उसे जान से मार देगा। हारकर यही तय किया कि तबीयत का बहाना बनाकर निकलना होगा। मैंने हैना को बुला कर कहा कि एलिजाबेथ से कह दे कि मैं किसी जरूरी काम से जा रही हूं। पता नहीं, कितना समय लगेगा।

"हां एना! सब ठीक है न?" उसने पूछा

"हां।"

स्वेयर! तबीयत ठीक नहीं है। घर ले चलो।"

"जी मैम! आप यहीं इंतजार करो। मैं गाड़ी लेकर आया।"

"नहीं। मैं साथ चलती हूं। घर जाने की जल्दी हो रही है।"

मैं कार में बैठकर यही सोचती रही कि पांच मिलियन कितने होते होंगे। वे कितने बड़े बैगों में आएंगे। क्या मुझे बैंक में पहले से फोन करना चाहिए। ईया??? ईया उसके साथ है या नहीं, मैं कैसे पता लगा सकती हूं। क्या मुझे ग्रेस को फोन करके पूछना चाहिए पर उसने किसी से भी बात करने को मना किया है।

"ओह स्वेयर! गाड़ी जल्दी चलाओ। समय बहुत कम है।"

"मैं आपको बताना चाहता हूं कि मिसेज ग्रे मेरे साथ हैं। वे घर जा रही हैं। जी सर।" उसने एक फोन किया।

"टेलर मि. ग्रे के साथ है?"

"जी मैम"

"क्या वे पोर्टलैंड में हैं?"

"जी मैम! "

अच्छा! कम से कम वह सुरक्षित तो है। मैंने अपने पेट पर हाथ फेरा। मुझे दोनों को सुरक्षित रखना है।

घर में मिसेज जोंस नहीं दिखीं। शायद रेयान के साथ घर का सामान लेने गई होंगीं। मैंने खुद को क्रिस्टियन की स्टडी में बंद कर लिया। वहां से चैकबुक निकालने लगी तो लीला की गन पर नजर गई। उसे भी अपनी जींस के हवाले कर लिया। शायद जरूरत पड़ जाए।

मैंने देखा कि उसका एक एकांउट हम दोनों के नाम था और उसमें से मैं भी पैसे निकाल सकती थी। पता नहीं कि उसमें कितना पैसा था पर उम्मीद थी कि उसके पास अवश्य होगा। काश तिजोरी में पैसे होते पर मुझे उसका कोड नहीं पता। मुझे बैंक ही जाना होगा।

मैं बेडरूम में गई तो पिछले दिन की यादें कौंध गई। वह मुझसे नाराज हो कर गया है। वह मुझसे बात नहीं कर रहा। उसे मेरी परवाह नहीं है। खैर! अभी तो मुझे ईया के बारे में सोचना है। अपने बारे में तो बाद में भी सोच सकते हैं।

मैंने अपने बैग में उसका जिम बैग ठूंस लिया। क्या मुझे बैंक के लिए अपना लाईसेंस रखना चाहिए।

आधा घंटा हो गया है। मुझे जल्दी करनी होगी।

मैंने बहाने से स्वेयर को ऊपर बुलाया और जब वह नीचे से चला तो मैं नीचे की ओर चल दी। मुझे उससे अलग होने के लिए केवल कुछ ही मिनट मिलेंगे। वह मुझे नदारद पा कर चिल्लाया। मैं जानती थी कि वह मुझे अकेला नहीं छोड़ेगा।

जब तक वह नीचे उतरा। मैं अपनी कार में आगे बढ़ चुकी थी और वह हैरान-परेशान खड़ा था कि मैंने ऐसा क्यों किया। शायद उसे काम से हाथ धोना पड़े पर इस समय तो ईया से बढ़कर कुछ नहीं है। मुझे बैंक से पांच मिलियन लाने हैं।

बैंक में मेरे पति का नाम सुनते ही उनका बर्ताव बदल गया। वे जानते हैं कि ग्रे की क्या कीमत है। वे मुझे एक

कमरे में ले गए और मैंने वहां के एक मैनेजर को बताया कि मुझे कितनी बड़ी रकम चाहिए। मि. वीलन ने बताया कि वे लोग नोटिस के बिना इतनी बड़ी रकम नहीं देते।

"मि. वीलन मैं जल्दी में हूं। मेरे पास चैकबुक और लाईसेंस है। क्या मैं चैक लिखूं" "पहले अपनी पहचान दिखाए।"

"मिसेज ग्रे! पर आपके लाईसेंस पर तो एनेस्टेसिया स्टील लिखा है।"

"ओह शिट! "

"मैं मि. ग्रे से बात करता हूं।"

अरे नहीं। इसकी जरूरत नहीं है। मैंने पर्स खोला तो फोटो मिली पर उसे दिखाया नहीं जा सकता था। फिर सबूत मिल ही गया। वह फिर भी नहीं माना तो मैंने दांव खेला।

"क्या मुझे अपने पति को बताना होगा कि उनके बैंक की ओर से मुझे सहयोग नहीं मिला?"

"नहीं मिसेज ग्रे! आप चैक लिख दें।"

मैंने अपने धड़कते दिल को काबू में करते हुए चैकबुक निकाली।

"मैं ज़रा कागजी कारवाई के लिए समय चाहता हूं।"

ओह! ये काम भी आसान नहीं है। मैंने कांपते हाथों से चैक तैयार किया।

"हे भगवान! कहीं मैं कुछ गलत तो नहीं कर रही । ईया उसके पास है भी या नहीं?" मुझे जैक की धमकी याद आ गई । उसने कहा था कि अगर मैंने किसी को बताया

तो वह ईया को मारने से पहले उसकी इज्जत लूटने से भी बाज़ नहीं आएगा।

"मिसेज ग्रे! आपके पति आपसे बात करना चाहते हैं। आप बात करें। मैं बाहर खड़ा हूं।" वीलन ने कहा

ओह! अब मैं अपने पति से क्या कहूंगी। मुझे इतना पैसा किसलिए चाहिए। अचानक क्या जरूरत आन पड़ी।

"हाय।"

"क्या तुम मुझे छोड़ कर जा रही हो।"

क्या?

"नहीं!!! " उसने ये कैसे सोचा। उसे लग रहा है कि मैं उसका पैसा लेकर उसे छोड़ना चाहती हूं। मुझे उसे और उसकी बहन को सलामत रखने के लिए झूठ बोलना ही होगा। मैंने कहा

"हां! "

उसने सुबकी सी भरी, "एना!!!! "

नहीं क्रिस्टियन! ऐसा मत करो। *मैंने किसी तरह अपने भावों को काबू किया।* "तुम जा रही हो?"

"हां"

"पर क्या तुम हमेशा से पैसे के पीछे थीं?" उसकी आवाज भर्रा रही है।

"नहीं। "मेरे आंसू बहने लगे। नहीं।

"क्या पांच मिलियन काफी हैं।"

ओह प्लीज! ऐसी बातें मत करो

"हां।"

"और बेबी।" उसने उसांस भरी।

"क्या?" मेरा हाथ पेट तक आ गया। मैं उसे संभाल सकती हूं। मेरा नन्हा ब्लिप! मेरा प्यारा सा बेबी!!!

"तुम यही चाहती थीं।"

नहीं।

"हां"

उसने गहरी सांस ली। "सब कुछ ले जाओ"

क्रिस्टियन! मैंने सुबकी भरी। ये तुम्हारे लिए है। तुम्हारे परिवार, तुम्हारी बहन के लिए है। मैं तुम्हें छोड़ कर नहीं जा रही। मेरा भरोसा करो। मैंने मन ही मन कहा।

क्रिस्टियन!! अचानक ही मन किया कि उसे सब बता दूं कि मैं किन हालात में हूं। उसकी बहन की जान खतरे में है। मुझे फिरौती के लिए पैसा चाहिए।

"मैं तुमसे हमेशा प्यार करता रहूंगा।"

"मैं भी करती हूं। क्रिस्टियन"

तभी दरवाजे पर आहट हुई । वीलन अंदर आया। वह बहुत डरा हुआ दिखा। "मि. ग्रे। आपके पति ने आपको पैसा देने के लिए कह दिया है। उन्होंने कहा है कि

हमें कहीं से भी आपको प्रबंध करके देना होगा। ऐसा होता नहीं है पर उन्होंने बहुत जोर देकर कहा है।"

वह परेशान है कि ऑफिस में रो रही महिला से कैसे बात की जाए। उसने मुझे पानी का गिलास दिया।

मेरे पति को लग रहा है कि मैं उसे छोड़ रही हूं।

मैंने चैक पर साइन किए तो उसने कहा कि वह आधे घंटे में पैसे का इंतजाम कर देगा जैक ने दो घंटे दिए हैं। इतने में सारा प्रबंध हो जाना चाहिए।

मैं अपने पति को तो बाद में देख लूंगी। अभी मुझे ईया की जान बचानी है। वैसे अगर ये मान लें कि वह झूठ बोल रहा हो। ईया उसके पास न हो। क्या मुझे पुलिस को बुलाना चाहिए?

किसी से मत कहना वरना उसे जान से मार दिया जाएगा। नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकती। मुझे अपनी कमर पर लीला की पिस्तौल का स्पर्श याद आ गया। फिर मैंने रे को भी धन्यवाद दिया कि उन्होंने मुझे पिस्तौल चलाना सिखा दिया था। मैं उसका प्रयोग कर सकती हूं।

कुछ ही देर में पैसा आ गया और मैंने खुद को मन ही मन आगे आने वाले हालात के लिए तैयार किया।

स्वेयर की आंखों में शक के साए हैं। वह फोन पर है। बेशक क्रिस्टियन से बात कर रहा होगा। मैंने उसे देख कर इशारा किया कि अभी आ रही हूं। मैं नहीं चाहती कि वह सारी योजना धूल में मिला दे।

मैंने अपने पीछे आ रहे वीलन को ऑफिस में ले जाकर कहा

"मुझे शक है कि कोई मेरा पीछा कर रहा है।।"

"क्या आप चाहती हैं कि मैं पुलिस को बुला दूं?"

ओह नहीं! ये मैं क्या करने जा रही हूं।

घड़ी देखी। जैक का फोन कभी भी आ सकता था।

"मुझे एक फोन करना है। क्या मैं अकेले में बात कर सकती हूं?"

"हां क्यों नहीं।" वह बाहर चला गया। मैंने कांपते हाथों से ईया का नंबर लगाया। "हां! जानता हूं कि तेरी सिक्योरिटी बैंक तक आ गई है।"

शिट! ये कैसे जानता है?

"तुम्हें उसे धोखा देना होगा। बैंक के पीछे काली एसयूवी इंतजार कर रही है। तुम्हें तीन मिनट में वहां आना है।"

"मैं तीन मिनट में नहीं आ सकती।"

"जल्दी से जल्दी पहुंचो और कार में बैठते ही अपना फोन फेंक देना। समझी कमीनी औरत! "

अभी उसे जवाब देने का वक्त नहीं था।

मैंने फोन काटा और बाहर आकर वीलन को बताया कि मेरी कार बैंक के पीछे खड़ी है। मुझे किसी की जरूरत होगी जो सूटकेस वहां तक पहुंचा दे। मैंने उससे यह भी पूछा कि क्या वहां तक जाने के लिए कोई पीछे का रास्ता था।

"जी मैम! हमारे स्टाफ के लिए है।"

"मैं आपके साथ दो क्लर्क और सिक्योरिट गार्ड भेज देता हूं।"

"आपसे एक और काम था।"

"जी आप बताएं। मैं मदद के लिए तैयार हूं।"

कार में एलिजाबेथ दिखी। है! वह जैक के साथ मिली हुई है।

उसने बड़े ही सलीके से कार का दरवाजा खोला मानो मुझे ही लेने आई थी। मैंने वीलन को धन्यवाद देने की औपचारिकता निभाई।

उसने फोन लिया और कार चालू करते ही उसे कचरे में फेंक दिया।

यह समझ नहीं आ रहा कि उसे यह सब करने की क्या पड़ी थी। उसने कार चला दी और स्वेयर कहीं दिखाई नहीं दे रहा। मैं उसे चकमा देने में कामयाब रही।

"तुम ऐसा क्यों कर रही हो?" मुझे उसकी आंखों एक दर्द दिखाई दिया।

"एना! चुप रहने में ही हम दोनों की भलाई है।"

"क्या उसने तुम्हें भी किसी तरह से बस में कर रखा है?"

"मैंने कहा न कि तुम चुप रहो।"

मैं तभी जान गई कि एलिजाबेथ को भी इस काम के लिए जबरदस्ती राजी किया गया होगा। क्या हो सकता है। कंपनी में चोरी? यौन शोषण या उसकी निजी जिंदगी में दखल। क्रिस्टियन ने बताया था कि जैक की कोई पीए कुछ नहीं बोलेगी। उसने इसी तरह सबको अपने बस में कर रखा है। लगता है कि यहां भी यही कहानी है।

उसने एक सुनसान इलाके में ईंटों से बनी इमारत के पास गाड़ी रोक दी और मैं खुद को हिम्मत देने लगी कि मैं ईया के लिए यह सब कर रही थी।

"बाहर आओ।" उसने दरवाजा खोल कर कहा।

तभी एक कोने से जैक बाहर आ गया। उसकी आंखों से नफरत झलक रही थी। "ले आई पैसा?"

"पहले ईया को लाओ।"

"पहले पैसा दे।"

एलिजाबेथ ने उसे बैग देखकर बताया कि उनमें नोट भरे थे।

"इसका सैल कहां है?"

"कचरे में डाल दिया था।" एलिजाबेथ बोली

जैक ने अचानक ही मेरे मुंह पर एक जोर का घूंसा दिया और मैं जमीन पर चारों खाने चित्त गिरी। मेरे सिर में दर्द होने लगा। आंखें आंसुओं से भर गई। खोपड़ी पर ऐसी चोट आई कि मेरी नजर धुंधला गई।

मैंने एक चीख मारी। *मेरा बच्चा!* जैक ने इसके बाद जोर से पसलियों में ठोकर मारी और मेरी जान ही निकाल दी। मैंने अपनी मतली और दर्द से लड़ने का फैसला लिया। मेरा बच्चा! मेरा नन्हा सा बच्चा!

"कमीनी औरत!! ये एसआईपी के नाम है।" वह गुर्राया

मैंने अपनी टांगें समेट लीं और अगले वार को झेलने के लिए तैयार हो गई। "जैक! यहां नहीं। खुलेआम ये सब मत करो।" एलिजाबेथ चिल्लाई।

वह वहीं थम गया।

"ये कमीनी इसी लायक है।" उसने कहा और मुझे उसी पल में अपनी जेब से गन निकालने का मौका मिल गया। मैंने उस पर निशाना साधा और ट्रिगर दबा दिया। गोली ठीक घुटने के ऊपर लगी। एलिजाबेथ चिल्लाई और अपने हाथ खड़े कर दिए। मैंने उसे देखा तो ऐसा लगा मानो वह किसी गहरी सुरंग में दूर होती जा रही है। उसे और मुझे अंधेरा निगल रहा है।। ये क्या कारों के स्वर, ब्रेक के स्वर....दरवाजे....उसकी टांग से बहता खून

तभी क्रिस्टियन का स्वर सुनाई दिया। "एना! तुम ठीक तो हो? एना????"

"ईया.......ईया को बचा लो।" मैं केवल यही कह सकी और बेसुध हो गई।

अध्याय-23

सब जगह दर्द महसूस हो रहा है। मेरे सिर, मेरी छाती...तीखा दर्द हो रहा है। मेरी कमर, मेरे बाजू और पीठ में तेज दर्द है।

मैं कहां हूं। मैंने अपना दिमाग इस ओर लगाना चाहा।

आंखें नहीं खुल रहीं पर कुछ शब्द सुने जा सकते हैं।

"मि. ग्रे! पसलियों में सूजन है और खोपड़ी में हल्की सा फ्रेक्चर है। इसके सिवा वे ठीक हैं।"

"पर अभी होश क्यों नहीं आ रहा।"

"इनके सिर पर भारी चोट आई है पर हमने देख लिया है। अंदर कोई सूजन नहीं है। सब ठीक है।

ये अपने-आप होश में आ जाएंगीं।"

"और बेबी।!"

"मि. ग्रे! आपका बेबी बिल्कुल ठीक है।"

यह मैंने क्या सुना। क्रिस्टियन ने बेबी के बारे में पूछा। उसे बच्चे की परवाह है। उसने उसे स्वीकार लिया है।

ओह! मेरे मन का बोझ हल्का हो गया। मैंने हाथ हिलाना चाहा पर नहीं हिला सकी। मेरा शरीर अभी मेरे बस में नहीं है। बस आसपास तैरते स्वर सुन सकती हूं।

पूरा शरीर भारी और दर्द से अधमरा हुआ पड़ा है। आंखें खुलना ही नहीं चाहतीं। जिस्म बेज़ान-सा है। अचानक कुछ स्वर सुनाई दिए। मुझे खुद को जगाए रखना होगा। ये मेरे पति की आवाज है।

"मैं इसे छोड़ कर नहीं जाने वाला।"

"नहीं डैड! मुझे इसके जागने तक यहीं रहना है।"

"मैं इसके साथ बैठना चाहता हूं। इसने मेरी बेटी की जान बचाई है। मैं इसके लिए और कर भी क्या सकता हूं?" उसके पिता ने कहा ईया

"ईया कैसी है"

"वह ठीक है न?"

"वह बहुत गुस्से में है और डरी हुई है।"

"हम सोच भी नहीं सकते थे कि जैक ऐसा करेगा और ऊपर से मेरी मूर्ख बीबी।" क्रिस्टियन का झल्लाया सुर सुनाई दिया।

"क्रिस्टियन! शांत हो जाओ। एना एक बहादुर लड़की है।"

"हां, बहादुर पर अड़ियल और जिद्दी कहीं की।" उसने कहा

"हं। उसके और अपने साथ इतनी सख्ती मत बरतो। मैं मॉम को भेजता हूं। तुम सोने की कोशिश करो।"

मैंने अपनी उसी नीम बेहोशी में जाना कि क्लार्क जासूस आया था। उसने मेरे पति से बात की। इसके बाद मेरी सास ग्रेस आईं और उन्होंने अपने बेटे को इस बात के लिए बुरी तरह से फटकारा कि वह मुझसे बात नहीं कर रहा था। बेशक मैंने किसी की सुबकियों का स्वर भी सुना।

उन्होंने उसे एलीना के पास जाने के लिए फटकारा और क्रिस्टियन सफाईयां देने लगा। उसने मां से वादा किया कि वह उससे कभी नहीं मिलेगा।

क्रिस्टियन ने अपनी मॉम से वादा किया कि वह कभी मेरा दिल नहीं दुखाएगा और अपनी जिम्मेवारियों को बखूबी निभाएगा।

"उसने कहा कि वह मुझे छोड़कर जा रही थी।"

नहीं!नहीं!नहीं!

"क्या तुमने यकीन कर लिया?"

"हां पहले तो कर ही लिया था।"

"डार्लिंग! तुम हमेशा अपने बारे में इतनी बुरी सोच क्यों रखते हो। पल-भर में सामने वाले का भी भरोसा तोड़ देते हो। तुम्हें सब पर भरोसा रखना सीखना चाहिए। वह तुमसे कितना प्यार करती है।"

"वह मुझसे नाराज थी।"

"हम अपनों से ही नाराज होते हैं।"

"मैंने यही सोचा कि उसने कितनी बार अपने प्यार का प्रदर्शन किया है। उसने यह जताने के लिए अपनी जान को भी खतरे में डाल दिया।"

"हां! वह तुमसे प्यार करती है।"

"क्रिस्टियन! रोना बंद करो।"

"मॉम ये उठती क्यों नहीं?"

अंधेरा! गहरा अंधेरा। इसके बाद मैं कुछ नहीं सुन सकी।

"तुम्हें इस तरह मेरी बांहों में आने में पूरे चौबीस साल लगे।"

"मैं जानता हूं मॉम! मुझे खुशी है कि हमने आपस में बात की।"

"बेटा! मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। यकीन नहीं आ रहा कि मैं दादी बनने वाली हूं।" दादी।

ओह कितना मीठा शब्द है!

हम्म। मैं उसके स्पर्श को महसूस कर सकती हूं।

"जान वापिस आ जाओ। मेरे लिए लौट आओ। मैं तुम्हें इस तरह बेजान पड़ा नहीं देख सकता।

आई मिस यू.....आई लव यू

मैं कोशिश कर रही हूं। कोशिश कर रही हूं पर शरीर साथ नहीं दे रहा।

तभी दोबारा नींद आ गई और जब आंख खुली तो मुझे बाथरूम जाना था।

आंखें खुलीं तो खुद को अस्पताल के एक बड़े से कमरे में पाया। चारों ओर अंधेरा और खामोशी है। मेरा सिर और छाती दर्द से टसटस हो रहे हैं। मैंने बाथरूम जाना है। हाथ में आई वी लगी है। सिर चकरा रहा है। क्रिस्टियन पास में ही बांह पर सिर रखे सो रहा है। मेरे हिलते ही वह झटके से उठ गया।

"हाय।" मैंने धीरे से कहा

"ओह एना।" उसे सुकून आ गया। उसने मेरा हाथ पकड़ कर दबाया और उसे अपने गाल से सहलाया।

"मुझे बाथरूम जाना है।"

तभी नर्स भी अंदर आ गई और उसने बताया कि उसका नाम नोरा है। मैंने अपनी मांग दोहराई। वह चाहती थी कि मेरा पति वहां से हट जाए ताकि मेरा कैथीटर हटाया जा सके पर वह हिलने को तैयार नहीं था। नर्स से दो मिनट की झड़प के बाद उसने मुझे गोद में उठा लिया और बाथरूम में ले गया।

वह टॉयलेट सीट पर बिठाने के बाद वहीं खड़ा रहा तो मैंने उसे कहा कि वह बाहर जाकर मुंह फेर ले। पता नहीं क्यों, मुझे उससे इतनी शर्म क्यों आ रही थी। नर्स नहीं चाहती कि वह इस दौरान वहां रहे पर वह टस से मस भी नहीं होना चाहता। मानो उसके जाते ही मैं फिर से कहीं ओझल हो जाऊंगी।

जब वह मुझे पलंग पर वापिस ले जा रहा था तो कान में बोला कि वह मुझे बहुत मिस कर रहा था।

अब नर्स के सब्र का बांध टूट गया। उसने कड़वी निगाहों से उसे देखते हुए कहा "अगर आप इजाजत दें तो मैं अपने मरीज की जांच कर लूं।" डॉक्टर को रिपोर्ट देनी है।

"जी हां क्यों नहीं।" उसने कहा और वहां से हट गया।

नर्स ने मेरा बी पी देखा और मैंने उसे बताया कि मुझे बहुत जोर से भूख और प्यास लगी हुई थी। वह बोली, "हम अभी डॉक्टर से पूछ कर आपको खाने-पीने के लिए कुछ देते हैं।"

क्रिस्टियन ने यह सुनते ही टेलर को फोन कर दिया कि वह मेरे लिए चिकन सूप ले आए।

मैंने नोरा का लाया पानी पीते हुए ईया के बारे में पूछा और क्रिस्टियन ने बताया कि वह पूरी तरह से सही-सलामत थी।

"मुझे बहुत अच्छा लगा। शुक्र है कि वह ठीक है। मैंने उसके लिए ही तो इतना जोखिम मोल लिया था।"

"उन्होंने ईया को कैसे काबू किया"

"एलिजाबेथ मोरगन"

"नहीं"

"हां! उन्होंने उसे जिम से उठा लिया।"

"एना! हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। वह ठीक है। बस थोड़ा परेशान और गुस्से में है। उसका अपहरण हुआ था इसलिए ऐसा होना स्वाभाविक ही है। पर तुमने क्या किया। तुमने बहुत बहादुरी से बेवकूफी दिखाई ।" उसने गुस्से से अपने बालों में हाथ फेरा।

"तुम्हारी जान भी जा सकती थी।"

मैं समझ सकती हूं कि वह कितने गुस्सें में है और किसी तरह अपने गुस्से को काबू करने की कोशिश कर रहा है।

"मुझे समझ नहीं आया कि क्या करना था"

"मुझे बता सकती थी।"

"उसने कहा था कि अगर किसी को भी बताया तो वह ईया को जान से मार देगा। मैं ईया के लिए खतरा मोल नहीं लेना चाहती थी।"

"मैं वीरवार से हजारों मौतें मर चुका हूं।"

"वीरवार?"

"आज क्या दिन है?"

"आज शनिवार है। तुम चौबीस घंटे से भी ज्यादा वक्त तक बेहोश रहीं।"

ओह

"जैक और एलिजाबेथ कहां हैं?"

" पुलिस के पास हैं। हाइड की टांग से गोली निकाली गई। वह इसी अस्पताल में है। अगर मुझे कमरा पता होता तो हरामजादे को जान से मार देता।" उसका चेहरा स्याह हो गया था।

"ओह शिट! जैक यहीं है।"

अचानक ही मेरे पूरे शरीर में डर की सिरहन दौड़ गई।

क्रिस्टियन ने मेरे हाथ से गिलास लिया और बांहों में भर लिया।

"तुम यहां मेरे साथ पूरी तरह से सुरक्षित हो।"

"मुझे माफ कर दो।" उसने मुझे गले से लगा लिया।

"मैंने कहा था कि मैं तुम्हें छोड़ कर जा रही हूं। वह एक झूठ था।"

"मैं जानता हूं।" उसने मेरे बाल सहलाए।

"तुम्हें पता है।"

"हां! मैंने सब पता लगा लिया था। एना। तुम क्या सोच रही थीं कि मैंने तुम्हारी बात को सच मान लिया।"

"तुमने मुझे हैरानी में डाल दिया। बैंक में हमारी बात हुई तो तुम ऐसे ही बोल रहे थे मानो तुम्हें लग रहा हो कि मैं तुम्हें छोड़कर जा रही हूं। मैंने सोचा कि तुम मुझे समझोगे। मैं हजार बार कह चुकी हूं कि जीते जी तुमसे कभी दूर नहीं जा सकती।"

"पर जैसे गलत तरीके से मैंने बर्ताव किया....उसके बाद कोई भी यह सोच सकता था कि तुम मेरे साथ नहीं रहना चाहतीं।" उसने मुझे अपनी बांहों में कस लिया। "पल भर को लगा था कि मैंने तुम्हें खो दिया।"

"नहीं क्रिस्टियन, कभी नहीं! बस मैं यह नहीं चाहती थी कि तुम्हारे दखल देने से ईया की जान खतरे में आ जाए।"

उसने आह भरी।

"तुमने पता कैसे लगाया?" मैंने उसे दूसरी बात में उलझा लिया।

"जब बैंक का फोन आया तो मैं सिएटल आया ही था। इसके बाद पता चला कि तुम्हारी तबीयत ठीक नहीं थी और तुम घर जा रही थीं।"

"तो जब स्वेयर ने कार से फोन किया तो तुम पोर्टलैंड में थे।"

"हां, हम निकलने वाले थे। मुझे तुम्हारी चिंता हो रही थी।"

"तुम्हें चिंता हो रही थी।"

"हां, अब मेरे पास पूरी जिंदगी में यही तो एक काम है।" वह बोला

"जैक ने ऑफिस में फोन किया। उसने पैसे लाने के लिए दो घंटे का वक्त दिया। मुझे निकलने के लिए यही बहाना सही लगा।"

"और तुमने स्वेयर को भी गच्चा दिया। वह भी तुमसे नाराज है।" क्रिस्टियन बोला मैं उसके चेहरे पर हाथ फेरा तो उसने उसे प्यार से सहला दिया।

"प्लीज! मुझसे नाराज मत हो।"

"मैं तुमसे नाराज हूं। तुमने मूर्खता के क्षणिक आवेश में जो भी किया, वह खतरे से खाली नहीं था।"

"मैंने कहा न कि मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था।"

"तुम्हें अपनी जान की कोई परवाह नहीं है?"

तभी कमरे में डॉक्टर आ गई। इस दौरान मेरे पति ने अपने माता-पिता और केट को फोन करके बता दिया कि मैं जाग गई थी।

डॉक्टर ने पसलियों को छुआ तो मैं कराहने लगी।

"मिसेज ग्रे! किस्मत अच्छी थी कि ये टूटी नहीं हैं। ये सूज गई हैं। कुछ दिन में आराम आ जाएगा।

"मैं दर्दनिवारक दवाएं दे रही हूं। जितनी नींद ले सकें, लें वरना सिर में दर्द होगा। सुबह तबीयत देखकर तय करेंगे कि आप घर जा सकती हैं या नहीं। सुबह डॉक्टर सिंह आपको देखेंगी।"

"थैंक्यू"

तभी टेलर ने कमरे में खाना लेकर प्रवेश किया।

डॉक्टर ने हैरानी से कहा, "खाना?"

"हां, मिसेज ग्रे को भूख लगी थी।" नर्स ने बताया।

"यह चिकन सूप है।" क्रिस्टियन ने कहा।

"हां, इन्हें अभी शोरबे के सिवा कुछ नहीं देना।"

बॉक्स खोला तो उसमें से सूप का थरमस, साइड प्लेट, चम्मच, ब्रेड रोल्स, नमक व काली मिर्च निकले। वाह मजा आ गया।

"टेलर बहुत अच्छे!" मैंने कहा

"कुछ और चाहिए?"

"हां थैंक्स"

"मिसेज ग्रे! कुछ और लेंगी।"

"हां, क्रिस्टियन के लिए कुछ साफ कपड़े चाहिए।" मैंने कहा

क्रिस्टियन ने हैरानी से अपनी शर्ट देखी।

"इसे कब से पहन रखा है?"

"वीरवार सुबह से।" क्रिस्टियन ने कटोरे में सूप डालते हुए कहा

टेलर बाहर चला गया।

मैंने सूप देखा तो उसे आधा पीने के बाद ही दम लिया। वाकई बहुत स्वादिष्ट था। मैंने अपना मुंह पोंछते हुए पूछा, "अब बताओ कि जब तुम्हें एहसास हुआ कि कुछ चक्कर है तो तुमने क्या किया?

"ओह एना! तुम्हें खाता देख कर अच्छा लग रहा है।"

"मुझे भूख लगी थी।"

"जब बैंक से फोन आया तो ऐसा लगा मानो किसी ने मेरी दुनिया को ही चूर-चूर कर दिया हो।"

मैंने खाना बंद कर दिया। ओह शिट!

"खाना मत बंद करो वरना मैं बात नहीं करूंगा। मैं अपना सूप पीती रही।"

"जब हमारी बात खत्म हुई तो मुझे टेलर का फोन आया कि जैक को जमानत मिल गई थी। तभी मेरे दिमाग में आ गया कि कहीं न कहीं कोई गड़बड़ जरूर है"।

"मैं पैसे के पीछे कभी नहीं थी। मैंने झट से कहा। तुमने ये कैसे सोचा कि मैंने पैसे के लिए तुमसे शादी की होगी? क्या मैं....।" मेरा सिर भन्ना गया।

"क्रिस्टियन! मुझे यही बात सबसे बुरी लगी।" तुमने मुझे गलत समझा।

उसने गहरी सांस लेते हुए आंखें बंद कर लीं।

"मैं जानता हूं। आई एम सॉरी!! हमें पता नहीं था कि ईया गायब है। मैंने सोचा कि शायद वह तुम्हें ब्लैकमेल कर रहा है। मैंने फोन किया पर तुमने उठाया नहीं और फिर मैंने स्वेयर को फोन किया। टेलर ने तुम्हारे फोन का पता लगाया। मैं जानता था कि तुम बैंक में थीं इसलिए हम सीधा वहीं जा पहुंचे।"

"पता नहीं स्वेयर ने मुझे कैसे खोजा। क्या वह भी सैल से पता लगा रहा था।" "हमारी सारी गाड़ियों में ऐसे उपकरण लगे हैं। जब हम बैंक पहुंचे तो तुम निकल चुकी

थीं इसलिए हमने तुम्हारा पीछा किया।"

"मैं मन ही मन जानती थी कि तुम मुझे खोज निकालोगे।"

"जैक ने मुझे मेरा फोन फेंकने को कहा था। मैंने वीलन से उसका फोन उधार लिया। एलिजाबेथ ने उसे मेरा फोन समझ कर फेंक दिया। मैंने अपना फोन तुम्हारे नोटों वाले बैग में डाल दिया था ताकि आगे चल कर तुम अपने पैसों का पता लगा सको।"

"एना! हमारा पैसा!!! "

मैंने अपना सारा सूप खत्म करके मुंह पोंछा।

" खत्म हो गया। बहुत अच्छे! "

तभी नर्स नोरा आई और उसने मुझे दर्द घटाने की दवा दी।

"क्या यह बेबी के लिए ठीक है?"

"हां मैम! हम यह जानते हैं इसलिए देखकर ही दवा दी जाती है।"

मैंने क्रिस्टियन को इशारा किया कि वह भी घर जाए तो उसने गुस्से से कहा, "एक पल के लिए भी मत सोचना। मैं तुम्हें छोड़ कर नहीं जाने वाला"

नोरा ने मुझे लिटा दिया। मेरे पति ने कहा कि वह वहीं कुर्सी पर सो जाएगा। मैं चाहती थी कि वह घर जाकर आराम करे पर वह मुझे एक पल के लिए भी अकेला नहीं छोड़ना चाहता था। नर्स के जाते ही मैंने उसे अपने साथ लेटने के लिए मना लिया। वह मेरे साथ लेट कर मुझे चोट नहीं पहुंचाना चाहता था पर मेरे बार-बार इसरार करने पर वह साथ आ गया।

मैंने उसके साथ लेटकर बांह पर सिर रखा और उसके दिल की धड़कन को सुनते हुए सुकून महसूस किया। उसने मेरे बालों को बार-बार चूम कर सॉरी कहा। उसकी बातों पर हंसने की कोशिश की तो पसलियों में दर्द होने लगा। कुछ ही पलों में हम दोनों ही एक-दूसरे की खामोशी को महसूस कर रहे थे। हालांकि मैं उससे मिसेज रॉबिन्सन और जैक के बारे में बात करना चाहती थी पर उसने सख्ती से मना कर दिया और कहा कि हम अगले दिन बात करेंगे। सोते-सोते यह भी बता दिया कि जासूस क्लार्क मुझसे मिलना चाहता था। बस इसके बाद हमारे बीच कोई बात नहीं हुई।

सुबह आंख खुली तो नर्स नोरा गुस्से में बाहें मोड़े खड़ी थी। मैंने उसे इशारा करके विनती की कि वह मेरे पति को सोने दे। वह जाने कबसे चैन की नींद नहीं ले पाया था।

"यह उसका नहीं तुम्हारा पलंग है।" उसने चिढ़ कर कहा

"मैं इसकी वजह से ही चैन से सो सकी।" तभी वह नींद में हिला और कुछ कहने लगा "मुझे मत छुओ। हाथ मत लगाओ। केवल एना ही मुझे छू सकती है।"

मैंने उसे नींद में इस तरह बोलते बहुत कम सुना है। वह अक्सर मुझसे कम नींद लेता है। साफ दिख रहा है कि वह कितने तनाव में है।

मैंने किसी तरह नर्स नोरा को मना लिया और वह पांव पटकते हुए बाहर निकल गई। जब दोबारा मेरी आंख खुली तो क्रिस्टियन वहां नहीं था। दिन की रोशनी में चारों ओर

फूल दिखे। पता नहीं वे किसने भेजे होंगे। तभी कैरिक भीतर आ गए। उन्होंने मुझसे भीतर आने की अनुमति मांगी। वे सूट में थे। शायद काम से ही आए होंगे। फिर उन्होंने मेरा माथा चूमकर मुझे हैरानी में डाल दिया।

"मेरी पगली बेटी! मैं समझ नहीं पा रहा कि ईया की जान बचाने के लिए तुम्हें किन शब्दों में धन्यवाद दूं और अपनी जान खतरे में डालने के लिए किन शब्दों में डांट लगाऊं। पगली कहीं की! मैं तुम्हारा एहसान सारी जिंदगी नहीं चुका सकता।"

ओह!!! मैं कोई जवाब नहीं दे सकी।

उन्होंने पूछा कि क्रिस्टियन कहा है तो मैंने बताया कि वह कहीं गया है।

"वे बोले कि वह ज्यादा दूर नहीं गया होगा क्योंकि जब मैं बेहोश थी तब भी उसने एक पल के लिए भी मेरे बिस्तर का कोना नहीं छोड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि वह गुस्से में है और उसे होना भी चाहिए।"

हम हंस दिए और मैंने ईया के बारे में पूछा।

"ईया कैसी है?"

"वह घर में है और बहुत गुस्से में है। मुझे नहीं लगता कि अब ग्रेस उसे घर से एक कदम भी अकेले बाहर रखने देगी।"

"हां, आपने सही कहा"

"मैं नहीं चाहता कि तुम मेरे पोता-पोती के साथ अपनी जान खतरे में डालो।" ओह! वे भी जानते हैं।

"क्रिस्टियन भी आता होगा। उसके लिए तो ये एक बड़ी बात है। वह संभल जाएगा। उसे एक मौका और वक्त दो।" उन्होंने समझाया।

मैंने हामी भरी। तो वे इस बारे में बात कर चुके हैं।"

"मैं चलता हूं। मुझे कोर्ट जाना है। बाद में मिलता हूं। ग्रेस ने तुम्हारे डॉक्टरों से बात की है। वे जानते हैं कि तुम्हें क्या देना है।"

वे झुके और फिर से चूम लिया। "एना! सच मैं तुम्हारा एहसान कभी नहीं उतार सकता। आई लव यू बेटा! "

मैंने उन्हें भावुक नजरों से देखा और उन्होंने मेरा गाल सहला दिया। फिर वे बाहर चले गए।

ओह माई। शायद अब वे मुझ पर भरोसा करने लगें। उन्हें यकीन हो जाए कि मैं उनके बेटे के पैसे के पीछे नहीं हूं।

बिस्तर से उठी तो थोडी तबीयत सही लगी। सिर में दर्द है पर कल की तरह तीखा दर्द नहीं है। हो सकता है कि नहाकर राहत मिल जाए।

"एना!! " क्रिस्टियन ने जोर से पुकारा

मैं बाथरूम में हूं। मैंने ब्रश करके कहा। जानकर शीशा नहीं देखा। शक्ल के बारह बजे हुए हैं।

बाहर आई तो क्रिस्टियन दिखाई दिया। वह काले कपड़ों में था। वह शेव करके और नहाकर आया था।

उसके हाथ में मेरे नाश्ते की ट्रे थी।

वह मेरा मनपसंद नाश्ता लाया था।

मैंने संतरे का जूस पीया और ओटमील खाने लगी। वह मुझे एक ओर बैठकर देखता रहा। ओह! कितनी भूख लगी थी।

"क्या???" मैंने पूछा

"तुम्हें खाते देख रहा हूं। अगर पता होता कि तुम इस हालत में इतना खाओगी तो पहले ही..."

"क्या कहा जनाब??"

ओह! अब हमें हमारी गर्भावस्था के बारे में बात करनी ही होगी

"क्रिस्टियन! इस हालत में ऐसे ही भूख लगती है।"

"हां मैं जानता हूं।"

"हमें इस बारे में बात करनी है।"

"इसमें बात क्या करनी है। हम मां-बाप बनने वाले हैं।" उसने विरक्त भाव से कहा पर मैं उसका डर देख सकती हू। मैं उसके पास खिसक आई और हाथों में हाथ ले लिया।

"मैं समझ गई कि तुम डर रहे हो।"

उसकी आंखें फैल गई

"मैं भी डर रही हू। ये एक सामान्य भाव है। ऐसा होता है।"

"मैं भला कैसा पिता साबित हो सकता हू?" उसने कहा

"ओह क्रिस्टियन! तुम दुनिया के सबसे अच्छे पिता बनोगे।"

"अगर हम कुछ समय तक दो ही रहते तो अच्छा था पर हम तीनों एक परिवार के रूप में रहेंगे और जिस तरह मैं तुमसे नि:स्वार्थ प्रेम करती हू। उसी तरह हमारा बच्चा भी तुमसे प्रेम करेगा।"

"ओह एना। मुझे लगा कि मैंने तुम्हें खो दिया। तुम्हें वहां धरती पर बेसुध पड़ा देखा तो ऐसा लगा कि मेरा वह बुरा सपना सच हो गया हो। और तुम ठीक-ठाक बैठी, मुझे हौंसला दे रही हो। तुम वाकई बहुत हिम्मत वाली हो। मेरा इतना सब करने के बाद भी मुझसे प्यार करती हो।"

उसने मेरे आंसू पोंछ दिए और मुझे चूमा जैसे कोई पति अपनी पत्नी को प्यार से चूमता है। वह मेरे कान के पास आ कर हौले से बोला, "मैं एक अच्छा पिता बनने की कोशिश करूंगा।"

"तुम कोशिश करोगे और सफल भी रहोगे। मैं और ब्लिप जानते हैं।"

"ब्लिप?"

"हां! मैं और जूनियर।"

उसने प्यार से हम दोनों को गले से लगा लिया।

अध्याय-24

"मैं तो तुम्हें सारा दिन चूमना पसंद करता पर तुम्हारा नाश्ता ठंडा हो रहा है।" वह मेरे होठों के पास आकर बोला। ओह यह तो फिर से तैयार है।

"खाओ।" मैंने उसकी वासना से भरी निगाहों के तले उसांस भरी और अपनी आई वी को संभालते हुए उठ कर बैठ गई। उसने मेरे सामने मेरा नाश्ता सजा दिया।

"पता है...ब्लिप एक लड़की भी हो सकती है।"

उसने बालों में हाथ फेरा। "ओह दो औरतें! " उसके चेहरे पर भय के साए लहरा गए।

"सत्यानाश! क्या तुम बेटी नहीं चाहते?"

"नहीं ऐसा नहीं। बस उसे स्वस्थ होना चाहिए। खाओ।" उसने बात बदलते हुए कहा "मैं खा रही हूं। मैं खा रही हूं। ग्रे!! " आज उसकी आंखों के कोने में चिंता की लकीरें

हैं। वह अभी इस खबर से उबर नहीं पाया। उसने आरामकुर्सी पर बैठ कर अखबार ले लिया। मैं नाश्ता करती रही और वह मुझे अखबार पढ़कर सुनाता रहा। इस बात से कोई अंतर

नहीं पड़ता था कि मैं क्या सुन रही थी। मुझे उसकी आवाज सुनना अच्छा लग रहा था। बेशक सभी सुरक्षित हैं और मैं अपने पति के पास हूं। इससे बड़ा सुकून और क्या होगा।

मैं समझती हूं कि बच्चे को लेकर उसके मन में डर है। पर इतना डर क्यों है? मैं उससे इस बारे में और बात करना चाहती थी ताकि उसका डर कुछ कम हो जाए। हो सकता है कि उस औरत ने इसके दिमाग में कुछ और भर दिया हो। उसे ग्रेस व कैरिक के रूप में इतने अच्छे मां-बाप मिले हैं। फिर समझ नहीं आता कि वह इतना डरा क्यों हुआ है।

मैं कुछ और बात करना ही चाहती थी कि कमरे में क्लार्क जासूस ने कदम रखा। मेरे पति ने उसका खास स्वागत नहीं किया पर उसे तो अपना काम करना ही था।

क्रिस्टियन ने उसे यह कहकर टालना चाहा कि मुझे आराम करना चाहिए पर उसका कहना था कि वह जितनी जल्दी रूटीन की पूछताछ कर लेगा बात खत्म हो जाएगी। मैंने करीब आधे घंटे में उस दिन की सारी कारवाई सुना दी और इस दौरान मेरे पति के चेहरे पर गुस्से और बेबसी के मिले-जुले भाव आते रहे।

क्रिस्टियन ने जानना चाहा कि हाइड की जमानत किसने दी थी परंतु जासूस ने नहीं बताया। उसके जाने के बाद डॉक्टर आए और मुझे देखने के बाद घर जाने की इज़ाजत दे दी।

"मिसेज ग्रे! अगर आपका सिर चकराए या कुछ धुंधला दिखे तो आपको फौरन अस्पताल आना होगा।" उन्होंने कहा मैंने वहां से छुट्टी पाते ही अपने डैड से मिलना चाहा।

"क्या उन्हें बेबी के बारे में पता है?" मैंने अपने पति से पूछा

"नहीं मुझे लगा था कि शायद तुम उन्हें ये बताना चाहो। मैंने तो तुम्हारी मॉम को भी नहीं बताया।"

थैंक्स!!!

"मेरी मॉम जानती हैं। उन्होंने तुम्हारा चार्ट देख लिया था। मैंने सिर्फ डैड को बताया था। मॉम कहती हैं कि लोग अक्सर बारह सप्ताह के बाद ही दूसरों को बताते हैं।"

"मुझे नहीं लगता कि मैं अभी रे से यह बात करने के लिए तैयार हूं।" मैंने कहा "वैसे बता दूं। वे बहुत गुस्से में हैं और उनका कहना है कि मुझे तुम्हारी ठुकाई लगानी

चाहिए।"

ओह!

"टेलर कुछ कपड़े ले आएगा। तुम कपड़े बदल कर चलना।"

रे के पास पहुंची तो उनका गुस्सा देखने लायक था। मैंने उन्हें कभी इतने गुस्से में नहीं देखा। मेरे पति ने हमें कुछ समय के लिए अकेला छोड़ दिया।

रे ने ऐसे फटकार लगाई मानो मैं बारह साल की हो गई हूं।

"ओह डैड! प्लीज शांत हो जाओ।"

"डैड सॉरी"

"सॉरी!!!! मैं और क्रिस्टियन पिछले दो दिनों में जाने कितने साल बुढ़ा गए हैं।" "सॉरी"

"मॉम भी तुम्हारे फोन के इंतजार में है।"

मैंने उनके गाल चूमे और उन्हें शांत किया।

"मैं बात करती हूं पर मुझे शूटिंग सिखाने के लिए थैंक्स"

यह सुन कर उन्हें अच्छा लगा।

मैंने उन्हें वादा किया कि मैं फिर कभी ऐसा दु:स्साहस नहीं करूंगी।

घर जाते समय मैंने स्वेयर को अनदेखा क्योंकि मैंने उसे पिछली बार बैंक के गेट पर गच्चा दिया था। मॉम के फोन पर सुबकियां ही सुबकियां सुनने को मिलीं। उन्हें निश्चिंत करना पड़ा कि मैं जल्दी ही मिलने आऊंगी।

अचानक ही मेरा पति परेशान दिखा।

"क्या हुआ?"

"वेल्क मुझसे मिलना चाहता है।"

"उसे हाइड के बारे में ऐसी जानकारी मिली है जो वह फोन पर नहीं बताना चाहता।" बातें करते-करते हम घर आ गए। उस माहौल में आते ही पिछली बातें याद आ गई और मैं रोने लगी। एक-एक वाक्य दिमाग में गूंजने लगा।

वह मुझे सीधा बाथरूम में ले गया। उसने मेरे कपड़े उतारे और गर्म पानी तैयार कर दिया। मैं भी नहाना चाहती हूं। बीते दिनों की एक-एक गंध को देह से दूर कर देना चाहती हूं। आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। उसने अपने भी

कपड़े उतारे और मुझे छाती से लगा लिया। हम दोनों गर्म पानी के फव्वारे के नीचे मग्न खड़े हैं और मैं रोते-रोते सोच रही हूं कि अगर उस दिन वह मुझसे रूठ जाता तो? अभी के लिए तो मेरे लिए यही सबसे बड़ी तसल्ली है कि वह मुझे दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार करता है।

उसने मेरे शरीर पर लगे घावों व चोटों को साबुन से धोया और उन्हें प्यार से चूमने लगा। मेरे नितंबों पर बहुत गहरे निशान थे। उन्हें देख कर तो उसका गुस्सा और भी बढ़ गया। मेरे एक-एक घाव को अपने होंठों से सहलाने के बाद उसने बालों में शैंपू किया और नहाने के बाद मुझे बहुत चैन आ गया।

मैंने शरीर को पोंछते समय पूछा।

"मुझे तो यह समझ नहीं आया कि एलिजाबेथ ने उसका साथ क्यों दिया।"

"मैं जानता हूं।"

"क्या? तुम्हें किसने बताया।"

"क्लार्क से हिंट मिला था।"

ओह! जब मैं बेहोश थी तो वह मेरे कमरे में आया था पर मुझे उसकी कोई बात याद नहीं है।

"मुझे क्लार्क से पता चला था कि वह एलिजाबेथ को ब्लैकमेल कर रहा था। उसके पास अपनी सभी सहायिकाओं के साथ संबंध बनाते हुए खींचे गए वीडियो हैं।"

"ओह।"

"उसे यह सब इसी तरह करना पसंद है।" अचानक ही उसका चेहरा पीला पड़ गया। दरअसल वह यह समझता है कि उसके और हाइड में बहुत सी समानताएं हैं।

मैंने उसे समझाना चाहा कि कुछ बुनियादी बातों के अलावा उनमें कोई समानता नहीं है। भला उसकी हाइड से तुलना कैसे हो सकती है पर वह मन ही मन यही समझता है। फिर उसने कहा

"चलो! हमें वेल्क से और जानकारी मिलेगी। अभी के लिए यही काफी है।" मैंने उसे समझाया।

"तुम दोनों का अतीत उलझा हुआ था। इसके सिवा और कोई बात नहीं है।" "एना! मैं तुम्हारे इस भरोसे को देख कर हैरान हूं। मुझ पर इतना भरोसा करने के लिए

थैंक्स! "

फिर वह मुझे कपड़े पहनाकर किसी छोटे बच्चे की तरह पलंग पर ले गया और बाल सुखाने लगा। उसने बताया कि जब मैं बेहाश थी तो केट भी मिलने आई थी और वह भी बहुत गुस्से में थी। उसने बातों ही बातों में मुझे फिर से लताड़ा कि मैंने फिर कभी अपनी जान के साथ खिलवाड़ किया तो उसे मेरी पिटाई लगाने में कोई शर्मिंदगी नहीं होगी। मैं उसकी बाजुओं का तकिया बना कर लेट गई।

कुछ ही देर में मेरा मन उसके साथ के लिए मचलने लगा पर मेरी आंखों के डोरे देखते ही उसने लताड़ा

"बिल्कुल नहीं एना। मैं तुम्हारे शरीर पर खरोंचों के निशान देख चुका हूं। मेरा जवाब है, नहीं।"

मेरे लाख बहलाने के बावजूद वह मेरी बातों में नहीं आया और मेरे लिए लंच लेने जाने लगा। मिसेज जोंस ने हमारे लिए चिकन स्ट्यू बनाया था। वह बहुत ही स्वादिष्ट था। हम दोनों ने साथ बैठकर खाया परंतु खाते ही जाने क्या हुआ कि मुझे थकान-सी महसूस हो कर नींद आने लगी। शायद अभी शरीर में कमजोरी बहुत थी। उसने मुझे बिस्तर पर लिटाया और वहीं काम करने लगा।

दिन ढले आंख खुली तो वह वहीं आरामकुर्सी पर बैठा दिखा। उसके चेहरे का रंग स्याह था और हाथ में कुछ कागज थामे हुए थे। मैं समझ गई कि कुछ न कुछ तो हुआ ही है। उसने कहा

"अभी वेल्क आकर गया है। उसने कहा कि मैं उस कमीने से संबंध रखता था।" "क्या हाइड तुम्हारा रिश्तेदार था?"

"नहीं..ऐसा नहीं था।"

"पहले तुम मेरे पास आओ"

मैंने उसे अपने पास बिस्तर में बुलाया। वह जूते और जुराबें उतार कर आ गया। "मैं कुछ समझी नहीं। अब आराम से बताओ।"

"जब मैं अपनी मरी मॉम के साथ पाया गया तो ग्रेस के गोद लेने से पहले मुझे मिशीगन स्टेट की देखरेख में रखा गया था। मैं एक बालगृह में रहता था पर मैं उस समय को याद नहीं कर सकता।"

"तुम वहां कितने समय रहे?"

"शायद दो माह"

"कुछ कह नहीं सकते।"

"क्या मॉम डैड से पूछा"

"नहीं"

"शायद वे कुछ बता सकें।"

उसने मुझे दो तस्वीरें दिखाई। मैंने लैंप जला लिया ताकि उन्हें देखा जा सके। एक तस्वीर में पुराना-सा घर दिखाया गया था और दूसरी तस्वीर में एक परिवार था। एक मां-बाप ने बच्ची को गोद में ले रखा था। दो बारह के करीब उम्र के लड़के थे और एक छोटा-सा तांबई बालों वाला लड़का दिखा। यह तो क्रिस्टियन है। मैंने उसे पहचान लिया।

"हां, मैं ही हूं।" वह बोला।

"वेल्क इन्हें लाया?"

"हां मुझे तो इनके बारे में कुछ याद नहीं था। मुझे मॉम और डैड का साथ तो याद है पर यह नहीं याद कि कभी मैं फॉस्टर माता-पिता के साथ भी रहा था।"

ओह मेरा पति अपनी ही जिंदगी की पहेली में किस कदर उलझ गया था। तस्वीर वाला एक लड़का जैक था। जो अपने चेहरे की कड़वाहट के पीछे अपने भावों को छिपाने की कोशिश में था।

जब जैक ने ईया के लिए मुझे फोन किया था तो यही कहा था कि अगर हालात कुछ और होते तो वह ग्रे की जगह होता।

कमीना कहीं का।

"क्या तुम्हें लगता है कि हाइड ने यह सब इसलिए किया क्योंकि ग्रे ने उसकी बजाए तुम्हें गोद लिया था?"

"कौन जाने। मैं उसकी परवाह नहीं करता।"

"शायद जब मैं इंटरव्यू के लिए गई तो वह जानता था कि हम एक-दूसरे से मिल रहे थे। तभी उसने मुझे फुसलाने की योजना भी बनाई।"

"मुझे नहीं लगता। वैसे हम उसकी कार्रवाई जानने के लिए देख सकते हैं कि उसने ये सब कबसे किया होगा। बार्नी के पास सारी तारीखें हैं। एना! उसने अपनी सारी सहायिकाओं के साथ यौन संबंध बनाए और उन्हें टेप कर लिया ताकि उनसे फायदा उठा सके।"

मैंने याद किया कि कैसे ऑफिस में मुझे बार-बार लगता था कि वह सही आदमी नहीं था। मेरे पति का कहना सही है। मैं अपनी सुरक्षा की परवाह नहीं करती। ओह मैं उसके साथ न्यूयार्क जाना चाहती थी। अगर मेरे पति ने चाल न चली तो शायद मेरा भी कोई टेप तैयार होता। यह सोच कर ही रूह कांप गई।

"ओह शिट्! हम दोनों एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं।"

"नहीं क्रिस्टियन! तुम उसके जैसे नहीं हो। तुम्हें अपने मॉम-डैड से बात करने जाना चाहिए।"

"हम उन्हें बुला लेते हैं।"

"नहीं हम जा सकते हैं।"

"तुम कार में नही जा सकोगी।"

नहीं मैं जा सकती हूं।

"तुम्हें आराम करना चाहिए।"

"वैसे आज शनिवार है। वे कहीं गए होंगे।"

"उन्हें फोन करो।" मैंने कड़ाई से कहा शाम के सात बज रहे थे।

"डैड। एना ठीक है। हम घर आ गए हैं। वेल्क अभी गया है। उसने मेरा और डैट्रायट के फॉस्टर होम का कोई संबंध खोजा है। मुझे तो कुछ याद नहीं है।"

"हां...अच्छा आप आओगे। आ जाओ।"

उसने फोन रख दिया।

"गुड! मैं कपड़े बदल लेती हूं।"

"तुम कहीं नहीं जाओगी।"

अच्छा। मैंने उसे प्यार से सहलाया। उसने कुछ ही क्षण पहले मुझे अपने जीवन के सबसे अंधेरे कोने को दिखाने की हिम्मत दिखाई है।

जब हम बड़े कमरे में आए तो ग्रेस ने मुझे गले से लगा लिया। "एना डार्लिंग! मेरे दो-दो बच्चों की जान बचा ली। तुम्हें कैसे धन्यवाद दूं।"

मैं शरमा गई। कैरिक ने भी मेरा माथा चूम लिया।

तभी ईया आगे आ गई।

"मुझे उन गधों से बचाने के लिए बहुत-बहुत मेहरबानी।"

"ओह! ईया संभल कर! उसे दर्द हो रहा है।"

"ओह सॉरी!! "

वह बहुत प्यारी दिख रही है। मैं भी आरामदेह कपड़ों में हूं।

ईया ने आगे जाकर भाई के कमर में हाथ डाल दिया।

क्रिस्टियन ने तस्वीर को मां के हाथों में दे दिया।

उन्होंने झट से अपने बेटे को पहचान लिया। कैरिक उन्हें संभालने आगे आ गए। तभी टेलर आ गया। "मि. ग्रे! मिस कावना, उनके भाई और आपके भाई आ रहे हैं।" "थैंक्स टेलर"

क्रिस्टियन हैरान रह गया।

ईया बोली। "ये वैलकम होम पार्टी है। मैंने उन्हें बुलाया है।"

"हम एक साथ खाना खाएंगे। ईया मेरी मदद करो।"

मैं उसे रसोई में ले गई और मेरा पति अपने मां-बाप को स्टडी में ले गया। केट का गुस्सा देखने वाला था

"तू अपने-आप को समझती क्या है?"

"केट प्लीज! सारे मुझे यही लैक्चर दे रहे हैं।" उसने एक ही पल में मुझे अपनी बांहों में ले लिया।

"क्या तेरे पास अक्ल नहीं है। स्टील! पता है मुझे तेरी कितनी चिंता हो रही थी।" उसी आंखों से आंसू बहने लगे।

"केट! रोना बंद कर। मैं भी रो दूंगी।"

उसने कहा

"चल एक बात बताती हूं। हमने अगली मई में शादी की डेट रख ली है। तू ही मेरी सखी बनेगी।"

ओह शिट्

मुझे तो अभी यह भी नहीं पता कि ब्लिप कब आने वाला है। शायद मई में ही आएगा। केट तो कुछ नहीं जानती।

मैंने उसे बधाई दे कर बांह से घेरा। तभी इलियट ने मुझे शैंपेन थमा दी मेरा पति स्याह चेहरा लिए अपने मां-बाप के साथ बाहर आया।

"केट! " उसने केट को औपचारिक अभिवादन किया।

केट ने वही जवाब दिया।

पति ने मुझे शैंपेन के लिए घूरा पर ग्रेस ने बचाव किया और कहा कि थोड़े सिप ले सकती हूं।

वे सब प्यार से एक साथ जा बैठे। कैरिक मेरे साथ रसोई में थे। मैंने पास जाकर पूछा कि क्या हुआ।

"वह बुरी तरह से दहल गया है। वह अपनी पिछली जिंदगी की बहुत सी बातें याद रखे हुए है। मेरे हिसाब से उसे याद नहीं होनी चाहिए थी। अच्छा लगा कि उसने हमें फोन किया। उसने बताया कि तुमने ऐसा करने को कहा था।"

"वह केवल तुम्हारी बात सुनता है।"

"एना। चलो बैठ जाओ। तुम थक रही हो। हम सब अचानक आ गए हैं।"

"आप सबको देख कर अच्छा लगा।"

मेरे एक और सिप लेने से पहले मेरे पति ने हाथों से गिलास छीन लिया।

सबके जाने के बाद मैंने उनसे पूछा कि क्या कोई पता चला।

उसने बताया कि जब उसके मॉम डैड ने उसे गोद लेने की कारवाई शुरू की तो वह दो माह उन लोगों के साथ रह रहा था। उस दौरान यह जांच हो रही थी कि उसका कोई जीवित रिश्तेदार था या नहीं।

तभी उसे कुछ याद आया।

"ओह मैं जिनके साथ रहता था। वे मि. कोलियर मुझे बेबी बर्ड कहते थे।"

"तो?"

"वह नोट?"

"क्या ? मुझे समझ नहीं आया।"

उस फिरौती वाले नोट में लिखा था:

"क्या तुम जानते हो कि मैं कौन हूं? क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम कौन हो? बेबी बर्ड" "यह बच्चों की एक किताब से था। जो कोलियर के घर थी। वे पढ़ कर सुनाते थे।" मेरा बेचारा फिफ्टी।

"वह हरामी जानता था।..."

"तुम पुलिस को बताओगे"

"हां पर समझ नहीं आता कि जासूस इस सूचना से क्या करेगा।"

"वैसे तुम्हारा थैंक्स"

"किसलिए? "

"तुमने आज शाम को कितने कम समय में सबके लिए खाने का प्रबंध कर दिया" "नहीं, मैंने नहीं, ईया और मिसेज जोंस ने संभाला।"

"मिसेज ग्रे! आप कैसा महसूस कर रही हैं?"

"हां बेहतर और मैं चाहती हू..."

"जी नहीं। अपने बदन पर घाव देखे हैं।"

"नहीं, मैं नहीं मानती।" मैं ठुनकी

"जिद मत करो। आज मैं तुम्हें कहानी सुनाने जा रहा हूं। जो किसी ने कभी नहीं सुनी।" मेरे बदन के रोंगटे खड़े हो गए

"एक किशोर की कल्पना करो जो चोरी-छिपे पीने की आदत बरकरार रखने के लिए कुछ अतिरिक्त पैसा कमाना चाहता है।

तो मैं मि. लिंकन के घर के पिछवाड़े बने बाग की सफाई करने गया।"

हाय....ये सब मुझे क्यों बता रहा है।

अध्याय-25

मैं तो सांस तक नहीं ले पा रही। क्या मैं यह सब सुनना चाहती हूं। उसने आंखें बंद कीं और थूक निगला। जब उसने उन्हें खोला तो वे बीते वक्त की यादों से भरी थीं।

"गर्मियों के दिन थे। मैं कड़ी मेहनत कर रहा था। पता नहीं कहां से मिसेज रॉबिन्सन आईं और मुझे पीने को लेमनेड दिया। थोड़ी बातचीत हुई। मैंने शायद कुछ गलत बक दिया। उन्होंने चांटा दे मारा। और फिर मुझे चूम लिया। फिर दोबारा एक चांटा मारा। उसने अजनाने में ही अपना गाल सहलाना शुरू कर दिया।"

"इससे पहले ये मार और चुंबन दोनों ही नहीं मिले थे।"

ओह एक बच्चे पर झपटी

"तुम इसे सुनना चाहती हो न?" उसने पूछा

हां.....नहीं

"अगर तुम बताना चाहो तो।"

मैं सदमे से सुन्न-सी हो गई थी। वह आगे बोला

"मैं भी परेशान था। एक हॉट बूढ़ी औरत आकर आपसे ऐसे पेश आए.....

वह घर में ऐसे लौट गई मानो कुछ हुआ ही न हो। जब मैं काम से जाने लगा तो अगले दिन फिर आने को कहा गया। मैं उससे दोबारा मिलना चाहता था।

उसने मुझे चूमते हुए हाथ तक नहीं लगाया। तुम्हें समझना होगा....मेरा जीवन किसी नर्क से कम न था। मैं पंद्रह बरस का लड़का..हारमोन तैयार थे। मैं एक अकेला पर आकर्षक किशोर था।

मैं सभी से बहुत नाराज रहता था। मेरा कोई दोस्त नहीं था। थेरेपिस्ट का कहना था कि मुझे कड़ाई से रखना चाहिए। मुझे कोई नहीं समझता था।

मैं किसी का स्पर्श नहीं सह सकता था।किसी को अपने पास पसंद नहीं करता था। अक्सर लोगों से लड़ता। दो स्कूलों से निकाला भी गया पर यह अपनी भड़ास निकालने का तरीका होता ताकि मैं शारीरिक संपर्क को सह सकूं।

उसने चूमते समय मेरा मुंह ही थामा। शायद उसे ग्रेस से पता चल गया होगा। अगले दिन मैं गया तो पता नहीं था कि वहां क्या होने वाला था। मैं ज्यादा नहीं बताने वाला। बस इस तरह हमारे संबंध बनने लगे।"

ओह! ये सब सुनना कितना पीड़ादायी है।

"एना! मेरी पूरी दुनिया फोकस में आ गई। मुझे उसी की जरूरत थी। वह ताजी हवा का झोंका बन कर आई। वह मुझे मारती भी थी और प्यार भी करती थी।

वह सब खत्म होने के बाद भी उसके कारण ही मेरी दुनिया टिकी रही। तुम्हारे आने तक सब ठीक था पर तुम्हारे आते ही जैसे सब नए सिरे से तैयार होने लगा।"

"मुझे तुमसे प्यार हो गया।"

"मुझे भी "

"हां. जानता हूं"

ओह! चलो इसने आज माना तो सही।

"एलीना ही मेरे लिए सब थी। उसने मेरे लिए बहुत कुछ किया। शराब की आदत छुड़वाई। स्कूल में पढ़ाई करने को कहा। उसने मुझे हर चीज से निपटने के लिए एक तरीका दिया। उन अनुभवों को झेलने की ताकत दी जिन्हें मैं अपने हिसाब से भी सह नहीं सकता था।"

"स्पर्श!!! वह क्या बात थी।"

"जब आप अपने लिए बिल्कुल ही नकारात्मक छवि और भावों के साथ बड़े होते हैं तो आपको लगता है कि आप दुनिया में अस्वीकृत हैं इसलिए..... "

"नहीं...ऐसा बिल्कुल नहीं है।"

उसने बालों में हाथ फिराए। "एना! उसने मेरे गुस्से को एक दिशा दी। मैं अब इसका एहसास कर सकता हूं। मैं अपने जन्मदिन पर ही जान सका कि उसके साथ मेरा क्या रिश्ता था।

"उसके लिए हमारे रिश्ते का मतलब केवल सेक्स और नियंत्रण था और एक अकेली औरत को अपने खिलौने छोकरे से राहत चाहिए थी।"

"पर तुम्हें तो नियंत्रण पसंद है।" मैंने कहा

"हां एना। हमेशा करता रहूंगा क्योंकि मैं यही हूं। मैंने कुछ समय के लिए उसे छोड़ा था और अपने निर्णय दूसरों के हाथों में दिए थे क्योंकि मैं निर्णय लेने की स्थिति में नहीं था पर जब मैं उसका दास बना तो मैंने अपना जीवन का भार अपने हाथों में ले लिया.....अपने निर्णय खुद लेने लगा।"

"तुम एक सेक्स मालिक बन गए? "

"हां"

"यह तुम्हारा निर्णय था?"

"हां"

"हार्वर्ड छोड़ने का निर्णय? "

"मेरा था। मुझे इस पर गर्व है।"

"वैसे तुमसे शादी करना मेरा सबसे बेहतर निर्णय था।"

"क्या वह सब जानती थी।"

"हां उसने ही मुझे जार्जिया भेजा था। उसे पता था कि मैं तुम्हारे प्यार में दीवाना हूं।" "उसने सोचा कि तुम डरकर परे हट जाओगी। तुमने यही किया।"

"मैं उस बारे में सोचना तक नहीं चाहती।"

"उसे लगा कि मुझे यही जीवनशैली चाहिए थी।"

"यही सेक्स मालिक वाली।"

"हां.....इस तरह मैं सबको अपने से दूर रखते हुए, उन्हें बस में रख सकता था। विरक्त रह कर भी.."

"तुम्हारी जन्म देने वाली मां?"

"मैं दोबारा चोट नहीं खाना चाहता था। फिर तुम लौट कर चली गई और मेरी हालत खराब हो गई।"

"क्या तुम उस जीवनशैली को याद करते हो?"

"हां मैं याद करता हूं।"

ओह

"पर मुझे उसके साथ जुड़ा नियंत्रण ही याद आता है। देखो तुमने कितनी बेवकूफी दिखा कर साबित किया कि तुम मुझसे कितना प्यार करती हो।"

"क्या तुम समझते हो?"

"हां तुमने मेरे परिवार और मेरे लिए अपनी जान खतरे में डाल दी। तुम मेरे बुरे बर्ताव के बावजूद छोड़कर नहीं गई।"

"तुम समझते क्यों नहीं? मैं तुम्हें कभी छोड़ कर नहीं जा सकती।"

"तुमने सही कहा था। जब तुम्हारे गर्भवती होने का पता चला तो मैं किसी किशोर की तरह पेश आ रहा था।"

ओह शिट! मैंने कह दिया था।

"जब तुमने बेबी का नाम लिया तो मैं घबरा गया कि अभी तो हम दोनों ही छोटे हैं। बच्चों की बात तो भविष्य के साथ थी। वैसे भी मैं जानता हूं कि तुम भी कितनी महत्वाकांक्षी हो। कुछ बनना चाहती हो।

तुमने यह खबर दे कर मेरे पांव तले से जमीन खिसका दी। मैं खुद से, तुम से और सबसे नाराज था और इस भाव के साथ वही भावना जीवित हो गई। जो कहती थी कि कुछ भी मेरे बस में नहीं है। मैं डॉक्टर के पास गया तो वह कहीं गया हुआ था और फिर मैं सैलून चला गया। उसने मुझे शराब के लिए पूछा।

हम एक शांत से बार में चले गए। उसने मुझसे जन्मदिन वाले बर्ताव के लिए माफी मांगी। उसे इस बात का अफसोस था कि मॉम ने उससे सारे नाते तोड़ लिए। इससे उसका सामाजिक दायरा भी सिकुड़ गया। हमने काम की बातें कीं और मैंने बता दिया कि तुम अपने लिए बच्चे चाहती हो।"

"ओह मुझे लगा था कि तुमने उसे यह बताया कि मैं मां बनने वाली हूं।"

"नहीं, मैंने नहीं बताया"

"तो तुमने मुझे बताया क्यों नहीं?"

"मौका ही नहीं मिला। सुबह सो कर उठा तो तुम मिल नहीं रही थीं और इसके बाद तुमने बात नहीं की। खैर, करीब दूसरी बोतल खत्म होने के बाद वह मुझे छूने के लिए झुकी और उसके छूने से पहले ही मैं सिकुड़ गया। मेरी इस अरुचि ने मुझे और उसे, दोनों को ही हैरत में डाल दिया। उसके बाद...। "उसका चेहरा मुरझा गया ओह! ये मुझे क्या बताने जा रहा है।

"उसके बाद उसने मुझे अपनी ओर आकर्षित करना चाहा।"

यह सुन कर तो मेरे होश ही गुल हो गए। ये हो क्या रहा था?

"वह एक पल था। उसने मेरे भाव देखकर जान लिया कि वह अपनी हद पार कर रही थी मैंने इंकार कर दिया। मैंने बरसों से उसके बारे में इस तरह नहीं सोचा। मैंने उसे बताया कि मैं तुमसे यानी अपनी पत्नी से प्यार करता हूं।"

मैं उसे घूरती रही। समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं।

"वह उसी समय पीछे हट गई। माफी मांगी और ऐसा दिखावा किया मानो वह एक मजाक था। उसने कहा कि वह इसाक के साथ मग्न है। उसने कहा कि वह मेरी दोस्ती को याद करती है पर वह यह भी जानती है कि अब मेरी जिंदगी तुम्हारे साथ है। हमने एक-दूसरे को आखिरी विदा दी और मैंने कहा कि मैं उससे दोबारा नहीं मिलना चाहता।"

"क्या तुमने उसे चूमा?"

"नहीं, मैं उसके इतना पास नहीं होना चाहता था।"

"मैं परेशान था। मैं तुम्हारे पास आना चाहता था। पर मैं उसके जाने के बाद भी पीता रहा और मुझे तुम्हारे वे शब्द याद आ गए। तुमने कहा था,' अगर वह मेरा बेटा होता....।' और मैं जूनियर के बारे में सोचने लगा। फिर मैंने सोचा कि मैंने और एलीना ने कैसे शुरूआत की थी। मैं बहुत बेचैन हो गया। मैंने इससे पहले कभी ऐसा नहीं सोचा था।"

मुझे मेरे पति और उसकी मां के बीच होने वाली बात के अंश याद आ गए। जब मैं बेहोश थी तो उन्होंने इस बारे में बात की थी और मेरे पति ने अपनी गलती मानी थी।

"मुझे माफ कर दो"

"क्यों?"

"मैं अगले दिन तुमसे कितनी नाराज थी।"

"एना! तुम मेरी हो। तुम किसी और की हो जाओ। मैं यह सोच भी नहीं सकता।" मैंने उसे अपने आंसुओं के बीच समझाया कि जूनियर भी उसे उतना ही प्यार करेगा जितना मैं करती हूं। फिर मैंने उसे बताया कि बच्चे हमेशा अपने मां-बाप को प्यार करते हैं। चाहे वे जैसे भी हों। जैसे कि वह अपनी मॉम को प्यार करता था। अब भी अपनी मॉम को चाहता था।"

"नहीं।" वह बोला

"हां तुम प्यार करते हो। तुम्हें अपनी जन्म देने वाली मॉम से प्यार है। यह कोई विकल्प नहीं था। तभी तुम इतना पीड़ित महसूस करते थे।"

उसने मुझे खाली निगाहों से ताका।

"तभी तो तुम मुझसे प्यार कर पाए। तुम्हें अपनी मॉम को माफ करना होगा। उसे अपने दर्द का सामना करना था। वह बुरी मां थी और तुम्हें उससे प्यार था।"

ओह प्लीज! बात करना बंद मत करना।

"मैं उसके बालों में ब्रश करता था। वह बहुत सुंदर थी।"

"तुम्हें देख कर ही यह जाना जा सकता है।"

"मुझे डर है कि मैं भी एक बुरा पिता साबित होऊंगा।"

"नहीं एक पल के लिए भी ऐसा मत सोचना। ऐसा कभी नहीं होगा।"

"मि. ग्रे! आप एक जीवट वाले इंसान हैं। तभी तो मैं आपसे इतना प्यार करती हूं।" मैं हैरान थी कि आज उसने मुझे ये सब क्यों बताया। उसने कहा कि शायद वह मुझे वहां बेसुध पड़ा देख डर गया था। या वह पिता बनने जा रहा था। या वह अब मेरे साथ सब कुछ बांट कर अपना भार हल्का करना चाहता था। कारण चाहे जो भी हो पर उसने मुझे सब कुछ बताया। हम प्यार से एक-दूसरे के गले लगे और सो गए।

सुबह करीब आठ बजे आंख खुली तो वह पलंग पर नहीं था।

आज सोमवार है। केवल इतनी इज़ाजत मिली कि मैं रे को देख सकूं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। मेरी तबीयत संभल रही है। मैं उसके पास जाना चाहती हूं। मैंने नहाकर अपने लिए कुछ सेक्सी खोजना चाहा ताकि उसे बहला सकूं। कौन सोच सकता था कि ऐसा आदमी भी इतना अच्छा आत्म-नियंत्रण दिखा सकता है। उसने अपने शरीर को अनुशासित करना सीख लिया है।

मैंने जानकर थोड़ा उत्तेजित करने वाले कपड़े पहने। वह देख कर हैरान रह गया। "ओह एना! कमाल लग रही हो। बस पोशाक थोड़ी छोटी है।"

"हां ऑफिस जाना है।"

"जी नहीं। डॉक्टर के अनुसार आपको एक सप्ताह का आराम चाहिए और मैं भी घर ही रहूंगा ताकि आप अपने को दोबारा किसी मुसीबत में न डाल लें।" उसने नाश्ता करते हुए योजना बनाई कि हम अपना नया घर देखने जाएंगे जिसे इलियट तैयार करवा रहा था। मुझे सुनकर अच्छा लगा।

वह नहाने जाने लगा तो मैंने चुहल की

"मैं पीठ मल दूं"

"नहीं मैम! आप अपना नाश्ता करें।" उसने जाते-जाते अपनी टी-शर्ट उतारी और मुझे अपनी नंगी पीठ दिखाकर चला गया। क्या वह जानकर ऐसा कर रहा था?

कार में उसने देख कर कहा

"मुझे अच्छा लगा कि आपने कपड़े नहीं बदले।"

मैंने एक मुस्कान दी।

मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि वह मुझे तड़पा क्यों रहा है। मैं उसे मिलने के बाद इतने लंबे समय तक सेक्स से दूर नहीं रही। वह सब समझकर भी अनजान बन रहा है। उसकी आंखों में दुष्टता से भरी चमक है।

मैंने भी कह दिया

"ठीक है, मुझे आप हाथ न लगाएं।"

जैसा आप चाहें मिसेज ग्रे!

हद हो गई। मेरी बात तो मुझ पर ही भारी पड़ गई। क्या मैं उसके स्पर्श के बिना रह सकती हूं।

इसके बाद मैंने रास्ते की सुंदरता में अपना मन रमाया और जल्दी हम अपने घर आ गए। मेरे पति ने कोड डालकर मेन गेट खोला। घर का तो रूप ही बदला हुआ है पर ये रूप मुझे पसंद आया।

मैंने क्रिस्टियन को देखा। उसने कंधे झटके। कुछ ही देर में इलियट आ गया। उसने मुझे प्यार से गोद में उठाकर झुला दिया।

"लिटिल लेडी कैसी हैं आप?" उसने प्यार से दुलारा।

घर में चारों ओर काम चल रहा है। यह देख कर अच्छा लगा कि घर की पुरानी महक को बरकरार रखते हुए ही नया रूप दिया जा रहा है। इलियट पूरे दिल से काम कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि हम क्रिसमस तक यहां आ सकते हैं।

"मैं तुम लोगों को कमरे तक छोड़ देता हूं पर संभलकर रहना। यहां बहुत से लोग काम कर रहे हैं।" उसने आंख दबाई।

"पसंद आया?" क्रिस्टियन ने पूछा

"बहुत पसंद आया।"

"गुड! यहां रसोई में कुछ पेंटिंग्स लगा लेंगे।"

"मैं चाहता हूं कि ओसे ने तुम्हारी जो तस्वीरें लगाई थीं। उन्हें यहां लगा दूं। जगह तुम चुन कर बताना।"

"नहीं-नहीं! उन्हें मत लगाना।"

"ओह एना! वे बहुत सुंदर हैं।"

"तुम्हें भूख लगी है?"

"उम्मीद करता हूं कि आने वाले कुछ ही माह में हम तीनों यहां पिकनिक मनाने आ सकते हैं।" उसने प्यार से दुलारा।

ओह! अब ये मेरी तरह सपने देखने लगा है।

उसने मेरे पेट पर हाथ फेरा

"मुझे तो यकीन नहीं होता। यहां एक बेबी है।"

मैंने अपने पर्स से अपने ब्लिप की वह पहली तस्वीर निकाल कर उसे दिखाई। "तुम्हारा बच्चा।"

"हमारा बच्चा"

"पहला"

"हां कईयों में से पहला"

"कई बच्चे?" उसने हैरानी से कहा

"हां कम से कम दो।"

"दो बच्चे! "

"क्या एक बार में एक को पाल सकते हैं?" उसने चुहल की

हम आज तीसरी बार पिकनिक मनाने आए हैं। मैं वहीं कंबल पर पड़ी सुस्ता रही हूं और वह जूते और जुराबें उतार कर घास का मजा ले रहा है। मिसेज जोंस को पिकनिक की बहुत अच्छी तैयारी करनी आती है।

इसी दौरान वेल्क का फोन आया और उसके चेहरे के भाव बदल गए। उसे जानकारी मिली कि हाइड की जमानत मिसेज रॉबिन्सन के एक्स ने दी थी।

उसने बताया कि जब वह इक्कीस साल का था तो लिंकन ने अपनी बीबी की बहुत बेरहम तरीके से पिटाई की थी। यहां तक कि उसके हाथ पांव भी तोड़ दिए थे क्योंकि वह उसके साथ शारीरिक संबंध बना रही थी। वह कुछ सोच कर बोला

"अब मुझे समझ आया कि उसने एक ऐसी आदमी की जमानत दी जिसने मेरे घर में सेंधमारी की। मुझे मारना चाहा। मेरी बहन का अपहरण किया और मेरी पत्नी की खोपड़ी तोड़ने में देर नहीं की। अब बदला चुकाने का वक्त आ गया है।

"ओह एना! मैं अक्सर बदला लेना पसंद नहीं करता पर अब उसे इसी तरह छोड़ नहीं सकता। वह कल को हमें किसी भी तरह से नुकसान कर सकता है। मैं उसे धंधे में दिवालिया बना कर ही दम लूंगा।"

मैं उसे प्यार से देख कर मुस्कुराई।

"मैं अपने घर-परिवार को सुरक्षित रखने के लिए कुछ भी कर सकता हूं।"

ओह! उसने मेरे पेट को अपने हाथों से छुआ। अब वह भी बेबी के प्यार को महसूस करने लगा है। हम दोनों

भावुक हो कर गले से लग गए और एक गहरे चुंबन में खो गए।

मैं उसे पाना चाहती हूं। मेरे शरीर का रोम-रोम उसके लिए तरस रहा है। मैंने उसकी शर्ट का बटन खोलना चाहा तो उसने डपट दिया।

"नहीं एना! मत करो"

"मैं तुम्हें पाना चाहती हूं।"

"तुम जब गुस्सा होते हो। मुझे तब भी तुम पर प्यार आता है।"

इस तरह बातों ही बातों में हम बहकते चले गए और उसने मेरे वक्षों को अपने हाथों से सहलाया।

वे उसके स्पर्श के लिए तरस रहे हैं। उसने निप्पल को दांतों में हल्का सा दबाया और उन्हें चूसने लगा। मैंने एक सिसकारी भरी

"एना! तुम्हारा शरीर बदल रहा है।"

"हां, ये बेबी के लिए तैयार हो रहा है।"

वह मेरे वक्षों के साथ खेलता रहा और मैं आनंद की लहरियों में डूबती-उतरती रही। अचानक ही मैं बहुत ही उत्तेजित हो गई। मैं चाहती थी कि उसी समय उसके कपड़े उतार दूं और उसके साथ एक हो जाऊं।

"ओह एना! तुम्हें सब्र रखना सीखना होगा इतनी जल्दी क्या है।"

"मैं और सब्र नहीं कर सकती। मैं जाने कब से तुम्हारे लिए अधीर हो रही हूं।" मैंने शर्ट के बटन खोले और उसकी छातियों पर चुंबनों की बौछार कर दी।

वह बेदम हो उठा। "तुम यह सब यहां करना चाहती हो?"

"हां।" मैंने हौले से कहा। मेरा स्वर प्यार और वासना से भरपूर था।

"ओह एना! " उसने मुझे गोद में इस तरह बिठा लिया कि मेरी इच्छा पूरी की जा सके। वह मुझे अपने भीतर समा कर धीरे-धीरे झूमने लगा। वह कुछ भी ऐसा नहीं करना

चाहता जिससे मेरे शरीर को किसी भी तरह की ठेस लगे या चोट आए इसलिए उसने मेरी तेजी दिखाने की विनती भी ठुकरा दी। उस दिन उसके प्यार और दुलार के बीच शरीर के सुख का आनंद और भी दुगना हो गया। ऐसा लग रहा था मानो वह मेरी पूजा कर रहा हो।

उसने मुझे अपनी छाती से सटा लिया। मैं आंखें बंदकर उसके एहसास क़ो महसूस करने लगी। मैंने उसे चूमा और नाक सहला दिया।

"बेहतर लग रहा है?" उसने चूमकर पूछा

"बेहतर।" तुम बताओ।

"मिसेज ग्रे मुझे आपकी बहुत याद आई।"

"मुझे भी! "

"वादा करो कि फिर कभी अपनी बहादुरी नहीं दिखाओगी। अपनी जान से नहीं खेलोगी।"

"मैं वादा करती हू।"

पिकनिक से आए दो दिन हो गए और वह अब भी मुझसे ऐसे पेश आ रहा है मानो मैं कांच की बनी हू। मैं घर से ही काम कर रही हू। अचानक ही कुछ मस्ती करने की सूझ गई। वह आज पियानो पर बड़ी मीठी धुन बजा रहा है। मैं भागकर अपने कमरे में गई और अंतर्वस्त्रों को छोड़ कर बाकी सब उतार कर एक कैमीसोल से शरीर ढक लिया। दराज से उसकी प्लेरूम जींस ली और प्लेरूम के दरवाजे से अंदर जाकर
घुटनों के बल बैठ गई। मैंने वहा से उसे मेल किया:

फ्रॉम: एनेस्टेसिया ग्रे
सब्जैक्ट: मेरे पति की खुशी
डेट: 21 सितंबर 2011 20:45
टू: क्रिस्टियन ग्रे
सर
आपके निर्देशों की प्रतीक्षा में हू।
मिसेज ग्रे

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: टाइटल पसंद आया बेबी
डेट: 21 सितंबर 2011 20:45
टू: एनेस्टेसिया ग्रे
मिसेज ग्रे
मैं आपको खोजने आ रहा हू।
तैयार रहो
क्रिस्टियन ग्रे

सैंतीस सैकेंड के बाद दरवाजा खुला। वह अंदर आया और अपनी जींस पहन ली। "तो तुम खेलना चाहती हो"

"हां"

"हां क्या?"

"जी सर"

"गुड गर्ल"

"बेहतर होगा कि हम यहा से बाहर चलें। वह मुझे प्लेरूम के दरवाजे के बाहर ले गया और बालों से पकड़कर चूम लिया। फिर उसने अंदर जाने का संकेत किया और मैं जाकर वैसे ही बैठ गई। जैसा कि उसने सिखाया था।

उसकी आंखें प्यार, वासना और शरारत से भरी थीं।

जीसस....इस इंसान के साथ जिंदगी में कभी नीरसता नहीं आ सकती। मैं इससे प्यार करती हू। यह मेरा प्यार, मेरा पति है। मेरे बच्चे का पिता है। डोमीनेंट...सेक्स मालिक.....मेरा फिफ्टी शेड्स!!!!!

उपसंहार

बिग हाउस, मई 2014

मैं पिकनिक कंबल पर लेटी हूं मेरे सिर पर सुंदर और नीला आसमान तना है। मेरे आसपास सुंदर से फूल और हरी घास दिख रही है। गर्मियों की दोपहर की धूप मेरे पूरे बदन को सहला रही है। ये सब कितना आरामदायक है। नहीं ये तो अद्‌भुत है। मैं उस पल का आनंद ले रही हूं, भरपूर आनंद ले रही हूं जो पूरी तरह से संतुष्टि से भरपूर है। मुझे इस आनद व संतोष को अनुभव करने के लिए अपराधबोध अनुभव होना चाहिए पर ऐसा कुछ भी तो नहीं हो रहा। मेरा जीवन बहुत ही बेहतर, अच्छा और संतोषजनक है और मैंने इसे सराहना व अपने पति की तरह वर्तमान में जीना सीख लिया है। मैं मुस्कुराई और मेरा ध्यान एस्काला वाले घर में बीती पिछली रात की ओर चला गया।

फ्लॉगर मेरी त्वचा को सहलाकर सनसनी पैदा कर रहा था और मैं प्लेरूम में हाथ बंधवा कर उसका आनंद ले रही थी।

क्रिस्टियन ने पूछा, "क्या तुम इसका भरपूर मजा ले चुकी हो।"

"हां, सचमचु! सर। "मैंने कहा

उसने मेरी त्वचा पर अपन हाथ रखा और उसे हौले से सहलाया।

"यहां, यहां, यहां।" उसके शब्दों में कितनी कोमलता भरी है। उसके हाथ यहां-वहां मंडरा रहे हैं। अंगुलियां अपना जौहर दिखा रही हैं।

मैंने सिसकारी भरी।

"मिसेज ग्रे।" उसने उसांस भरी और अपने दांतों से मेरी कनपटी को हौले-हौले कुतरने लगा।

"आप तो तैयार हैं।"

उसकी अंगुली मेरे भीतर के उस एक बिंदु को बार-बार सहला रही है, दबाव दे रही है। और उसका एक हाथ लगातार मेरे पेट व वक्ष को छू रहा है। मैं तनाव में हूं। इस स्पर्श ने मुझे कितना संवेदनशील बना दिया है।

"शी...." उसने कहा और धीरे-धीरे मेरे वक्षों से खेलने लगा। उन्हें दांतों से कतरने लगा आह

उसकी अंगुलियां....मेरे वक्षों को जाने किसी आंनदलोक में ले गई हैं। मैंने अपना सिर झुकाया और स्वयं को उसके हवाले कर दिया।

"मुझे तुम्हारे मुंह से निकलते ये सुर बहुत भाते हैं।" उसका उभार नितंबों पर महसूस हो रहा है। उसकी अंगुलियां एक ही ताल में अपना काम जारी रखे हुए हैं। क्या मैं तुम्हें इसी तरह आगे ले चलूं। उसने हौले से पूछा

"नहीं।"

उसकी अंगुलियां वहीं थम गईं।

"हां, मिसेज ग्रे! यह आपकी मर्जी है।"

"नहीं सर! मैं ऐसा नहीं चाहती।"

"यही बेहतर होगा।"

"प्लीज सर! "

"एनेस्टेसिया! तुम क्या चाहती हो??"

"सर आपको।"

"तुम भी कमाल हो।"

उसने मेरी पट्टी खोली और अपनी वही अंगुलियां मेरे मुंह में डाल दीं ताकि मैं भी अपना स्वाद ले सकूं।

उसने कहा, "इन्हें चूसो।"

ओह! उसकी अंगुलियों से मेरा अपना स्वाद भी कितना भा रहा है।

उसने एक ही पल में मेरे बंधन भी खोल दिए। अब मेरा मुंह दीवार की ओर है। फिर उसने मुझे चोटी से पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। उसने मेरा सिर अपनी ओर खींचा और गर्दन से कानों तक चुंबनों की बौछार करता चला गया।

"मैं मुख मैथुन चाहता हूं।" उसने कहा और मैं पलट कर उसके होंठों से जा लगी। जी भरकर उसके होंठों, गालों व छाती को चूमा और मुख मैथुन के लिए तैयार हो गई। जब वह इस रूप में आनंद लेता है। अपने मुंह से सिसकारियां निकालता है तो मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे अच्छा लगता है कि मैं उसे इस रूप में खुशी दे सकती हूं। मैं गर्भ से हूं और वह इस बात का पूरा ध्यान रखता है कि हमारे सेक्स के कारण होने वाले बेबी को या मुझे कोई दिक्कत न हो। वह सेक्स के दौरान ऐसी मुद्राएं अपनाना पसंद करता है, जिनमें मेरे पेट पर दबाव न पड़े। उस दिन भी हम इसी तरह अपना खेल खेल कर संतुष्ट होकर लेट गए और बातें करने लगे।

क्रिस्टियन बोला, "मेरी बिटिया कैसी है?"

"बहुत मजे में है। नाच रही है।"

"यह तो बहुत अच्छी बात है।"

"हां, उसे अभी से सेक्स पसंद आने लगा है।"

क्रिस्टियन ने बुरा सा मुंह बना लिया।

"क्या हुआ?"

"उसे कह दो कि कम से कम तेरह-चौदह साल तक तो इस बारे में सोचे भी नहीं" "अच्छा जी! अपनी बेटी की बहुत चिंता हो रही है।"

"होगी ही। मैं उसका पिता जो बनने वाला हूं।"

"बेशक हमारे घर में बेटी ही होगी। मैं फिर से तुम्हारे वक्षों से झरने वाली अमृतधारा का स्वाद चखना चाह रहा

हूं।"

"वैसे तुम भी मेरे सेक्स के इस अंदाज को पसंद करने लगी हो न?" उसने पूछा "हां! क्रिस्टियन मैं भी इसे पसंद करने लगी हूं। उसने मुझे कसकर चूमा और अपने

गले से लगा लिया। तो सेक्स के निराले अंदाज भाते हैं मेरी पत्नी को! "

जी हां! मैं इन निराले अंदाजों को और तुम्हें बहुत पसंद करती हूं।"

मैं अपने बेटे की किलकारी सुन झटके से उठ गई। हालांकि मुझे वह और क्रिस्टियन दोनों ही कहीं दिखाई नहीं दे रहे। मैं अपने-आप ही हंस दी। टैड जाग गया और अपने पापा के साथ आसपास ही घूम रहा है। मैं वहीं लेटी रही। क्रिस्टियन बड़े ही धैर्य से उसे संभाल लेता है। मेरा नन्हा डरना ही नहीं जानता और उसके पापा हमेशा की तरह उसकी और मेरी चिंता में अधमरे होते रहते हैं। मेरा प्यारा-सा, सबको अपने वश में रखने वाला फिफ्टी!

"चलो मम्मी को खोजें। वह यहीं-कहीं बाग में होगी।"

टैड ने कुछ कहा और वह खिलखिला कर हंसने लगा।

यह एक जादुई सुर है जिसमें एक पिता का उल्लास छिपा है। मैं अपने को रोक नहीं सकती। मैंने घास में लेटे-लेटे उन्हें खोजने की चेष्टा की।

क्रिस्टियन उसे झुला रहा है। तभी उसने अचानक उसे हवा में उछाला और फिर लपक लिया। ओह! मेरी तो जान ही निकल गई थी।

"फिल से पापा....."टैड ने कहा और उसके पापा ने उसके लिए फिर से वही खेल दोहराया। क्रिस्टियन ने उसके गाल को चूमा और उसे गुदगुदाने लगा। टैड जोर-जोर से हंसने लगा। क्रिस्टियन ने उसे जमीन पर छोड़ दिया।

दो साल का टैड और उसके पापा बिल्कुल बच्चों की तरह खेल रहे हैं और वे मेरे पास आ पहुंचे।

"मम्मी! " वह मुझे देखते ही मेरी ओर लपका।

"माई बेबी! " मैंने उसे गोद में भरकर चूम लिया। वह हंसने लगा और मुझे चूम लिया। "हैलो मम्मी! " क्रिस्टियन मुझे देखकर मुस्कुराया।

"टैड! मम्मा पर उछल कूद मत करो।" उसने टैड को कहा। उसने अपनी जेब से फोन निकाल कर उसे दे दिया इस तरह हम पांच मिनट तक शांति से बैठ सकते हैं। टैड बड़ी गंभीरता से फोन को देख रहा है। जब उसके पापा अपने ई-मेल देखते हैं तो उनकी भी यही मुखमुद्रा होती है। मेरा बेटा, अपने पापा की गोद में शांत बैठा है। पूरी दुनिया में मेरे सबसे प्यारे दो मर्द!

बेशक हर मां को अपना बेटा दुनिया में सबसे प्यारा दिखता है और क्रिस्टियन क्या किसी से कम है। कभी-कभी सोचती हू कि मैंने ऐसा क्या पुण्य किया होगा कि मुझे अपने जीवन में इतना सब कुछ मिला।

"मिसेज ग्रे! कैसी हैं?"

"बिल्कुल ठीक मि. ग्रे! "

"मम्मा सुंदर है न?" उसने टैड से पूछा और उसने उसे परे धकेल दिया। अभी उसे फोन में ही रस आ रहा है।

"तुम इससे पार नहीं पा सकते।" मैं हंसने लगी।

"मैं जानता हूं। यकीन नहीं आता कि कल ये दो साल का हो जाएगा।" उसने मेरे पेट के उभार पर हाथ रख कर कहा

"हमारे घर में बहुत सारे बच्चे होने चाहिए।"

"कम-से-एक और तो होना ही चाहिए।" मैंने भी अपने उभार पर हाथ फिराया। "मेरी बिटिया कैसी है?"

"शायद सो रही है।"

"हैलो मि. ग्रे व एना।" टेलर की दस साल की बेटी सोफ़ी दिखाई दी।

"सोफी।" टैड उसे पहचानकर लपका। अब उसने फोन भी फेंक दिया।

"क्या मैं इसे एक पॉप्सीकल दे दूं। मुझे मिस गेल ने दिए हैं।" उसने कहा

"हां। अरे ये तो बहुत गंदा कर देगा"

"पॉप! " टैड तो पहले से ही तैयार है। सोफी ने उसे पिघला हुआ पॉप्सीकल पकड़ा दिया।

"एक मिनट रूको। "मैंने उसके हाथ से लिया और उसे चूस लिया ताकि उसका रस उसके कपड़ों पर न गिरे।

"मेला है।" टैड ने विरोध जताया। मैंने उसे पॉप चूसने को दिया तो उसके चेहरे की मुस्कान लौट आई।

"क्या हम घूमने जाएं।" सोफी बोली

"हां क्यों नही।"

"ज्यादा दूर मत जाना। "

"नहीं मि. ग्रे! "वह बड़े ही प्यार से टैड को अपने साथ ले गई।

"क्रिस्टियन! चिंता मत करो। वैसे भी वह उससे बहुत घुला-मिला हुआ है। " मैं उसकी गोद में खिसक गई। मीठी-मीठी बातों के बीच ही उसने मेरे काम करने की

बात उठा दी। वह नहीं चाहता कि मैं काम पर जाऊं पर मेरा काम बहुत अच्छे से चल रहा है। मैंने उसे बताया।

"ग्रे पब्लिशिंग का एक लेखक न्यूयॉर्क टाईम्स की बेस्टसेलर लिस्ट में है। बॉयस फॉक्स की किताबें खूब बिक रही हैं। ई-बुक्स में हमने खूब नाम कमाया है और अब मेरे आसपास वैसी ही टीम है, जैसी मैं चाहती थी।

"और तुम खूब पैसा बना रही हो। "उसने गर्व से कहा

"हां जी"

"पर मैं चाहता हूं कि तुम नंगे पांव मेरी रसोई में काम करो और मेरे लिए बच्चे पैदा करो।"

मुझे भी अच्छा लगता है। मैंने आगे झुक कर उसे चूम लिया। मूड अच्छा है, मुझे बात करनी चाहिए।

"तो तुमने नाम के बारे क्या फैसला किया"

"एना! मैं कह चुका हूं मैं अपनी बेटी का नाम अपनी मां के नाम पर रखने के लिए तैयार नहीं हूं। उसका नाम एला नहीं हो सकता।"

"क्या तुम पक्का कह रहे हो?"

"हां। एना! मेरी बेटी को मेरे अतीत से दूर रहने दो।"

"अच्छा सॉरी! मैं उसे नाराज नहीं करना चाहती।"

तुमने मुझसे यह भी कहलवा लिया कि मैं उससे प्यार करता हूं और तुम मुझे उसकी कब्र पर भी ले गई। क्या यही काफ़ी नहीं है।

"अरे नहीं।" मैंने उसे गोद में खींचा और उसका सिर अपनी बांहों में ले लिया। "सॉरी! गुस्सा मत करो।"

इसके बाद हम एक-दूसरे को चुंबन देने के खेल में मग्न हो गए

"ओह मिसेज ग्रे! मैं आपका क्या करूं?"

"कुछ न कुछ तो सोच ही लेंगे।" मैंने मुस्कुरा कर कहा।

"तो अभी कुछ हो जाए "

"क्रिस्टियन??"

मैंने हैरानी से कहा तभी टैड के रोने की आवाज सुनाई दी। वह चीते की सी फुर्ती से भागा और मैं उसके पीछे आराम-आराम से चल दी। बेशक मैं उसकी तरह चिंतित नहीं हूं। यह ऐसी चीख नहीं थी जिसके लिए इतना परेशान हुआ जाए। उसका बेटा रोते हुए जमीन पर इशारा कर रहा था। दरअसल उसका पॉप गिर गया था।

"मैं भी खा चुकी हूं वरना इसे अपने साथ खिला लेती। "सोफी ने उदासी से कहा। "वो रहा। "टैड ने गंदे पॉप की ओर इशारा किया

"मेरा बेटा! रोना बंद करो। हम मिसेज टेलर से और ले कर आते हैं।"

"चलो मिसेज टेलर के पास चलें।"

क्या पापा आपको उठा लें। पापा को भी आपके पॉप का टेस्ट करना है। उसने अपनी अंगुलियां क्रिस्टियन के मुंह में डाल दीं और वह उसकी शरारत पर मुस्कुराने लगा।

"हम्म.....ये तो बहुत स्वाद है।"

"सोफी गेल कहां है?"

"वे बिग हाउस में हैं।"

हम दोनों टैड का हाथ थामकर चल दिए और टेलर को देख कर हाथ हिलाया जो आज छुट्टी पर है और अपनी

मोटर बाइक की सेवा कर रहा है क्रिस्टियन एक स्नेही पिता की भूमिका बहुत अच्छे से निभा रहा है। वह रात को अपने बेटे को कहानी सुना कर सुलाता है। हमारा परिवार बहुत सुखी है और अचानक ही मेरे दिमाग में उसके जन्म की घटनाएं कौंध जाती हैं।

"मिसेज ग्रे! आप पिछले पंद्रह घंटे से प्रसव पीड़ा में हैं। हमे आपका ऑप्रेशन करना ही होगा ।" डॉक्टर ग्रीन ने कहा मैंने अपने परेशान पति का हाथ थामा और उसे दिलासा दिया। मैं बस सोना चाहती हूं। मैं चाहती हूं अपने बेबी को जन्म देने के बाद गहरी नींद सो जाऊं। ओ टी में जाते ही मुझे घबराहट होने लगी। अचानक कितने लोग जमा हो गए। मैं अपने पति को पास चाहती थी। उसने मुझे संभाला

"एना तुम कितनी बहादुर हो। तुम्हें कुछ नहीं होगा। सब ठीक हो जाएगा।"

वह दर्द सहन नहीं हो रहा था। मैं पस्त हो चुकी थी। मेरा पति दिलासा तो दे रहा था पर उसके चेहरे का डर भी छिपा नहीं रहा। वह परेशान था। मुझे कुछ बताया नहीं जा रहा था पर उसे देखकर लगता था कि कोई न कोई बात तो थी।

जब आंख खुली तो मेरे घर में जूनियर आ चुका था। जब वह उसे मेरे पास लाया और हमने मिल कर जूनियर का माथा चूमा तो वह मेरी जिंदगी का कभी न भूलने वाला यादगार दिन था। वह कितना सुंदर था। मैं तो रोने लगी।

"थैंक्स एना! देखो हमारा बेटा।" उसकी आंखों में भी आंसू थे।

हमने अपने अगले बच्चे का नाम भी चुन लिया। हालांकि यह बात अलग है कि हमें नहीं पता कि बेटा होगा या बेटी पर हम उसे फोबी कह कर बुलाएंगे।

कल टैड का जन्मदिन है। वह दो साल का हो जाएगा। उसके पापा ने उसके लिए बड़ी-सी लकड़ी की गाड़ी मंगवाई है। उसे डर है कि बेटे को पसंद भी आएगी या नहीं। हमारे घर में दावत होगी। रे, ओसे, ग्रे परिवार और केट व इलियट के साथ उनकी दो माह की बेटी अवा भी आने वाले हैं। गाड़ी ने पूरे कमरे को घेर लिया है।

मैं केट की प्रतीक्षा में हूं। देखना यह है कि वह मां बनने कर कैसा महसूस कर रही है। क्रिस्टियन ने मुझे वह सब कुछ दिया है। जिसका उसने वादा किया था। बेशक कहीं कोई कमी नहीं है। उसने प्यार से मुझे बांहों में भर लिया। मैंने कहा

"नज़ारा सुंदर है न"

"बहुत सुंदर"

देखा तो वह मुझे देखकर कह रहा था। मैं लजा गई।

"मिसेज ग्रे! मैं बाहर के नहीं, अपने घर के इस प्यारे नज़ारे की बात कर रहा हूं।" "यह मेरा प्यारा घर है"

"आई लव यू मिसेज ग्रे"

"आई लव यू क्रिस्टियन। हमेशा-हमेशा।"

शेड्स ऑफ क्रिसमस

फिफ्टी का पहला क्रिसमस

मेरे स्वेटर से नएपन की गंध आ रही है। सब कुछ नया है। मेरे पास नई मॉम है। वह एक डॉक्टर है। उसके पास एक टेलीस्कोप है जिससे दिल की धड़कन सुन सकते हैं। वह बहुत ही दयालु और प्यारी है। वह हमेशा मुस्कुराती रहती है।

"क्या तुम पेड़ को सजाने में मेरी मदद करना चाहोगे, क्रिस्टियन! "

कमरे में बड़ा-सा पेड़ है। मैंने ऐसा पेड़ पहले कभी नहीं देखा। मेरे इस नए घर में बहुत से काउच हैं। मेरे घर में तो एक ही था।

मेरे नई मम्मा बहुत प्यारी है। उसमें से बहुत अच्छी खुशबू आती है। उसने प्यार से मेरे बालों में हाथ फेरा।

तभी वहां लिलियट आ गया। उसे भी गोद लिया गया है। वह बहुत बोलता है। हमेशा बोलता रहता है। मैं नहीं बोलता। मेरे शब्द मेरे दिमाग में रहते हैं।

उसके पास मेरी मम्मा के लिए एक तस्वीर है। जो उसने स्कूल में बनाई है। उसकी तस्वीर में दोनों भाई और मम्मी-पापा हैं। तस्वीर में वह हंस रहा है और मैं उदास मुंह बनाए खड़ा हूं।

तभी डैडी आ गए। मुझे उनकी आवाज बहुत अच्छी लगती है। उन्हें देख कर अच्छा लगा कि हमने अच्छा पेड़ चुना है। मैं मॉम के साथ मिलकर पेड़ सजाता हूं। हमें पेड़ की सजावट करना अच्छा लगता है। तभी वे मेरे हाथ में एक घंटा देती हैं। मैं उसे बजाता हूं। मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। उनके चेहरे पर भी बड़ी मुस्कान आ जाती है। वे मेरी मुस्कान देखकर खुश हैं।

मेरे बच्चे की मुस्कान कितनी प्यारी है। मुझे इसे देखना पसंद है। उन्होंने फिर से मेरे बाल सहला दिए। हम मिल कर पेड़ पर घंटी टांगने लगे।

"क्रिस्टियन! तुम्हें जब भी भूख लगे तो तुम अपनी मॉम को बता सकते हो। मॉम तुम्हें हाथ थामकर किचन में ले जाएगी और खाने को देगी।" उन्होंने कहा मैंने सारा मैकरोनी और चीज खा लिया है। वह बहुत स्वाद था।

मैंने मन ही मन उन्हें हामी दी। मैं शब्दों का प्रयोग बहुत कम करता हूं।

पेड़ बहुत सुंदर लग रहा है। उसकी सजावट देखने लायक है। मैं पेड़ पर स्टार लगाना चाहता हूं। डैडी लिलियट को उठा रहे हैं और वह स्टार टांग रहा है। पर मैं यह नहीं चाहता कि कोई मुझे इस तरह उठाए। मुझे ये पसंद नहीं है।

वहां एक पियोना भी है। मेरी नई मॉम मुझे पियानो को हाथ लगाने देती है। वह बहुत ही प्यारा है। मुझे उसकी आवाज बहुत अच्छी लगती है।

"क्या मैं इसे तुम्हारे लिए बजा सकती हूं।" बेटा मैंने हामी दी और उनकी अंगुलियां काली व सफेद कीज़ पर नाच उठीं।

उन्होंने एक बदसूरत डक का गाना गाया और मुंह से आवाजें निकालीं। लिलियट भी हाथों को पंखों की तरह फैलाकर नाचा। वह बहुत मस्ती करता है। हम तीनों मिलकर खूब हंसे।

मुझे एक स्टॉकिंग मिली है। उस पर मेरा नाम लिखा हैं। वे कह रहे हैं कि सेंटा सबको उपहार देगा पर मुझे तो

पहले कभी नहीं मिला। वह गंदे बच्चों को कुछ नहीं देता। मेरी नई मॉम को यह पता नहीं चलना चाहिए कि मैं गंदा बच्चा हू या मुझे पहले कभी उपहार नहीं मिला।

शाम को सेंटा ने हमें उपहार दिए। मुझे एक हैलीकॉप्टर और कार मिली है। मेरा हैलीकॉप्टर उड़ भी सकता है। वह पूरे घर में घूम रहा है। यह सबके कमरों के आगे से हो कर निकलता है। यह पूरे घर में घूम सकता है। यह मेरा घर है। यह वह घर है, जहां मैं रहता हू।

फिफ्टी शेड्स से मिलिए

सोमवार, 9 मई 2011

"कल मिलते हैं।" मैंने अपने ऑफिस की दहलीज पर खड़े बेस्टिल को कहा। उसकी आंखों में चमक है। उसे पता है कि गोल्फ में उसकी जीत सुनिश्चित है।

मैंने उसे जाते हुए देखकर मुंह बनाया। उसके शब्दों ने मेरे जले पर नमक का काम किया। आज जिम में पता चला कि मेरा पर्सनल ट्रेनर मेरी प्रगति से नाखुश है। अब इसे मुझे नीचा दिखाने का एक और मौका चाहिए। ये गोल्फ का मास्टर है। मुझे ये खेल पसंद नहीं पर इस दौरान काफी काम की बातें हो जाती हैं इसलिए खेलना ही होता है। वैसे भी उसके साथ खेलकर, खेल में कुछ सुधार तो हो ही रहा है।

मैंने बाहर देखा तो पाया कि मेरा मूड सिएटल के आसमान की तरह सलेटी व उदास दिखा। मुझे अपना मन भटकाने के लिए कोई साधन चाहिए। सारा वीकएंड काम करने के बाद मन अशांत है।

मेरे दिमाग में काम की कुछ और बातें घूमने लगीं और तभी याद आया कि मुझे मिस कावना के साथ इंटरव्यू भी तो करना है। ऐसा मूड और इंटरव्यू! दरअसल मैंने ही हामी भरी थी। उसके पिता मेरे साथ काम करते हैं और आगे चलकर अच्छा काम मिलने की संभावना दिखी थी।

फोन पर एंड्रिया ने बताया

सर! कोई मिस एनेस्टेसिया स्टील आपसे मिलना चाहती हैं।

स्टील? कोई मिस कावना आना चाहती थीं।

हां! उन्होंने इन्हें भेजा है।

मैंने बुरा-सा मुंह बनाया।

अंदर भेज दो।

बेशक मैं मिस कावना को देखना चाहता था कि बाप की बेटी दिखने में कैसी है पर उसने तो कहानी ही खत्म कर दी।

दरवाजे पर अचानक ही लंबे बालों, मरियल हाथ-पैरों और भूरे जूतों वाली एक आकृति दिखाई दी। मैंने आंखें नचाई और अभी कुछ कहना ही चाहता था कि वह मेरे ही दरवाजे पर चारों खाने चित्त जा गिरी। मैंने उसके कंधों से थामा और खड़ा करने की कोशिश की।

उसकी शर्मिंदगी से भरी नीली आंखें मुझसे टकराई। ओह कितनी मासूम आंखें हैं। मानो मेरे भीतर तक उतर कर सब जान लेंगीं। ऐसा लगा मानो उसने मेरे भीतर को नंगा कर दिया हो। उसे देखकर लग रहा था मानो कोई गुलाब का फूल मुरझा गया हो।

मुझे ये बातें नहीं करनी चाहिए। मैंने खुद को फटकारा पर उसकी आंखों में अपने लिए प्रशंसा के भाव भी पढ़ लिए थे।

ग्रे! थोड़ी मस्ती हो जाए।

हैलो मिस कावना! मैं क्रिस्टियन ग्रे। क्या आप ठीक हैं। क्या आप बैठना चाहेंगी। "मिस कावना नहीं आ सकीं इसलिए उन्होंने मुझे भेजा है। उम्मीद करती हू कि आप

बुरा नहीं मानेंगे, मि. ग्रे! "

"और आप?" उसकी आवाज़ में खनक थी और पलकें लगातार फड़फड़ा रही थीं। "एनस्टेसिया स्टील। मैं केट....कैथरीन...मिस कावना के साथ डब्लयू एस यू वैंकूवर में

इंग्लिश लिटरेचर पढ़ रही हूं।"

"ओह अच्छा!" घबराई हुई किताबी कीड़ा टाइप की लग रही है। इसके कपड़े तो देखो। जैसे कपड़े पहनने की तमीज ही नहीं है। वह मुझे छोड़कर ऑफिस का हर कोना देख रही है। क्या मजे की बात है।

ये लड़की पत्रकार कैसे हो सकती है? इसके पास दृढ़ता नाम की चीज नहीं है। इसे तो बड़े ही आराम से कोई अभी बांदी बना सकती है। विनीत व आज्ञाकारी! *ओह....मेरी सोच कहां जा रही है।* वह मेरे ऑफिस की पेंटिंग्स देख रही है।

"एक स्थानीय कलाकार, ट्रॉटॉन।" मैंने उसकी नज़रों को वहां मंडराते देखकर कहा। "ये तो बहुत सुंदर हैं। आम को भी खास बना कर पेश किया है।" उसने हौले से कहा

मानो उस कला की खूबसूरती में खो गई हो। बेशक उसे देखकर भी यही कहा जा सकता है। *आम को भी खास बना दिया गया है।*

इसके बाद उसने बैग से डिजीटल रिकॉर्डर निकाला और अपनी पूरी बेहाली के साथ उसे दो बार मेज पर गिरा बैठी। मैं इंतज़ार करता रहा और वह शर्मिंदा होते हुए लजाती रही। मैंने किसी तरह अपनी खीझ और मुस्कान को दबाना चाहा।

"सॉ....री। मैं अकबका गई। मैं इन चीजों की आदी नहीं हूं। "

कोई बात नहीं। वैसे तुम अभी पूरा समय ले सकती हो क्योंकि मेरा पूरा ध्यान तुम्हारे मुंह पर टिका है।

"अगर मैं आपके जवाब रिकॉर्ड कर लूं तो आप बुरा तो नहीं मानेंगे?"

"आप इतनी मुश्किल से टेपरिकॉर्डर सेट करने के बाद मुझसे ये बात पूछ रही हैं?" मैंने कहा- "नहीं, मुझे बुरा नहीं लगेगा।"

"क्या केट यानी मिस कावना ने आपको बता दिया कि इंटरव्यू किसके लिए है?" "हां। इस साल मैं ही ग्रेजुएशन समारोह में डिग्रियां देने वाला हूं इसलिए इसे स्टूडेंट

न्यूजपेपर के ग्रेजुएशन संस्करण में डाला जाएगा।"

समझ नहीं आता कि मैंने इस काम के लिए हामी क्यों दी। मुझे कहा गया था कि यह एक आदर की बात है। उनका एक विभाग अपने लिए प्रचार चाहता है। मेरे जाने से उन्हें प्रचार और दानराशि मिलेंगे ताकि वे मेरे द्वारा दी गई दानराशि मिलाकर कुछ काम कर सकें।

"मेरे पास कुछ सवाल हैं। मि. ग्रे!" उसने बालों की आगे आई लट को संवारा। "मैंने सोचा कि तुम्हारे पास होने

चाहिए।"

"आपने छोटी-सी उम्र में ही इतना बड़ा एंपायर खड़ा किया है। आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहते हैं?"

ओह क्या बोरिंग सवाल है।

"मिस स्टील! बिजनेस का सीधा संबंध लोगों से है और मुझे लोगों की बखूबी परख है। मुझे पता है कि उन्हें क्या पसंद है, क्या नापसंद है। वे क्या चाहते हैं, उनकी प्रेरणा क्या है या उनसे काम कैसे लिया जा सकता है। मेरे पास एक असाधारण दल है और मैं उन्हें अच्छा पुरस्कार भी देता हूं।" वह रुका और मुझे अपनी सलेटी आंखों से पल भर के लिए घूरा। "किसी भी स्कीम में सफलता पाने का एक ही मंत्र है कि आपको उसके बारे में छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बात की जानकारी होनी चाहिए........ मैंने ये सब पाने के लिए कड़ी मेहनत की है।" मैंने जो मुंह में आया बक दिया पर मिस स्टील मेरे लिए यह सब किसी खेल से कम नहीं है। कंपनियों को खरीदना बेचना। किसी बंद पड़े व्यवसाय को चलाना। किसी भी परियोजना से लाभ कमाना। यह सब मेरे बाएं हाथ का खेल है।

"हो सकता है कि ये किस्मत का ही खेल हो।" उसने कहा

"मिस स्टील! मैं चांस या किस्मत में विश्वास नहीं रखता। मैं जितना परिश्रम करता हूं, किस्मत उतना ही मेरे हक में हो जाती है। आपको अपने दल के लिए सही लोगों के चुनाव और उनकी ऊर्जाओं को सही दिशा में लगाने की कला आनी चाहिए। शायद हार्वे फायरस्टोन ने कहा था- लोगों की वृद्धि और विकास ही नेतृत्व के लिए आवश्यक है। "

"आप तो एक नियंत्रित करने वाले सनकी जैसे लगते हैं।" मैं उसके शब्द सुन कर चौंका "ओह, मिस स्टील! मैंने सब कुछ काबू में रखने का अभ्यास किया है।" उसने चेहरे

पर हास्य लाए बिना कहा। *मैं अभी और यहीं...तुम पर भी यही सब आजमाना चाहता हूं।* "वैसे भी जब आप मानकर चलते हैं कि आपमें नियंत्रण की क्षमता है तो अपने-आप

बल आ जाता है।"

"क्या आपको लगता है कि आपके पास असीम बल है?" उसने पूछा

"मिस स्टील! मैं चालीस हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता हूं। इससे मुझे एक तरह की जिम्मेवारी और ताकत का एहसास होता है। अगर मैं तय कर लेता कि मैं टेलीकम्यूनिकेशंस के काम को बेच दूं तो उसी समय बीस हजार लोग अपने अगले महीने की किस्तें चुकाने के लिए सोच में पड़ जाते।" वह लड़की जानबूझ कर मुझे भड़काने के लिए ऐसे सवाल पूछ रही थी। क्या मैं उसकी सपाटबयानी, हिम्मत और आकर्षक रवैए से खीझ रहा हूं?

"क्या आपको बोर्ड को जवाब नहीं देना पड़ता।" उसने भी हिम्मत नहीं हारी। "मैं अपनी कंपनी का मालिक हूं। मुझे किसी बोर्ड को जवाब नहीं देना होता।" इसे

ये बात पता होनी चाहिए थी।

"क्या काम के अलावा भी आपकी कोई रुचियां हैं?"

"मिस स्टील मेरी रुचियां कई तरह की हैं, बहुत अलग तरह की!" मेरे प्लेरूम में, मेरे साथ उस लड़की की कई तरह की मैथुन मुद्राएं मेरी आंखों के आगे नाच गई। ओह! मुझे इन बातों को सोचना बंद करना होगा। कहीं मुंह से कुछ और न निकल जाए।

"पर आप इतनी मेहनत करते हैं तो मन बहलाव के लिए क्या करते हैं?"

"मनबहलाव?" *इसे क्या पता कि मेरे पास कितनी कंपनियां हैं। मुझे चिलआउट करने के लिए वक्त ही कहां होता है। इसे क्या बताऊं कि मैं मनबहलाव के लिए क्या करता हूं। इसके जैसी लड़कियों को अपने घुटनों के नीचे.....*

"वैसे मनबहलाव के लिए मैं कई तरह की शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेता हूं। हवाई जहाज उड़ाता हूं। मिस स्टील! मैं एक पैसे वाला आदमी हूं और मेरे शौक भी काफी खर्चीले हैं।"

"आपने निर्माण में निवेश किया है। कोई खास कारण?" उसने पूछा।

"मुझे चीजें बनाना पसंद है और मुझे पता है कि वे कैसे काम करती हैं। कैसे उन्हें बनाया या बिगाड़ा जाता है। मुझे पानी के जहाज भी पसंद हैं। और क्या कहूं?"

"ऐसा लगता है कि आप तर्क और तथ्यों की बजाए दिल से सवालों के जवाब दे रहे हैं। " उसने हैरानी से मुझे देखा।

"हो सकता है। हालांकि कई लोग तो ये भी कहते हैं कि मेरे पास दिल है ही नहीं।" "वे ऐसा क्यों कहेंगे?

क्योंकि वे मुझे अच्छी तरह जानते हैं।" दरअसल मुझे एलीना के सिवा कोई अच्छी तरह नहीं जानता। ये लड़की कितनी अजीब है। इसे हम विरोधाभासों से भरपूर भी कह सकते हैं। *वैसे मानना पड़ेगा कि पट्ठी जबरदस्त चीज़ है।*

"क्या आपके दोस्तों के हिसाब से आपको जानना आसान है?"

"मिस स्टील! मुझे अपनी प्राइवेसी पसंद है और मैं अक्सर इतनी आसानी से इंटरव्यू भी नहीं देता। मुझे अपनी गोपनीय बातें दूसरों के साथ बांटना पसंद नहीं है।"

"तो आपने इसके लिए हामी क्यों दी?"

"...क्योंकि मैं यूनिवर्सिटी को चंदा देता हूं और लाख चाहने पर भी मिस कावना से पीछा नहीं छुड़ा सका। वह लगातार मेरे पी आर वालों को कोंचती रही और मुझे ऐसी लगन अच्छी लगती है।"

वैसे यह बात और है कि उसकी जगह तुम आ गई। मजा आ गया।

"आपने खेतीबाड़ी की तकनीकों में भी पैसा लगाया है। आपने इस क्षेत्र में निवेश क्यों किया?"

"हम पैसा नहीं खा सकते। मिस स्टील, इस ग्रह पर बहुत से लोग ऐसे हैं, जिन्हें दो वक्त की रोटी भी पेट भर कर नहीं मिलती। "

"ये तो बड़ी ही दरियादिली है। क्या सचमुच आप दुनिया के गरीब भूखों का पेट भरना चाहते हैं?"

उसने कंधे झटके।

"ये तो बिजनेस है।" मैं उसके सवालों से खीझकर मन ही मन कल्पना कर रहा था कि अगर उसे सही प्रशिक्षण

दे दिया जाए तो वह कितने काम की साबित हो सकती थी।

"क्या आपकी कोई फिलॉसफी है? अगर है तो क्या है?"

"मेरी अब तक कोई फिलॉसफी नहीं है। हो सकता है कि कारनेगी का नियम मेरे लिए आदर्श का काम करता हो: जब कोई व्यक्ति अपने मन को पूरी क्षमता के साथ संभालने की योग्यता रखता है तो वह किसी भी चीज को अपने वश में रख सकता है। मैं भी कुछ ऐसा ही हूं। मुझे खुद पर और आसपास की चीजों पर नियंत्रण रखना पसंद है।"

"क्या आप सभी चीजों को अपने वश में रखना चाहते हैं?"

"हां, काफी हद तक कह सकते हैं।"

"ऐसा लगता है कि कोई उपभोक्ता बोल रहा हो।" इसे देख कर तो लगता है कि कोई बिगड़ैल रईसजादी है पर कपड़े देखो तो कोई और ही कहानी कहते हैं।

"हां, मैं वही हूं।" मन ही मन अंदाज लगाने लगा कि अगर उसे अपनी सेक्स गुलाम बनाया जाए तो कैसा रहे। अभी सूसान के साथ दो माह भी नहीं हुए और मैं इस भूरे बालों वाली लड़की के लिए लार टपकाने लगा। क्या करूं, ये है ही इतनी प्यारी।

"क्या आपको गोद लिया गया था? आपको क्या लगता है कि इस बात का आपकी परवरिश पर कितना असर पड़ा?" ये क्या सवाल हुआ। अगर ऐसा न होता तो मैंने कब का दम तोड़ दिया होता।

"मेरे पास जानने का कोई तरीका नहीं है।"

"जब आपको गोद लिया गया तो आपकी उम्र क्या थी?"

इसे रोकना होगा। ये बहुत आगे बढ़ रही है।

"आपको अपने काम के लिए पारिवारिक जीवन का त्याग करना पड़ा होगा?" "ये तो कोई सवाल नहीं है।"

"सॉरी!"

"क्या आपको काम के लिए अपने पारिवारिक जीवन का बलिदान करना पड़ा?" "मेरा एक परिवार है। मेरा एक भाई, एक बहन और स्नेही माता-पिता हैं। मैं अपने

परिवार को उससे अधिक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता।"

"क्या आप समलैंगिक हैं, मि. ग्रे?"

मैं तो यकीन नहीं कर सकता। इसने अपने मुंह से ये बात निकाली कैसे? यह सवाल तो कभी मेरे परिवार ने पूछने की हिम्मत नहीं की। इसने कैसे पूछ लिया। दिल में आया कि इसे अपने घुटनों पर उल्टा लिटाकर नितंबों पर फटकार लगा दूं। फिर हाथ बांध कर यहीं अपनी मेज पर इसके साथ....। तभी इसे मेरे सवाल का जवाब मिल जाएगा। कैसी पकाऊ औरत है। मैंने गहरी सांस ली। शायद वह खुद भी सवाल पूछकर अचकचा गई है। "नहीं एनस्टेसिया, मैं नहीं हूं।"

"मैं माफी चाहती हूं......ये यहां लिखा था।"

"ये तुम्हारे अपने सवाल नहीं हैं?"

मेरे सिर में खून जैसे जम गया।

"अर्र....र। नहीं। केट-मिस कावना। उसने सवाल तैयार किए हैं। "

"क्या आप दोनों उस अखबार के लिए काम करती हैं?"

"नहीं, हम दोनों एक ही कमरे में रहते हैं। "

"क्या आप अपनी मर्जी से इस इंटरव्यू के लिए आई हैं?" उसने पूछा

"मुझे इसलिए भेजा गया क्योंकि वह बीमार थी।"

"अच्छा तो अब समझ आया। "

तभी दरवाजे पर आहट हुई और एंड्रिया अंदर आई।

"मि. ग्रे! सॉरी, पर आपकी अगली मीटिंग दो मिनट में शुरु होने वाली है।" "एंड्रिया! अभी ये इंटरव्यू खत्म नहीं हुआ। तुम वह मीटिंग रद्द कर दो।" *मैं अभी मिस*

स्टील के साथ मग्न हूं।

एंड्रिया ने सकुचाहट के साथ घूरा। फिर उसका चेहरा गुलाबी हो गया।

"तो हम कहां थे, मिस स्टील?

"प्लीज! मुझसे कुछ मत छिपाना"

अब मेरी बारी है। मैं इन मासूम आंखों के पीछे छिपे सारे राज़ जानना चाहता हूं। "मैं सब कुछ जानना चाहता हूं।" अपने बारे में बताओ।

"ज्यादा जानने के लिए कुछ नहीं है। "

"ग्रेजुएशन के बाद क्या करना चाहती हो?"

"मि. ग्रे! अभी कोई योजना नहीं बनाई। बस पहले पेपर देने हैं।"

"हमारे यहां के इंटर्नशिप प्रोग्राम भी अच्छे होते हैं।" *ओह मैंने क्यों कह दिया। क्या मैं वह नियम भूल गया कि स्टाफ के साथ कभी कोई गड़बड़ नहीं करनी।*

"ओह! मैं याद रखूंगी। वैसे पता नहीं कि मैं यहां के लिए फिट भी हूं या नहीं। "आपने ऐसा क्यों कहा

"ये तो साफ ही है। है न?"

"मुझे तो समझ नहीं आया।"

"क्या आप चाहेंगी कि मैं आपको आसपास सब दिखा दूं?" मैंने पूछा

"नहीं, मुझे यकीन है, मि. ग्रे! आप भी व्यस्त होंगे और मुझे काफी दूर जाना है।" "आप गाड़ी चला कर वैंकूवर वापिस जाएंगी?"

"जी हां।"

"आपको ध्यान से गाड़ी चलानी होगी। क्या आपको सारा मैटर मिल गया?" ओह वह इस मौसम में गाड़ी चला कर इतनी दूर जाएगी। मैं कुछ कर भी नहीं सकता।

"हां सर!"

"मि. ग्रे! इंटरव्यू के लिए थैंक्स! "

"मुझे खुशी हुई।"

जैसे ही वह उठी तो मैंने अपना हाथ आगे कर दिया।

"मिस स्टील! हमारे अगली बार मिलने तक बाय!" हां, मैं इस लड़की को अपने प्लेरूम में चाहता हूं। मुझे इससे खेलना है।

"मि. ग्रे! उसने हौले से गर्दन हिलाई और झट से बाहर चल दी।

"मिस स्टील! बस यही देख रहा था कि आपको दोबारा उठाने की नौबत न आए।" "मि. ग्रे! थैंक्स!" उसके चेहरे पर गुलाबी रंग छा गया।

मैं उसके पीछे ही चल दिया। मैं हैरान था कि क्या कर रहा हूं और एंड्रिया और ओलिविया की हैरानी का भी अंत नहीं था।

"क्या आपका कोट था"? मैंने पूछा

"एक जैकेट"

ओलिविया लपक कर उसकी जैकेट ले आई । मैंने उसे उसके कंधों पर डाल दिया। हम्म कोट वालमार्ट का है। इसे तो और अच्छे कपड़ों में होना चाहिए। वह मुझे स्पर्श

से सिहर रही है। कह सकते हैं कि वह भी मुझसे प्रभावित है। मैं खुश हो गया

मैंने लिफ्ट का बटन दबा दिया और वह वहीं चुपचाप भौंचक्की खड़ी रही। दरवाजा खुलते ही वह उस ओर झपटी।

"एनस्टेसिया!" मैंने अलविदा देते हुए कहा

"क्रिस्टियन!" उसने भी जवाब दिया। ओह वह चली गई और मेरा नाम वहीं हवा में तैरता रह गया। सुनने में अजीब पर सेक्सी लगता है।

वेल्क को फोन लगाओ

मैं इस लड़की के बारे में और जानना चाहता हूं।

मैंने कमरे में जा कर पेंटिंग्स को देखा तो उसकी बात याद आ गई। आम को खास बना कर पेश किया गया है। यह लाइन तो उसके लिए ही कही गई है।

वेल्क हेलो! हां मुझे एक बैकग्राउंड चेक करवाना है

एनेस्टेसिया रोज स्टील

डीओबी	सितंबर 10, 1989, मोंटीसेनो, डब्ल्यू ए
पता	1114, एसडब्ल्यू ग्रीन स्ट्रीट, अपार्टमेंट 7,
	हैवन हाईट्स, वैंकूवर, डब्ल्यू ए 98888
मोबाइल नंबर	360 959 4352
सोशल सिक्योरिटी नंबर	987 65 4320
बैंकिंग विवरण	वेल्स फारगो बैंक वैंकूवर डब्ल्यू ए 98888,
	खाता नंबर : 3093611 683.16 डॉलर बैलेंस
पेशा	अंडरग्रेजुएट छात्रा
	डब्ल्यू एसयू वैंकूवर कॉलेज ऑफ लिबरल
	आर्ट्स- इंग्लिश मेजर
जीपीए	4.0
पिछली शिक्षा	मोंटीसेना जेआर-एसआर हाई स्कूल
एसएटी स्कोर	2150
रोजगार	क्लेटन हार्डवेयर स्टोर
	एनडब्ल्यू वैंकूवर ड्राईव, पोर्टलैंड, ओआर, अल्पकालिक
पिता	फ्रेंकलिन ए लैंबर्ट
	जन्म 1 सितंबर, 1969 मृत्यु: 11 सितंबर 1989
माता	कारला मे विल्क्स एडम्स
	जन्म 18 जुलाई 1970
	विवाह फ्रेंक लैंबर्ट
	मार्च 1, 1989, विधवा: 11 सितंबर 1989
	विवाह: रेमंड स्टील
	6 जून 1990, तलाक 12 जुलाई 2006
	विवाह- स्टीफन एम मोरटन
	16 अगस्त 2006 तलाक 31 जनवरी 2007
	विवाह: एम रॉबिंस एडम्स, बॉब
	6 अप्रैल 2009
राजनीतिक झुकाव	कोई नहीं
धार्मिक झुकाव	कोई नहीं
सेक्सुअल ओरियेंटेशन	पता नहीं
संबंध	वर्तमान में कोई नहीं।

मैंने पिछले दो दिनों में इस जानकारी पर सैंकड़ों बार नजर मारी होगी ताकि एनेस्टेसिया के बारे में और पता लग सके। यह मेरे दिमाग पर छाई हुई है। मैं पिछले दो दिन से लगातार अपने इंटरव्यू को मन में दोहराता आ रहा हूं। उसकी कांपती अंगुलियां। बालों की लट को पीछे करना। अपने होंठ काटना! ओह उसे कैसे भूल सकता हूं।

और अब, मैं क्लेटन आ गया हूं। ताकि उसे देख सकूं। वह यहीं काम करती है। *ग्रे! दिमाग खराब है। कर क्या रहा है?*

मुझे पता था कि मुझे यहां आना ही होगा। मुझे पता था कि पिछले पांच दिन से उसकी याद में तरसने के बाद मुझे आना ही होगा। अब डर यह है कि मैं उससे जो चाहता हूं। शायद वह उसके लिए हामी न दे क्योंकि उसकी उम्र बहुत कम लगती है। क्या वह एक अच्छी सेक्स गुलाम बन सकती है?

उसके बारे में कुछ खास पता नहीं लगा कि उसका कोई पुरुष मित्र है या नहीं। वह सेक्स के बारे में क्या विचार रखती है। ओह। उसे दिमाग से निकालना इतना मुश्किल क्यों हो रहा है मैं उन नीली आंखों को देखने के लिए तरस रहा हूं। काश उसे और जानने का मौका मिल जाए। दिल करता है कि मुझे भी यहीं काम मिल जाए।

ग्रे! इतनी दूर आ ही गया है तो देख ले कि वह आज भी उतनी ही आकर्षक दिख रही है या नहीं।

स्टोर तो बहुत बड़ा है। यहां-वहां नजर डालते ही वह एक कंप्यूटर पर झुकी दिख गई। वह कुछ कागजों का मिलान करते हुए अपना बैगल खा रही है। अचानक ही मुंह के कोने में कुछ कतरे लगे तो उसने उन्हें अंगुली से साफ करके अपनी अंगुली चूस ली। *ओह! मैं तो....गया काम से। शिट ग्रे! तू चौदह साल का छोकरा नहीं है कि लड़की देखी और हो गई....। संभल जरा।* वह अपने काम में मग्न है इसलिए मुझे उसे देखने का मौका मिल गया। मुझे देखते ही वह सुन्न-सी पड़ गई।

"मिस स्टील! वाह क्या सरप्राइज है!"

"मि० ग्रे!" वह हौले से बोली

"मैं इसी इलाके में था। कुछ सामान चाहिए था इसलिए चला आया।" मैंने सफाई दी। मिस स्टील! तुम्हें देख कर अच्छा लगा।" वह आज टाईट टी-शर्ट और जींस में कमाल दिख रही है। जी कर रहा है कि उसका खुला मुंह बंद कर दूं। *मैं इतनी दूर से उड़ान भरकर तुमसे मिलने आया हूं और तुम जिस तरह मुझे देख रही हो। वह मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।*

"एना, मेरा नाम एना है। मि. ग्रे! मैं आपकी क्या मदद कर सकती हूं?" उसने एक गहरी सांस के साथ एक फीकी मुस्कान दी जो वह अक्सर सभी ग्राहकों को देती होगी।

"मुझे कुछ चीजें चाहिए। पहले मुझे केबल टाई चाहिए।"

"तार ?"

मिस स्टील! मैं आपको यह दिखाकर हैरत में डाल सकता हूं कि ये किस काम आती हैं।

"हमारे पास ये कई लंबाई में हैं। आपको दिखाऊं?"

वह सादी चप्पलों में है। इसे तो सब कुछ ब्रांडेड ही पहनना चाहिए। कितनी गजब की दिखेगी।

"वे बिजली के सामान के साथ आठवें रैक पर हैं।

"पहले आप चलें।"

उसमें तो वे सभी गुण हैं जो एक सेक्स गुलाम में चाहिए। प्यारी, विनम्र और सुंदर। पर सवाल यह पैदा होता है कि क्या वह हामी देगी। हो सकता है कि वह जीवनशैली के बारे में कुछ न जानती हो। पर मैं उसे बताना तो जरूर चाहूंगा।

"क्या आप काम के सिलसिले में पोर्टलैंड आए हैं"

"मैं डब्लयूएसयू के खेतीबाड़ी विभाग में आया था। ये वैंकूवर में स्थित है। मैं वहां फसल बदली और मशदा विज्ञान के शोध के लिए कुछ चंदा दे रहा हूं। "

"अच्छा आपके दुनिया को भोजन देने वाले प्लान का हिस्सा है?"

क्या ये मेरा मजाक उड़ा रही है। अगर ऐसा कर रही है तो जल्द ही इसकी जुबान बंद करनी होगी। पर शुरुआत कैसे हो? डिनर या एक और इंटरव्यू?

मैंने लंबी वाली तारें चुनीं। उनसे हाथ व पैर आसानी से बांधे जा सकते हैं।

"कुछ ऐसा ही है।"

"ये ठीक रहेगा।" "क्या कुछ और भी है?""

"मैं मुह पर चिपकाने वाली टेप लेना चाहता हू।

मास्किंग टेप?"

"क्या आप घर को सजा रहे हैं?"

"नहीं, ऐसा नहीं है।"

"यहां... वह इस तरफ रखी है।"

ओह ग्रे! इसे बातों में लगा। तेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है।

"क्या यहां काफी समय से काम कर रही हो?"

"चार साल। वह बोली।"

"मैं ये वाली लेता हूं।"

"कुछ और?"

"शायद थोड़ी रस्सी।"

"यहां!"

"आप कैसे रस्सी लेना चाहते हैं- फिलामेंट रस्सी, ट्वाइन या केबल कॉर्ड।" "मैं पांच मीटर नेचुरल फिलामेंट रस्सी लूंगा।"

उसने खूबसूरती से रस्सी काट कर मेरे हवाले कर दी।

"क्या तुम गर्ल स्काउट थीं?"

"मि. ग्रे! इस तरह की सामूहिक और संगठित गतिविधियां मेरे बस की नहीं हैं।" उसने एक भौं नचाई

"तो आप क्या करती हैं, एनस्टेसिया?"

"किताबें।" वह हौले से बोली।

"कैसी किताबें

"ओह! वही आम। क्लासिक। ब्रिटिश साहित्य, खासतौर पर।"

ओह रोमानी किस्म की किताबें। ये तो अच्छी बात नहीं है।

"आपको कुछ और चाहिए?"

"आप और क्या सलाह देंगी?"

"भला मैं क्या सलाह दे सकती हू?

"मैं क्या सलाह दूं। मुझे तो पता भी नहीं कि आप क्या काम कर रहे हैं?"

"आप खुद कुछ करने जा रहे हैं?"

"कवरऑल। जी हां।"

"जी, अगर आप काम करेंगे तो एप्रन या कवरऑल पहनने से आपके कपड़े खराब नहीं होंगे।" उसने अपनी सफाई दी।

"मैं तो उन्हें हमेशा उतार कर ही काम करता हूं। "

"मैं कुछ एप्रन ले ही लेता हूं। सच कहीं कपड़े न खराब हो जाएं। "

"क्या आपको कुछ और चाहिए।" उसने नीले एप्रन देने के बाद कहा।

"लेख कैसा चल रहा है?"

"मैं इसे नहीं लिख रही। कैथरीन, मिस कावनाग इस पर काम कर रही हैं। वह मेरे साथ रहती है और एक लेखिका है। वह इस लेख से बहुत खुश है। वह अखबार की संपादिका है और उसे अफसोस है कि वह निजी रूप से आपका इंटरव्यू नहीं ले सकी। बस उसे यही चिंता है कि उसके पास आपकी कोई मूल तस्वीरें नहीं हैं।"

जब से हमारी मुलाकात हुई है। उसने अपनी ओर से सबसे पहला वाक्य यही कहा है। "वह किस तरह की तस्वीरें चाहती है?"

"मैं कल भी यहीं हूं..."

"अगर आप फोटोशूट करवाना चाहें तो.... " ओह मुझे स्टील के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। टेलर या इलियट को बोल कर कपड़े और लैंप यहीं मंगा लूंगा।

"मैं कल के बारे में देख लेता हूं।" मैंने पीछे की जेब से पर्स निकाला। मेरा कार्ड। इसमें मेरा सैल नंबर है। सुबह दस से पहले फोन कर लेना। "

"ओ के।"

"एना!"

अचानक ही कोने से एक नौजवान निकला और एना की ओर बढ़ा। *अब ये बेहूदा कौन आ गया?*

"एक मिनट के लिए माफी चाहूंगी। मि. ग्रे।"

मेरे गुस्से का अंत नहीं है। कमीने अपने पंजे इस लड़की से दूर रख। हरामी कहीं का। मेरी मुट्ठियां भिंच गई।

"एना! तुम्हें देख कर कितना अच्छा लगा।"

"हैलो पॉल! कैसे हो? भाई के जन्मदिन के लिए आए हो न?"

"हां, एना! तुम कितनी अच्छी दिख रही हो।" उसने एना के कंधे पर हाथ रख लिया। साफ दिख रहा है कि वह उस पर दांव आजमाना चाहता है। मैं इसकी चाल कामयाब नहीं होने दूंगा।

"पॉल! मैं एक ग्राहक के साथ हूं। तुम भी उनसे मिलना चाहोगे।"

"पॉल! ये क्रिस्टियन ग्रे हैं। मि. ग्रे, ये पॉल है। ये इन्हीं के भाई का स्टोर है।" "मैं जब से यहां काम कर रही हूं, तब से इसे जानती हूं। हालांकि हमारी ज़्यादा मुलाकात

नहीं होती। यह इन दिनों प्रिंसटन में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कर रहा है। मैं ज्यादा ही बक गई।"

"मि. क्लेटन! "

"मि. ग्रे!" पॉल ने हाथ आगे किया। "ओह! अच्छा कहीं आप ग्रे एंटरप्राइजिज होल्डिंग के मि. ग्रे तो नहीं?"

मैं वही हूं गधे!!!

"वाउ! क्या मैं आपकी कोई और मदद कर सकता हूं?"

"एनस्टेसिया मदद कर रही है। मि. क्लेटन। ये काफी अच्छे से सब संभाल रही हैं।" "कूल!" पॉल ने कहा।

"कुछ और मि. ग्रे?"

"बस यही दे दीजिए।" ओह बस तीन चीजें ली हैं और अभी यह भी तय नहीं हुआ कि हमारी दोबारा मुलाकात होने वाली है या नहीं। मैं इसे कैसे पूछ सकता हूं? मैं एक ऐसी लड़की को सेक्स गुलाम बनाने की सोच रहा हूं। जो शायद इस बारे में कुछ नहीं जानती। ऐसा तो पहली बार होने जा रहा है।

मैंने रस्सी, एप्रन, टेप और केबल तार वगैरह सब एक साथ रखे।

"प्लीज़ इनके लिए तैंतालीस डॉलर हो गए। क्या आप बैग लेना चाहेंगे?" उसने मेरा क्रेडिट कार्ड लेते हुए पूछा

"प्लीज़ एनस्टेसिया।"

"अगर फोटोशूट करवाना हो तो मुझे कॉल करना।"

"ठीक है, फिर कल मिलते हैं, शायद। ओह एनस्टेसिया! मुझे खुशी है कि मिस कावनाग इंटरव्यू के लिए नहीं आ सकी। मैंने बैग को कंधे पर झुलाया और स्टोर से बाहर आ गया।

हां, चाहे जो भी हो। मैं इसे अपने लिए चाहता हूं। अब मुझे बस दोबारा इसके लिए इंतजार करना होगा। और कुछ नहीं कर सकता।

समाप्त... अभी के लिए

धन्यवाद, धन्यवाद, पढ़ने के लिए पाठकों का बहुत-बहुत धन्यवाद

ई एल जेम्स